

## ७७। | ५गात'त्र <u>चेत्र'</u> प्रस्ति स्थान्य स्थान

अइन्याया प्रकाले वाम्याया

## र्गारःळग

ळॅं ५ अ से दि अ से अ अ अ में दिव इस सम् निव निव ।
क्रन्सदेः ब्रन्सं वार्यं वार्यम् हिवार्यः न्रन्ते वर्षे वाः क्रियः वस्रुवः या 5
ळॅ८.अ.योधेश.शे.योटश.टुश.संतु.चिय.स.यक्षेत्.सा
ত্র্ব:শ্রুব:মর্ব্রম্ব:মা
<b>周カ、劉カ、野水、ヤエ、カ・タフ、ギリ</b>
नेवे-नन्न मीर्था कर्ना या विश्वास्त्र स्थान स्था
सर्देश है अ भी मिल्य मिल्य मिल्य स्था अ स्था मिल्य मिल्य मिल्य मिल्य स्था मिल्य मिल्
सर्विः हेशः ग्रीः ग्वियः ग्रुः हिंग्या सङ्ख्यायः यहेवः वयः
চ্বিস'ম'শ্বুব'ক্ট্মা
नियायायक्षेत्रःयाविष्ठः स्वायायाः ग्रीः स्वदः स्वदः स्वद्यः स्वायाः स्वायाः स्वायाः ॥ 75

याशुस्र याठेया यो ग्राह्म रहेश श्चेर प्रयाया था
মৃত্যা-মূ-ম্-ইম-ট্র-গ্রমা-চ্-ব্যামা-মা
ळॅ८.बाट्याट्याट्याट्या. क्रि.क्रिट.क्रिट.वी.बाट्ट.ची.वाट्ट.ची. व्याट्ट.ची.वाट्ट.च
₹ <u>7</u> 'ম'দেক <u>7</u> 'ম।
<b>₹</b> 5.শ.৴থাবা.না 82
वर जुर से ह्या यदे वर्षे अ देव कु अ यर यन् प्रा
सर्वि-श्रुस्राक्ष्यं स्थि स्थित् स्यास्य वित्राक्ष्यं वित्र स्थित् स्थित् । 116
सर्वि-श्रुस्राक्ष्यं स्थितः स्थितः त्या वित्ताः हिताः वर्षेताः तस्रुदः स्था ११८
यर्दिन शुया कर् या रिवा पित्र हो हो या करित हो र
ह्रिया:च्राय:र्र्जुव:या
न्नरः में अर्देव शुअ न १ न ।

सर्दिर निष्ठ्रव है निष्ठ ।
ही. र्रेव । प्रश्नास्त्र स्वरं । स्वरं । स्वरं । स्वरं । या वर्षा ।
ক্রম'মম'সপ্ <b>র'</b> মা
ही देव विश्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त
ক্র্বের্শ্যান্ট্রশ্রেশ্রেশ্রেশ্র্রশ্র্যান্ত্রশ্রা
र्ट्रश्रेन्यव्यक्षःह्र्याःयाद्वेषःयःयन्त्रपा
वर्षे अर्दे द व व अर्हे ग्राग्यु अप य व व द्राप्त ।
ग्वियाग्रु: न्दः संदेशः ग्रुदः नः दक्ष्यः ॥
र्गेट्ट्रिन्न्ट्रिक्ट्रिक्ट्र्य्यश्चिः इस्यावियाः
तवर्'राषे'श्रुप'ग्रेर्'पा
র্ন্ন ক্রেম্য নান্ট্র মান্য ত্র স্থান্য ব্যা

ब्रे-र्नेत्रावर्गसान्त्रम्यास्त्रे-र्वरः नुज्ञस्यः कुलः	
ন্ট্রশ্নতব্-দুস্ব-দা	302
ब्रे-र्नेब्रावर्शन्त्रम्यः स्वे-र्वरः तुः श्रुर्थः स्वान्त्रः स्वान्तः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्	
মাষ্ট্ৰ মান্য ব্ৰ হৈ শ্ৰুবানা	312
र्त्वे क्ष्यामित्र स्व प्रमुन प्रदे से मार्थ सम्बन्ध मा	312
र्त्वे स्क्रीत्र क्षेत्र स्वा क्षुत्र स्वर्थ स्वा क्षा स्व त्र स्वा क्षा स्व त्र स्वा क्षा स्व त्र स्वा क्षा स्व	313

tenzinwoser638@gmail.com

रिनम्बुम्यानर्गिरःश्चेमाना रे

19171921mmallazq172917 (321944)

ने भूर लेख नर में र कंद सासदि ने दि त्व पकद हो द हो । न्यगाने न्यन्त्रभा हैं सायर न्या नवत हैं ग्रास्त्र नाया न्वें न्या है। खेतुःगहेशः परः स्वान्ति। सर्केनः वर्हेनः स्वार्यः वर्त्वः स्वार्यः न्रिंशायकन् केन्। ने प्यम् विवासम् खेतु वासुसारास्य सिर्धित शुस्रायेतुःवळन् पराग्चेन्ने। क्षुन्नन् र्ह्मेषा क्षेत्रन् र्वेत् ग्रीसाळन् यदे यद्यत्र हेर् ग्री नसूत्र नर्डे या नत्र प्रते कु हे या शु र्या पा प्र स्र इस्रायम् नव्याया प्राप्ता क्षेत्र प्रमेव ग्रीस्य यास्य स्वर्ग स्वरंग स्व ८८.सूर्यातक्तातवु.क्र्यायाश्चायाव्यः स्वायाः श्च-वाक्षेत्राग्री से सामित्रा के दार्ग के दार्ग का विकास के सामित्रा के दार्ग के दा सहर त्रा रक्षा कर सदे सक्त सक्त केर सी प्राप्त कर सिन्। सहर त्रा किरास कर सिन्। मावया गुरमिहेश भुरावेश गुराय सँग्राय राम स्वया पाये विश गश्रम्यामदे भ्रम वक्षम् ख्राण्यम् वेषा मेना म्याम्यामदे । क्रीं न्यापकन्याधिन है। भूमा कन्यान्न नेवे यक्त हैन ग्री नमून नर्डेशन्यायार्ययायम्हियायाह्मस्यायान्वे हे। यदे हे ब्राह्माया

व्यान्यम् ह्रियायान्या अळ्वाकेनात्या व्यान्यम् ह्रियायान्य ह्रियाया यार्थियाः सम्माहिताः सम्माहिताः सम्भानितः सम्भ र्ये ग्राम्यायाये मान्यम् हिमापानयया नवे भ्रिमा मान्या ग्रामिश्रा भ्रिमा विश्वानु न्या से वार्या से स्था विश्वान । विश्वान स्था से वा नरःहिनाःमःनर्याः नही यदःन्नाः मदेः नेर्याः मदेः ग्रद्यः महा हिन्द्र हिन्युयाद्र वर्षा वर्षा सुदे खुया इसमायदे दे या रे विया म्राम्यायायम् हिंगायायययायायि हे हि हि स्यायायि साहित्र हि ले या हा नर्दे। वेश मशुर्श रावे धेरा विं द रो येतु वरेर र कर सवे ग्रार्थ देश श्रेग्र नमून मार्ने व सेन मुन्य वर्ते मार्क मार्थ सक्त हिन र्स्व रावे भेरा वेश है। भूरा गय हे र्क्ष रायवे अर्क्ष हेर स्व रायर हो द्रायाया महस्याया से प्राया से द्राया देवा से द्राया में द्राया मे द्राया में द्राया गश्रम्भ। याध्याक्षे। करायदे सक्त क्षेत्र क्षायम प्राप्त हिंग्य मदे भ्रेम पुरे के तु परे मार्थ मार्थ में मार्य नश्रुवा क्रन् सदे त्र्राश्चार्य प्राप्त नश्रुव सदे हिन नम् वि क्रा नश्च यश वर्ने मः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः विः स्वतः न्याना हैयायानियाय प्रयानिया है। क्रिया स्याया हैया स्याप्त स्याप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्

धरानश्रवाधावाधावितावित्रे स्वराम्यान्या स्वरास्त्र ने भिंति व हिन व वहुण पर देश राये हिर् वेश ग्रास्ट्र है। देव वेश येतुःवरीरःळद्रायायायदिवःहेरामाहेराद्रायायायायायायावया ठुः अर्देव शुराया थे श्वापाद्या विष्या शुराया थे श्वापाद्या विषय शुरो था नर्न्न मृत्र हेट। यदेव शुयाने र्रा वी वावण ग्रु यदेव शुराया थे शु न-१८। इस-१५माने स्टामी मालया चार्मे मा शुराया से सुन राम सूत मश्रीर रर मी प्रविष्य हा या मर र दे भी सु निर्देश के साम रही सिर यक्षव हेर र हें गया व्या वेया पर्दा गयर र से सुर परे केया पर यर्दि हेश गिरेश से से रायकेंद्र से त्या है। यर्दि हेश गिरेश गा दे धिव मित्रे श्री में हो। सुमा साधिव है। दे वे सक्व है द स्या मम द्या मित्रे र्नेव उव धेव परे धेर में। यर्व शुया पर हे या शुर प्यापा पर पा पर वे श्रेश्वानानित्रस्व नित्रमित्र मित्र धरा ग्रुप्तरा शुराया देवे के दे त्या या बाव पाये या कवा है दा या है या खिदा मास्रीत्र त्रासळ्त्र हिन् याडिया या हिन् प्रसायान यो साने सळें त्र प्रमानु प्रस तुर्यास्य प्रमुद्रा ने भूरावासळवा हेना विवा वीर्यासळें वासरा से वुर्या मवे भ्रेर में नुशे नवे क्षें नुश नक्ष्र न सक्त क्षेत्र हो नुश नुश नक्ष्र

न्माह्र भारत्यामान्यान्यात्रात्री सुदि सळ्व हेन् याडे या विन्या धीत है। न्र्रिंशः र्वे त्या या है सामा से सुर ना धेन स्वे से ही मा बे सा से या सामा सा सा मवे भ्रेम महिरामाने हिमारा मवे के न न हिन् एए या न हुन माना महि यर्दिन शुयान्द्रायळवा ग्री श्रुद्राध्या उवाद्याय स्वा यर्दिव शुयादे र्यारियाउदायाञ्चरायदे भ्राप्तियाळ दाया थेवादया श्रुयायदे भ्रिष् बिटा ने नश्रुव रश्याने वहारे विवासिक्या मियाया स्वी श्री स्वासिका उत्रायासूरानवे सुप्ति प्राप्ति सामित्र स्वा सुर्वा नश्रुव रा भर गर गी के भुषा श्रेव रा वहें व रा कर अर शुर रा हे वे कें। ने या नहीं ना धीवावाने निराय ना ना मार्थिया या धाराने किया हैंग्रश्मार्सिते र्ट्यम् अपित्र सेन्य स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वा धिव दें। वेश गशुर्श रावे धेरा इ हगश गशुश्र र ने हेंगश रावे केन्-नुःकन्-अदे-दन्न्रभःनुःनश्रुवःमःगुनःश्रे। कन्-दन्रभःनन्गःहेन् गठिगारु अपम्भव व गावय गुः हैं गाय प्रायय में में मान्य प्राये किया यार्षिन् प्रमात्युमाया ने क्षेत्र त्या माक्षेत्र प्रमात्युमा स्रुवा मदेर्नेग्रामान्त्र्र्म् ग्रामदेरकेन्द्र्यं स्वर्ष्या ग्री स्वर्णान्य स्वर्षि

यानश्रवामानेविक्षा नेःनिमायन्यान्यानिवाधाः वान्यानेवाधाः र्रेन्स्वर्षित्रधी नेःक्ष्रः भेत्रत्वराय्यक्षात्रः भेर्त्रः भेत्रः भेत्य नेशमिते दें में प्यार नेर प्रमुद्दा नेश र्शे ग्राया स्वार स्वरे से मुद क्ष्र-त्रा येतुःगहेशःमशः ह्य-स्थितः श्रह्मेतः त्रक्ष्या येतुः गशुअ'मश्राष्ठ्र मर'सर्दि, शुअ'ग्री'सळ्व'हेर्'र्ट हेश'र्मग'गी' सळव हेर वळर पर हेर है। रे हेर वस्य रे हुर है वे सळव हेर निह्नित्रमान्त्रन्त्रम् भी सक्ति हैन नित्रम् सिन् सुसान्द्रिम द्यमाद्याः कदः सः धेवः दे। वेशः मशुद्रश

## ळ्ट्-अद्यः वाट्याया व्याचा प्रमः ह्रिया पा प्रमः दे विष्या वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्य वा

क्ष्य द्वा न्यास्य व्यास्य विष्य क्ष्य विषय क्ष्य क्ष्य विषय क्ष्य क्य क्ष्य क्ष्य

विशाबेरारी मारशाउदायाम्सश्यादी सर्दिन शुसादराहेशाशुप्तयापा न्मभुष्यभाग्नुम्पान्मक्रम् याग्रुयार्वि वर्षे वेषानेम्भे मेग्याया उव्दाराङ्ग्यार्थाः वे स्वर्देव शुस्राद्दा हे सा शुः द्यापा रा द्दा द्यो द्दा शुः यसः हुर्न्नर्द्राळद्रायानविः विर्वेष विषानेर्द्रो कुर्याद्विषाया इयया वे अर्देव शुअ ५८ हे अ शु ५४वा ५ ५८ हु । यश गुर न ५६ रेव ग्री अ र्वे नियान्तर्देश में सेन्या वेश तु निया क्ष्य तु विश्व वेरःर्रे। इर्राणायःर्वेषायायादेरिषायायाद्रार्थाद्यीपयायाद्रार्थितः मन्दर्वेयाम्यायायान्दर्भ्रयाद्र्येययाम्वेयाम्यान्याव्य न्याः ग्राम् विष्यः वेराम् विषयः याश्यास्य स्थान्यः स्थितः स्विर्धिम् ने वर्गेना मंत्री अर्देन। अर्देन शुअन्तर है अशुन्यन । कर् अर्दे सक्त हिन पहिरापालया है। वेरान्य। स्टायमेयायया हे या सर्वे शुस्रान्द्रिते हेशाशुन्द्रया क्दासान्या वे यादिताहेशार्वे व हे। यदायी हिन यक्ष्यः भेरामिष्याच्याच्याच्याच्याच्याः स्टार्ट्स् श्चेत्रः यक्ष्यः भेरार्याययः माव्यः मदे सक्त हेर मान्य नर ग्रुम मान्य दे सेर है। रह मी सक्त हेर ग्री खुय उत्र ते अर्द्त शुय धित या श्रेते अर्द्ध हे द ग्री खुय उत्र ते इसासु-द्रमणा-पर्दः वेसा-वेस-पर्दः चुर्मा वेस-पासुद्रमा देदे-दर्मेद्रसः

णुयाधेत्रायि भ्रम् दरार्थे देरा वर्षा दे क्ष्र के भागी सर्वेदायसा वरा कर्भेर्यया ग्री सूर प्रयापीय पित्र पिते श्री रहे। व्रव र्वे या ग्री सर्वे रायस नर-ळन् सेन वसाने हें त क्षेत्र गुत्र नहग्र गरे। नेर्र स गहेत गर विग ग्राट व्या मी न्या से दासे दें अहम सुसार हैं में साम है से साम निष्या में स्ट्रान्द्रिंशःशुःवयायः वःधेवः धवेः धेनः न्दा यादः वयाः यो विन्याः सेदः नर्स्रिस्रमायसानर्स्रिसानुदेर्देत्यास्टानीर्देत्रेषुर्दास्यादरेसासर ग्रया सूर वर्तुर सेर परे सेरा ही सामित्र सामे रे पर मिर्म रे पर मिर्म स्था रे पी मिर्म र होत् दी। । नन्या सेत् सर्वेत् न्यायायायायायीय। वेसायास्त्र स्यायीयायीया न्मा ने भ्रेम् अम्प्रम्या अम्प्रम्या भ्रेम् विश्व स्वाया स्वया स्वाया स् वे'वा वर्नर्याष्ठ्रया इ'ह्यायायाहेयायाञ्चायी से वापार्ये हेया द्रया नेते सूर पुरा पेतर प्रमा सु से हमा पर ने सु से हमा हिंग रा है स न्यमामी मात्रून खुवा धीव प्राये श्री मात्री णुयाधितायदे भ्रिमात्र विमाया विमा याष्ट्रमायक्षय स्थायाया विया है। यादा वया यी यदया से दास दिन सुसार हिंग साम दिन ने साम वा ग्रीमानन्यासेन्द्रमाध्ययानुःसे होन्दिरा यान्त्रमायी यन्यासेन्

ग्रयान्य भूर निते सर्वि सुसासे द मित्र स्वि साम्यान सर्वे स यायायान्यान्त्राक्ष्री ह्रियायेदान्तीः नेयायाद्दाः येदान्यः हियाया इस्रा ग्री मात्रुद्र खुव प्रदूर दिसा खुव दिन से मारे मारे में प्रदेश होता है । भेव व दर्भ भाषा वर्षा भरे अर्दे स्ट वर्षे य दर्भ भाष देश भाष भेरें व र्यासर्हित्। विसामान्ता हिंगामदेः विसामदेः खुया हेत् ग्रीसा । श्रु धीर्दिन्दे नहग्रामा धीत्। वेमाग्राह्मामा प्रमाण नर वशुर र्रे। पि डेग थें ५ व रू ५ सदे सूर खुय थेव प्रश्नित य न्ना म्रासक्षवाधिवावासम्बाधियाची सूराध्याधिवास्याच्या हेया वेराना थे 'रेग्राया है। कराया कराया दिराया से मार्थी । श्रूराणुषा भेवामवे भ्रिमाने। ने पोवावाने पाने शामिशने प्राप्ति से सिमा गिरेशःश्रूरः न्रायुर्धः मिर्द्धाः मिर्श्वा मिर्द्धाः मिर यान्यान्यान्या यर्वे शुयायर्वे शुयान्यान्यान्यान्ये र्र्भेवः र्धिन् प्रदेश्चिम् कन्यान्न सम्बद्धार्या स्थाने या देश स्थाने सा श्रूर त्रा परे द्वाय ग्री अ हैं ग्राय पर से त परे भ्री महे। ने गहिय ने प्रा र्शे से र य र र रेग से द र वे हिर् कि द रे। के द स के द स पी द द स भेवा न्दःर्रे भूर्यं क्ष्यं क्ष्यं अर्देव हे अः गृहे अः गृदः अदः भेवः प्रश्रे क्ष्यं क्ष्यं

यास्रदानासुस्रायदायुराया देखेर्द्राता मदसादेसाहस्राय गहिरायाधूरावासदितासुयाधी। क्षित्यात्रात्रहेरासु । त्राया प्रदे । क्षत्राया षरःक्रन्यः भ्रेतः पर्वारः र्या विः वा वरेते व्यवः वाषः हेवा क्रन्यः ळं ५ 'या से व 'या पा वे व 'र् 'यो र्व 'श्रुया ग्री' ळं ५ 'या ५ ८ 'हे या शु 'र्या पा पा थे ' मः अर्व ग्री अ भें ज्ञा भारी । पार्रे जा प्रदे व प्रदे प्रवर संदे । स्राह्म अस्व अस क्रन्याक्ष्रनुः क्रन्याधीवा विश्वाचेना दें वाक्रन्याक्षन्यमान्यायेवा रायाहेशयाडे भेंत्। कंदा सर्केश उदा सर्दि सुसा शुः कंदा सरावया ळं ५ अ मार विमा हे अ शु ५ भमा भने छं ५ अ शेव भने ही र हो र वि व'सर्व'ग्री'स'र्सेम्ब'ग्री'वि'र्देग'वद्देव'सवे'र्वर्रिवे'सर्देव'स्याळंद' यार्केशाउव। श्रीशेरायर्विश्वायार्क्ष्यार्क्ष्याया नगरायर्वि ग्रीरक्ष्या यानार विना वसम्यायायदे प्रवास स्वित में स्वित रापिशा गविव भरिंदि ग्री विषादशुर दे तयह सारायाद मिरारा से द धर वया वया वया दशुर देश ही के या या रहा वी वह सा सुर शुर धरे के नःदुरः बदः ग्रदः शे नक्षेतः प्रदेः धेरः है। बयः वग्रूरः देः देवः ग्रेदः व्यापः भेव भवे भेरा अ गुन वा ने ने सं मेर प्रमुस ला वर्दे न वा कर स

क्रन्थरः वयार्थे। ग्वन्थप्रा क्रन्थः क्रन्थः क्रिं विश्वार्ये शु-दे-१३व-वेश-ग्रीश-र्वेश-सम्भाभित्र विश्वा विश्वा दे-१५५दे शु-र्वेश रवा नेसर्भरम्भ नर्भा नर्भा नर्भा निमानिया निमान्य स्थानिया न्द्रास्त्रिन्द्राच्या व्रवानेशाश्चिरा व्यव्या क्रवास्त्रास्त्रा स्वर्षा सर्विताली सर्वेशार्से वित्व इत्यावस्य उत्ह्रित धेतार्दे वियादस नरदःरेग्रारार्श्या शुरे १८४ ने राग्री राष्ट्रिया वे राष्ट्रिया सा र्वेश विश यव यदेनश देगाश परे भी मा हिंगाश परा दें वा कर सा यासर्वि हे सामाहे सासु मारसारे सामारे में वाराधिव ले वा वारिया ळं ५ सा धोव व सर्वे हे शा ग्राम र ५ मेथे व स्था हिया या ने ने वे ने व धोव वेर न शेरेग्य है। श्रें भेंदे कूर ग्रें कर या यह व श्रय या धेव हेया न्यमाग्राम् स्रोत्रास्त्रे स्रोत्रा न्यास्य न् हैंग्रारायदेरळ्ट्रासासाधित्रप्रश्वा सागुनामामादिया देशायादा वया यो यन्या सेन हिंग्रास्य सेन होन हो हैं से होने होने हो से स्वा सेन स्थाने हिंग्या परि द्वीमा वर्षेत्र वा वार वा वी वित्वा सेत् सर्मेत् सुस र् हैंग्रायायि से हैं। विराधन विष्य विष्य का निष्य विष्य धिव रास गुन व र्व साहे या निया हु। श्रया वि

ळ्ट्रायावेष्ट्रेयासु महिष्याचे स्वाप्त स्वापत स्वाप स्वापत स्वापत

रदास्यायात्री क्रदायायायदिवास्यायीः क्रदायाददाहेयास्या मदे रहन सामित्र स्थानिक रहे । क्ष्य सामित्र मित्र सामित्र स्थानिक स्था ग्रीस्र म्याश्रम् प्याप्ते स्वीत् विष्य मित्र म्याप्ते स्वाप्ते विष्य मित्र स्वाप्ते स्वापते स्वाप्ते स्वापते यर्दिन शुया केंगा उदा विनायर्दिन शुया ही किंना धीना विनाधीन हिंद्राधिवरद्राष्ट्रस्थिते हे अर्द्यमा सेद्रायदे हिन् द्रायदे हमा अर्थे स र् थ्रव याया से पेर्पर प्रमाणसर र् है ग्रम् प्रदे लेव हैं के संख्या हिंद हेशा शुर्निया मदे रक्षेत्र साधिव है। हिंद धिव धिद हिंद हिंया नय प्रद वेव क्वें गर रुट रु शुर परे कंद साधेवा हिंद धेव रु शुर परे सरें शुया सेन् मित्रे में ने का मित्रे हैं निया के किया केन् सित्र सूर पुरा यः स्टा सळव र द्रा है। सळव पाहेश सु ग्रा ग्रा मा ग्रा मा भी दिव हो द तुरुप्तराधे तुरुप्ति । १२५ ५८ में १२५ हिर्मि ५५८ । श्रिष्णे पुरुप्तर ध्ययः भेवः भेरा । कुः अळवः गाववः वेः धेरः पाता । क्विं वेः धेरः रारा भेरः धेरारी वेशाववुरायायशा रेप्यार्रे वा ग्रेरा कुशाया पर है वा ग्रेरा शे

तुषामदिः केषामिष्ठेषासुः मार्थानेषामदेशस्त्रे स्वीरान्ता ने त्यार्यास्य स्व र् हैंग्राया ग्रम्प्रियाया पर्या है। यक्ष वर्षे हैं म्या ग्रम्प्रियाया प्रा गिरेश शुः ग्राम्य देश प्रदेश भ्री मान्य देश है न त्या महा सूर खुया हु हो है । प्रदेश र्क्वे त्याहे सुरासूराया सुराहें राष्ट्रेरा श्रीता सुरे राष्ट्रेरा श्रीता सुराहें राष्ट्र सुराया सु श्रेव्राम्ये कें मान्ने मान्या मान्या हे मान्या हे साम्या है साम्य है साम्या है साम्य है साम्या है साम्या है साम्या है साम्या है साम्य है साम है साम्य है साम्य है साम्य है साम्य है साम है साम्य है साम है साम है साम्य है साम है देशमधे धेर ५५१ भ्र. १५१ मा अप १५१ में वार्य देव भेव है। विव ५ में स्थान येन्धेर्र्भ वेयाग्युर्यायाःहेन्ध्यायान्यान्यान्याः वेयाय्यायाः निर्श्वायास्य स्टायळव रद्या श्री यळव पार सुर या धेव संदे पावया हा धिव पायमें वा पर हो द प्रिय हो र हो। क्व प्यमा यदे प्यमा ग्रामा विष्य ग्रामिक्र भेता है। यह निर्मा से प्रमानिक के प्रमानिक क । रनःरेनः उत् ग्रेशः न्श्रेगशः पदेः श्लुः १५ तः श्रेगशः पः ५८। श्लुः थः र्शेनासामान्यान्धेनासामाने दिन्दोन्या हिन्दी विसार्शेनासामास्य मदे भ्रेम थ्र-नृगा थ्रम् न नातुर ने इसस ग्रीस नगमा हमास निर्मा सु क्रूँव पर सहर ने। भूरा वर र्रा से वर केर केर की से राम शुरा पर पेर प याधीत है। वियागशुर्या भरे भी मा

र्वे स्ट्रिस्य में स्ट्रिस्य क्षेत्र क्षेत्र

हिन श्रुव सर्देर नश्रव य

सर्नेर्न्स्वर्त्त्मुम्रान्न्वर्ग्निम्रान्त्र्वेष्ठ्यः ग्रीःन्द्र्र्न्त्रं स्वत्रद्द्र्न्त्र्र् मःश्रूरमःमःगिर्देभःसम्। इरःभैं भिर्दे देव देव देव देव देव स्थान मारा । ने प्रनेस में बार्म प्राप्त मार्थिता । मालव के गुव हैं न प्रेंन मार है। नि'न्यारम्हेदि'अळव'हेन्'न्वन्। डेस'यास्म्रम्यादी नैव'वी ळॅं ५ अदे सूर पुष्ण य दें व हो ५ व् रा ५ ५ ६ से व् रा पदे के रा पहे रा सु मसाध्याक्षे र्वाचेरावुरायाहेगामसायहणसारंसासाधिवासरा रटार्टिशावशास्त्र दिवासेट्रा से स्वास्त्र से से से स्वास्त्र स्वास र्डम.र्नुम्यदेर्केमाधेन्याम्यत्वेम हिमायम्यनम्यम्यस्याधेन् यर रर रें अवश्रायुवाय रर अळव श्री अळव हेर पर १ हेंगायश नन्ग्रायारार्व्यान् गुनारादे केंग्र श्रु अळव् ग्री अळव् हेन् धेव रादे धेरा वेशमास्री। भिरा र्रेन ग्रेन त्रामाल स्वामाल स्वाम

हिन्यम्भी अळव हेन्य सेवास मन्य सुम्य प्रमान्य हिन् दिन द्रा मेन होन् नुरुप्यामान्। वेरु हानायार्ने व वे प्रवास नुष्ये व प्याने वे होन् पर्ये नश्चेत्रपर्दे। देव होत्रपरेदे वुर्यायायात्र क्षेत्र परा शुत्रपर होत् यानाराधिवायाने नमूवानर्केशायने सार्वेदाया समायने प्राचीता वेशा न्ना नेवान्यायमार्थिनामावी मनावी अळवा हेना धेवाया गुवा हिना हुः धेर्पान्य ने श्रुविः सळव हिर्धे विष्यं मिश्राम्य स्थित मित्र देवास्त्रम्स्रम्भः ग्रीः वितः भ्रुतः त्रा भ्रुतः त्रा भ्रीः त्र त्रा वित्राचा । देः यरीमा विश्वार्शियाश्राश्चमात्रशायर्मेनाविमा नेप्तविनात्रा श्चार्थाः ध्वारा श्रेव मार धेव मा वेश पर । कु श्रळव मावव धेर क्रें से प्रमार । वेश 到天:美

स्वतः न्युन् साया ग्राबुन विने प्रति नर्गे स्वतः नर्गे सायान धितः न्युन यात्रिकः स्वतः न्युन स्वतः न्युन स्वतः स्

अःग्रुवःधरःवर्देदःधःद्दः। व्रवःव्युरःवःद्देशःर्धेः ₹अशःर्देवःद्यःदुः यः वर् र्रा में अर्द्धव हेर् ग्रेया ग्राम्य म्या म्या प्रमाय वर्षे राम से स्वाय गासुसायसान्दारेविःगातुदानस्यासानसासुनायवे स्रिमानुपावदाविः नर्गे दःसदे भ्रेत क्षित द्वार्य व क्षार्य व क्षार व क्षार्य व क्षा माश्रुद्रशाया माश्रुद्राची तुरुष्यायाया द्राया द्रायी सद्य हित्र ग्रीश गुनःमः न्दः र्ने नः न्यः यरः गुनः मः र्ने नः यो वे गः यः यः न्वे द्यः ययः गल्दायदे दिशाश्चरियाल्दाया श्चित्राय स्ट्रिं

निहेश्यान्यानिकेन ध्यान्त्रान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक्यान्यानिक

वुश्यासार्यास्य अळवा श्री अळवा हिन्। देवान्यासर देवा श्रेन् थे वुश्यास्य क्रिंशः श्रेष्ट्रियळ्वः श्रेत्र हेमा हेमा स्यामान्द्रास्यळ्वः ग्री सळ्द हेर से तबर दे। रे के हेर से द सर हू न बया द गुर न स र्दासळ्याप्रशासी से वारा पारा विषा सळ्या हेरा दे । प्रमासे वारा दे ही रा धे अनेरावया नेराक्रा नेराक्ष्याया थे निर्देश में तुरार्धियाया वासेरासरा पिश्रायेव। शृ. देवे दिश्रारी श्रे देन से दारा प्रश्नेव। से दारा देवे दे र्ते भिरासेरास्नु या सेर्परामसामसाये वा परिश्व स्था प्रयान्सार प्रविवा यायदेशासवे देव दे क्षराधेव श्री विश्व विराधिवायाव धेराव व्या मन्द्रा निद्राविः वैराविः वर्षेत्रः सेत्रः स्रुप्यः सेत्रः स्रुप्यः सेत्रः मानविवाने माश्रुया ग्रीने वितानु ग्रीना स्थान विवास स्थान है सामा है सामा है सामा है सामा है सामा है सामा है स क्षुन्तुन्त्। द्युःसायाः विदावी दिवादी द्यो त्रायायसार्वे वा पा क्षुन्तुसा यारेयायते भ्रेम श्रुष्यक्षत् श्रुष्यक्षत् भ्रिम्याय्ये । र्बेगायाक्षातु पुषान्त्रा श्रुव सेंदातु हे या वर्षे से हो दाये हो दाया रुषःगुवःहःहेषःवर्गेःशेःग्रेन्यवेःश्रेमःहे। ध्रयःरुषःगुवःहःर्षेन्यः 

र्नेन होन नु श्रामान्य शे नु श्रामाने निया स्टा श्रे वे सक्त हेन निया डेश्रासार्श्वेश्रास्य देव प्रसाद् । विदाय प्रमाद्रा मुन्य हिन कु विदाय देव प्र रटान्टा श्रेवे अळव ११८ ५ न १ देश म्यूर्य प्रवे श्रेरान्टा हुया स्यास्यास्यास्य स्वास्य यरर्देव ग्रेन तुरायर ळन् स्था ग्रुन परे ग्रान वर्षा धेव से न्वें स यदे भ्रेर प्राप्त विकासिरका वर त्याका यद भ्रिया क्षेत्र विका विका मानेमान्या विष्टिं निर्मेतार्स्स्या श्रीमार्था स्वायाः स्वयाः स्वयः स्ययः स्वयः बिटा वर्देन्से त्रामाने। विवर्के न्येत्रे मारी मारे देवान्यामा यामुनायमाने वर्षेत्रम् भ्रम्भूनायमाने न्यते भ्रम् म्यूयायमाने मान्या नुस्रास्य स्टास्र स्वर्धेव स्था निवादिया स्याप्य दिवा हो दा स्वर्धिया स्थाप्य गुदि द्वारावे प्रदेश में राववाय प्रवेशिय प्राप्त में गुदि हिंच प्राप्त प्राप्त हिंच प्राप्त में स्वाप्त प्राप्त हिंच प्राप्त प्राप्त हिंच प्राप्त स्वाप्त प्राप्त हिंच प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स क्रमण वेमामवे निर्मास में ने भिन्मवे ने कर्त निर्मा मिन रे। नुस्राय देव द्या पर देव हो द कुराय थेव पर से प्रम् पर मा ने इस्यास्य स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्

न्द्रस्याम्डिमाधित्रप्रस्था हिन्द्रियासेरामुस्यास्य गुना हिन्ने निम्ह्रा मन्त्र साथित निम्हेरा वर्ने निम् गर्भेर नुस न्द्रन्द्र्यानुष्राध्यद्रस्यान्ध्रेमाःहुःत्रया नुष्रायान्द्राने निष्ठेषारे रे वर्षाह्याम् विमाधिवापिवाधिया वर्षे द्वा स्टायमेषायया देवाह्या माठेमा-५:प्रशुर-१ विशामाशुरशाधान्द्रायायावी विः वा परिवेष्ट्र यायायान्त्राम् वितास्यास्याक्ष्याच्या स्वास्यास्या न्दः इसः गडिगः हुः वया हिनः न्दः ने गड़िसः इसः सुः गुना हिनः न्दः ने गिरेशः हरा व र र साथे व र परे हिम् हरा साथ र र में प्रश्न सुर साथे र । वियायाम्यार्थे। यर्देरावा मेरियविवार्पया मालवाणरा हिया हुर-५८। हैं या अरहुर-वी व्या रे निर्मा है न महिमा है । हमा मन्दरने गहेशसे से से स्थानद्या हेट या हैया धेत संदे हिया हिन स पिया लट.पि.क्रेग ट्रिंश.स्.लुव.व.इय.श्.ग्रंग्रंग्रंग्रंग इय.श्. ग्रुन'त्र ह्र अ'र्थिन'धेव'मश्राष्ट्रम् केंशने'न्द ह्र अ'ग्रेग'धेव'व'केंश' ने निरम् मुन निर्माणिया भिवास्य हिन। देश ने मा ने से प्रमा दे। गरः वगः ह्राः धिद्याः धिदः प्रदेः धिरः द्राः तुष्रः प्रायोशेरः तुष्रः द्राः मुन'नरे'ह्रा'गठिग'रा'धेव'रादे'हुर। गठिरा'ग'सुन'हे। गर'वग'

वी'नन्या'सेन्'सदे'ध्रेर'न्न्। तुस्र'सन्न्यासेर'तुस्र'क्षेु'यात्र्रा'दिया' गशुस्र हेगा हर दुः से होदा प्रदेश होरा पर वि हेगा समा निम्म उसाधित त हैं गा प्रभा न न ग्राभा उसा नु ग्रामा प्रदेश के साधित न ग्री सा विसा बेर्ना क्षेत्रवर्ति। यारा बया यी यत्या यी शासारेश स्थारित है। दे गुव निम्माराधिव निर्देश्विम ने। सक्षव ने निष्टिर स्था सुरक्ष निष्टिर गुव नन्ग्रार्थित्रायिः श्रेम् दिः व हिंगायिः खुयः नुः वश्रूमः में । वे व। यः विच निं रदः ख्याया रदः श्रेषे यळव के देन स्र प्राविद देव शे स्र या शु न निर्म क्षेर में दे त्य विरो मार बमा मी निर्म केर के राउदा र्रायळव्रात्राच्या यळव्राहेत्रिते हेराहे। हेवाय्यश्चे वहवायाया रुषायाधिवायापादाविया सदायी र्सेन् स्यायाया ग्री देया वया ग्रायाया स्था धेरा ८८:र्से देर वया गुव निम्मा साधिव मदे धेर है। धेर सा गुन धेव मंदे हिर्दा वर्दर साहिया विश्व हवारास सुव ही प्राय सिव हिर्मा श्रे तत्रम् ने। में क्रूं मंत्रेम् प्येम् प्रेम् हो। क्रूं मंत्रेम् क्रूं मंत्रेम् क्रूं मंत्रेम् क्रूं मंत्रेम रम्यो अळव १९८ ग्रीय गुनाव रम्य अळव भीव प्रयान्त्र हैया हैया हैया भ्री तम् ने। वस समित स्वामा तन् सामा निया में किया में सामा ग्री में सिया म

यदःगर्डें नेंद्रः क्रूवःयः धेवः है। यः यः देशः क्रुवः क्रीः वर्षेयः वन्द्रः व्या वाचेगायाचानवानी नित्यामित्रामित्रामित्रामित्रामित्राम्यामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्र धेरा वेशःगशुरशःभवे वेगाःभः वत्यः वे क्वः वेशः ग्रीः वेगाःभः धेवः या ने प्यर यस य विग्रम्भ रावे कित के सम्मान सम्मान के नम समें है। मायर्दिनामाध्रमाध्रीमानेवामाध्रेषाध्रीम्ब्यामावमावयाध्रिषामावेषामावेषा न्नर-न्-नुष्य-प्रदे-धुर-न्दा धर-द-वेग-प्र-व-न्य-ग्री-दर्शे-नदे-१३ र्वेश ग्री गुन सबद हूं न सर्दे हो मदे खुन्य ग्री नदे द नहे स ग्री हस मालमा नश्रम मिरे श्री म र र माल्य प्रदेश माल्य मालमा मिरे मिरि मिरिया मि धेरा दें ता इसान १८ वसान देव पहिसाधी सक्त हैर क्रें ताराया श्रुर्व थर रुर्व रंबर थेंद्र सेंद्र श्री वार्ष केंद्र वे वदेव वाहे शरी हुस मान्या निया ग्रीस मनेस मिर्ट प्रमार मिर्ट स्था माने मिर्ट स र्देव न्या मनेव मधि यळव हेन यळव गवि गवि या हे या गा गरिं में मा मह्य मदे नदान्य गुदासळे व गवि के या गरिं में दान सूव माया दें गिर्या निम् गुर्ने मिन्ने निम्ने अक्षेत्र अक्षेत्र मिन्ने मिन्ने अप्या निम्ने अप्या निम्ने अप्या निम्ने अप्या निम्ने नवे भुरा

निवे मा मुन अवद क्षु न मार मी माबुर धेव न सुन भारी वि के मा गल्र पर्ने अर्रे से अर्थ शुद्र सेंद निये गल्र पीद है। देव है नियं मर्नेव न्यास्य भेरामे अळव मावी न्या नेव हो न से त्या माग्व ह्निः हुः धेन् प्रदेश सक्त ग्रिन् न्द्रिंश सु न सूत्र विद्या कुंया ने सूत्र नु यर्रे सेयस गहिस गास नित्र पदि दीमा विस नेमा ने दे से प्रमन ने। नर्देशन्त्रभूताने उंशन् शुक्रार्शेटान् पर्देन ग्राटाम्बुटायने वे नर्भूता हिते मार्ड में मार धिव अर्र से मारा मारा खेव विदा से समा उसा मारा वर्देन् मदे रेश मा सेन् मश्रा सर्दे हैं मदे हुत सेन सा धेत मदे गत्र र् गुर्नोर्भाभविष्ट्रिरक्षे रेवा ग्रेन् गुर्मामार्थित रेवान्या मनेवामा न्म। देवाचेन् भे व्याप्त के के या नाम धेवा गुवा हेना यने वास्य गार्डिं। र्वेर्प्तसूत्रविद्या देप्सूर्प्त्यर्रिसेसस्यावित्राची वद्यस्य सर्दे हे मार्विवयानवेदायदेधिमा देखा इसामनदायमा वदेमान्वाया न्ननः जुत्रे मिर्डे में से स्मान्नि । स्मान्य गुन दनद विगागित्र या दनेन या भीता भीता यह से अया गिहेया गदिः श्रुवः सेंदः नर्दे। विशामश्रुद्रशायः न्दरः वमायः विः व। क्रुवः सेनः ने। गल्दायनेशाम्ब्राचित्रं गर्डें में मानुशान्याम्बर्धानेशानेशा र्मेन्यान्य प्रति स्थान्य स

गहिशायार्स्टिन र्श्वेन पिनाने। नैवान्यानु पिनायि यह यह यहि सी वन्यन्यास्या गुन्देनास्यास्य मानिस्य वन्यन्य स्वास्य स र्शेग्राश्ची अर्छत् नु प्रयान श्वर न श्वे ग्राश्चार प्रिंत प्रिंत श्वे म् न्र में धॅर्ने गयाने प्रसम्बद्धार क्रासेन्त्र विसाद्यूर प्रसम्बद्धार किर् येद्राचराङ्कातावयावयुराताक्षयाग्रीयार्द्वाद्यायरार्द्वाग्रेद्रागुरा मासेन्यमार्ने वाहीन् व्यामार्ने वान्याम्यार्थेन्यवे सळवामावियासे वन्नद्रादे। वेशः हिंद्रायः वर्षेत्रायाः या अः र्वेदः स्वारादे स्वारास्या विश्वास्त्रहर्। विश्वास्यस्यास्तर्। शर्मित्रीश्वासुःगुःगुतःह्निःहः नक्केन्या अवर्ते विकायायमा मायाने ने गुवर्ह्ना । वर्नेन्व है क्षेप्ते क्ष्र्य त्युम् वेश्यस्य वर्षेषा सदे द्वेम गहेश्य संगुत हैं न ग्री अळंत्र माने त्यः क्रेंदः क्रेंदः खेंदः दे। मायः हेः गुत्रः यः देः खेंदः त्र विश्वः यहुदः न'यश हिंग'पशः र्र्भे नहग्रायायं र्या द्या नु ग्रुन्य स्त्र र्भे अळव ग्री अळव र हिन्याधिवायम् त्रया निवाहीन तुषा भे तुषा गुवाहिन हिं पिन्य पे हिन

वेश हिन्या ही धार्मित्र क्षेत्र हेन हे शायर्गे हिंगा हिंग्य सर्वेद हिन्दिन है। अिग'र्र'गाञ्चमार्थ'र्सेगार्थ'र्ह्से प्रविद'र्दे। विर्यामाशुर्यार्थ'र्रेर' विद्या देशकी नम्द्रप्रम्थिया राज्येग्रा । वद्या प्रवास्थ्य । व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व धेरा । तुस्र परदेगस ५८ हु ५८ दे। । ग्रस्स सँगस हैं दे निष्ट प धेव। वेशःगशुर्शःगशः रेगशः उवःगववः धरः विगशः धरः नश्वः मदे भ्रेम गश्याम भू निर्शेग्या श्रे अळव र र प्रया महर न र्षे र दे। यःर्रेयःर्वेशःर्यःरेयःउदःयःश्रूरःयवेःश्रुः १८ र्शेषाशः केशः उदा ह्ये अळव भीव भर वया देव हो द शे तु श मदे के श भीव मदे ही र र्भ विश्वास्त्राम्याम्याम्याम्याम्याम्याम्याम्या हे गुद्राय वेश र्रेष्य राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्टाय स्वर् में अस्वर हे दाय विता से सार श्रूट्य प्राप्त भ्रुप्त र्श्याय विया श्रीयाय ग्रीय श्री यळव ग्री यळव हेट याष्ट्रनः केशामाञ्चरानरान निराने निरानु वर्षेत्रा र्हे

## विनःश्चनः कुषः यरः न भिनः य

न्रिंगः भेत्। । न्नरः सेंग्रायः प्रज्ञायः न्ययः हेन् धेरः है। वेयः ग्रायुर्यः निरा र्नेव वे कं न सदे सूर एक ग्री मानय ग्री या रिव ग्री न तुरा पा रिव र्ने न हो न से न से प्रति के सामा है सा सु मार सारे सा न ने प्या सर सक्त ८८ है। अक्ष्य प्रिमार्थ वारमारेमारमार्थ विता है। है। सक्ष्य वसमार्थ न्रिंशा सेन् प्रेम् न्रिंशा में प्रसम्भास्त्र महास्त्र स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा र्रे अ गुन न गुन्न मान्य याधिवाहे। र्नेवान्यायरास्टाश्वराध्यानु होनायदे ह्री त्याहे सुराश्वरा नःक्षरः हेन् ग्रेन् ग्रेन् क्षेत्रं नहेन् ग्रुण्या विनः क्षेत्रं न्युण्या वहेंव हैंग मवे सूर खुव जेव व नर्रेश में संजे में मारे ही र है। माञ्चम्यायः यहेव हें मा प्रयामाञ्चम्य सूर धुयः नु स्थे छेर प्रे से से से स ने या गार्या राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रय श्रूर नवे ननर में अर्देन श्रुय नश्चेत्र पाय नन्ता क्रेन श्रेता ननर नर । न्रीम्राम्केत्मा त्रम्या र्मिम्राम्य देवा विष्य प्रमा ने निर्देश से दादि के राहें निर्देश महिमारा के मारा राहि स्टाय विदा

भेव दें। वेश ग्रापित देंव हैं। डिवे श्रीम वे वा महेंद ग्रापित श्रीम हैं। श्रुवे नहें न्यर ग्रुप्त के न्ये विश्व प्रवे श्रिम् ग्रुग्य या श्रेग्य प्रायायाया য়ৢवे नहें न पर ग्रुन्य अधिव पर ने अव ग्रुग्य अधिय अधिय अधिय लेवर्त्री वार्वायायार्थवायायास्त्रवेरचेह्निरम्य ग्रुप्तायेष्ठायाः यर-देयर-भूग्राय-वय्य-प्रक्रा-धेर-धुर-रू। व्रेय-पश्रिर्य-य-व्य मदे ह्या अस्य रेवा सदि विश्व को त्या श्रें र र श्रा यह स्वा यह स्वा श्रा हो है । हिंगामवे खुया धेव मवे ही राहे। दे हिंगामवे सूर खुया धेव मवे ही रा विश्वाचेरा दें तरे हिंदा चेदा श्रुवे नहेंदा च्या देंदा च्या प्रमाण्या विश्वाचेरा विश्वाचेरा विश्वाचेरा विश्वाचेरा चित्र विश्वाचेरा व वया न्यानरदानेते भ्रमा वर्नेन वा हैना मते सुयान् नेतान्य पर गुनायमात्रया वर्देनायवे भ्रमा वर्देना ने ने वे प्राया नामा स्वर् धेव मर वया वें। वर्दे दा की वुका है। दे देवे खुवा दु के अळव धेव मंदे धिराने। ने ने दे ते पुरा नु हमा रा धिव रादे धिरा हमाया मानव परा हैंगामवे खुवा धेव मवे छेन। हगरा पर्या वरें दावा दे देव द्या मर

हैंगाम्यान्नम्यान्यायान्या वर्तिन्याम् विमा ने श्रेन्द्रिमा मश्यानम्बाश्यास्त्र स्वीत्र प्रति स्वीत्र प्रति क्षित्र स्वीत्र स्वीत्र क्षित्र स्वीत्र स्वीत् ग्राज्याश्राणी देवा श्री दे देवा द्या यम हिंदा श्री दे प्रहेंदा श्री यो स्वरायम हिंदा श्री दे प्रहेंदा श्री यो स्वरायम हिंदा श्री दे प्रहेंदा श्री यो स्वरायम हिंदा श्री यो स्वरायम हिंदी श्री यो स्वरायम हिंदी श्री यो स्वरायम हिंदी स्वरायम वया ने रूर श्रूर खुय नु हो न पये हैं या है क्षूर श्रूर वा क्षूर हैं न हो न श्चिते निह्न गुः धेव पवे श्विर है। दे दे त्या है क्षर श्वर श्वर हिंगा पाया श्रूर्पिते भ्रुम् विश्वाचेराम प्रार्थित प्राप्तिम प्राप्तिम स्राप्तिम स्राप् नन्द्रायमा श्रुष्टिम् इत्रिम् भेष्टिम् व स्वर्थित स्वर्धित स्वर्य स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्य गुनासरावगुराय। ने क्षरावाने किनाग्री के भी के स्वामी के स्वामी नुस्रायदे दिन् ही केंसाउन। नुस्रायदे दिसारी साधिन प्रमायवा दिन न्यायमः हिन् ग्रेन श्रुवे नहिन् ग्रु धोव प्रवे श्रुम् वेया व्युम् नया वेया या ने प्यट स्ट हो ज्ञा हा न प्ट ही रें या पा इसका हो का ही अहत न्रेंश र्वेर विश्व खेत्र पदे जात्र छैश हैं जा पर न्र हैं न छेन छै। श्रु रर णुवावाञ्चन प्रवसान्दिमार्चिते न्वरावीमावह्या प्रमाप्रमावेषायम्। गातुगार्था ग्री दिवा श्री दिवा द्वाराय सम्हित श्रीत श्रीत स्वीत स् पिर्याञ्चरयाः ह्यायाः शुः चर्गे द्रायदः सेस्याः भेटा देः धेदः यः हेदः ग्रीया गानुगामार्केमारुवा धेर्मियाग्री प्रमियामिया किया

न्यायर हिन् ग्रेन सुदे नहिन् ग्रु धेव पदे भ्रेम वियाय पदेव पर इस्रान्नित्र्वाशुर्याप्यायात्राह्यायायार्येषाची।विस्रायेष्यार्श्वेराना वनर्भेर्र्युनर्भे। वर्रेभ्रेंसर्भेग्यावे के नयर्ध्र्र्य्ये वहें तर्हे गारवे सूर खुवास धेता वा त्रा वा त्रा स्व हें तरहे वा सवे सूर ध्ययः त् शुरु र रवि र देर् रास् से से देर से र वि राति । या शुर्वा र र दे दे हे वा र र यःगाञ्चमारुःशुःसूरःनःगाञ्चमारुःग्रीःभ्रेरःन्रः। माञ्चमारुःयहेनःहेनाः मित्र सूर खुवार् कुर मित्र मित्र मित्र मित्र सित्र हिरा विशा नेर है। सेर र्शेग्रायाम्द्रित्वलेशायग्रुत्या सुरार्से दे से त्रायम् दे। वर्क्ष्याम् । १९वर्भे निर्देन ग्रुर्हेश प्रत्रेय उद्या शिर्र्भेग्राय द्रोय प्रायेत्य नःने। ग्राञ्चम्रायदेनिः हिमारान्दरङ्गाम् विमाधिन नय। म्राञ्चम्रान्दर ग्राचुग्रभायद्वेत्रः हेग्। या ग्रेशःगाः न्दः ह्राः ग्राव्यः धेवः वया ग्राचुग्रभः यानाराविया ने भ्रावाहिन शेष्यायाने वहिया यदे शिक्त में के के नविवा वर्षाभी तम् । मुनारा भे दिन यय र यह मा सम् भी यगुर मि । विषा

मश्रान्द्रमें वर्षेषा वर्षेषा सेदावा प्राप्त प्राप्त विशासमा गहिरायायमें गायाहे देव प्रायमेया स्वाप्त हो निरायस स्वाप्त मार्थ याद्यस्यावया वर्षाद्यस्यावेद्याविद्याचित्रम्यावेद्याच्या धिरःरी वेशायशामाशुयायायमें मायदे धिरा दरारी महिशामुन क्षे ने सूर व नुया या वेया यदे सु त्यया सुया नु र व नुया या त्य व हुया थे। श्चेन्यम् वर्षुम्मे वेशयर्गेषायि धेम् षश्याय सुन है। धेर्ने नुसासुः सुरित्तुसामा सेन्यमा नेतिन्सासु नेति । धेरा वर्रेन्ता धेर्देवर्ग्यास्य स्टेवर्ग्य स्ट्रिंग्य वर्षे र्देदे नुस्राया स्ट्रेन्य सेन्य सेन्य वर्षेन्य वर्षेन्य हिन्यी स्ट्रिन्यी स्ट्रिन्यी स्ट्रिन्यी सेन्यो ग्री:श्रु सेन् पर त्रया वर्नेन् पर नेते भ्रीमा यह स् रेते नुसास् भ्री भ्री रेते तुस्रायासेन्यम् त्रया नेते नुस्रासु ने सास्रुस्य सेते हीमा वर्नेन्ता स् दिवे नुषा शु भु दिवे नुष्ठा या वहें वा यवे हिंगा या या भु दिवे नुष्ठा या सूरा ना बेर्परम्थ वर्र्रायारविम हिंद्रश्चित्रा विकाले दिन् वर्रेन्त्रा श्रःहेते.र्भाश्रःश्रेःहेते.युयायःहेन्छेन्छेन्श्रे सेन्यम्बयः वै। वेश वर्षे वा डेटा श्रु न्वा क्ष्र र व सर में श्रा नग्र र नदे मुल में प्र

श्चीरायरावश्चर्यः विश्वाश्चर्यः विश्वाश्चरं विश्वश्चरं विश्वरं विश्वश्चरं विश्वश्चरं विश्वश्चरं विश्वश्चरं विश्वश्चरं विश्वश्चरं विश्वश्चरं विश्वरं व

स्रवतः दुरः वर् द्युर् पाय। स्रम्यसः पाषः देवा क्रेसः यः ववावासः रान्दा क्रेशायायायायायायान्यान्या क्रेप्तिः क्रुप्तिन्याद्या क्रेर्या इसरारेसामानिवानुगर्मामान्या नासूरानान्या सार्वेदसामवे सक्त हिन निमा सक्त पानि । यह से साम निमा सह से साम गुरान है। मुलार्सिन्दा दाक्षरामुः क्षेत्रामुः द्वाराष्ट्रियार्षेत्राक्ष्याः मुलार्सिक्षः नुःधितः वेशः वेम ने दे दे शे येग्राशः है। यन् शः यः न् मुक्तेशः यः यग्यः नः न्म। म्मा स्मा के निक्कु विकास के निकास ने हे न ग्री अव अय न गुर कुष में निया नुय विषय विषय के अ न्दासार्वेदसाम्यायायायवे ध्रिमान्दा के ले नकु मवे नुसासु विन्या मन्द्र। देवेन्त्राशुः अर्वेद्रश्रमः वर्षे श्रें र वद्रश्रमः प्रद्रश्रावेद्रशः मश्राध्याप्त्रिया प्रदापाठेग दे देरागे दुश्राश्चेशायापार

विना ने:नेर्न्नी:नुश्रःशुःवनानाःसःन्दः। ने:नादःविना ने:नेर्द्रःनी:नुश्रःशुः श्रःश्रःश्रेश्वःम् ने:नेर्द्रःनी:नुश्रःशुःश्रेःनवे:कुःर्वेन्:नेर्न्द्रःनी:नुश्रःश्रःवन्श्वःसःन्दः। हुश्रःश्रेश्वःम् अर्थेद्रश्रःश्वःश्वःश्वेन्। ने:नेर्द्रःनी:नुश्रःशुःवन्श्वःसःन्दः। नःनेर्द्रः। श्वरःवेन्द्रसःसवे:श्वःश्वेन्। श्वेशःश्वेन्द्रमःशःवनावःवेदः। ने:नेर्द्रःनी: नुश्रःशुःश्रेश्वःसःन्दःनेर्नेरःनी:नुश्रःशुःवन्श्वःसःवनावःवेदः। ने:नेर्द्रःनी:नुश्रःशुःशःविद्रशःसरः हुशःशुःश्वेशःसःन्दःनेरनेरःनी:नुश्रःशुःवन्श्वःसःवनावःवेदः। ने:नेर्द्रःनी:नुश्रःशुःशःविद्रशःसरः दमावःनवे:श्वेन्।

शुः अ गुन नु स्र भिते सार्वे सार्वे स्र भित्र स्र मित्र स्र मित्र स्र स्र मित्र स्र मित्र स्र मित्र स्र स्र स् मुरा गहेशमा मुरा है। इस स्त्रा स्वार से ही के मारा सुर मुरा सुर से स्वार स्वार से से स्वार से से से से से से स मदे स्वीमार्या मार्या मुनामदे सिमाने। स्वामान्य मदे प्रमान्य मार्ये प्रमान्य मार्ये प्रमान्य मार्ये प्रमान्य म गुन धेरमनुसम्बेरमुदेरनुसर्भः शुःगुन्मदेरधेर है। नुसम्बेरद्रस नुदे-नुष्य-सु-नुष्य-पादन्य-पादन्। नुष्य-पदे-कुदे-नुष्य-सु-नुष्य-पायः दिन्यामाधिवामवे भ्रम् । वारेवा वन्यामान्यामे स्थानामान्यामे स्था र्भे संभित्र प्रमान्त्र प्राप्त वित्र प्रमान्त्र वित्र प्रमान्त्र स्था वित्र प्रमान्त्र स्था वित्र प्रमान्त्र र्देट्यायदे न्द्र्यास् जिन्यदे श्री मात्री न्याया श्रुया श्री न्द्र्यास् जिन् मित्रे हिराम् अपवितासे। तुर्याम् सुरा विरामा के ते प्राम् मित्र प्राप्त है। तुःषःश्वरःत्राः है नवे धेरा धराव हेना वन्याया सेन हो र्सेना नगरः मवे भ्रेम देव ग्रम् र्रेग न्नम् वरायमा मारा वि ग्रम् वरायमा के स्रोप मारा वगाधेव व र्श्रेगा नगर नर स्वाध्य प्रश्व प्रश्व स्वाध्य स्वाधिय। यर महिन ग्रु हेन धिराने पर्ने अभी वेशायदे गविराने वा रहा है है है जा हु। ना मे। नुस्रामानुस्रामहेनामित्रे सूराध्यासाधेनान्। नुस्रामहेना मवे श्वर खुव र जुर मवे रहें रारें से र से र में र में र है। तुस वहें तर हैं ग

मर्भानुसार्श्वे । प्रमानाम् नास्तार्थना पुर्मान् । तुसामा विसा श्चाधिकाश्चि ते निहित्य विश्वा । याया हे प्रयाप्य स्थी पर्देत् वा वेशा वर्जुरानाक्ष्ररार्दे। देखे वर्षा देशे देशे वर्षे के विषय वर्षा वर्षे द येट्रिस्रें वेयाववुट्यायया तुयासूयातुयासुं प्यदान्यारायार्ह् मासाधिवामवे भ्रमा ने स्वराहेन ग्रेन स्वराहेन ग्रेन स्वराहेन सळ्द्र-८र्द्रमासेट्र-द्रमुनमादमा निर्द्द-द्यासाधिद्र-प्रदे ह्याया ग्रीमा श्चे अळव ५६ राष्ट्र अप १५ श्चेयाया विष्ट्र देवा वा वा विष्ट्र मी भिन्न । मार्याय निर्देश मान्त्र हेत सेन् हेरा स्था नुसार देश देत हैं। क्षुन्तुन्तुस्याम्बर्धान्यः स्टासळ्द्रासः द्रास्यान्ते वा धिद्रासः वर्वे वा वावः हे बन्द्रा बुनि हे साधिर प्रविभाग्य सामित्र हिन्। हे सामसादे प्र इशाम्बदाधेदारायर्गेम रदामी कुष्यशामुनायदे भ्रिम् । यन्नशामुः रग्रायश्यासेन्यरायन्। हिंग्यायाधिसाहीयानराहीन्। विद्यसा श्रेव है भूर भर है विया । यावव है र भीव व र रे प्रशेष श्रेरा है र प्रश कुःवज्ञश्राग्रीःवज्ञेषानाङ्शामाववायर्दिनामावमेग ने भ्रीताना नि बेद्रायम् गुन् डेस्रायस्य मेन्स्राय प्रम्मे न्या हेर् यह न्या हेर

यदःनुसःमदेःर्देनः श्चे केंसाउवा नर्देशः सेदः धेवः ने नुसः न्यायायाः दरः अळव'र्थित्। दे'त्रःह्रश्र'गाठेग'त्रःह्रश्र'शत्त्र'ग्नार'रुरःतु'राहेत्'सर' गुन्यसाधित्रपरिष्ट्रीम् विशासमायगुम्यतिष्ट्रीम् श्रुप्तिंशर्भार्भानासेन् मदे न्यान उत्तरे सूरान विगामाया विन्तरो ने सून रे विन वी मुसू तुः षदः श्चेरः वयः नः द्रा निरः नहः श्चरः नः देवः सेदः सरः वयः नः दरः। निरायहें वर्हे गाया कु से दार प्राया प्रति क्षेत्र विष्ठा क्षेत्र से दारे सेन् मित्रे मेग्रास्य स्था स्था स्था स्था विष्य विष्य स्था सेन्य स मश र्रेनिन्दर्भे र्रेटा दे र्रेन्ट्रेन्य महेन नशा हिन्दे से र रेग्रायहग्राया। विराधरारे वायह्यार्देव उदा श्रिक्यया ग्रीयारे र्याकुरम्भूत विशायश क्रिनाविशायाक्षिता देखारिके अस्म र्दिन या ने छिन दिन यह निया । या निर ने यहिया सार्वे या से ना से न सर्वेट र्ग्नास्त्र ग्रीस सुवाधिता विसायसा क्रिन ग्रीस पार्सेट प्रवेषित है। इटार्सेश्वारी विटान्य स्टामी प्राथानाया थे के श्री श्री का वर्षा के वि ने सेन्यन्ता गहेश्यस्य निरम्प्यस्य स्वाप्यस्य विष्य नम् श्रुमःनवे क त्राश्रुव ने से न पान्य मार्थ साम्य निरादि व हिना यः स्टः कुः विवा अः अदः पदि । पदि । यवा । कवा अः यशः चुटः पदे । कः

वशः श्रुवि दे से दाय दे से देश देश है से देश हैं दिस से प्राप्त से देश र्दिन इसमा ग्रीमा दे श्रिमार प्येत्। । मान्तर प्यमा श्रिमा सदे सळ द हिर ठवा । शुःष्टि : न्या यी शःयादः निहें द्रा । दे : व्यः दे : विहें स्वा । वे व्यः ठवःशुः र्रेतःया।शुः १८५५ वे अर्घेटः शुरू ५८।। देवः यायश्वयायवसासेटः मवी। श्चिम्पर्निन्ने प्यम्पर्म् श्चिम्पर्म। निः वित्तर्मिन् स्या बिन्धिर रिंगें उदायाधिदा वियाय हुर नायया हिंदे येया है परिया श्र्यान्वर्षित्रेत्रित्रश्रुप्तराष्ट्रेत्रायरेष्ट्रेया यरातुस्याव्याप्तराह्र्या गठिगान्दावान्त्रान्द्रान्द्रम्यह्नित्यस्युः न्योष्ट्रान्योष्ट्रम्य वशनुसाक्षे निर्देशसेन नुक्षुन पाया विविद्ये ने से प्रवाद ने वाया है न्रह्मित्र श्रुप्तमायः विमायस्य । न्रिस्य पर्देन् रहेसाय श्रुप्त नायस्य ने ने ने न्र ह्र गार्ठ गार्ट ह्र शा शार्ट् प्राचित्र में स्वा हि । यह स इश्राम्डेमान्दाश्रान्दाम् वारास्तान्त्र वित्राम् स्वान्य वित्राम्य वित्राम वित्राम्य वित्राम वित्राम्य वित्राम वित्राम वित्राम वित्राम वित्राम वित धिव प्रदेष्ठिम् विश्वास्थापदे श्रिम् देशी में मिश्रा है। देश इस्था है। क्षरायदा। विह्नेत्र द्वासेवाय हेत्या थेव। हिरायेवा श्राप्त विवा

न्। । निर्हेन् प्रमान् अवरहेम् नह्या अधिमा वेश विद्यान यथा नुस श्रुयाह्र्यात्र प्रित्र प्रदे प्रत्र पीया तुया श्रु श्रुया श्रु पाहे या है पापाया इश्राच ५५ ५५ द्वर वि कु अर्द्ध श्री श दे गिर्देश इश्राच ५५ ५ १ १ १ नन्ग्रायदे भ्रेम विंदरो तुम श्रे निर्मा पंतर्य प्राय न्द्रिसार्वेद्रसारवि। दिवाययदाश्ची थी कुं उवाशी। सिवसारा न्या वे तह्या तशुराव। विशावशुराया क्षरादे तर्शा शार्वेरशा शी तुरा मायानुसाक्षायह्यामिते कुः धेना वेश क्षायते हिमा ने से वन्नन्ते। लून्यः भूनः कूरः है किरः वर्षेत्रः विश्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः र्थिन्ने। वन्रासर्वेन्राग्रीनुस्रामायानुस्राभ्यान्त्रम्यास्रीत्रम् याधिवायवे धिराने। वावाने ने स्वापाय वाया ने प्रमान के साव वृद्या वाया विकास वाया विकास विवास विकास विकास विवास हिन्धिव रवि द्वेम विषा श्वापित होम ने से प्रवन्ते। यान विया श्वया र्शेवार्यायायोत्ता । त्राष्ट्रमानाधी नुस्यायो । नुस्यायोत्तानाधी । नुस्यायोत्तानाधी । ग्रान्। वेशायगुरामायश ने क्ष्रम्य सुराम् प्राप्त स्थार्थे

नुस्रायानुस्राभु न्रेस्यासेटानुष्ट्वासेप्ट्वास्य स्वरायस्य धेरा दें वा नर्स्य क्षेर नम्मया अर में छिन पर मार धेव ले वा नन्दर्भेदर्दे। क्रेंके प्रह्रियाया से दायह माया । हमा हर्देश दर्भे वर्रेग्राया । रोड्ने न्या नेते हितःया । ने स्ट्रम् नहिन पवर वहिमा हेत र्थित्। डेराय्युर्यायया से द्वे लेराय हिंद्रायदे श्वार्टेरा रहेते. मदे भ्रमा ने के साउदा न्या ने दे हितु पा के दे न न मारा से मार्थ न है। ने सेर मे न्दर दर्ग मुं सळव र् रु ग्रुस वस ने त्य भे स नह सुर नि सहवानुः भवाने स्वीता विकायमें दारा नामा भवाने स्वीता देवा वःश्चिःर्विनाववनश्चिःर्वरावीशावह्याःसवेःश्चेरःर्वेश्येरःयोः सळवः हैन'न्न्। ने सेन'यर पहुण'यरे सेन'यहण्या संस्थित सेन सेन स धेव है। र्वे अर व पर वर्शे न थी। विर व श्वा विश्व के श्वा न शे नियाने निर्माने सक्द्रमा निष्ठिया हिंगा उत्पावत सवायाधिता विशायवुरायायशा शुःर्देवायाववासेरावायराक्षेत्रारेषायर्देराक्त्या यावर रें या विवा सर वह श्रुर वा सूर के या दे ग्रावाय प्रया विवा से द र् में नर्त्रायदे अक्ष्य ग्रुन् ने देवे निर्देश केर न्या के राने या वर्षेत्र

मुत्यः समित्रः र्रे सः विवा सरः नरः श्रुरः नः सः धीतः सरः श्री सः नरः श्रुरः नदेः यक्ष्व ग्रुक्त श्रुक्त भारे देश यह मार्थ से स्ट्रा गुःन्रेशःसॅरःॲन्:सेन्'यःवह्याःयदेःक्वें'व्यान्रेस्यःसेन्यन्ययः श्रेट्यह्मायायाधिवाते। हे सूर्य्य स्थान्य स्थान्य । स्थित्रेया ह्रिया पा है प्रविव र । विश्वायय पार्टी प्रविव । अवव पा ने या तु से न रहे साम दे सु न न मा साम हि या तु से न मा न में साम निष्या से न त्याग्री मत्रे निर्देश में पीत ग्रम्यार विर्धानिया परि सुनिया या से मि वह्या सळव हेन ख्र ख्व श्री याई में ने ने ने स्था सेन धीव श्राम ने या याई र्ने बियामित सुन्दिया सुन्दिया मित्र सुन्

 मालेशमहिन्मित्रे श्री श्रुप्यान्त्रिंशसीमानुष्याः यहणा ग्रामाने ने दे ने देशमा श्रेर्स्य भेता गर्रे में लेश महिंद्र प्रे श्रु भुष्य श्रे म् त्रे में ते निष्य या गुनामदे भुन्। हग्राया द्वारा दिया या विया पदे भुः भुः या दिर्भा सेटा र्वत्वारानेरावया रेप्तायार्देशस्यास्य विष्यास्य स्वार्थः राधित्रपरिष्ट्रिराते। इयारेशतिगाकेतायशा शुष्यात्रस्या वेसायिः शुन्दिमासुः से पद्वापिते दिवासाये दिवासाये वित्रात्वा वित्रात्वा वित्रात्वा वित्रात्वा वित्रात्वा वित्रात्वा वि शु-१र्देशःशु-१इमा-मदे-ध्रेम्। १रोम-व-तुय-म-तुय-र्शे-वेय-मदे-शु-यः सूर् देव सम्बन्धेव पोव पार्य विव दे । विव या मुस्य पारे दे से मुम्य गहिराया ने ने ते ने देश में मार्थिया भी में में मार्थिया में में मार्थिया में में मार्थिया में म ग्रमानिमानिसामितः स्रोदे स्रोदे स्रोदे स्रोत्सामितः स्रोदे स्रोत्सामितः स्रोतः स्रोतः स्रोतः स्रोत्सामितः स्रोतः स् नम् भे भे भारम् गुर्भेराने त्यमा भु त्विया से द्रा में नम् वया नदे धेरःर्रे। वेशःगशुरशःमदेःधेरः८८। ग्रुशःमःवेशःमर्हेरःमदेःश्चःश्चेः ह्या परि दिस्य सेट सं धीव परि सेट सेट हो स्या से स्या दिस्य सेट से र्रोदे में जुः धेव पदे शेव पदे या यो ने या ने विया ने हिंदा पदे सु में दिया या 

न्रह्न-राष्ट्र-श्रु-श्रु-वा-न्रह्मा-श्रिन-न्रवा श्रुकाव्य श्रुक्षा मदे मङ्गाया सर्के सुरा विया मदे सु न्रेस से मार्ग मही मार्ग से सुरा है। वह्यानेगाकेवार्रे वार्षा शुन्दिं राशेटानु वह्या याया शुन्व वित्राये कुः सळ्दः र्षेट्रः प्रश्रास्त्राच्याः दे। द्येट्रः दः भ्रस्यायशः भ्रेत्रायदेः प्रद्याः यः धिर १८८१ भ्रमायमा भ्रमायमा भ्रमायमा स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स ये हिंगा धेव प्रदे श्रेम देश सर्वे द्वा त्रा त्रा स्वा वेश प्रदे श्व गा न त्य नन्ग्रास्थितः तुः वह्या ग्रातः श्चाने गानि ने निम्यासः स्रीतः स्रीतः स्रीतः स्रीतः स्रीतः स्रीतः स्रीतः स्रीतः है। गानुसमिहिसार्थेन्यान्विम नेमिहिसायायन्यन्यान्यम् बेर्'यदे हिर्व केंगरे धेर्य दे केंगरे लेगर यदे हैं रहेंग केर रह न्रेंशःशुःवह्वाःमवेःवावेःधेवःन्वेंशःग्रमः। सरःनेःक्षरःशेःन्वेंशःने। यक्षवःहेन्यक्षवःहेन्छेयःयदेः शुन्दियः सेन्द्रवाः यदे वाविः ननः शु-दे-दर्भाशु-वह्या-मदे-यवि-धेव-मदे-धेन। धर-स्-रनम्भामा-हेग कैं या ने वे से ना धेन व के या ने वे सकें ना शाधिन। के या ने वे र्देव भीव व के राने वे सक्व के द भीव स्था विचा ने स्था भी से पार से से पार स है। कैंसामारान्यारामी नर्देसा सेराकेंसा नेते सेरान् गुन्में सामित

विष्यानित्र निर्म्य स्वार भिवानित्र स्वार स्वार

रटानी खुनारा दी। देव दे त्या वर्दे द कुया सम्बर्धे राष्ट्रिया सरा नहा श्वरःविरा श्वरःगः क्षरः र्देवः देः विद्याया सेदः रुजिः वरः वुरुषः पदेः सहवः ग्राने। देवानेवान्द्रभाभेदामी अळवाकेता देवाने वापदेता मुखा अपवरा र्स्थः विषाः सरः नरः श्रुरः नः स्रेतः नरः द्वारे । यः श्रेत्रः नरः श्रुरः नदेः सहवः चः ने। नेवः नेवेः नहमार्थः सेनः मीः सळवः हेन। नहमार्थः सेनः यः न्वे न वर्न कुष्मळ्य नुवस्य प्रेम्य मान्य स्थान कुष् श्चारमाया से के विकास देश श्वास्त्र मात्रिका मात्र माया विकास वेषा कुः सळवः ५ : जुरायदे : यह गार्था से दः ५ : चुराय वे या कुः सळवः ५ : 

यदे स्विम् अविश्वायदे सु भू स्वा महिश्वाय सु से दि से दि स्वर्थ प्याय मित्र स्वर्थ प्याय स्व महिरा नरमें हे हे सदे दें न ने राय है साबे राय दे हु हु ता महिराया वे श्वराप्ताः प्राप्ताः हे सार्यमा हे सायदे श्वाः सुन्ति ने स्मारमेहितः ॻॖॱऄढ़ॱऄढ़ॱॻॖऀॱढ़ॻऻॺॱॻॖऀॺॱॾॗऀॱॸ॔ॸॕॺॱऄॸॱॸॖॱॾॗॖॸॱॸढ़॓ॱॸऀॻऻॺॱय़ॱॻऻढ़॓ॺॱ नश्रव वर्षा देवायायावव ग्रीया श्री पर्देया से प्राप्त प्रवास प्राप्त प्रवास से प्राप्त प्रवास से यहरित्री विवालाश्चर्यमार्श्वित्रित्री विमार्श्वमार्थितारी नःसःधेत्रःमःहेन्।ग्रेःभ्रेन्भ्रेःन्रेम्भर्मःसेन्यमःत्रे। विगायःभ्रायमःर्भेः द्देष्ट्य वेशः शुः चः यः श्रेषाश्रायः यदिः हेदः शुश्रादेषाश्रायः पावदः श्रेष्ठः यः लेव.हे। वेश.योशेटश.सपु.हीरा र्याश.स.पर्ट.जपट.योधेश.शे.लूर. दी लीक.कथ.मु. १ वर्ग भ्रीय.म. १८८१ लीक.मु. भ्रीय.म.मिहरा शुः धेन् प्रदेश्वेम नम् भेन्ते। विवायः शुःषशः श्वेष्टि वहा श्वम्यने वर्षानियाः विवा विवर्षा । श्रूरः या वा श्रीया वा स्वा सम् विवा । दिवः विवा विवर्षेत् । उत् याने निया सेना । श्रु रहा यह वास्तर होना परे से सा । से समा यह मा नगाने अद्धरमायाधेना । ने प्रमयाने गाने प्रमें न होना । स्माने समा

महिकारायाधार्ण्य नित्र विद्यान्य सर्ह्य स्वर्ग्य स्वर्ण्य स्वर्ग्य स्वरंग्य स्वरंग्

हेर्यहेशर्थेर्वत्यपर। रिर्नेश्याविवात्तः हे सूरत्यूर। विवारिते ने न्या सक्रम्य प्राप्ती । नर्स्य ने ने न्या त्यय प्राव्य के न । ने न्या भी बेशप्रदोषासेन्प्रमुन्। विवासायाते सुन्नुन्सेन्। हेशाम्सुन्सा मानिन्शीकाश्ची पार्वाचार में में मानिन्ह का पार्टिया प्रमानिक विषय यायाम्बर्निन्छेन्थिन्यविश्वेम् विशायमिन्यम् ग्राम्ये स्वर्थिन्। धिव दें। वेश नमूव पदे धेरा यव छुंव छन पर उव इससा नेर्सा विषानु नाया र्री पाषा पार्श्वेषा है। विषा पाशुर षाया यया गुना परि श्वेर। गिरेशमार्थित्ते। रेग्राश्चित्रस्यशायत्रशातुः सेवाधितावा । सायत्रेयाता न्दर्ने अभेद्रावर्ष्ण्य विशावर्ष्ण्य विशावर्ष्ण्य विशावर्षा भेर्-र्-त्रव्या रे-रे-र्-ह्रश्रामालव्याम्-लेग रे-रेवे-वर्गश्राधेव-धवे-धेरा वेशमन्ता शुः अळवः ळेश उदा नर्रेशमें अधीव है। यत्रशः नुः अः धीवः परिः द्वीरा विशः पर्वीयाः हिरा ह्याशः गुनः स्री देः प्रत्रशः विः वः र् अर्दा विदेवारवश्य दे अर्थे विदेवारवर्षे उयान्यादी । हेयायवेषाधियादीयात्रीयात्रीयात्रीया वेयापास्यायात्रीया

ग्रैमाने का न्दान्यस्या निदायहेगा या साधित प्रवे श्री माने। हिन् ग्री ने का बेर्म्यायराप्रशाह्मर्यायवे धेर्म्या श्रेर्म्य र्रे थेवाव वर्षे श्रे ह्यायाण्या भेत्राप्त्रीया यो श्रीया वियायमाय सुमाया यो श्रीया यामुनाक्षे निर्मार्थिते क्रिनमा मेन्यान मेन्यान निमान न्याया विस्थानासाधिन ही प्री विस्थाने क्ष्म सूरानासेना हेया र्श्यायात्रीट्रायाया है। यहें वर्ष्ट्रयाया क्ष्याया हिंदा ही प्राप्ताया न्रसारीं साधिवाते। हिन्नराध्यायहेवायानम् याहिसायदेश्वयाया धिव मिते भी विता है। निर्देश में सूर खुया नु होना मिते भी या महासा रटा ध्राया यही ता यह त्या थी रहें या यह रही हो वेया यह रह सुरा विश्वास निले मार्चित के इसामायायाया ग्राम्स स्थाने या । ने निर्मेश सूराना बेर्-धेर-र्रे । गाबुगार्थ-उद-धोद-धेर-र्नर इस्थाल। । गाय-हे-सू-नः र्रे भें न व नि सुरा सूर प्रशुर रेगारा हरारा दी । या भेदा पदा गर सर्वेट्सी विश्वास्त्र विष्ट्र के विष्टा ने भी निर्मे लगा विष् श्रूर्या सेन् हेरायहरायाया है निर्मार्था में निर्मालया बेद्रमदे हिर है। धेद्रद्रस्य वह व ने श्रामाय है श्रा सेद्रा पव ग्रम नरःश्रूरः नर्गे श्रायाया इसायाय विश्वेष्ठा वशालेशायाया ने स्थूराया

बेर्'मदे' मेर्र्'र्र्'। बेग्'र्स्ग्राम्यान्च्याया उद्याधेद्र'मया क्र्य्'यया यान्येग्रायायेः भ्रुत्रेत्रे यायायेन। हेयायमायगुमायवे भ्रिमा व्यापा गुनः है। ने छिर ने वे शक्य छ। निव छेन पर भर थे उर दे। 1ने से जुर ही र रूर निवेद सेना १ने के निर्मेश सेन सक्त हिन धीता बियायवुरायायया शुःरिवायाववासेरायारेयावाश्चीयारायहेवाशुः नेशमा क्रीनामा द्या शी निवाहीनामा स्था सुनामा सुना नुष्वीराया ने क्षातानें राधेनानुष्वानाके। नेतानेनानुराकेनानें येद्रां अळव् १३८ प्येव प्रदे भ्रेम् विश्व प्रम्य प्रमुम् प्रदे भ्रम् दे प्यव ग्रेश्वेष्ठा अळव प्रदेश अप १५ क्षुत्र प्रवेश मेग्र मार्थ प्रवेश मेग्र प्रवेश मेग्र प्रवेश में प्रवे श्चनःमदेः रेग्रामः मकुनः वर्नेनः मः नगः ग्रामः श्चिनः र्मेनः श्चः नगरः श्चितः वर्गेयामायाश्चरार् रूराउँ साश्चरारे विषानश्चरमा भूदे वर्गेया यदे रदः श्रूदः खुवा दु हो द रवे हैं। वा हे क्षूदः श्रूदः वा क्षूदः है द हो द श्रूवे निह्न नुःश्रेग्राश्यश्य निह्निग्यिते निर्देश में विश्वस्था उत् स्टास्ट स्टास स्टास स्टास्ट स्ट स्टास्ट स्टास्ट स्टास स्टास स्टास्ट स्टास्ट स्टास्ट स्टास्ट स्ट मकी है अन्यन्त्र वर्षेष्या यार धेवा । ने वे सर यो अळव के न

पर्दिन्। । डे अप्यश्चन्य स्व न्ते। श्वर्मा है स्मृत्त्व प्ति न्य स्व न्य स्व

नरः ग्रुःनः धेवः मदेः धेरः है। धूर्। न्र्रिंशः मेंदिः है। नरः येवः मः उवः नरः । नर्देशर्से सेन् मदे हे नर सेन् माउन नर महिरा महिरा मदि हे नर सेन माउदार्दे। वेशान्ता अळदामविष्यत्सूरामन्त्रामवेदाम्या नर'वर्द्धर'नवे'भ्रेम्। कुव'यथ। हगश'यर'नग'य'गशुअ'र्'न्द्रे'न' येद्रास्त्रम् वयाविः यव दुः श्रुरः र्हे। विं वः रे। ये व्यवदः दे। याया हे दिर्ह्या नहेव नर्देश वर्रेया द्वीया । नर्देश में नेश वर्ष मानेश वेश वर्ष प्राप्त । नःयश नुसःयहेन्द्रेन्।मःनुसःयःयःमहेन्देन्द्रिःनुसःयःयःयन्त्रेयःर्ह्वेः धिव मिते कुं अळव की माने मानु साम सूर खुया नु होता हे माने नि मिते धेरा ने भे प्रवर्ते। भेरा विष्यं निर्मा धेर न्र प्रवर्थ भेषायाया | इस्रायानवर्त्र्यार्वेदाधेरार्दे। वेसामस्रम्यायार्त्रेदाधेस। द्वरा र्शेग्रायात्रयात्रयात्रेत् धेरार्भे वेयायते स्नाम्यास्य व्याप्तान्य वेदा षर अर्वेद नमाने नुमान दि त्रेया पान विष्य विषय विषय विषय विषय रे। नर्रेशर्से पहें तरावे हेंगायाया सूरा नार्रेश से त्या नहेता पवे केंश याधितायमात्रया दे दिस्यार्थे याधितायदे श्रेम ह्यायायया वेया है। गयाहेर्द्र अर्के अरहेद्र हमसादा वेसारी भेरवहर्दी दर्स

र्रामः पहें वार्षे वार्षे उवा । ने ने या धेवा धेमा हे या पदी से वा हे या गशुरुषायाकेत् ग्रीयान्दियार्थे पद्देव पदि हैं गाया स्टा कु न्देयार्थे वहें व मित्रे अर्दे व शुअ व श जुर विर । दर्श में के श मित्रे हैं ग म धेव परे भेरत्। देवे सूर एया दिसारी या नहेव परे केंसा साधेव मवे हे रामा से दारे रे राम वे देवा भी का मिल के का मिल के साम के कि साम कि साम के कि स र्ये त्यानहेत् प्रदे हे या न्यवा वीया श्रेष्ट्र सक्त वित् सूर खुवा नु हो न व वह्रमा:ख्राय: नु: विं व होन् यर वश्चरः दे। विं व। भ्रे वश्चरः ने। नवे भ्रिम्ते। मम्मी अर्द्धन् हेन् महिमा मिल्य हा । पिन् सेन् हेन् न् नर्धिन हमस्य श्री । दिव होन ने त्यस सुन होन दे वेस प्रमुद विद । र्नेन'न्य'यर'गुन'य'र्र्रायळंन'गठेग'स्र रेथ'हे। यत्र थ'तु'र्नेन' गहेर ग्रे के अपनित्र में अपनित क्षून नु अपि में नित्र होत नु अपना धीन न रटासळवाधिवान्वीयायवे हिमा वेयाया है। सूमा ने हिन ही हिमामट मी'सळ्द'हेर्'माडेमा'स'मॉर्नेमार्स्सम्मावय'त्रेदे'हिर्'सर्मावद'ड्र बन्युन्देवाचेन्यम्व्यायाधिन्यायेवाने। नेप्रयावयम्याया हैन्यिडेग्यान्वयान् वेशन्ना मुन्यश्याम्य रहामी अर्द्धन्हेन्

गठिगायावया ही ही विश्वान्य प्राविश्वान्य निर्मा स्थापित है। है क्षर निष्याय निष्य देश निष्य न यक्षंत्रिन्दिं त्यावया ग्राधित है। ने हिन्धिन्य न्यान्य सेन्या है ग्राया न्में राप्तान्त्र प्राचित्र प्रिया हित्र में विषा प्राचित्र स्था है। यापाठेग ग्राव्यायदेशाम्बर्याच्याच्याच्यास्य अळवाच्यास्य प्रमान्य वेश बेर। पि ठेग कॅं र अदे पहुंग खुल ल सर अळं ते शेश हिन पर नश्रुवा वेश वेर नागिर्भागा थे प्रवर्ति। नर्वे नगय या र्शे ग्राय परि वज्ञरानु देव गाहेर ग्री भ्री राज्य दे । धेर से र र ग्री र र ग्री र पाव । विगारु ने सेन मन ने सामित कर्म सामित स्वर्थ मान्य गुरम् सामित सामित मवे भ्रेर प्राप्त वया यापव पर्रे या से रासे प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त से प्राप्त में ह्याश्राश्चिश्वस्थायायः नर्देश्यसेन न्द्रम्याश्चर्षः ह्याश्रास्त्रे ह्या न्यायाः स्वतः वह्रमा:ख्राय:धेव:पवे:धेर:५८। मावय:ग्रु:श्रु:श्रे:हमा:पर:श्रुव:पवे: न्र्रिंशःश्रीः स्रान्ते वित्र के वित्र स्राप्त स्राप्त वित्र स्राप्त स्र स्राप्त स्र स्राप्त स्राप्त स्र स्राप्त स्र स्राप्त स्र स्राप्त स्र स्राप्त स्र स्र न्दर्भिन्दर्मा नेन्द्रिकार्भिकाधीवामवे श्रीकाती नेन्द्रिकार्भिकावा गल्रम्मरामाशुस्रासे पर्ने हेरा ग्रेम्मार्या प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्र प् वयः नदेः क्रीतः विद्यान्य विष्यान्तरे मान्यान्य विषया

न्र्राभेन्याम् व्याम् वित्राभे वित्राभे स्ट्राय्य प्रमेन्य वित्राभे स्वर्थः नक्ष्रनाहेश्यान्दाय्वर्षे विशान्दिश्योद्धान्ये नक्ष्यान्यान्या वेदः अदः द्वाः नश्वः प्रशः देवः वेदः वुशः श्रृदः दे श्रुवः क्षेः हवाशः अदः नगानु। प्रशास्त्रम् अप्तर्वे अप्याये स्थितः न्याः स्थानयः न्ये अप्तर्यः स्थितः माने हे सान्यमाने वे लेव खुवान्य मानवा मुः धेव मवे भ्री मान्या मरा हेन्द्रियाः यः कंत्र यः त्राह्मियाः यः त्युत् । लेयः यादः तुरः धेवः वः त्राहेतः ग्री तह्या पुष्य वेद पुष्य यावय ग्रु या शुंश र्देद या हेया या पेद र वेदिश मवि श्रेम हिंगामाना धेव ने माने सामा धेव है। श्रुमा वहें व हिंगा राः कृतुः वें वाः ने यः इसयाः ग्रीः वह्वाः खुवः वें वायाः वाशुयः ये दः हेटः। श्रुः ह्यान्यः श्चान्त्रः हित्रः हित्रान्यते वह्या खुव्यः नदः वेदः खुवः खेदः यहः देतेः मालया गुः साथे देशे ने सामा समय प्रमा मी सूर सुया प्रमानुर ध्ययः र्नेत्र याडियाः ग्राम् र्ने याः याः याः योः स्त्रा नुयाः यो स्त्रा नुयाः यहितः ह्रिया प्रदे प्रदेश धुया याद्य यादिय यादिया स्रिया लिव'व'र्राची'श्रूर'खुव्य'र्र्राचा बुर'खुव्य'र्षेर्'र्घश वित्र'ग्रार्थ । वेश'र्य नेवे सूर खुव नर मातुर खुव खेत त खें र से र में र है। सु हमा र रर

वहें व हें ना मवे खूर खुव पर । व्व माठे मा व्व माठे रा वि रा व्व माठे मा व्य महिमासुरभूट नियं नियं भी मारी सूट खुया धेवा मिरे ही मा ने राष्ट्रा मते दिन ही हा हमा यहें व हिंगा मते ह्वर खुया ही मार्ड में से हो हा मारेगा न्नु गिहेश शु श्रू द न जिद्य है। सदे श्रू द जुवा है। यह कि स्व स्व है द है। ने महिरा शे सूर एक शे मार्ड में से राम है। ने महिरा शे णुया ग्री मार्के में से दाये हिर है। दे द्वा में वा ने साथे दाये हिर ह्रिंगासेन् ग्री ने सामा इससाया ने दाख्या सा बन्दे ने साख्या प्यानिका सी न्नरः है। देंगाः हः वळ दः दें। विं वः दे। यावयः ग्रुः यः स्टः सळवः याडेगः युर्रिश्यापारे। विविध्येष्यायात्री हिन्द्रित्यः प्रमार्थे व्याप्या नर्धिन संवह्या संक्षेत्र सेव वस्य ने है भूर गठिया सु वि व यावया हु धेव विश्वान हिंद हे वा नदेव है। देव ग्राम है ज्यान है दिया पर कि यक्षव हिन ग्री हेव उव धीव वें। ने क्षर व प्याय विया ने निर्मा में हिन धिव कें बिश क्रेंव पर होर हैं। देश व क्रेंटे प्रगय बिग य रहर नवस याधितावेयान्दियार्थिते हेया शुष्त्रद्यात्यात्यान् श्राप्तित्वी ने क्षा अ'भेव'व'सेन'म'हेन'न्देस'म'स'न्धन'म'ङ्गा इट'बन'ग्रट'से'न्द्र

बेर्'मदे'खुव्य'ठव'ग्री'र्न्श्रिंर्'म'यर'र्न्स्य'र्मदे'हेव'ठव'हेर्'येव'हे। न्र्रेशः भेन्यः भिन्यः भेन्यः भिन्यः गश्रम्यास्यास्य विविधितास्य स्वितास्य स्वतास्य स् मवे मानेवे मेहत रूप्ता अळव हे र पेर प्रें मानेव मानेव में राम मानेव में माने ने खेन नर्गे अ सदम धेन है। मान्न श्रे अ न न मा अ सदे श्रे खेन सेन न्ध्रिन् प्रदे ग्रिवे ग्रावि न्यावि न्यावि न्या स्ट अळव न् न्या प्रदे न् प्राय प्रस्थ स्था नर्धेन्या हेर्या ने सेन्यम् ने स्वान्यम् ने स्वान्यम् नियान्यम् नियान्यम्यम् नियान्यम् नियान्यम् नियान्यम् नियान्यम् नियान्यम् नियान्यम् नियान्यम् नियान्यम् नियास्यम् नियास्यम् नियास्यम् नियास्यम् नियास्यम् नियास्यम्यम् नियास्यम् नियास्यम् नियास्यम्यम् नियास्यम् निय हेत्र-तुःस्टा सळत् भेर्पन् नर्गे सामदे श्री सामद्रा न्या समिदे ने साग्रा भीता भेव-निर्मित्-मित्रे-हेव-न्तर-स्टासळव-देस-सर-निर्मासि-धेर। धे-या गुना है। ने निध्ना पारा सर्वे नाम स्मान संभित्र ग्री गा गुना साम है। सर्वि शुस्रास्ट्र सम्मानुन प्रामिन प्रामिन स्वा नेर विषय प्राप्त के न गुः धॅन् सेन् न्ध्रन् पदे के सेग् गुः क्रून् पर देश पान् व व नुसास गुरा ग्री वया यापिये यळव गवि येग्या यस् ग्रुन पि हे मा दे त्या वि व से र्ने न हो न त्रामित्र मान्या हा समा सक्ता मारे मा सुस मे सामित्र माने मा स्वाप्त माने मा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप ग्वयानुःयः स्टःश्चे ग्वेश्रासुं राद्येत सुंग्रासुरः ग्रेशः रावतः सुर-दर-वयायाः बेट। रेयाश्रास-दर-वयायाः नवे श्रीर-वे वा

वर्देवे यत्र या गृहेश है। स्टारमाय श्वर न न रेग्र मार्य प्र वयायानाश्चरानाविशाशार्थितामवे श्वेमा नरार्थे खेताने। ने वे सरा माववः रें में भेश हिमाया द्वीर मावया द्वामा है या यह है । नायम्। मदासळ्वाह्मिम्साळ्याचीः श्रीत्रमावयाचायाम्याहिमा शुरिशासरामित्रिया स्टासळ्याहेषासाळ्यामहेसार्थिताने। र्रासळ्व सूर भुष्य रु हो र पवे से वर्ष र्रास्य स्वर् हें ग्रास र र । ही सक्त सूर एपा पर्ने हो र पदि से निया र स्वार्थ हो निया र पा नि र पिर मवि श्रेम है। सर्व श्रम श्रम श्रम श्रम मिन निमान है स निमान मिन श्री यासूराहेग्रायायदेधिर। वितरो श्रुधीहग्रहिग्याशेह्यार कैंश उदा अप्विषायर वया शुं शे ह्या य दिंश शुं हें या शाय है य हग्रमार्यावरा वे वा वाज्य है। है नविव सर्वे वेव सेव संवे से म |गिर्वेश्वारायविष्यायाधियायम्।यविष्य हेशायविष्यायाया ने श्वा शे हमा प्रते ने व श्वे श्वा शे हमा प्रमः श्वर प्रते विव श्वे प्री प्रते श्वे मा पि डिग वर्ने वे हमारा वा श्वा शे हमा पवे रे वि श्वे श्वा शे हमा पर वहें व मवे क्रामाधे माने हो न विकास निमा धराम है म क्रामा मि र्देवः श्रुःश्चाः श्रेन्याः प्रमः विवाययेः विवायः प्रवेषः प्रिकाः प्रवेषः श्रेमः विवायः विवायः विवायः प्रवेषः गाः शेः येवा शः है। हे शः न्यवाः नेः स्टः वीः वहें नः श्रूटशः ग्रीः धुवः न्टः स्टः मी बेद एएया या विषय ने या या धेद मिर है मा है। क्र मा धेद मिर हिम र्वि'व'रो वें'वा रे'रर'यो श्रूर'ध्यायायावियानेशाश्रुप्रया हिंद्र'ग्रीश श्र्यानर्गेन्यावन्यन्यवे ध्रियाने वा वर्नेन्ते। ने श्रुः श्रेष्ट्रमायवे नेत्र्र्शुः यर श्रूट प्रदेश केश्रायाधीव प्रदेशिया मिं व से। दें वा देश श्री शे ह्या या ययदायियानेशाश्चा देश्चाश्चाराश्चाश्चाराह्यास्तरेद्रिश्चेश्चर नदे-नेश्रामाधित्मदे धिनामान्या वे व से अकुर्मा है। ने मर मी बेद सुयायायायादिया नदे ने या मा धेद बेट । मा मी सूर सुयाया विषयः नेराधितः पर्वः विष्ठः प्रमः व्ययः व्यवः प्रदेशिम् विष्ठेव हेरा प्रवाः ने या श्रु शे ह्या पा श्रु शे ह्या परे ने दिन श्रु न शे श्रू न ने । विदा शे वन्तरी ने वा श्रु शे हमा या नराने वे ने नि श्रु मारे मा हु श्रूरा नवे श्रिराही नुसारहें तर्हे गाराया ने क्ष्र सूरानरा ने या है या है से स्वानरा वेसा र्शेग्रथःग्रेशःनश्रृदःधरःग्वितः वेदःधेरा

महिरायनम्बर्धाः प्रत्यायः मञ्चरः सः वित्ते । वर्षेतः सः मङ्गितः सः वर्षेतः । वेदेः व्यवस्य विद्याः व

शुःरिंभ्यादी। हिम्यायादायहायायाळ दाया थेवा वेयाय शुरावेटा। देवा वे। यर्ययम्या श्रुः भेरहणाहें प्रयाशे हे यर्पणा के या उदा श्रुष्धा ह्यायासाहित्रस्य स्वरा स्वरी स्वरी स्वरायास्वराध्यात् से होतासास्वराध्या दर्भराव १६वर ने या ग्रीया या ग्री क्षेत्र या है या या प्राप्त विवा विया धेरा निर्मरात्रान्तारासेरायहेता की स्वाप्नेसामित विसामित वयानामिक्रान्ता माराळ्ट्रायाधितात्रायात्रव्यापिताते नेयामाधिता मश्चित्र। द्येर्त्र, अर्देव् शुअ प्वित्र। हेश्र शु द्या पा पर रहित्या धिव दें। वेश भार प्रा गर र स्यळव सूर धुय र हो र भिरे से वश हैग्रम्भात्र स्टायळंत्र स्टायी दिनिदेशे द्वार्म हिम्रा प्रमात्र । श्रेया नेश ग्रेश या त्या श्रेश भ्रें अके द हैं या शरा प्रविद्य हेश द्या या मीयाग्रदास्टायळं वासूदा खुवा दुः हो दारावे स्वाव स्वाव स्वाव विवाद से यशम्बद्धाः मिन्द्र मिन ह्रेग्रस्य माञ्जा अत्राधित स्त्रित्रिय । यादा यहिता सालि द्रा से हित स्तर यायाधीवाते। । नियेनावायीयाः सेनाग्री वन्ग्रीयाः सेनार्येनायाँ नायाः सुर्ते। द्वेनामते क्वेन्यान्या के नाम क्वेन्या क्षेत्र स्व क्वे स्व क्षेत्र स

महिरायन्यम् विद्वा विष्णा महिरायन्य महिरायम्य महिरायम्य

इस्राम्बन् ग्रीस्राग्यर हिम्सारा सर्वेदा । श्रिम्सारदे त्याने त्यन् नहन विया वियायवुरायायया श्रुप्ते ह्या हिंगाया ग्री हेया द्या देया श्रुप्ते ह्या पदे देव श्रु श्रू द खुव दु श्रू अप वि श्रू वि अ श्रु शे ह्या प हिंग् अ मवे भ्रेम्प्रा हेशप्रमानेश श्रुशी ह्या मश्रूम खुय पुरा श्रे भ्रेम नश्रव विव परे भेर है। भूर। वय न न में हैन य वे य ने य हैन धिव है। यदे सूर दे वे हैं गाय इस या गवव दु सई देशे। वे स दूर । गहेशना अरा मुनामा हेरा धेवाहे। यरे सूर हैं ग्राया यरे वे अरा यव निमान्य विषानि स्थानि स र्या निष्ठ रा में में से हिना है निष्ण में है रा निष्ण कि रा उदा रूट मी श्रूर खुवावाविषा रादे नेशारा धेत खर खर खर या धेत है। दे धेत षरम्रामी वह्रमा खुषा वा नामर पुर से सुनि ने राम धेर परे छिर। विशायमें दाराधी त्रवदादी हेशाद्यमा दे स्टामी सूट सुवाया वाद्या मळ्यास्रीवामवे ही माने। दे लावह्य सामाम विम ळ्यास थेवावः ने या यहिया साळ्टा साधिवासी निर्मेशान विस्ति सामिता है। ने ता है वा सा शुःदिहेत्यर्देत्र्युयःशुःशेःह्याःयःयःश्वदःयःयःरेशःग्रीःळद्यायः नदे र्श्वेत र्थित प्रदेश वाहेश या देश वाहेश विश्वास्त्र विश्वेत स्वरं हीराने। धरामाने में इंशान्यमाने रूरामी सूराध्याय वें माने शाधिता वेराना शेष्वरादी देश्वाशेष्ट्रणायदेर्देवःश्वेश्वाशेष्ट्रणायरः वेदायदे र्वे से व राये हिम् वया न गहे या या दिना है मार्से र र र र र या साहन मवे निमे भिन्ने किं मानु क्षेत्र से वे किंद्र निमाया किंमानु वे क्षेत्र भी का सर्विक्तामा विवासिक्षेत्रभाष्ट्रा हिन्सेन स्वासिक्ष्य हिन्सेन हिन्सेन हिन्सेन हिन्सेन हिन्सेन हिन्सेन हिन्सेन याह्य रेपित्र हेरामश्रम्य निता देव दी से निया हेर दा पहिला नियाधिव व रहें न्या याधिव प्रया या श्रिता स्रे। यदे र प्रस्त व रिंग स्रित हैं र स्रित हैं दिन वश्चित्र तुर वहें व पवे हैं नि । हैं व सवे वे नि वश्चे ते र तुर वहें व पिते हैं पिते शायहिया ने शाशु सर्हित् शाया मा स्वीत हो । विन्यम्भिन्यवे धिम्हि ने सक्ष्म्य ग्रम्यदेम् नक्ष्म के में मुद्रे के न यशर्वेर तुर यहें व पये क्वें दे कि प्राथिव। क्वें खे सा कि प्राथा थेवा यदे भ्रेम पर में ग्रुन हो ने र्वेस देंन ग्रेम ग्रुम ग्रेम र्वेस ग्रुमें थ्व'रावे'गिवेर'र्वेर'तु'र्थेर्'रार श्रुव'रावे'रात्रश्राह्याश'रायहेव'वश' श्चेरायदे हेरान्यमा धेरायदे धेर है। श्रूरा र्रेर तुः श्चेर सेदे देन नमः या विश्वानु नाया श्रीमाश्वास्य स्वयान निर्मि माना निष्कित ।

क्रॅब्स्सर्छेर्दि वेशन्ता क्रा क्रिंस्यम्बद्धार्याया हेशा शुः न्यमा या हेन् ग्री व्रान्त्य प्रत्य प्रति श्रीमा वेशान्य ने प्रयाप वर्ष्यात्रितः हमायायया भ्रेयायि हेया शुः द्यमाया या हेदा धेवा देया गश्रम्य म्या क्रिन स्ट्रम्य यहाय नेय धेन न कर्म या या धेन मश्रासान्त्र से। यदेरामध्रम केरा केरा केरा केरा न्या केरा है। पर । क्रेंब-रूर्-ाय-र्वेर-तर्द्रव-पदे-र्वे-पदेश्च-पदेश-पदेश-पदेश-स्व-र्य-ग्रद्स्य भीत्र भीत्य भीत्र भीत श्रुः सासर्वि सुसाधीव । द्वीः सामाधीवः मदेः द्वीर। नदः में गुनः से। कुवः हिन्द्रवास्त्रस्य स्था । यद्वा हेश्य द्यमा हिन्द्र देश । विश्वा । मुलानाउदाग्रीमा ने हेन्द्रन्त्यर्मेदासुयायया वेसाग्रानादी रमागी ख्यायार्थे। यदावाहेयाद्याक्षेत्र हेयाचुत्रावे भूगुः र्हेदे दे वेया गश्रम्यायदे भ्रम् कें या यकेंगा स्मार्वा विया नेया धेवा वा सम्मायकें श्रमाग्री हे या शु भ्रे या पाने र्हे राग्ना वहें वा पाने रहें ना हैं वा रहें ना हैं वा रहें ना हैं वा रहें वा मवे सदिन सुसा ही हे सा सु सु साम दे हुँ त दिन है मा तुम वहें ता में हैं।

महिरायह्नयानेरासुरसङ्दर्भाग्यम। नेपाहिरायानहेन्द्रसर्देन्त्रः विनामाश्चित्रासाश्चित्राम्याधित्राम्याधित्रामे । ते सक्द्रमा ग्राम्य यार्वेरानुर्दरम् कुर्व्यायनेया महिमार्वेयायनेयाने सेराने तुर्भामार्चिनामिते कुं अळव हेन गाह्र साधिव मानविव नु वे मेर नु वे किं यार्वेरातुरायहेवायावे साधिवार्वे। वेसाम्बर्धरसायायसानेसायवे धेरा कैंश सकेंग देर देर देर देर तुर पदि द रादे हैं केंग केश शुनवेर मयर धिव है। यहर धूव यशा मानव रमा र्वेर मुदे रें र य रें र मुर नेश्रायाते हेशा शुर्पणा धरर पर्वे द्रशात्र शहू न पर्वे त्रीशा है। नर नर्गेद्रायाधेदार्दे। वेयाबेद्रायादेवे से से म्याया है। वेया हेया द्याया धेदा यायान्यायायास्त्रस्तायान्या वदीविक्तायाव्यायाव्यायाव्याया सर्दिन सुसाधित पाया पर प्राचा पाया सहित प्रियो साथ सामुन परि धेरा रदःख्यायानःगिःहेयासुःवज्ञदःनःवी इस्रान्नदायया देः क्ष्र-त्रोयान्निन्नेन्निर्मित्निन्निन्निः । सक्यामी नवेर मारेर त्वीया मारेर सूर हैं। वेश यश्रिस मारे पिश्रास्त्र स्था । दे पीवायायश्य वे वें र वें

ने म सूर देव समुद र से प्यम् पा वेर तु या मकुर द्वारा नर लट. श्रे. रेट. क्षेत्र व्याप्त मानि'सस्मानिद्रमा'रादे भीता मि'रेम केंद्रमें दिन्दित्र रादे सर्देन शुअ ग्री हे श शु श्रे श पदे रें र रें र रें र रें र रें र राज्य र दें व पदे रें से पद रें र राज्य यासायनेयानरासीयम् ने। ने र्नेरानुवेयन्त्रसानु धिनायवे सेराने। ने कें र कें न की त्वारा नु धीव पाये ही र ने कें र कें न यह वा पाये सिंद । शुक्षाणी वर्षका राष्ट्रीय वित्रा हो से हिला शुक्ती का राष्ट्रीय कि वःरी वैरःश्वामेगश्वःदे।मेगशःदर्गशःसरः वयःस। वर्देदःवा वैरः तुःळद्रःस्रभःसःद्रभेगमःसदेःभःद्विग्रभःग्रेभःसःदेभःर्भे विदा विदः हु वर्देन या धेव दे। इर न वन पित पित पित पित सुर व वा न वन प् र्थेन्ने। ने क्ष्रम्हे नविव नेंव केन्वना । हे अन्यमान्य वे नेम क्षर न्या दिन होन्यान्दा हेशायहोत्यानशा । क्ष्मां संभित्त होन्यान्यान्या डेश'गशुरश'निर। र्नेव'वे। शु'शे'हग'हेंगश'ग्रे'हेश'न्यग'र्केश' उव। ब्रिंन्न्र्भःह्यायदेवःह्यायायविष्यविष्यः वेषःश्रः सर्द्र्यः ग्रद्स्य अत्र भेत्र भेत्र भेत्र भित्र प्रमार्थित है। दे अर्द्ध्य ग्रद्भ भाग ेह्रगारायात्रकुट्राव्यायत्रेयायवे क्रिंव्यादे राष्ट्रायाय्यार्यः दुः ये सुर्वा

## शुःहगायद्देन्देन्देगायाश्चात्रीत्रीत्रायायाने सुरासाधिनायदे श्चिरा

नेवे न्वर वीश क्रन्थ वाहेश शुरेश यर श्रुन या

ते भूरात्र र्वे से होत् नुसान्य स्थान्य स्थान

सर्च हे या ग्री मानया ग्री है माया र्ख्या मन्दर्भा

यश्व कुंय थ्रिन्ते। यद्व स्था विश्व क्ष्य प्राप्त क्ष्य क्य

गहेशमण्पित्ते। भ्रेमारु गुर्म्परे भ्रेष्ठ स्मित्र मिर्मार्भित्र मार्म् । भ्रेंगा शुर हेंगश रा हेश द्या हु र स्वा हु र या गड़िश शुर् भेंद र यदे हिर न्दर्भि भेरिन्द्री ने अश्माववर न्द्रिशन्न न्दर्भि वर्षा । स्रास्त्रित्त्रम्। हेर-रें-ने । हिंगा-भन्ने हेव-वे-रेंब-मावव-धेव। । गाय-हे-रे-हेव-रू-वर्त्रेयाउव। यिवावादे के में जु हिन्। विके में जिन्हे या वर्ते ना शि धीर्ने में भेर में मार्था विश्व में मार्थ र मा र् दे हैं ग्रामा से प्रमा विमार् प्रति ह्यामा श्रीमार् भ्रामा से प्रमा यर हिंग्र राय हे हे अ प्रया पे अ पे वे ह्या अ शे अ पे ह्या शे शे पि हो प शे ह्रम्यायायान्यायानहेवावयान्यावयान्यान्यायाया र् नवे ह्या श्रा श्री शर् पृथ्व त्या या इस्यो में हिर् श्री ह्या श्रा या राज्य हो डेश'यर'वशुर'नवे'धेरा

यहिश्यसंभूग्याश्चरःह्याश्चरदेःह्यान्त्याःहः त्रश्वर्यः प्रिंति । द्वेयः व्या भूग्याश्चरः ह्याश्चर्यः ह्याश्चरः ह्या

सर्वि हे अ ग्री माविया ग्राहे ना शास्त्र या या नहे व त व शास्त्र मा श्रुवा स्वीता स्वी

मिहेशमाने त्यामहेत त्राष्ट्रियामा श्रुया द्वारा पिता है। सर्देव श्रुया भूगारु गुरायाया। मानया ग्रामानव के प्राप्त माने भी । दे भी रामानया ठ्यानिकानित्रा । क्रियानिकानिकानिकानित्राचित्राचित्राचित्रा । र्नेव वे। क्रन् स्रेव स्रूर एए या ग्री मावया ग्राया सर ही मावेश स्यामा स्या देशक्रक्षन्यायास्रित्सुस्राधीः कष्नास्रान्दाहेशःसुः न्यमायवे कष्नासः गिरेश शु. ग्राम्य देश प्रथा विता है। यदिन शुया ग्रीय प्रमास्य स्वर थुयान्ता हेरान्यमामिराश्ची अर्छन सूराध्यान् होनायान विम सर्वि गुर भ्रेना गुर गर उर साधिव मदे गविय गुर से दि भी समयः दुरः वर् रहारा वा वि देवा सर्वि सुसः शुः स्वरः समः रहिमः

शुः हैं ग्राया या या व्या स्वार्थिय स्वर्थिय स्वार्थिय स्वार्य स्वार्य स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार मवे र्क्षन् समान्त्रि स्वार्थ हिनामा सम् न्या स्वार्थ डेश बेरा पि डेग हीं दर्भेनश ग्रेश क्षें पर्देगश नडन पर ग्रुन पर । हगरा क्रेंनरा ग्रीरा क्रें पर्देगरा नवर पर ग्रामा वेरा वेरा विषा वेरा विषा ठेग अर्देव-५-ग्रुर-धरे-ळुंय-ग्रेश-हेंगश-धर-ग्रु-व-५-। क्लिंग-५-ग्रुर-भे हमान स्थाय सक्त हिन्ने धीता सक्ति हाने साधिता सर्वेत सुस शुःर्कन्यायन्यर्केत् शुःने योत्रायन्यर्कत् हेन्ने यायेत्। ग्राञ्चनायः धुः अदे अळव हे न ने भेव गुर अळॅव गुने अभेव भदे धुन वहेदे न्दर्सिन्द्रम्था दे स्वायर्ध्रम् अर्द्द्रस्था श्री अर्द्द्रस्था श्री हिंग्या सम् गुःनःधेन् प्रदेः भ्रेनः है। ने इस्यास्तिन ग्रीया न्रेस्यास्ति । नः धेवः मदेः धेरः है। इसः सिव्याद्येवः नरः मर्ना मरः सिवा सरः सर्ववः धेवः व इस सम्बित श्री म पर्टे म शुः है गाम पर ग्रुः न प्येव प्रे मिना गिर्देशासान्त्रा ने भ्रेंगा शुराधेता स्वेरा स्वेरा हो न सुना शुराधार प्रा धेव मदे भ्रम गश्रम मन्म मद्दे मा स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य ग्रीसार्टित्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वासी स्वित्र विश्वास्त्र विश्वास विश्वास

न्दान्वस्थान्ये द्वाया श्रीसा श्रीसा श्रीसा ने प्रति स्था स्वर्धि सा ने प्रति । वे प्रति । वे प्रति । वे प्रति । वे प्रति । वि प्रति याधिवायवे भ्रीमानमा ने ने ने नम्बानमा याधिवायवे भ्रीमा ह्यायायवे या वार्वाया हेया शुः न्यवा प्रदे स्वन् स्वया न्देया शुः हेवाया प्रमः हा नः धेवः यः ने रः वया ने वा व्या या थे : ह्या यर हिंग्या यदे : ह्या प्रया योश्याद्रिशाशुःहैयाश्यास्य द्वाताधेत्रासदे द्विया ह्याश्वास्या दे द्विया शुरासाधितामानेरावया देग्वश्च्या शुप्ताश्चरायाध्याधितामित्राधिराहे। र्त्ते निर्मेय विकास निर्मा सामित निर्मा सर्वे निर्मा परिष्ठ । यह विकास निर्मेश सर्वे निर्मा सर्वे निर्मा सर्वे निर्मा सर्वे निर्मेश । न्दर्भिन्द्रम्था क्रिंक्ष्रभ्यास्त्रिम्भार्यदेग्न्यास्त्रम्थित्रहेर् सर्दिन शुस्र से दाया हो हिं है हिया साम स्था है या साम प्रमुद्धा है सा धेर-१८। रट-र्हे क्रिया-युर-५-र्सेट-वर्द-याद-वया-सेन्-पदे-धेर। इ नवे अळव हेन वहें न छुवा नहें या से यह न ने केंव में अळव हेन श्रायाधेव गुरायर्कें व गुरि भेवा दे यर्कें व गुरि याया भेव गुरायर्क्व हैन्धेः अप्येवः पवेः धेन। हग्रश्नरः रेंने रः वया क्वां वर्षेवः यहेवः अर्देवः शुअ ग्रीश र्श्व में अ श्री द नवे श्री म हो। दे गिर्देश ह्या श द्र पीव पवे

धिर ५८। र्वेव में श्रिट ग्रुम थीव मदे भ्रिम इन्माय महिया पर वया ने हगारा उदाहेरा नमगा गीरा हैं पर्ने गरा न उदा पर गुरा थीता मवे भ्रिम् है। दे हे अ दम्या यी यावय ग्रु थिव मवे भ्रिम् इ मवे अळवः हेर्'ग्रुअ'र'से'प्रवर्'रे। ग्रुग्रास्ट्रिंगुर'धेर्'र्रेग्रास्ट्रे यादः वया धेव व या ब्याया अर्देव ५ सुर प्रवे खुयः श्रीय हियाया प्रवे यादः वर्या धेत से 'दर्गेश सु से से मारा भ्रेंगा शुर धेत सर हैंग्र सर दे यार वगाधिव व ने भ्रिमा ह शुरायदे खुंया श्री या है माया पदे मारावमा धिव से । श्चेदेः ख्रंयः ग्रीयः हिंगायः नेदः गाञ्चगायः अर्देवः शुरः दुः यः हैं गायः पदेः गादः वगायीयायारेयायदेशिराहे। यारावगारेयायाव्यायार्भेगारु शुरायदे क्ष्याग्रीशःह्रेग्राश्चादेः धेरःहे। देशःग्राञ्चग्राशः क्ष्रिंगः शुरः दुः हेग्रशः धदेः धिराने। नेशाने र्नेता श्रुवि ख्या ग्रीशा हे गाशा प्रवे श्रीरा हगाशा श्री सानेरा वया सरमः मुराययायायस्य सारे सारे भी में ने सार्थ हो। हे सार्थ हो। हे सार्थ हो। मास्त्रित्तुमान्ये द्वाया श्री साहित्या स्त्रित्ते श्री माने स्त्रित्त श्री माने स्त्रित्त श्री माने स्त्रित्त र् हैंग्रश्यवे धेराने। देशरे अर्देव शुंशर् हैंग्रश्यवे धेरा धराव ठेग हग्रम्भ अट द्र्या या यहेत त्रम हें ग्रम सम् इ न द्र्या हें ग्रम दे

श्रूराध्ययाप्राच्युरातुः कर्षाय्याप्राच्या श्रीवाश्चूराश्चीः अळव १९८ वेरा पि ठेग रूट हेट अर्देव शुरु नु स हैं गरु पर रूट हेट हैं गरु मदे नार बना श्रेर मार है अर्मना नी श्रूर खुल नार सुर रु सरान्सेग्रामा क्रिंगासूराग्रीसळ्दाकेन्चेरामा ग्रिसागासीयहर दे। श्रायापात्रयापदे देव श्रेयायादेय। श्रीयायापात्रप्रायाया देशामवे भ्रेमानमा भ्रेमाया तुष्ठामवे देव भ्रेष्ठा ग्राम्य देशामवे भ्रेमा ने या वित्र में ग्रा व्याया के या उद्या के वा ग्रा वित्र के वा वित्र के वा गुर-५-अँट-नवे गट वग थेंद्र-भवे द्वेर देर वया हिंद-देव हुवे छ्य ग्रीशःहिंग्रशः प्रदेश्यादः वयाः पेदः प्रदेश्चितः है। सदः हेदः स्रदेशः सुसः दुः स हैंग्रअःसरःसरःहेर्देग्रअःसदेःग्रदः व्याःधेर्दःसदेः धेरा हग्रअःप्रश्रः वे'वा स्'यायायान्यासे। द्रवार्से क्रिंगडवा हिंदार्स्या गुराधेराधेरायरा वया हिन् क्रेंग शुरात् र्रेटा नवे क्वें पेंदा मंदे हिन। हिना मान्या देरा वया हिन्दिन हैं नामशाहिन क्रिंग सुर र हैं नाश मदे हिन है। नेश इस्राचन्द्रायम्। र्हे भ्रेग्युर्न्, वर्द्र्यायास्वर्ध्याश्रीमानस्या न-१ विश्वाशुर्श्वास्थाम्बर्गिन्। विश्वा देवाना हित्र

सक्त हिन्स धित पर वया क्लें किन समा स्वाप स्वाप स्वाप सेन यदे भ्रेम हगराम्या वेरायये विदा रट हैं कर्ष स्थाया गुन यदे ग्राट व्या थे रिग्रीट ग्री व्या न प्रत्ये म्या या या न स्तर न्वीं शर्मर श्रुया ने वर्ने न परी श्री विष्ठ न ने विष्य में विष्य निष्य ने विषय । नगवः अवे । हिन् पर-नर्गे अ पवे ने अ पा से न पवे हिर-नर। रह की । ग्रम्या बिट देगा पा रट हिंदे सक्द हेट धेद प्रमाप्य विष्य हिरा द्याया नवे क्रिंव र्धिन पवे छेन। नेपार्य स्था स्था स्था या नहेव व्या के राने सर्दिन शुर-५ हिंगाश पदि गार विगा धिव व के शरी सर्दिन शुर-धिव पर हैंग्रअः सदे ग्वार विवादिक्या स्वादित्य किया है में वा शुर र रहें वाया यदे ग्राट बना धेव व कें राटे क्रिंग शुर धेव पर हैं नारा सदे ग्राट बना लेव नर्गेश वेश वेर न विग्राय है। ग्रा म्याय से दिन शुर लेव पर श्चर द्रों राजी श्री से लाइया द्रा वी सुद्र जी वा स्वार्थ वहें दा सर्दे दा स्वार्थ ग्रीयायाञ्चयायायर्द्वागुरात्र्हियायायदे भ्रीतात्राप्त्रियायाय्ये भ्रीता याञ्चयायार्द्वाभ्रीदे क्ष्याग्रीसार्हेग्रासारे ग्राटा वर्गा ग्रीसारे क्षेत्रा शुरार् हिंग्रासारे सेरा न्दर्भिन्दर्या देशन्यम् अर्दिन्शुयान्तिम् वार्वेशन्यन्तिम्

वया देशरे देव श्रेदे खुव श्रेश हैं गश्रायदे श्रेम किंद मे ग्राह्म र्देवः श्रुविः द्धवः ग्रीकः हिंगाकः पवेः ग्रादः वर्गाः गीः श्रुदः ग्रीः गार्वावाकः वहें वः हैनाम्यराम्ब्रम्याहेन्यराध्या देख्दानदेखाराबनाखेदासदे धेरा हमरापर्या वर्दर्वा रेयाम्बम्या यर्देयायास्य वेद्रायी प्रदर्भना अर्देव खुर्या यी अपना वुनाया श्वाया अपना स्वया वर्देन्यान्दिन श्रुम्याञ्चन्याय्यदिनः हिन्यायः श्रिम् श्रुम्याः मीर्यायाञ्चम्यार्यायायाः हिम्यायायये भ्रीताया वरेत्राया वरेत्राया यादः वया देशः या व्याशः सर्देवः शुसः दुः हैया शः धरः वयः वे विशः वेरः वा दें वा क्रून्सर्वेद्यो कुर्ग्ये वर्ष्य प्रदेव स्व दे हिया प्रश्नित्र स्व हिया स्व यर वय। वर पर्ने व श्रुवे खुव श्रुक में मार्थ प्रदे खुर अर्वे र प्रें प्रवे धेरा वर्रेरावा रेशावरायार्रेशाशाहिषायायराववा वर्रेरायारेवे धेरा वर्रेन वा नेवे कुन ग्रेष्ट्र स्थायहेव सवे हेंगाय हिन ग्रेप स्था रेवा'सर्दिरशुस्राश्चित्राचर'म'भुवात्रा'या हैवात्रा'मर' वया वर्देद'म'वार' विग श्रुरः वरः यदिव यदे हिंगाय श्रुरः हो दः श्री रहा से गा गो राष्ट्रर या न्वारायाहेग्रायायवे भ्रम् वियायायया वर्तेत्वा द्वारायाया

वर्यास्त्रिं शुस्रान् हिंग्रास्य व्या वर्षेत्र पाने वे से निस्य विद र्शेट नर सेस्था है। विन हु न्धें न हेन मि हेन से देन सुर नर भ्रेंना गुराधीयायावेषावेरावाधीयवरादी र्शिकायार्वि गुरादरार्था ही यार्भ्भेगाशुरावनायानवे भ्रेत्र विनास्री सर्वि शुराद्र स्थित स्थित शुर-रेव-पाठेम ने-व-भ्रम् गाशुर-रन-भ्रम् गाशुर-रेव-पाठेमा-पवे-धिर-हे। सर्विः भ्रेंगाः वीः इसः ग्विगः वेः र्रेः भ्रेः यः व्रेंसः वसः वर्षे गः वी वस्यासः यः याक्षेत्राव्यायाधीवायवे भ्रम्ति। वयग्यायायायायदिवागुराधीवावा वर रा र्र स्ट्रं र अर्वे र मी कुर ग्री गात्र गाय र दित थिर अर्दे त स्ययः ग्रीमायारेमायदे भ्रीमात्री ने इसमा भ्रीना ग्रुमाधेन पदे भ्रीमात्री परार्थे माहेशःइटः बदःक्षेमाः शुरः ददः श्रेषः भीवः हुःक्षेमाः शुरः धीवः पदेः श्रेरः है। ८८.स्.माध्रेश.८्र्या.क्षेत्रश्ची.ध्याश्चात्रात्वा.त्य.यहेव.वश.ह्याश. यर ग्रुप्त धीत प्रदेश भीत हो। स्रुप्त धीत के स्रामी हिंग स्राम्य । नहेव वश हें ग्राय पर ग्राय थिव परि भ्री मिं वर रे। बर पर सर्दिव शुअ-5 हैं गुरु-पदे खुंक अर्हेट खेंद पर प्रया के गुरुर पदे हुट वन्यासर्विः शुस्रानुः हिंगाया प्रवे ग्रुटा वसमाया प्रेंन् प्रवे श्री राहे। ने हमा

यर अर्देन शुअर रु हैं गुअर यदे गुर दसग्र अपेंद यदे भें रे दे रे वे अर ने र दा यान्त्राक्षे दें व इयायनिवायर्व सुयान् हैं ग्रायाये निवायाया र्थेर्प्यर्विष्य देखे ह्वाप्यर्थर्वेद्युयर् हेव्यर्प्यवे ग्रुट्रिय्य र्थिन् प्रवेश्वेम विवायाम्या वर्नेन् से स्वार्भित्र सम्बा मुरायमग्रामान्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास मित्रिम् ने ने ने नि वि वि सिंदि सुमा मी खुया नु वि से मि समा सिव भ्रे म्या सर अर्देव शुअ पुरे म्या राये ग्रुट तसवाय ग्री अञ्चित सरे स्था यद्वित या सर्दित शुसाधित प्रिये द्विमा मिं ता में दि ता में में या सूराया यारेशाधिवायमात्रया देरदेरयायर्वे वा स्वायायर्वे वा स्वायायार्वे वा स्वायाया याहेग्रयायाये भ्रेम वर्षेत्रता ने सूरायायारेया सुप्रयाचे । विता या विया है। यसवार्याया सूराया सारे या से दारे ही राप्ता सुदे है रावी। भ्रे मित्रात्मा श्रद्धात्मा सार्वेश स्त्रात्म स्त्रीत्म श्रीत्म श्रीत् व्यवायम्य विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः

## नियायायक्षेत्र.यावयास्यायायाः क्ष्यायायाः या

र्वे न्द्रिंश नङ्ग्रव स्ट ख्राक्ष श्री क्ष्र स्व ख्री न्द्रिंद स्व स्व ख्री न्द्रिंद स्व स्व क्ष्र स्व क्ष्य स्व क्ष्र स्व क्

# याश्रुस्याचेत्राची महस्य देश श्चेर द्याया या

याश्वरायाश्वरायां वादरायां के सार्थः याविया चार्यः चार्यः याविया चार्यः याविया चार्यः याविया चार्यः याविया चार्यः चार्यः याविया चार्यः याविया चार्यः चार्यः

नश्रुव्यायाः ग्राप्टा स्वर्या मार्थ्या मार्थियाः मी ग्राप्ट्या मार्थ्या मार्या मार्थ्या मार्या मार्थ्या मार्थ्या मार्थ्

याडेया.ची.चारस्र.प्रसाची.चया.धे.र्याया.सा

महिरापार्धिनने। येनपानवयाग्यायाधेनभीमा । महिमाहिनहे ना विशावतूरानायश कुरावयेवाग्रेशाळं रायायें वार्यान्य विशावत्र देश हे जावय ग्रास्ट अर्द्ध नाडिया ग्रस्टेश स्थे में श्री अर्द्ध । मालया गुः साथे दे से प्राप्ते हो में में में स्थान प्राप्ते हो मा ले सा हू मा वर्गेगायात्र देव ग्रेन त्रायात्र मावया ग्रायन सक्त गरिया श्रम देश धरः वयः नः वसे वः वर्षे दः वर् दरा शेष्वेववारीः सामान्या से दास्य से दासे विकास के दासे के दासे विकास के दासे देशः धुरः ग्वावयः ग्रुः वै। । शेवःयः सः देशः मः हेरः दस। वेशः दरः। देः देशः ळन्यामित्रेयामित्र हेयामयाश्चित्र अळन्नियामेन्य हेयामित्र छन् याधिन्वाहेशन्यवाः हन्यावयायेव नवे साम्यायम्य र्ति'त'रे। ने'से'न्वें य'हे। ग्रुग्य'सर्वेट'नवे'न्नट'सर्देत'ग्रीय'र्थे' न्मायहेषा हेव सर्वेषा सेन्यम् मेरामये सेम्यवे सेम्यवे से स्वन्ते सेन्य

यः नगरः भ्रेशः र्र्तेः शेवः है। विवः शेः भ्रेग्यः ययः भ्रेयः यदेः श्रेम्। विवः शुःत्रायाक्षेत्रासेन्त्। । नमःकैन्यार्सेन्यार्थन्त्यापा। । ननः नगरः अर्देव ने रूरा गी गा बुर र्नेव ला की र्रेष्ट्र का वर्ष प्राप्त पर केंद्र पा ८८. प्रभूषाया श्रीम्था ग्री के विषय भ्री प्रमाय प्रमाय प्रभाग विषय र्नेव यश क्रें निरम्मा ने स्ट्रिय व क्रें निरम्प हेव स रेवा के निरम्प वह्यानेन्द्रावह्यायावयायानवे मुन् यदार्वित्रे देने देने साळ्दासा महिरामा हेरा हेरामदे क्रिंव से निर्मा माय हे सर्व सुरा हेर हैं मा र्वेगायायमाग्रदार्धे प्रदायहिमाहेवायार्थयासे प्रायमारे मार्थि धेरा बेशः शुःनः वर्गे वाः पावः नवसः बेशः वाशुरशः पः हेन् ग्रीशः सर्देवः शुक्षायहैवा हेव सर्रिया केन प्रमाने मा होन नुप्रमा हुन मा मान्य प्रमाय नवे भ्रेम न्या ने केन क्षेत्र क्षा मान्य । विकाय के कि का की क्षा के कि की विशासशासदिन शुसायह्या हो दार्जिया मायहिया हे दाया दिया से दा यरःश्रुवःमवेःहग्रायः अटःद्वाःहःवर्देदःश्चेवःह्रेयःद्याः क्षदः यः।प्रयःश्चेः 

माव्य रोस्य प्रमान्ते हिम्य राष्ट्र प्रमा । क्रिया मात्रेय है स्वाय प्रमान श्चिःश्रीयाश्रायात्रे पह्यापिते भ्रीमा निःषीः रिःशिः रिशायमः ग्रीमा निश्चः बेर्धिररे कर्षा हेर् हेर् हेरा देश देश राष्ट्र हिर्धि राष्ट्र हिर् नदे श्रुमानु सर्मेय में श्रेस्य स्वाप्त मुन्य प्रमान स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वा म्रद्यान्या रगाः शुः नदेः हगायायया ने स्वरंगयर र ने हिंगया रादे वेदः र्बे कर्म्य विश्वास्य विश्वास्य विष्य विष्य के विष्य विषय विश्वास्य विश्वास् नहन् सेन्ने। मायाने यायान्मानु दी। विश्वया श्री मायहन सेन् ठे'त्र विरापत्रुर्गायया ह्यायार्येया'ययायःविया'यर्थेरापदे धुराहे। न्येर्न्नामाधिराष्ट्रामिते क्षेत्राम्यार्मियार्मे किया उत् कें यह या पीता है। न्याः भ्रानिते भ्रम् विशामाः भ्रम् ताः भेरम् भ्रम् विशास्य नियाः भ्रम् ह्रण्यार्थिणास्त्रेराधेरारे दे त्रा वेयाग्युर्याया वेराण्ये राष्ट्रीया वेयाग्युर्याया वेराण्येया वियाग्ये नेशन्त्रम्याश्रापदान्याः सेन्याः स्वर्तान्य व्यव्याः स्वार्थाः प्रमार्थः व्यव्याः स्वार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः स्वार्थः प्रमार्थः प्रमार्थः स्वार्थः प्रमार्थः स्वार्थः प्रमार्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः र्थित्। स्टानिब्र श्री ह्याया पटात्या पित्। यात्रीयाया पति ह्याया पटा न्याः ग्राम् विष्ठिम् न्याः स्री यामायायायः के निर्मा वनावःवा | देः धेः हेनायः यः गुनः गुरः या | देः देः देः वयाः श्रीयः यः वया

वेशाववुदानायमा नुनानुः ध्वायाया से पिन्यम् सुनामवे वन्य ह्रम्यायायात्राम् मुनायात्राम् मुनायात्राम् । न्यायायात्राम् । न्यायायात्राम् । न्यायायात्राम् । न्यायायायाया मिर्देव भे व | रूप में कु प्रयादि में प्रमा । ये प्रमा देव के से प्रमा | ने न्या रूर यिव अर्थे र यार धेव। | ने हे न यावव नु यर अर्थ हे न लेवा वेशाववुदावालया व्यापाञ्चा क्षेत्राह्माप्य क्षुवापवे रदाविव ग्री हमार्थ प्याप्त मुन्य प्रति स्थित। मार्थ स्थाप प्रति हो। स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप मीर्देशेषया। रद्धायर्षेद्रयदेशकुमावन्द्रम् । विद्रयर्भूद्रयः सेद्र व वी । ने नि म् व मयम के क्षेत्र खेना के अ व कुम न या नुयाना मदे रूर नविव सार्धे मारा मदे हिना राष्ट्र र ना भिन हो र यान्येग्रयायायवे ह्याया प्याप्ताच्या ययप्ताचे प्रवित पुष्ट स्वाप्ता येव मदे भ्रीमानमा बे बेनामा बे सेनामा बेनामा केनामा केनामा श्चितः यदे : श्चुः सः दसे वा सः यदे : ह्वा सः अदः द्वा : हुः श्चुनः यदे : श्वुनः यदे : यव श्रीश हेश न्यम ळं न स व्यन्त में न स्वा नेश व हेश शु-न्यम् पार्थेन् प्रवे अन्य सेन् पार्वेन् नि । विस्ताम्सुन्स प्रस् ने अराहेशन्यमाळन्या पॅन्याया श्रुवा होन पॅन्यर सा बन सेन

यायागर्वेदान्तेदार्यदार्थेदादे। श्रुःषे र्र्ज्ञा विद्या विद्या विद्या श्रिदार्थेदार्थे वशुरामार्रियाशी। । निर्देशानिवा विशावशुरानायशा ने से ना विशा हेव सर्रिया नविव र र भ्रिया शुरा से र र र सा सा वया नवे से र । वि व र रे। मालयः गुःर्भ्रमा गुरः धेरारी मायः हे र्ययः इस्स्रा गुर्मा । रुमः मालवः रु वे हैं ग्रम् ले व लेश प्रतुर न प्रमा कुर अर्घर गी प्रदर अर्देव ग्री भ रुअ'ग्वित्र'रुहिंग्रअ'रादे' धेरा वे अ'श्चु'रा'दर्गेग्र'रादे। रे'शेद'र्यर' न्द्रम् अभियाया । न्वद्रसिवे ह्रिवे से से न्ये न्ये । से न्यं हे वायाया क्ष्र-विक्र-अर्वेट वी निवट अर्देव श्री अ अ है वा अ व अ न न वी अ प्रश्ना न्नरःर्वे गात्रुगार्या उदाय न्दरः कुर्या यहार्या सुन् राष्ट्री सुर्या यहार्या सुन् र यर वशुराया दे या वर्दे दावा दवर हैं दिर वह शातु है। वा हु से द र्'त्रशुर्र्रायदे भ्रेर् स्राचन्द्राय स्राच श्रीय भ्राम्य स्राच स्राच स्राच न्यमार्कन्यार्थिन्ने। इस्राहेमास्रेन्याहेन्यीर्थात्। । न्यामीयर्व हैन्यासर्विस्या । इसर्हिमासेन्यर हु। यहेव्सेवा । ने हुन्दे वासेवा । ने हुन्दे वासेवा हेशन्यमानित्र हेशायहुरायायशास्त्र हिरा देवादी हेशन्यमा ळन्यार्थिन्ने। श्रुष्यळव्यस्यास्त्रम्थायान् होन्यये ळन्यार्थव्य

हेशन्यमाधिवन्वीश्रायदेधिम्हि हिमायासधिवन् हेशसळव्रक्षा मन्दर्ज्ञयाबिदासायह्ययानवे नेसामाधित्त्रम्दर्देन्गी स्रूटाध्या नुःशुरःभवेः सदः अळवः वः अर्देवः शुअः धेवः नर्गे शः विदः। सदः वीः श्रूदः युवानु शुरायवे श्रु अळव से न न में साम हो से मार्थ श्रु राय है राय है न से से स्वार्थ से साम हो से साम हो से स शुःळद्रायाधेवावायदिवासुयाधेवामयाष्ट्रियाग्रदायावे याप्याप्यादाया वियाके। इसासविवानारा वामी यनमा सेनाया सिंदा सुसा की किनासा ने ने त्या अर्देन शुअ शी कंदा अर शेंदा नवे शिर है। यदा वया यी नद्या धिराने। ने ने करासर से दानवे मान्या गुः धेन पवे धिरा सम्माना ना ने के अरवा ने राष्ट्रण ने पेंद्रा प्रति हो हा हमा अरवाहे अरवा ने राष्ट्रण ने त्या यादा वया यो त्य द्या से दासे से स्वार प्रति से से स्वार हो। यादा वया यो त्य द्या । बेर्क्स्यासित्रं श्रीः सूरः खुवासाधितः मदेः श्रीरः है। देः देवेः दर्स्यः खुवाः साधिवामवे भ्रिमाने। ने नेवे भुग्रामाध्याधिव मवे भ्रिमा सामुनावा ने क्रिंग उदा नेर वया श्रु अळव धेव परि श्रुरा ने पर्वे व र इस अहिव

ने हिंग्यास्तरि सर्दिन सुसासाधिव है। सूरसान्दर ने ग्रासास सुद्रासादी धेरा मिंत्रेरी इस्रासहित्रकेंश्याउद्या गरावगामी नर्गासेर्या सर्वे नवे ने रामा धेव मंदे हिमा वेरा ना धर ने के राम हो है मिरा मते सर्वे स्वासान् विष्या दे हिंगासामिते हिंगामान्य विषय विषय विषय नवे नेश राधेत पवे धेर है। दे हैं ग्राय पवे हैं ग्राय पर दाय विद्या विषयः नवे वासर र देशे सुर नवे स्वेस र धित र मवे से हो ने सर वे स है। सृन्धिते वया नाष्ट्री सामाहिका या साम्वान निष्य हो साम्रा न्यमान्यदे रळन् साधिव व हे सान्यमाधिव न्ये साग्रन्या वि या नम् वः या विचा क्षे विष्ठा क्षेटा दुर्हिण या यदे हे या द्या दे विष्ठा के या या या हेशासु न्यमा प्रते रळ नामान विमा ने ने त्या हेशान्यमा साथित प्रते धेरा रट्से देर वया शुक्ष हमाय दे हे य द्यम दे हे य शुर्पमा मवे रहन सम्भेद्र मिन्य नियान स्थित स्थित स्थित हो ने ने रहे रहन सम्भेद्र 

ह्याः र्हेट्ट्र श्रुवः प्रदेश्वश्रुवः श्रुवः श्रुवाशः ग्री नश्चन ग्री भर द्या भेतर प्रति श्वीम्। इत्याय प्रति या दे स्वाया प्रति या विकास मित्र ने या है गाना साधीव निये ही माने वि सु निवासी सूरान वि ही माने श्चा थी हमा या दे हे या द्यमा देवे दिस्य खुवा या धेव यवे श्वेर है। दे देवे श्वायाध्याधेवायवे धेरा दे प्रविव र हे या द्या रे क्षा था स्वाया हैंग्रअरवि:हेअरशु:न्यग्रायवे:र्रून्याधेत्युट:ने हेंग्रयःयवे:हेयः न्यगासाधिवाहे। सूरामन्यापान्यारीयासासक्रियाची हे यार्वित्रे हे शान्यवार्केशाउव। श्रुःशाह्यायायाश्रुर्वेत्वरेशास्त रुपहें वर्षि वे वे वे वा धेवरम्य वया दे या शुर्वे वर्षे यह यह वर्षे वर्षे मवे ग्रायम् र र से सु नवे लेव रेग थेव मवे से से साम्या ठेग हेशन्यगाने श्रुम्मार्श्रेन गोर्ने वर्श्वेष्य हेशन्यगामु वर्ने न पा यद्राया विष्या विषय मदे भ्रीमाने। ने त्यानुसामदे ने तु श्री दे ने तु श्री से स्वाम ने ते से साम ने ति से साम निष्य स श्रूर्त्व नुस्र मित्रे हैं। वहें व मित्रे हैं मा म न्या हिन् से न नु व सुर निर् धेरर्भे नद्रकर्पर्भे इससाया हैसर्भे केर ग्रीस निग

ळं ५ अदे चूर्य देय थी हैं ५ श्रूर वी अर्रे दें व पळ ५ य

दें व निर्देश न क्षेत्र म्दा खुवाश ग्री क्षेत्र सदे ग्राह्म स्व क्षेत्र स्व म्या है या स्व निर्देश नुगर्यान्य मुन्यावन सुगर्या राष्ट्री स्ट्रिंग्य स्ट्रिं र्नेन पळन छुंयाने सूर धेनाना ने या हैन श्रूर मेश अरे रेन पळन कुंषा है । क्षेत्रा षेता वे । वा ने । वा ने । वा ने । वा न । क्षेत्रा है न । वे । वा न । वा ने । वा न । वा ने |गावव वे भे प्राप्त साथिव के । । यह यह के रायद साथिव है। । श्रुवा मासेन्यमुराद्वर्भम्यायाविद्या वेयान्ता रहादम्यायायया गयाने वर्रे भूर से म्वा हे या ग्रुपाय से वाया प्रति मुसाय या वि देवा वा से वाया मन्दर्भवाष्ठियाः संभित्रायम् यहितामाने हि सुमाधिता वे वा ने सुमा मासाधितामिदेगायासँगासामा इत्तरमा श्रीते सळवाहेता विष् र्नेनात्यःश्रेन्यायः श्रे ह्ना में विश्वाश्रे ह्ना प्रायः श्रेन्या प्रायः भेन्यो श रगर्भुर्गरम् हेर्ने देवे के कर्षा मानवा साधिव है। यह यह नेश्रायाधारायाधीताते। यादायतायाठेयायाधीतायरार्देतादे हिटार्शे र्सर-देश-म-र्सिन् सेन्। ने क्षु-वयन र्सन् या ग्वन के या धीन के। हेते

र्हेन्यायळन्या

द्युरहे । ह्याका के रायर है रायर अर्थे रायर अर्थे रायर ह्याका व्युरहे । ह्याका के रायर है रायर विकास का कि रायर का कि रायर का कि रायर के रायर

न्द्रा विशेषायाः हैं ग्रायायाये द्रायाये श्रीया निः वे स्वत्यायावव धिवः र्वे। वेरायगुरायायम्। करायामहेरावेरायाधीयवरारे। पर्नेगाधी ह्यायर हियायायते हैं हे रूट है एड्रियायर यहें वाया धेवायया अहें वा हेशान्यान्यायायायेत्राचित्राचित्रायेत्राचित्रा वेशामान्या सूर बे 'दे 'हेद' वदेरि 'सूस पवे 'र्से 'दे 'ह्यारा वा हैं रा 'वेदा देवे 'हेद 'या हद' क्षेत्रायाः श्री ह्यायाः क्षेत्रायाः यद्वेयाः या स्रोदाः स्रायां स्थानाः यद्याः धिव मिते रहि साधिव मिते हिमा विश्व हिन मित्र मित मावया ग्रु से दार्श्वर स्वर्था । सर में हिर द्या महिमाया पर। [र्याकेर्वे वह्याधिराते। विसेरावाह्य प्रमासम्बर्धानामिका विसा यारेयाहे। यावयाग्रामहियाययायरावरळदायागहियाययायरावया यान्त्रामित्रामे स्थान्या वाल्यान्यामित्राम्यायायायाया होत्रत्वह्यायि धेरा द्येर्य प्राप्त वर्षी से त्य स्र स्वर्धिय न्मा श्रेमाश्रम्भरम्भेषाश्चित्राहित्त्राश्चित्राहित्त्राहित्तात्राहित् ₹न्यदे भ्रम् महिरायाववर सुम्यान्य मामाया संस्टित्य सिन्दे।

चीक्ष्माः मार्थ्यः मार्थ्यः मार्थ्यः मार्थ्यः भी स्त्राः भी स्त्

#### र्हेन्-स-न्याया-या

चाहिकानाने निवानानार्येन्ते। विर्म्नान्ने स्वान्यन्ते विकान्यन्ते विकान्यन्ते

यन्ता विर्वेगमी स्वाकायवे के ह्वाय हिंगका यवे क्वें कर्षा स्र गशुस्राधेवाराप्राणापाराणावेकाशुर्धित्रपदेखेरा तरार्धितिने भुव वर्नेरःवयःवरःशेःवशुरःहे। ।वःर्नेगःश्चेःयःश्चेरःश्चेरःर्रे। वेशःगशुरशः नित्। र्रेव्यो रे.रे.स.लुव्यायरावया क्र्रासर्वता क्रामा र्नेनानी स्व नवे से ह्ना र ह्ना र वर्ष स्व र हिना र नेनिय न स्व र स ह्याश्राध्यश्चारियाः श्री ह्या धरायाश्चर प्रश्नियाश्चर विवासी स्वीता स्व स्र माश्रुयायायाधिवायवे स्रिम् हे। दे पि देवा से हवा यदे देव श्रुष्ट थुयानु होनामित्र वेदाळनाथेदार्थन भ्रम्य स्ट्रिमा भ्रम्य स्ट्रिमा स्ट्रिमा स्ट्रिमा स्ट्रिमा स्ट्रिमा स्ट्रिमा गश्यामान्द्र्याश्यायात्र्याच्याम्यवे कुः यळवाळ्याच्या भूमा द्वाचेतः तुर्यान्द्रासी तुर्या से विर्यास्य गाविषा शुःगाविद्यासे दास्य सूर्वा से व हैं। वेश गशुरश परे भ्रम नर्सि से निर्मे से निर्मे से निर्मे के साम निर्मा कुत्यः स्टानिवः श्रूटः येदः हेद्रा हेयः पर्वः नरः ग्रीयः वरः ग्रूटः नन्दः वया हेया शुः न्यवा प्रया शे ह्वा श्रेवाया वेया श्रेवाया ग्रेया निर्मा र्नेन विन श्रुन पळन्य पेन है। श्रुम ने ने श्रम वम त्य विन्याय विन्याय विन्याय धरः ग्रुषः द्रषः ह्रेषः शुः द्रधमः प्रः द्रेषः ग्रुः चः वः स्यः सः द्रदः र्श्वेर नर हो र दे। अन्य ग्रम्य पर पित ले ता पर देवा श्वेर में

# वेशन्त्रः यथाः श्रेष्यायः पर्दे।

### वर वुर के हवा परे दर्बे अ देव कु अ पर न किर पा

वरायार्देरमामयदामादावे वा नर्दमासेन देशें सेवाने हेना हेमा ग्रानायार्श्वम्यायर्थे वेयामश्रुरम्। वराग्नुराग्रुरार्थेरारे। श्रेम्पाया न्रिंशसेन्नुः वयानाश्चरानान्। नेवे यस न्यायाना याहिका शुः धेनः मवि द्वीमा नम्मिन्ने। सम्बार्भकाक्षी ह्या मान्सिकाक्षेत्र प्रमः वया पिर्निया थेरहमा सम्हें या अर सदेर हे अर न समा मे अर पिर्ने या थेरहमा विशःश्चानायम्वान्या नर्देशसेन्द्रेन्सेन्द्रेन्। १नेन्द्रमःग्वनः यवे भ्रेरिते हे स्रान्यमाने सामिने मासी हमा यवे ने वा श्रे सूरा खुया रु ग्रमायते क्षेष्ठिमाय क्षिष्ठ माय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व र्येदे नश्या देवा है शान्यमा नेशास्ता अळवा मिं वा शे हमा या नि श्चे अळव नेवे नेव श्चे माहेशमा श्वर एया ५ हो ५ व ळ ५ अ स्ट माश्वर धरावशुराश्रुधारु हिंदायाया यव वे देव श्रु मार्डि स्थाया सेव ग्राम् याः स्वास्थाः स्वस्थाः स्वास्थाः स्वस्थाः स्वस्थाः स्वास्थाः स्वास्याः स्वास्थाः स्वास

गहिरापानिवः वायापाराधिनः ने। सर्मा मह्रम् मुराम्यापानि महिरासु र्ये द्वारी प्रति स्व प्रति वे व वे अ व शुर न य अ। य रें य रें अ हे अ र म म रें य रिंग के ह्यारावे देव श्रे श्रूराध्या र जुरारावे श्री त्राप दिया शे ह्या पर गुरा यःहमार्थः अः गुनः स्रे। पः र्नेमा स्रो हमा प्रवे र्ने वः श्रे । पः र्नेमा सः यशमान्वराधेवारवे मेरा नेशा क्षाना वर्षे माराया भेवाने ने हेरा मुना धेर्र्भ वेरामकिर्धियां स्वर्त्ति हेर्रिया मावत्र पेर्या न्यमानेशामिन्याक्षे हमायवे नेव श्रे श्रूमा ध्यान् श्रुमायवे श्रे व्या मिर्देगार्थे ह्या पर शुन पवे श्वेरा अर्देर व हे अ द्या पे रूट यी श्वर णुयायायविषयात्रम्भक्ष्यापार्ट्याक्षेत्रम्भिक्षाक्षेत्रम्भिक्षेत्र हैंगाराधित्रायराम्बुरायदेशाम्बुदाने। सूर् इसायराहेगायादेखा वह्यामान अपन क्रायम हियामा के सुन प्रेति विशाया सुन श

गहिरायाः मुरायन्तराधिराते। भूगः हगारायाः महेरायवेः हरायवाः

रदासळ्यायाचेयाळ्याद्वा द्याया ह्यासाया महेत्रापदे हेसा न्मगान्दरसळ्दायायत्रेयाळ्यागहेत्रास्प्रिम् न्दार्भे स्प्रिम् दी र्ट्यानरहिःक्षेत्रस्य । दिःवर्दे देवस्ययास्य । क् धेवा वेश गशुरश वेट। देव वे। इश हगश शयश पि देग शे हग यर हैंग्र अपि हे अप्यापि देश वि देश हिंग अपि देश हैं श्रुट खुवा र् होर् ग्राम् दे से हिमा पाया न कुर् द्वा यही या नदे प्रमा मी अपने या से शुःनःधेवःहे। नेः ग्रुशःहनाशः ग्रेशः विः नेवाः श्रेः हवाः यरः श्रुनः प्रदेः हवाशः वहें व से सम्भावा हिना साम वहें व से समारे वि हिना से हिना पाया वर्त्रेयानवे भुर्म श्रिः सागुना स्रे। वि र्ने गार्स ह्या या ने गुर्स ह्या साग्रेस पिर्देगासि हगायर सुवायदे हग्रस्य यद्देव सेस्र ग्री सु धेव पदे सुर है। दे-दे-ल-स्व-तर्देग्राश्चेद-धेव-संवे-धेर। हग्राश-दर-र्से-ग्रुव-क्षे। दे-ययरे सुर्धे। । दर्रियायरे या मुद्देन हमायर उत्र हिं। वेयरम्बर्म्य हेर्ग्येशच्राह्यशास्य स्था वार्ष्या मार्नेया से इया सर्भ्या सर्वे ह्या वार्ष्य हेर् श्रेश्वरादे विश्वाहिषा श्रीशाय देवा श्री हिया पर हिया शाय है स्था द्वा व र्नेनाः भेरहनाः परः भ्रुनः पदेरहनायः दहेनः येययः ग्रीः भ्रुः धेनः है। देवेः

म्नेन्छेन्। केन्याक्ष्याः केन्याक्ष्याः भिन्ने हेन्। नेनेवि कुः संभिन् । स्वि कुः संभिन् । स्व कुः संभिन । स्व कुः संभिन् । स्व कुः संभिन । स्व कुः संभिन् । स्व कुः संभिन । स्व कुः संभिन । स्व कुः संभि

भ्रवसायदेरास्रवयः इराबदानुन्त्र वि वि हेवा देश्वराग्री सुरा याटारुटायह्यायदे र्ह्वे याटा विया हे सुर्या ग्री ह्या शास्त्र हे शाद्यया यी। कुर गुर या ने भूत ग्रे हगाय वहें व सेसय ग्रे सळव हैन हेया ने म पि.व्या टे.वाट.विया रट.वश्रश्चयाश्चर इया राष्ट्रयाश्चर श्चर याने। ने श्रुन ग्री हिनाया पहीं वा यो या ग्री या स्वा हैन। हेया ने मा पान पिंडिया दें यादा विया सदाय व्यव्या दें श्रुवा शें हिया वा उत्र हे वा प्राप्त या यी व क्रूर-ग्रुर-भारे-देवे-अळव्निन् हेश हेरा अराम्बन् पराम्बन् रमार्या ह्रवार्था उत्राहेश प्राप्ता वी कुर शुर प्रदे ह्रवार्थ । अप प्राप्ता वी खुंय प्रह्य नितः ह्वी ह्वारायहेव सेसरा शुः सळव हिन्। हेरा हेरा निर्धि से रेग्राक्षाते। क्रूवायहेवासरेवास्यास्य सुराध्य सुराधाः स्वायाः श्रीयाः सुराधाः ह्यास्य श्रुवः सदे श्रुः के वा क्या द्या यो श्रुव्य श्रुष्ट्य स्वा प्रदेश सर्दिन शुसाने सर्वे वा चाराविया सक्त हिन ग्री ब्रम ही साने साधिवा श्रेश्वानवे र्वे न्या ने सून ग्रेष्ठिन पवे खुवावा से सुनवे र्वे वाट रुट

गटावेग रटावज्ञराने सुराग्री हगारा उदाहेरा द्या गी सुरागुराया लेव.सद.मुरा रट.सू.रेर.वजा मु.मु.म्या.सर.मुरासदे.मुरायां क्रिंग हीरा इ.ध्यायायाष्ट्रेयारार्ट्ररावया श्राम्नासराश्चरायद्राध्यायारवर हेशन्यमार्थेन्द्रनेर्थेन्यश्याद्यन्तिर्देश्चरित्रे हिन्देश्चर् यान्येग्रायायाये यार्चिग्रायाये यार्च्याये यार्वे याय्ये यार्वे याय्ये याय्ये यार्वे याय्ये य द्धयापित्रभाषाक्षेत्रभाषाक्षेत्रभाष्ट्रभाष्य हिन्ने ग्रान्विया श्रुः शे ह्या यम् श्रुवा यदे सर्वे सर्वे त्रा होने साधिव यदे हिम् र्रास्त्रिर्दरावया श्रुःक्षेत्रस्याः स्याः श्रुवः पविष्यः वाद्यस्यः नवे किन्या निर्विता ने किन्या से हिना सम्हिना सम्बे हिना सम्बे हिना निर्वा नी कुः धेव स्वरेष्ठिम् वरे रेम्स्वया कर्षा अराध हिमास रेपे वे कुमार विम ळॅ८.श.८८.क्.र.श.ध.स्या.श.याहेश.लीय.र्श.४८.रचेवेय.याट.ज.हेंश. वश्राग्यादायुवावदे। इश्राम्विमाधिवायवे भित्रा दरार्थे देरा वरार्थे देरा वर्षा दे ळ्ट्रायाया हिना परासुना प्रदे हिना या यहें दा ये या या गु सु प्येदा स्वीर है। दे श्रुव ग्री हवाश यहें व शेस्र में दे रे शे हवा पर हैं वाश पर है श न्यवानी कुः धेव प्रवे श्रेम् इन्यम वर्षेत्र श्रेमेवाय है। ने म्याय वर्ष

श्चा क्षे म्हणायम् श्चूनायदे ह्याया ठवा हेया न्या यी श्चु या धेवा यदे श्चिम् सक्रम् हेर् पहेंचा खुंया वाश्वारा शेष्वर हो। ग्रुमा ह्या मारी मारी वनानो नन्ना सेन् नुस्ति सदे से के लिए इस न्ना ने सुन् से सुर धराहेन्यश्रासदे हेशान्यवाने श्चावार वया वी वन्या सेन नुशुवासदे बुर-५८-में साधिव। ब्रा-विश्वापिते श्रुश-वर्हिन-दुर-वी-हवाश-ग्रीश-श्रु यादः वया यो विद्या से दे दु सुवा सदे ही में व्या इस द्या यो सुद सी सु नःवेशःसदेःश्वरान्हेन्द्रः दुः हैन्यरायदेः हेशः न्यनः नेः पदःश्वः न्य वगागी नन्गा से न् नुसून पदे सर्वे वर्षे न् नु भे ने सून ग्री सर्व । हैन्ग्रीः बुर-न्दः सें संधिवः प्रवेशित्रा ह्यासः न्दः सें न्दः यासुसः प्रेतः वया शुःगरःवगःगेःनरगःसेरःरुःश्चनःसदेःहगरुःदद्देवःसेसरुःग्रीः सक्त हिन् गडिना थेन पान विना ने थेन न ने भेन न में साम दे धेरा ह्यार्थःयाववःयाहेर्यःयाः नेरःवया श्चःयारः वयाः योः यदयाः सेरः रु सर्शेट्रियवियाव्याव्यायाधेव्यवे स्वीरित्रे ने सुवारी ख्यापश्या यार-रुट-प्रेरिश-क्रेन्श-हेश-प्रया-ळप्नास्य-अर-श्रिट-परिः यावयः ग्रु-प्र-

। ग्राम्यायिः हे या न्यमा रहेन स्यमः स्रीतः नविष्यः ग्रुविः मविः सम्रुवः सः धेव भवे छेर है। दर्रे अ है न अ हे अ द्या प्राप्त प्राप्त है अ द्या । क्रन्स्यरःश्रेन्यवे ग्वावया चु त्याया या श्रे श्रेन्य प्येव स्वे स्वे म् ग्विव यर इ नवे अळव हे द शे रे ग्रां है। क्रिं में यह या नवे क्लें ये व क्रिं शेर ग्राट सुद प्रह्म प्रवे हैं भेत शेर में श्रा शेर में प्रह्म प्रवे हैं या यर दे भूर साध्याप्य परे भ्रिर है। दे भूर वर्षे से रागर दुर खुर सर्वेर मी कुर् ग्री क्रिंव पहें व अर्देव श्रुय ग्री मावय ग्रुप्त । देवे कुर् ग्री शेर वहें व सहें व शुस्र ग्री मावय ग्री वे मावे समुव र प्रमा न वे भी व पे र पे व मुना सक्रव हेर पहेंचा छ्या निवासी प्राप्ती प्रमान निवास में धे हमायर श्रुव प्रदे भ्री में या इस दमा मी श्रुद श्री श्रु श्रु स्वर प्रद्या नवे अर्देन शुअ ने हमाश्रायर नमा मी खुया वहवा नवे क्वें प्येत पर या गुनाय दे भुना ने क्षात ने भेषा गुल्य स्यान दे क्षेत्र लूर्यस्तुर्भित्र वि.कृषा चित्रास्यात्राज्ञात्रास्त्रीयात्रास्त्रीयात्रास्यात्रा इस्रान्यायी कुन् श्री भेरायाधेव नर्यो सावेश बेस ने त्याप हेया वासे। व्याह्माया ग्रीयाञ्चा ये हमा यम ञ्चूनायदे स्ट्रार्के या इया नि ग्रुप्त ग्री

च्याह्रवायाः ग्रीयाञ्चाः ये रहेवाः पर्राहेवायाः परे हेयाः प्रावाः वी कुरा शुरा यदे व्ययः हवायः ग्रीयः श्रुः से इता यरः श्रुवः यदे हवायः दिदे दे ये सयः क्रॅंश उदा देर वया देवे धेरा वर्दे द के तुरु है। इरु हगारा शेरा श्चा थी हिया यर हिया था यदे हिया था उत्र हे या द्याया यी शुः धीव यदे शिक्ष विश्वाचित्राक्षे। चुर्याह्मार्यायाः ग्रीयाञ्चार्यात्रास्याः स्वाप्यात्राक्षे यर श्रुवः पवे स्रुः के वा क्षा द्या वी स्रुद् ग्री स्रुवः वाश्रुयः वहवः ववे स्वरः स्यासार्या स्थानि । दे प्यत्ते स्थानिया इसार्या प्राप्त स्थानिया । हु:शुरायदे:दे:वइदे:ध्रे:केंवाक्याद्यादे:ग्रुशःहग्रथःग्रुशःश्रुःशःहग्रः धरःश्चितःसदेःश्चः स्वाद्याः वीः वीः धिवः सदेः श्चिरः है। श्वराः हवाराः ग्रैराञ्चा थे हमा पर ञ्चून परे भ्रे कें ल ने रहा हर मुह मारे मारे श्रे र नः भूरः गडेगः रें रेवे श्रः मैं या इसार्गा मी कु धेवा पवे श्रेरा है। श्रेरा नुःभूषः च्रेवः देः स्टः दृटः कुट् गाठेगः प्रदेः स्टर्शः कुषः वस्यायः प्रदेः कुः लुय्यद्रा हीर। लरा ही याया रूपि वापा हिया हिया स्वाया ही या सी ही। 

ह्या पर श्रुव परे दुव याश्रुय पर्व परे केंद्र साम से वा परे केंद्र साम पर पर पर यर से से समा है। कर सारे विकाह वाका ग्रीका मुं से हवा पर हैं वाका रादे हे सार्या मी कुं साधित रादे छे र है। छ साहमास छ सा है। से रा धरःश्चरायवेःश्वः मेवियः इसादवाः वीः श्चरायः स्वरः सादेः दरः हेसाद्यवाः देः महिरान्यायहरान्यान्यते स्थित। यदावारेम स्विमार्थान्या स्वान्या ह्याश्राभिशाने श्रुवाभी खुवामाशुक्षावह्या वदे खंदा साद्या दे श्रीवाभी मुंग्राक्षक्षावहवानवे क्षन्यान्ता ने क्रेन्यम् में के हिरावहवानवे ळं ५ अ तसे व है। इस श्रु अर से द न अ महिंग स मर्वे ५ शे ५ १ उ उसाधित ग्रामा श्रु ग्रुसाममायह्या नवे किनासामा ग्रुसान से हिना ने भूर ग्रे मुंग्रा के राधे पहला है सम हैं र परे भूर ग्रे मुंग्री हिया प शेष्ट्यानशाह्माशासामुनाग्रीयम् वेनशामदेष्टिम् विन्दामे नेकी वन्तर्ते। व्याह्यायाः ग्रीयाञ्चाये ह्याः प्रमास्य ञ्चूनः प्रवे श्वीरः केवियः इयः द्याः मी कुर्ग्यो श्रुम्य या स्टब्स्य निर्देश्य राष्ट्र स्वाय ग्रीय श्रुम्ये ह्यास्य श्रुवास्य रेष्ट्रियाया के या स्वास्य देवे श्रुवा स्वास्य स्वास वियायायहर्यायवे क्षंत्रास्याते क्षेत्राची हे या वियायहर्यायवे से रात्रा

याध्यार्ये। पाउँग ध्राम्यायाध्यास्यायास्यार्भास्यायम् ह्रियायायदे हेया न्यगाने ने भ्रें र श्रे हग्राया वहें व से स्था शुर वहें न पा वह न पर नगव है। देशःश्चान्त्रशास्याः हिंग्यायाये श्चेराहे। न्याह्याया ग्रेयाश्चाह्या यासाधीत्रायमार्हेग्रासायि हेसान्यगान्या हेसाञ्चा श्रुम्य सामास्या हेग्रासायि धिराने। ने हिंग्या वर्तिया हिंग्या खुरावशुरावया है यान्या ने श्रुवा हैंगारु वयानि क्रिंत र्येट प्रदेश होना देव ग्याट ह्या राग्या श्री राज्य हो। ह्या यर हें या शर्व हे शर्मिया प्रति हे भेर मा भारत हें वर्ष सम् वयायाना साधिवाने। ह्येनाहे सान्ध्याने ने ने याने सामाधिवास वे स्थिता र्ति तः दे। दे तः हे शः द्या कि शः ठदा विशः ह्याशः ग्रीशः श्रुः शे ह्या यरः श्चरायदे हेशर्यया हु वया वे विवस्य हिया है। देव तुर रेर रिष्ट नवे ह्यारायराष्ट्राच्या वित्र त्या वित्र वित्र हो त्युर वा बुवारा त हिर नः धेन्यमः हिषाया प्रदेहेया न्या केया उत्तर्भा न्या हिष्याया ग्रीका वित्तरम् स्था वे दिन्दे के दिन्द्रम् व विवास विवास दिन्द्रम् व विवास वि हैंग्रअःस्वे हे अः द्या धेवःसरः त्रया देवे ह्यायः ययः दे भूरः हैंग्रयः नवे हेश न्यमा धेव पवे श्वेम विन प्राप्त मा वर्षे न से विश ह्मारायशाने श्रुवाशी हमारायदान्या सेन प्रवेशिया ने प्रापित रो

हेश-न्यनाः केश उद्या न्रेश केन्य हेश-न्यनाः पुः वया ग्रुशः ह्यायः ग्रीमाञ्चारी ह्या पर हिंगमा परे हेमा परे निया परे निया परे निया ने के अं उदा हिन धेव वने धेव न वे अं यम वया हिन ने अं अं यस हेशन्यगाधित पदे छिराव। या छ्या है। ने स्ट्रिय वा ह्या धर ह्रियायासदे हेया न्याया यय मार्थ स्थाय हेया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया ग्रीयाञ्चा थी ह्या पर ञ्चून परे ह्याया पर्दे द से समाधित व र र र प्रम्य व्याह्मायाः ग्रीयाञ्चाः ये हमा पर हिमाया परि हेया प्रमानी परिया ग्री हेर येव थेव प्रमाध्या हेरा बेर प्राथे रेग्या है। बुराह्याय ग्रीय श्चा थे 'ह्या पर श्चुरा परे 'धे 'कें या इस 'द्या 'यी 'कुर 'थे 'ये स ह्या स 'थे स श्चा था स्वा प्रमा श्वा वा प्रति र द्वा प्रमा वि स्व प्रा वि स्व प्रा वि स्व वि वहें तर्भे सर्भागितः विवा दे स्टावन्य सहस्या देवा देवे दिस्या कुर संधितः मवे श्विमाने। ने मिन्ने शा शी नमानु ने प्रदेश स्वाम शुरा ह्वा भवे ह्वा नेशःग्रीशःकेंद्रायदेःश्वेम वदेःदेमः वया सर्देःमदः वर्गयः यसा हवाराः नेशमाने हेश द्यापी पिट्रिंश शे कु अधिव है। इव पश पर र्रे केंद्र मित्रे भ्रिम् विकामाश्रुम्कामित्रे भ्रिम्प्रमा माम्या विका न्येर्न्य, तुर्याया विवा श्रुष्य । तुर्या र्रे विया परे । त्या रे । यह । यह या

त्रभः हवाशः श्रेशः श्र

र्रानी ख्रामा है। मुं से ह्या पर सुरा परे सुँग मार्के सामा से सु नदे र्ह्ने न्दा श्रु शे ह्वा पर श्रुव पदे विव पदे खुव व शे श्रुव पदे हिं यार-युर-प्यर-प्येव। रद-व्यव्यः श्च-श्चे न्या-प्य-हेर्याय-प्रदे हेर्य-द्ययाः वी कु अर अव प्रवे वि अश्व र र शुर प्रवे रेवा पर र श्व अ अ हवा पर सर्गुर्भते ह्वारायदेव सेसराप्ता क्ष्रिसेत पुर्मित हिवारा वहें तर शेसरा पहिरा ५८ में वा सरें तर सुसार मुन्य परे ने सुना ग्री हवासायहें तरसेससा निया है सान्यवा हु सुनायों हेवासा वहें तर्भेस्र भाविषा पर में ते। इस हवार ग्रेस क्षा से हवा पर क्षुत यदे भ्रे कें वा क्या द्या यो कुर ग्रे ग्रुय क्या या ग्रेय क्या या क्या या विष् यदे द्वायाश्वरायह्य प्रदेश स्वाया यहिषा में प्रदेश स्वाया में प्रदेश स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वय ग्रे.रे.ह्रेग्रायाये ह्राप्यायाय हात्र इत्ये महिराये देवे कुर्ग्ये ने नित्र परे नित्र लेश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र म्याय भित्र परे नित्र परे क्षेत्र क्षेत

यायाधित्रम्याष्ट्रितारामानुदारम्योत्याष्ट्रद्यायाम्यादादाधार्यः स्रूदानया मुँग्रामाक्रमायह्यायद्वात्यद्वात्यायह्यायद्वात्यायद्वात्यायद्वात्या वहें तर शेसरा शुरवव्या पराया वयाया या से दार से सरा शेष्ठा वे रा माशुरुषामावे प्रमेरिकामावे दे भूराव पुरावे मुग्रामा ग्रीका पुष्व पाया बे भें दायर हैं ग्रायाय है या द्या दे खूट वा क्षेत्र ही केंद्र प्या वर्षेत्र याधिवायमायुनाक्षे ने क्षमाह्मायान्याहमायाउवार्त्वे । निक्कुनायाधिया वे निर्देशमें या विशेषाधिराने राष्ट्रमाना धेरावी । क्रिंमा धारा हु। होना हेन्याधिवा निःधार्मे मार्थेन्य में निर्मा निर्मे मार्थेन्य सेन्य स लटा विधितासर. इसामविया येशास लुया वृशादयुराय सभा हेशा न्यमाने केन नुः स्वायि सेन मी से या न सुन् वसाय होया निवे र्सन याधीवामवेष्ट्रीमानमा महायासूहानामहासळवानुःसूहानवेष्वेवार्त्तेः धेव परे छेर। दर में ग्रुव है। दे दे क्रें र ग्रे हमाय पहें व से सय पर र्नेर्भाशुः भ्रेम्या ह्यामायहेव सेममार् १ व्यव वि से दारी र्राप्त वि श्लेषा दे देवे श्लेद वी से त्यस दें सार् शुर्भे स पवे श्लेद

योष्ठेश्वार्यायायायवे हेश्वात्या स्टायळ्या प्राचीया ह्यार्थे स्था विषय हिला स्टाया स्वाया हिला स्वाया हिला स्व

न बुदः न मित्रेश्वार्थे प्राप्ति । स्वीया प्राप्ति । प्राप्ता भित्र । प्राप्ता । प्राप्त वस्र १८८८ । भ्रि. रक्षे वार्यः त्या यः त्या यः त्या वार्यः विष्ठ । व्य रः स्र या या व यरःश्चात्रस्यराण्ये। दिवाण्यात्रीत्राच्यात्राच यश दे त्युव पर रदा वी द्यावा चु कद समा साम से वारा पर है स यवे भ्रित्र है। क्ष्य्र श्रुवाव संप्रित्र विकास वे भ्रुत्र विकास व वन्तर्ते। स्टानिव वन्याय द्रीम्य प्राप्त कु वन्य प्राप्त निवाय प्रिया है। ने गहिरा ह्या मार हमार शुर्मिन मार पित प्रिय हिर ले ता से प्रवाद दे। न्यायाः यः नेयसः ने कुः न्दः। । ययायः यरः महिन्यः सर्वेदः यादः धीव। १ने पर ने प्रेम कर अहि। अहि साम में मान्य । यावन र्'न्रेश माडेमा थेन् न्रेह्न प्रमा । माल्व सेन्ने ने ने मान प्रमाहिमा मा वियायवुरावायया ह्यायाधराद्यायिष्ठयार्थे नेयास्टायी द्याया व्य न्भेग्राचेन्'ग्रें क्रन्'स'सेन्'प्रेन्'प्रेन्चेन्'ने। ने'से'प्रयेव'न'ने' गहेशःग्रेशः रदःगीः द्यायाः ग्रुः सेदः सरः से व्यायः द्यायः द्यायः विष्यः स्वरः दे सेदः यर त्युव पंदे भ्रेम विवे त्य श्रुम्त से अ न्य श्रिवाय ग्री से ग्रम में न्यार्वेन्सेन्त्रं व्याप्तः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः

ग्री से मार प्रमुखं र मुर्गेर में र मार्ने र से र मुन्ने से मारी मान र यरःश्रुवःयःयःश्रुवःर्रे विवःतःरे श्रुवःयेदःदे। विवायःश्रेवःवेःव। वेशामशुर्श्रायायश्च ळ म् म् त्यापायाय मारेशायाया महेतावशा होते। ह्रम्याश्राभ्यान्य स्थिम्याश्री से म्यान्य स्मान्य मिन् से न्या स्थान स्मान्य समान्य स्मान्य समान्य स भ्रे मार्क्षास्य हिंग्रा तुर्वा स्वे श्वेर वि ता दे हिंद ग्रा । हिरा प्र्याना वेश वर्त्युद्र न यथा कं ग्रद विषय न न के श वर्ग्युन देश प्रभा मिं न रे। ने पारेश प्राचाय है। अव रहेगा भे पावश भेरा वि व वेश प्रमुर नःयश नेःगहेशःभ्रवःहेगःहःशःगवशःगवेःभ्रेनःवेःव। नेःधनःगनः यशयर्देन डेशयवुरानायश ने गड़िशाध्रव डेगा हु से ग्वर्माय राने यरक्षुः सळ्दः ग्रारायका पर्देत् हे साद्देशायका सूरा ना सर्वेदा से दासे दा वे व वे अ माशुर्य पाया ने माहे अ ख़्रुव हे मा हु श्रूर सुर सर्वे र प बेर्प्यवे हिर्वे वा रेवे के प्रवर्षे ने वे के कर्ष अंतर वा वे धिर रहा श्रुश वर्हे दाव प्यहा। वि के दा से दा से श्रुव छे दा पेवा। वि र याने वे रहन श्रेव ने शा । न्याया या इसा गुव ने हैं न् हा श्रेव। वेश यह र नःयमा हिन्ग्रेमःह्भूनःभूमः सम्मान्यमःहेन्ग्रेम्भूमः होन्नु र्शेट्यते भ्रीत्राच्या दे श्रीटाचायश्वा वयाया द्रियाशास्टा हेटा श्रुशा बेत्रप्रस्वित्र्व्याव्यात्र्वात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्य स्वात्रात्र्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्

महिश्रासान्त्राम् स्वाश्राह्म राज्ञ स्वासान्त्र स्वास्य स्वासान्त्र स्वासान्त

न्भेग्रास्म्यासायाः न्यायदेन्याः सेग्रास्यसायन्याः प्रदेशितः है। न्येर्न्द्रान्याः श्रुप्तिः श्रुर्वेश्रुर्वेश्रुर्वेश्रिर्वेश्रिर्वेश्रिर्वेश्रित्रः वित्राचित्रः वित्राचित्रः है। न्याः श्चान्वः श्चेन। वेशः न्ना यहेयाः हेवः सः रेवः श्चेनः ने। न्याः श्चः नवे भ्रेम् वेशम् ह्वाश्यप्रम्या अधिव भागविव प्रमेरि ने प्रमाय न्भेग्रार्गः मुग्राध्यम् प्राधितः याने सः वया न्यमः विष्याः यन् या र्नेव इस्र रूप्ता विषयिय व श्वीय प्राप्ते देश हैं प्राप्त विष्ठ हैं से प्राप्त के देश हैं कि स्थापत है कि स्थापत हैं कि स्थापत धिव वा । गार्वे न श्वः गार्वे न श्वे न श्वे न श्वः श्वः श्वः । विश्वः वश्वः न श्वः श्वः । विश्वः वश्वः श्वः श्व गुव अधिव दर से प्रवाय परि देश मिं व रे। द्या श्चर्र दर गुव अधिव ग्री गिवि सम्बन्धे के राज्या से दानी मिद्र प्रमेन ग्री सिंद से सामित से साम न्भेग्रायायिष्ट्रीम् वियाने। नेप्रम्भेग्राय्येम् वियाप्युम नायमा ने से त्वन ने ने हेन सुन होन धेन पर नहेंना से नसे मारा यावे ने भ्रात्य । ने शात्रेन से वास्तर स्वाह पर्वे न वे शाय्यु माना स्वा र्रेयार्भे गुवासिव साधिव सर्भेयार्थ स्थान में निर्मात स्थान नदे र्र्भुव र प्रमुक्ता दे पर्दे द से सुरा पर स्र र ने हें द ने व र परे धेरा देशन कुरत्येव हिंदा शेश गुव सहिव र्षेद सेद मार दुः पर से

त्व्यतः श्रे देश्चर भेव दि भूवा श्रुर भेव भूवा भेव देश भूवा श्रुर भव देश भेव देश भूवा श्रुर भव देश भूवा श्रुर भूवा श्रुर भव देश भूवा श्रुर भव देश भूवा श्रुर भव देश भूव भूवा श्रुर भूवा

न्रीम्यार्थः मुन्यार्थः न्द्रोत्यः खुत्यः यात्रम्यार्थः मुन्यार्थः मुन्यार्थः सुन् र्थिन् प्रवे श्रेम् न्य में प्रवित्ति विषय ने किंश के मन्त्र मानिन बेद्रायास्यार्श्वेराते। । वार्यासेद्रायराञ्च्यायाया । सेर्द्राञ्चेर्यार्थेद्रा मर्वेद्र निवा वेश मश्रम्भ मदे देव दे। दम्य दश्मा भ ग्री हमा भ षर्द्रमायार्श्वेर्यायर्गेद्रस्याग्रीःश्वेष्याम्यात्रेष्याप्रेष्याप्रेष्या ठेगा से गावस त्याय या महेव मंदे त्याय दसेग्र गरी हगास पर द्या ८८। सर्क्रिश्वरश्रम्भाष्यायायायाम्हेर्याये प्रयायाप्रधीम्भाग्री ह्याया यदःद्रवाःविष्ठेशः विदःसवेः स्त्रेम् द्रदः स्वि द्रयेयः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स क्रिंश उत्ता विश्व से विश्व प्राप्त प्रति क्षेत्र से प्रति होता विश्व क्षेत्र क्षेत्र

अन्यायदीरास्रवयः दुरावन् न्धन्ता गलवान्यावारो ने श्रुवा ग्री:न्याया:च्रिते:क्रिंशःग्री:तयायः ह्यायायः ह्यायाः ह्यायाः शुः श्रुक्तः नवे:न्यायाः मदे द्वाया मुख्या ने सुन ग्री प्रमाय निर्माय ग्री म्याय प्रमाय प्रमाय ग्री म्याय प्रमाय प्रम प्रमाय प्रम प्रमाय प् सक्त हिन् हे अ हे न य य य द ने ने हुन ग्री स न हो न स न है य गशुस्रामाराविमा सुनाराधिकाराने। नेवे सळका हिना हेरा हेरा नर र्रे से भेगमा है। तुमामा कर्ममा मान्ये माना माने तुमामा कर्ममा यः न्य्रीयायः पदे या संस्थात्र स्थान्य संस्थान स्थान स थेव माना विन ने ने क्षून ग्री अर्कें व ग्रु ने अप्येव परे भ्रिम नम्से नेरावया नेरने श्रुवाशी सान्धेयासामित हैयासा धरान्या यादा विया ने तुस्रायाधित्रायाद्यायावाधितायदे द्विम् गहिसायादे मान् बेट्रियाया धेवरपदे श्रिम् अळवर हेट्र यहिष्य सं केरिया शरहे। श्रुष मःसःधेत्रःमःस्याः विवानः देश्चःह्याःमःसःधेतः स्य स्य विवयायः न्येग्रायाण्याः ह्यायाष्याः न्यायाः विया ने श्रुवायायाः विवा निः र्से ने र निया ने ने सुन ग्री सार्विमाया सदि हिनाया पर निया याधीत्रान्यामाधीत्रायदेष्टिम्। मिरहेमात्रामे। ने श्रुवाणीः वयायान्यम्या ५५.लुब्स्त्रेच ने श्रुवःग्रेख्य केषाः श्रेष्वय्यायः या नहेवः प्रदे वयायान्स्रीयायाग्रीःह्यायाध्यम् न्यायो। सळ्वाक्षेत्र ने यानः विया ने नि इश्राचान्त्र अधीवायाने। ने श्रुवाणी यव दुवाश्वर श्राच्यायायाया वहेवा मदे प्रवाय प्रभाव राष्ट्रिया वा स्वाय प्रवाय विषय स्वाय स्वय स्वाय रैग्रभःहै। न्यः र्ह्यम्भः ग्रीः से । प्रायदे रेग्राः प्रायद्भाराः प्रायद्भाराः । न्याः स्थान्यः यर श्रुवः प्रवे द्वावा ग्रुवे के शद्द ह्या शद्द श्रे श्रेद प्रवे श्रेद रहे। दे इसाशुःसागुनामदेः ध्रेमाने। ग्रमानगणिया श्रुमानमा श्रुमाम नश्चनः चुदे रे के स्याशुः सम्वाना सदे सुन्। यदाव हे मान दे । दे शुन ग्री:दमात्य:न्रेमार्य:ग्री:हमार्य:प्य-न्यानार:विम ने:श्रुव:ग्री:न्याया:ग्रुवे: क्रिंशःशुः न हमा या प्रतिः न दिया पि । न दिया प्रति दे। दे श्रुवः ग्रे मुंदे के वा शे वावरा ववायायायाया वहें दायदे ववाया द्रशेवारा ग्री ह्याया धराद्या यी अळव हिदा दे याद विया दे अ धेव यादी दे

श्चितःग्रीःसवःद्धंवःश्चरकात्वावावात्वःयहेवःसवेःववावाद्येवावाग्रीःहवावाः यरन्यायी अळदि हिन् डेका बेरन्य के त्वन्ते। मुख्य ने वे नित्रुम् ठव ह स थिव पर क्षुव परि ख़ुव ठेवा से वावशायवाय या वहेव परि दमायान्स्रमायाणीःहमायाधानान्माधाना ने सुनाग्रीः सळव हिन्ने सा धेव। रुठदरेरे भूरा ग्रेष्य छुद श्रूर्य प्रायाय या नहेव परे प्रायाय हीरा रटार्सिन्र मन्या दे दे हुन ग्री प्रमाय दिशेषाय ग्री हिषाया पर न्यायार विया ने हिन्दर ह्रा शन्दर धेव प्रते श्रिमा दर में देर श्रा मु ठव निर्ह र्षेन्। निर्म व र्गेन तु निर्म उव रिष्म । निर्म वव रिष्म ह सेव नविवा वेशामशुर्यापये भ्रेम इन्म्यायामहियाम ने न ह-८८:इव-इवासीयवर्गन्यस्थायः स्त्रित्रः हिन्ति। गानुसः विहरा ञ्चव डिना से नावरा तमाय साधिव परे छेर। इन्मारा मासुसार देर वया ने ने श्रुव ग्रे निवान ग्रिवे के राज्य वित्र में प्रमान स्था बन्दर्धेव पदे श्रिम् इन्मियाय विषय

 न्भेग्रार्ग्यार्भः भन्त्रायाः प्रमान्याः विष्यात्रायाः विष्यात्रायाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः ग्रेम्बरायराप्ताग्रराधेव। देस्वाग्रीप्रवावाग्रिकेर्क्रास्यावार्या मदे-न्रेश्ये-न्रह्राच-न्याधेव-माध्य-धेव-मदे-मिवे-सत्र्व-मा ने। ने श्रुन ग्री सव दुव श्रुम्य त्यायायाया नहेव सवे त्याया नशेवाया ग्री ह्रग्राथायान्यामा अळदाहेराधेता द्वीः सायरी यायमाया विचारसे मारा यदे हमाशालेश दशेय पायवदा थ्वा द्वा प्राप्त विश्वा नेस र्से म शुम र परे ख़ुव रहेगा से याव राष्ट्र वाया याया व हेव र परे र वाया न्धेग्रार्थः हुग्रार्थः प्रमान्दा नेयास्य कुराये खुर् रेया थे नावरायनायायानहेवासवे यायान् सेनाराणी हमारा परान्ना पर । श्रेंगाः कवाशःशुःशुरः पदेः भ्रवः ठेवाः शेः वावशः ववायः यः वहेवः पदेः वयायान्त्रीयायाः श्री ह्यायाध्या प्राचीयाः न्यायाः र्भ्रम्भ। वियः ग्रेर् त्यायः र्भ्रम्भ। स्राय्विदः त्यायः र्भ्रम्भ। त्यायः तर्यश्चरात्राच्या तर्यश्चरात्राचायात्रम्याया क्रि. र्टर त्याया यह न्यः ध्रियाश्राश्ची से स्वत् यादावर्षा शुः विदः हो दः दा विदः से दः से द अव डिमा हु से मावरा है। से पीव परि भी मा विराप में पित परि से से से से

नुः है। नगमा नुदे के राम् प्रम्य राष्ट्र राम् प्रमान माना कैंश उत्। पि नदे रेगा प न्य मोर्ने प मोर्ने प से प है। ये धित परि द्विमा वियानमें नामित के ता ये सु नामा ज्वेर के या पि.यदु.म्या.यदु.विय.विर.विर.विर.म्या.ययाया.यदु.मु.म्याश्र.श्र.श्रूम्.यदे. मित्रे के त्र से भू तु से नगमा हित्रे के सम्मान मेना मित्र से मित्र शुःश्चरःयदेः द्वाया शुया धीवः यदेः धीरा यवेः यते। नरः श्वेषाया ग्रीः रु नः इया वसुरः नः केंशा खदा श्रदः रेया द्रा या विदासे दा से दा से वा कि से व मान्याने। नुःनःन्याःवसुरःनःधेनःमदेःसुर। नेयःनगेनिःमदेःकेःनः ने भु तु भ्रे। नगग हिंदे के राग्रन ने गान्य प्रायाय में ये प्रम्य राज्य नः इमा वसूरः नः हमा शः शुः शुरः नदेः खुंवा माशुक्षः धोवः पदेः सुरा सूः पः वी निरार्स्यायारी से किया वार कु वुयारा र्स्याया से दारा मित्र बेर-रुख्नुव हेगा हु से माव्या है। से पोव मंदे ही मा वेया नर्गे र मंदे हैं। वःश्रेश्वःस्री न्यायाः च्रितेः क्रें सः यानः क्रुं व्रायः विष्यायः सेन् ग्रीः व्यायः

नु:ग्राट:रेगा:ग्री:दगाय: ह्वासे:हगास:सु:ह्वर:पदे:ख्य:गासुस:धेत:पदे: धेरा इगामती नरस्मित्रार्थीन्त्राची न्यान्य व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व् वन्रश्चार्येट होट प्रावेट सेट र भूव के मार् से मावस है। इ.न. इगायसूर न धेत परे से वा वेरा न गेरिय है। द्या ग चिते के अभागर प्रमुखा की कुमार से गा गी प्रमाय हा से दे प्रमुखा सु र , य इगायसुरानाह्रग्राराशुः श्रुरानदे खुंया ग्रास्य धेवायदे से वा दिग रद्दानिव विवादि निवादी है। हिनाका धर द्वा मी दिकादि विवादी है। क्रूनशक्तेत्रभाष्ठ्रनायम् र्वेत्रप्रे न्न्रणे मित्रक्रिशक्त। याम्येग येदःदे। ये क्रेंन्यः केत्रंय्या ह्यायर देत्रः प्रदेश्वरा वेयायमेदा देःया पि.श्रम चर.रमा.रट.इश.व.रट.रं.वीर.सपु.श.कुर.सपु.म. धरर्वेव धरे पाने कें राउना नेर प्रया नेरे भेरा नेर प्रया हिंद केंग उत्र ने निर्मा के मा धीत मारी ही ना साम्यान ना ने कि सा किन हिन हिन न्यारेगानुम्या हिन्थिन्यदेश्चिम् अस्युन्ता नेश्चार्रेश्चिरार्था वसेता सुमारा नदारीं से सुन्दर्भे राजगामा नेता ही सिर प्रत्यास रित स्था न्धमान्त्रम् न्द्रमान्दर्द्ध्यात्र न्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम् मान्द्रम्

यट येत्र रावे पावे सम्बुद राम शुम्र रावे सा मुंग्र के सा के मार मेगा व यव भे ने न सम् सम् सम् व में न महिसाय ने साम सुमाय है न ठेवा से वावसायवायाया नहेव पदे त्वाया दसेवासा ग्री हवासा यदा द्वा वै। नधेरःव। गरःवगःगेः यनगःवहेवःग्रेः नर्रेयः गहेवः नुःग्रूरः धवेः क्रव विश्वा शुः क्षेत्रा यया नम् कर् ये दाया के राय विश्व वा निष्ठ वा वा निष्ठ वा नि वहें त्र ग्री निर्देश माहे तर धीत सदि श्री विश्व नर्गे न सदि के तर ने श्रा त्र गशुस्रामःश्रीमाः कपासःशुः शुरामदेः ध्रुतः हेमाः से मात्रसः दमायः या नहेतः मदे विवाय दिश्वाय भी हवाय प्याप्त विवाय दिशे स्वा या स्वा या स्व ग्रे गुःर्रेग केंश उवा उपाय प्राप्त पर्वे प्रसे प्रमुद के पा हु से पाद्य है। गुःर्रेगाः धेवः मधेः भ्रेर। वेशः नर्गेनः मधेः कें वः ने भ्रः नुर्दे। यगयः न्धेग्रायावेश्याये सळ्त्यावे सूर्यन्त्र राष्ट्रर्रो

याहेश्यः । त्र्रोत्यः श्रुतः श्रुतः श्रुतः । विश्वः श्रूत्रः त्र्योत् । त्रेशः त्र्यः । विश्वः श्रूतः । विश्वः । विश्वः

ह्रवाश्वात्रेश्वरावार्ट्रवाची रवाश्वर्थे श्वर्षेत्र श्वरेत्र श्वर्षेत्र श्वर्षेत्र श्वर्षेत्र श्वर्षेत्र श्वर्षेत्र श्वर्षेत्र श्वर्षेत्र श्वर्षेत्र श्वरेत्र श्वर्येत्र श्वर्येत्र श्वरेत्र श्वरेत्र श्वरेत्र श्वरेत्र श्वर्षेत्र श्वर्येत्र श्वरेत्र श्वरेत

चनाः श्चानः स्वतः स्वतः

हिरामेन मिन्नामा स्वानाम स्वान

महेम्या हिन्य स्ट्रिस् विष्य हिन्य हिन्य स्ट्रिस् विष्य स्ट्रिस् विषय स्ट्रिस् विष्य स्ट्रिस् व

सर्दि शुस्र कर् सदे रे रे रे जा वे ना हैना वर्गे ना कुंया न सूत्र या

श्रास्त्रिम् नश्रुम् व्यास्त्रा दे व्यास्त्र मी दे में व्यास्त्र व्यास्त्र में व्यास्त्र विष्ट्र व्यास्त्र विष्ट्र है। रेगार्थायाउत्पात्स्यरादेश्यर्देत्रशुयात्रयराउत्रिरापदेग्तर्गा हेर् थेव पवे भ्रम् इस पर हिंग पारि वर्षे वेश नेर में मुल र्धेंग यः इस्र शरी वार्ते न पर हो न पर ने शर्थ के शर्थ क्षान कि वा न न से विषय है स यर हैंगा या से दायर क्रें। या देवे विगरेंगा रेंगा से या श्री सरेंदा सुसा मससा उदा वे हैं गाम प्राप्त विकास के पा के का बेर में दे प्राविव प्रापालव प्राप्त है न्गर्यः शेर्रेर्नेर्वेश्रायायार्शेष्र्यायायात्ववायायायात्वा नेशमिते दें में अधीव मन्तर में न्द्र वहें या ना धीव मन ने हिंदी वि डिगाने। नन्गान्दराधेनायन्नेयानदेर्देश्चेराधेनायन्यहेन्दे। ग्वन न्यान्ते इ न्याया श्रेयाश्चार्यादे न्यान्यिते वह्या यदे निर्मे धीव यस यहिन र्ने ने निविद्य नुस्य सम्मास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वीस्य स्वास्य स्वास्य

यर्दिन शुयाळेट् यर रेपायायायायीव है। यूर यर्दिन शुया ग्रीयापा वृद नःयशःध्ययःगविवःशःधिवःयवेःधिरःर्रे। नेःगव्यःवेवःभःवद्देवःयवेः धेरः रूर्भ अवर्भित्रिं वर्षे। धुयः र्देवः ग्ववरः धेवः वर्षे वर्षे रूर्देरः ररः नगर-नु-वह्मा-भवे-ध्रेर-न्रम्। देव-बस्य-उन्-ध्रय-धेव-भवे-ध्रेर-वर्षायायार्येदायायार्थेष्ययायार्थेत्र्देश्यार्थेराधेराधीय्याप्यात्र्या र्भ वे वि वि व पि स्थानि स्थान रेग्रायायायायेत्रहे। नन्गाहेन्या होन्यायायायदे हिरावेया हेन् र्रे मुलर्न्स्यारम्बर्यान्ते भ्रेयानुष्ययाउन्ते वितर्निन्कयायाः र्शेवार्यायान्द्रायायायायावित्यायात्रीयात्रे। वर्शेचायाद्रीक्षायायीया वे त्याद प्याद से दिन्न वस्य उद या द्याद में या से मिंद से दे दिन सर्वे द नवे वनमा से दाने में देश में से देन सुसाय से वामा परे कि दासमा वामा मवे इत्यावर्रे रामान्या ग्राम् से निवे निवास्य स्था से निवास के से अर्वेद्राचा श्रीद्राप्तशाह्मया वर्षेद्राचित्र विशाया श्रीद्राचा विशा वेरारी वेशाववृद्यायाया सर्वि सुसा वसमा उर्दे ना पर वर्दे ना प ८८। रे.भूर.क्षेत्रामहेश्यास्त्रीयास्य पर्देर्यास्य र्द्राम्य रेट्र  ळॅन'सर'पर्नेत्रमप्तर। नन्याधित'पत्रेयाम'ळंत्'सर'पर्नेत्रम'न्त्रम्य क्रियामे क्रियाम

## सर्देव-श्रुस्राक्षद्र-सदे-श्रुद्र-पुत्यात्यात्वेत्वाःह्रेत्वात्वेत्वाःकुत्यात्रश्रृद्राःच।

र्श्वेन् खुयायार्वे वार्हे वार्द्धी सुरास्य स्वेर दर्शे यस्य ने या धुयाया वैवायरहेवायकी वर्षे के रेवाराय उत्यासिवाराय दे। हिर न्रिंशरीं म् शुम्र मा प्यार पिन् मम वया ने प्यार सर्वे मुं सा श्री सा पिन्स शु-न्ध्रन् प्रमः चु-नः धेव प्रदे धेमः है। ने धेम सर्व शुस वे श्रुदे सक्व हेर्ग्ये खुव्य उत्रायदायीत दे। दे निवित रुप्तिमात्य सँग्रास प्राप्त मी सळव'हेन'ग्रे'रें'नें'अर'हेश'शु'न्यग'यदे'ळन्'सश'ॲनश'र्र्,न्युन्' नर्जुनि भेत्र भेत्र भेते हिर् हेरा हुर जुन्न निर्मा नर्जुन भर्म हिर भुन उत् ग्री कंत्र अपीत पर देवा अर्थे। वे अ वे र देव वे अ व ग्रुट न क्ष्र सर्वि शुस्र हु सक्व प्रमा हु प्रेम्स मिन के स्वर सुर सुर सुर सुर सुर हु स 

## वर्रेर्प्यः इस्रश्राश्री

## सर्विःश्वयः कर्ष्यः सेवाः चित्रः से । से । सक्ष्यः से दिन् हेवा न्याः दुः श्रुवः या

दे निस्त्रस्य प्रतिना निष्य प्रति । स्ट्रिस्स्य । स्ट्रिस्स्य प्रति । स्ट्रिस्स्य । स्ट्रिस

## न्नरः सं संह्वा सुस्रान्न न्या

नदे श्रु इस्र राया गु नदे श्रु त्र रहे प्रकेंद्र पर गुर् पर होता हरा हरा गु शुः इस्रयायाः इस्राग्रीः श्चीं वसाने प्रचुणाया उवार्षा उवाले या ग्वारा शुः नुर्दे। वर्ने वा विश्व र्रा गलव नग वे नेव ग्री अ क्षेट मदे क्षु प्रचय लेगा गे अ नेव क्ष्य अ हिन्यर्नु हुश्ये निर्वहेन्दे ने स्वर्तन्ते यान्यः हेवायाने नवाः मेन्यने सर्व सुमार्थे। वेश ग्रास्य ने प्यत् भेर न्रास्य वर्गेषाग्रीमाभेटार्श्वेराहेगापाद्या रदास्यामाग्रीहिगापदेशस्व हिन्द्रा देग्रायार्थेग्रायालेयायास्यवोयाग्रीयार्देवार्श्वेराहेग्यायाद्रा । ग्वन् ग्रेम नहग्राम परे हिंगा म न । नेते सळन हेन हिंग न बुद वर्षाम्पर्पाञ्चीः या सावर्षे वा श्रीया श्रीया या देवा स्वर्षा प्राप्त स्वर्षा प्राप्त स्वर्षा स्वर्षा स्वर्षा नर नश्रुवा अर्दे उत्तेष दे द्वा यो द्वी द्वा द्वी द्वा या प्राप्त वि द्वी द्वा र्रे ने त्या के वार्ते वार्ते वार्ते वार्ते वार्ति र्शेग्राम्याम्बर्म्यायाधिवाते। सून्। नावे में में या वे गायम में गाया नश्यानरानवेदावशा अर्देवाशुंशाहेगान्दान्यानरावे। विशानु नःयःश्रेष्यश्रःश्रेशःह। वेशःयश्रद्धश्रःधिर। श्रृेनःध्यायःयःवेषाः हैंगानमयानाया सर्देना नुःसदेर्दे निवेर्क्षेमाउदादी। निवर्दे वास्म

हैंग्राश्चीत्राधित्। । यहार दिना चुः वः सूत्र चीया। । तसूत्र सेतः दिने न्नर रेवि खुवा वेश गशुर्श राधिव है। वशेष न्नि सुव न्नि । र्ह्मेन न्वे हुन् खुयायायेगायम् ह्यायायस्य प्रति हुन् नुस्रिते न्यायाय र्ने के अंदिया विका चार्या विका चार्या के विका पार्या के अंदिया विका के अंदिय विका के वर्गेयावरीमावी गाठेगारु अर्थेमानवे । हिमानमाने विकासान्या महा हेर्-नेश-पर-वयाधिर-र्रे वेश-परे-पर-र्रा केंश-उद-वस्रा ४५-यशक्षिणाया वेशयात्रमा होन्याधित वेशयहिन होताते। नरःगशुरश्रामः इस्रश्राग्रीशः श्रुद्धाः प्रायाः विवा हिवा सेया नदेः सर्दे हिवा वळन्याधिवाने। सून्। न्यवेर्नेनिवेर्केशाउवादी वेशानुनादी केंशा उत्रथ्यश्चर्यायम् विष्यः त्रुः नः व्यायायायः विष्यः त्रायः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषयः विषयः विष्यः विषयः विषय होन्नि। विशामश्रुरशामान्न। इसारेशाशुन्नरामिते हानाविशामिते हेश शु गिठेग ' हु सर्वेट ' निर्देश हिट ' सर दी विश से ग्री श दर्ग है । विश से ग्री श दर्ग है । षाः समयः न्वरः संदे न्यः ने सः स्वायः ग्रीसः र्रेतः ख्यायः स्वाः हेवाः सेयानम्यासुम्सामवे भ्रम्ति केसासकेया वीसा म्दे क्रिंम् ख्याया वैवायर हैवाय सेवायदे धेरा द्वर मेदे गुन्य सेद्याया वेस गु नःयःश्रेष्यश्राम्भःश्रेश्राश्रेष्राश्रेष्राभ्याम् विशान्ता यहारे हिन्यश्रास्त्रास्य

वशा र्रेट्टिं पुरायायायें नाम्य हेनामासेयान हे पेता वे वा नगर रेटिं इस्रायर नेश्राय हैंगाय प्राप्त व्यायर श्रुव प्रये रेग्रिय प्राप्त श्राय य हिन् ग्री भी स्था अर्ने अहं न प्रवे में से अ हे अ शु न मुन प्रवे भी स विशामश्रुद्रशाया देवावी नगरासदिवाग्रीशाश्ची निर्माणिया र् होर र्या श्रुम परि पावन श्रेदे वें पा हैं पा न्या के नमा मेर् र र्या यर्दि श्री भ्रान्य श्रा श्रेन् प्याय या विवा हिवा सेया नर सहन पान्र । रेग्रायाययायारेयायायायद्या रेप्तिराद्यायायायायाया विश्वश्वर विराधर खुवा उत्राधित । विश्वा प्रमा नगर अर्देत केंश उवा हैंगा ज्ञया धेव है। रदा अळव श्रूदा धुया दु जे दा प्रेया धेवा यदे भ्रेर है। वेश नश्रव राष्ट्र नु धेव रादे भ्रेर रेग्र भेग्र श्रेत्र इयादर्रिनः अर्देव् शुंशाशुः हे शाशुः श्रुं न् । धुवावावावे वा हिवा शेवा ननः सहरामाधिवाने। रेन्नेरायमारेवे खुयावे स्टामी सळव नेर्निवा है। वेश गर्राह्म भीटा देवे बद ग्री तबद थूव यश द वे हैं द खुय य र्येगान्यरः हिंगान्यान्ययान्यते धेरानेते पुष्याने स्टामी अळन् हेन् विन् है। वेशनुन्य अवाशना हैं या शे। विश्वाम्य स्वीति वें त इस्राम्बद्रायस्य वेवाःह्रियाः नयायाः पदेः देवः क्वः याश्वः पुरुषः नस्यः र्श्वेन् धुयायायायेवा हेवा वर्षेवा या तुरानु साम हिन्स साम हिन्स साम हिन्स साम हिन्स से साम हिन् ब्रिम् क्रम् अवे ग्रम्भ नम् हुम् सुवायाय विवायम् हिवाय निवाय विवा माश्रुद्रमायाविकामायाम्यायाद्यायाः हिमानययानवे स्नुन्याश्रुहितः धुवावार्वेगाः हैगानश्वानदेः ननरः नुः सहनः भः नरः से समुद्रादें वे वा क्रिवः से दःदे। देः इससायमायः से दः दः विसः स्राप्तः के मार्थः धिराने। सर्देवाहेशार्शेर्शेरायरासळवादराष्ट्रीसळवाग्रीसूराध्याउवा र् निन्द्रिया अर्थे निष्या वर्षे इस्रान्नन् नसूर्यादेन पाहेर्यासुर्या सुर्या सुर्या स्वीत्र

मते दिर द्वर लेश हैं गा ज्या रु सदित शुस्र ग्रीस ग्रीय परि रहें या दर। न्नरःक्रिशःह्रेग्।यरःक्वें पर्नेग्रथःयथे गुन्यस्य स्त्रुन् नक्ष्रन् परे कें नदेर्द्र-द्नद्भिंश्ह्रियाः ज्ञायाः दुःह्रयाश्राश्चेशः श्रुवः स्वितः यहिशः शुः धेरः यवे भ्रेम दरमें भेरते। यर्षे शुर्या है गादर श्रया नर है। यर्षे श्रमः हेर् ग्रीमः वर्षानः पर्याप्ता विषाः वर्षाः प्रवास्त क्रिंश म्याम्य क्रिंश उद्या हिंद शे दिस स्ट में श्रुव क्रिंट या धेव परे पद पा मुन्द्र-त्युर्र्य सेर्वे सेवा द्वर्य स्था सुर्वे अर्यदे वा बुवा अरवा स्थर सुर उत् श्ची भी साम हिंगा श्वाया दुःहमा साधार प्राया मी साञ्चार से परिवास है। हिंदा ग्रीशरे हिंगा ज्ञाय रु अर्दिन शुर्श ग्रीश ग्रुन प्रदे श्रीम विश्व प्रमाय ग्रुम यदः श्रेम्। सर्विः श्रुसः श्रुसः श्रुसः श्रुमः श्रुमः स्वा ग्रुनः श्रुमः हिनाः श्रीरामहेत्र उत्। श्रिंश्रीर रूरा वी रेगा चुः धेत्। वेश वचुरा ना यश हिंद्र श्रेश दे शेद श्रें र हैं वा य द्र दें व श्रें र हैं वा य वाद रुद द्र द्र वा य नर रर रेगा सर्व शुस्र शुस्र शुस्र शुन्र पदे शुर र र । वस्र र र प्र वे से समानस्यानमा । वरानी निर्मा हेर्ना परिसे राम्या । मावसा वयर भेगा गोरा गार्गार गारी। । अर्घर निर्देश हैं ने निर्देश हैं राष्ट्री राष्ट्री विशायवुरानाहेराग्रेशाहेगामाधिराशेष्वीं नराशेशशान्दानुनश्रा

नियाहिषा ज्ञान देशायमायगुमानवे भ्रमा ग्रम्भायया देवे कें भराग्रम्भारहें वासेगार्क्षे कें पार्मर भेरिनें वे वा रे से प्रमर रे। श्चरः भरः दुरः वरः इसः हैं गाः ना । विं विं ते वे स्मारे गायरे वर्षः वश्चरा विकारियाः स्रम्यन्त्रियात्रकाः स्रम्यकाः श्री । प्रम्यस्थिते हिंगाकाः सायाः सेपः र्ने विश्वायम्पराया नेवे के मानुग्राय दिन सेगार्ने हिंगाय इत यदे द्व ने रासे दे से हो । वि हे व मिट स स्था वि रे रा ही देव व सर्विः ह्रिया ज्ञयः पुः ह्रया सः धरः प्रया यो सः श्रुवः से प्रविं सः हे। हिंदः श्री सः ने हिंगा ज्ञयानु अर्दिन शुर्या ग्रीया ग्रीया प्रदेश विया विया प्रवित् रासी प्रवित् दे। देगार्थायाउत्रायशाग्राञ्चनार्थायहेत्राद्याद्यात्रेशावर्थाये धिराने। नेसान्यरानेसाग्रीमासूनायसासीयो नेसाने धिराने। वींप्यरा ग्रेन्या हेन्या विशास्या अप्राचित्रा मेन्या सुरवहन्यम् वर्ष्य मवे भ्रम् यह वित्र सर्दिरशुस्राहेगाः ज्ञायः पुःहगाराः धारः प्रायोगः श्रुतः से प्रीयः है। वेसः न्दा अर्देव शुअ र्केश रुवा हेंगा त्रया धेव है। बेश वर्गे दाया धर हेट धिरःर्भ

भ्रम्य अप्तर्देर सम्रदः दुरः वर् । नुप्तः व सक्त । हेर् । मन्दः य । अळंत्र हेर् ग्रे रेंत्र न्वर्र माहेश र्षेत्। दर में ते। हेंगा मादर ज्ञयाबिदासायवियानदे नेसामासर्वि, शुंसा ही सक्त हेर र् सर्वे प्र नश्रव नर्डे अ प्रदेर माश्रुर अ प्राचीव है। अर्दि अर्देव श्रु अर्थे। वेश मश्रासर्वेदान्। हेमामन्द्रान्या वेशमश्रासक्दानेदानी बुरानी हिमा न्या अर्देन शुराष्ट्रम श्रूम रचारेन नरमा वेश प्रभाय प्राया रदावर्षेयार्गीः नेयारायादाया वेयारायाः नेयाराद्दियासुरायदे धिर दर्। यरेर थर। सर्व शुस हैंग दर ज्या नरा वेश या सूर नविव निर्म वर्षे रावे निर्म निर्मा निर्मा निर्मा वर्षे निर्मा वर्षे निर्मा वर्षे निर्मा निर्मा वर्षे निर्मा नश्रव मंदे भ्री मा नगर में लाग हेव मंश्रा व सर्व श्राय व स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार नःविश्वान्ते अर्द्धन्ते देत्रा मिन्न निष्ठित् । हिना मान्य उत्ते अ ग्रामाने सक्ताने प्राप्त के नियान प्राप्त प्राप्त स्वार्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स् क्ष्र-क्ष्र-इस्रायानि। विदेश्यास्त्र-सुरास्त्र-सूर्यानिया सर्देतः सुस्राष्ट्रमः सूराम्यामेया विषा ग्राम्याम् स्राम्यामा धिरामा मे न्भेग्राश्चित्रानग्रम्याधेवायम्भेग्रायम् चुःनवस्य सळवाहेनः स्वास्त्रिम् विकाम्बर्धिम् देरास्त्र विकाम्बर्धिम् देरास्त्र विकास्त्र ग्री नश्रू त न है राष्ट्री सामाहिया याया ग्रामा सुद्या है। इसादेया याया सर्दिन शुस्र हिंगा ज्ञायाया विषा परा देवा सेवासा विषा परा है। यासर्विस्युसावे हिंगापान्दान्यावेदासायव्यानवे वेसाग्रह्म यदे से न प्यान्यमें मुं स्वान्य या या विष्य प्रान्य से मान्य से मा हेश नहें न न अळव हेन सुन परे सुरा न सुन है। गुन या न न क्रिन्युन परे अर्देन शुअन्दर सेंस्न हें दिन्त मा दे हिंगा ज्या अप्वाव्य नरःश्चनःमरः हो दःमदेः श्वेर। दमेरः वः गुवः हः श्वृदेः हमारुः वे मार्डमः वर्षा नेवे हेश शु गरुंग सुन उव श्रुन रामवेव के विषायवन थ्व यशमाशुरशाहे। यारासर्दिन शुसाबेश ग्रुपाते सळदायावे हेशा शु निह्नायाक्षे। नारायरिवासुयाग्रीयानिह्नायराग्चानायरिवासुयानुग्चीना यदे ने अप्यास्य हु ग्राम्य अप्यादे हैं हैं मास्य द्राय विद्या यहिया निर्देश वेशनिः भूरः सर्देवः शुसः हेशः शुः नहिन् वशः हिना पः निरः न्या नः हेन् यः र्शेग्रम्भायते सक्त हिन् सून पर होन पर पेत्रें विश्वा ग्राह्म परि

श्चेम्। सर्दिन्शुस्यःश्वम् श्वरः नित्रिन्यः स्वरः स्वरः श्वरः श्व

मित्रेश्वास्त्रक्षंत्रं तेत्र मित्र ग्री-दिवाया मिडियान्या हियायाध्येवायाने दिवादिवाधिवा विश्वायान्या । याया हैंगामदे ह्यान्द्र न्यान्द्र वियामान्द्र वियामदे ररार्ध्रेगान्दराज्ञयाचा वेशायान्दा धराहेगायवे सळव हेन्द्राज्या या विश्वाचेना न्दार्भाक्षात्वनाने। कुनासर्वितास्या सा नः अः धीतः पतिः श्रीम्। माहे अः माः नेमः माया मे अः भः निव ने में माः नह अः न्द्रान्ते। र्रें स्थाय्व धिव प्रदेश्चिम् यहिषामा से प्रवादि हिया श्चिरास्टासेमा अर्देव शुंशाहिमा प्रवेष्ट्रशाद्दा ज्ञाया या धोवा प्रवेष्ट्रीसः है। दे हैं गाय दर ग्रुव वदे ह्या गरिया धिव यदे भ्रिया अ ग्रुव द्वी हैं गा मःक्रिंभाउव। ब्रिन्श्रिंमास्य मेना सर्विन्श्रुसः ब्रिन्निम् स्या गठिगा धेत प्रमा हिंदा ने या प्रमा धेत प्रमेर हो मा सुया पा से प्रमा ने। हैंगायदे ग्रेज्ञाधेत तर्हेगायदे रूट हैंगा प्रदेश न्या प्राथ्य स्था हिन। नविन्यत्याम् हेन नुसन्देन हिनामायसेन नवर हिनामाधिन न

रद्राची खुनाय दी देनाय विनयायया हिना य दे लेयाय या नहित मन्दर्वेशन्दर्वर्ष्यस्य श्री देन्दर्वयावर्षे वेशम्बर्धर यथा शुःर्नेत्रयदेशः उटः रुष्ट्रेत्रः प्रदेश्वेतः रेगाः प्रदायाः वरे हिंगाः न्यानी दिवावया यळवा हेराधिव दे। श्रिम हे मामा मामा नामा हिंगायान्द्राक्षेत्रयान्द्राहिंगायाययाचे नात्द्राहिंगायायया म्बार्यान्य स्थान्य स् न्दः ज्ञायः नः उत् विषा ग्रुः नः वे त्र्याया ग्रुः यदः नर्दे। विषा ग्रायुद्या परिः धेरा गहेशमासायह्यायदेर्देवायापरेवा रद्योप्ट्याध्याया यायहायानाने नेते में विश्वा वेया वेया विवासमा माववाना मावया हा यासायविकाया विशान्त्री काकायत्रकाग्रीतिविकाम् प्रियिकासम् याश्चेरामा वेशाचेरा परायायायम्या ग्रीप्रमुया ग्रुप्तिया म्या या भ्रीत्राचिर ने या पात्राचा प्राचित्राचिर ने या परि देवा वे या ने या पर मि श्चेत्वन्ते। श्चार्थान्यः ह्रियाश्चर्यः हेश्चार्याने श्चेत्रः विष्यः ग्वार रद्यो पह्या पुष्य वा साविषा नवे हिराने। वह्या पुष्य वा करासा

स्वायत् श्रीम्। विकास स्वायत् निष्ठा विकास स्वायत् स्वायत् श्रीम्। विकास स्वायत् श्रीम्। विकास स्वायत् स्वयत् स्वयत् स्वायत्य

र्रा मि डिन इत्या सार्ट्र प्या सार्ट्र प्या सार्ट्र स्था सार्ट्र सार्ट्र

श्चे अर अर्देन है। ने क्षेत्र ने अर्देन शुंश श्चे कंद अर वशुर या वर्देन वःहेशन्यम्। अः धेवः पदेः नेशः यः धरः नेरः वशुरः विरः। नेः वर्देनः श्रेः तुर्यायात्री दे साधित प्रति रहं मा सर्वे मा भी सामा सर्वे सुर्या शिक्ष यायाधीवाययानेयार्थे। देव। सूरायन्तरायदेयरेयर्थेयाग्रीयळवा हिन्ने अर्ने सेसमा मुक् सेंन्नु । प्रमाणेक क्या सर्ने से प्रदे मुक् सेंन्स धेव मंदे खुग्रामा सु हो द माना पोव ले व ही सा सु म धेव हो। मेसमा ड्यास्यायह्य श्रियायहिका नेयाश्चीत्राम्या नेयास्य हिन्दे हिन्द्रीय हेवाया ही। नगगानुःश्वरःनदेःसर्देनःसुस्राप्तसःसेन् सदेःस्रेरःन्। नेदेःसुग्रसः हैंगायाद्यायावेदायमाळम्यायात्रह्वात्व्यायायात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्र्या हिन्धित्रप्रदेष्टिन्हे। केंग्रायकेंग्रामिशा नेदेष्टिनः इयायनः नेप्राया उँभ-५-शु-न-थ-श्लेन-५र्मेन-नग-ळगर्भ-नहत्य-५-५-शे-नहत्य-५-५ग-मीराइसामराम्वमामासर्हित्या वेसाम्स्रुर्साम्बेर्ध्या देखा सर्वि शुसर्हिण प्राचित्र विसार्शिण विशासिण स्थानि । त्रुव सेंद स्था भेव संदे स्द मालुद दु न्या हिंद शे प्रश्नेव मेंदे से से स वे वा नेव फुरर्ने ने वन ख़्य यथा गय हे इय वर्षे र ख़ें न परे ग्राबुदः प्यदः वस्र सं उत्र हे सः सुः द्या प्यदः हो दः सः प्येदः दः क्रियः दर्धितः

ग्रीमाहेमासुर्पणामानेद्राच्यामानेद्राच्यामानेद्राच्यामानेद्राच्यामानेद्रा वेशन्त्रान्दर्देवन्त्रीःसम्बद्धेनशःग्रीशःभ्रीःनशःहेनाःशःसेद्रराःहेदःद्र गश्रम्यायम् विवे श्रीमाहेया सुगया यामा स्री हो न विवा विवे मा वे देव से दाव के से प्रमुद्द न प्रमाले मारे के तु प्रमाल के मारे के तु स्माल के ति से प्रमाल क यात्रा धेःर्रेयाधेःर्देवाधेः ख्याकेरायबेरायाधेवार्दे। वेशायश्रिरशा निटा ने हेन अर्दे सेस्र श्रुव सेंट निवे गाबुट धेव व ने स सर्देव सुस हैंगान्य प्रान्ध्रव हिटा ने स्वर्ध स्थेत्र अवसः श्वर्धे दर्गान्य प्रेवर प्रेवर क्रात्रभाने पे भीतान्त्री भाषा ने भूत पाव्य प्रयासक स्थापन भूत नर्डेशयदिवे ग्विराग्राराधेव देराश्रम् नवे क्रिक् वे प्रा

याद्रिश्वास्त्र निर्मे स्वास्त्र स्

सर-लिय-उद-लिद्दा हिना-ज्ञय-लिद-स्य-प्रमानिद-स्य-प्य-प्रमानिद-स्य-प्रम

गहेशयाक्ष्यान्वराधेराने। विराधराक्ष्यायाञ्चानगावे।। विद्याः याश्चित्रायार्धित्रधेवाने। । हित्रायत्राहेशायर्थे सेत्रायश्व। । यहायह्याः मन्त्रे सेन् भ्रिम्भ्राम् । श्रुम्मस्य साध्य प्याप्य प्याप्य प्राप्त में भेता । ने म्रस्य साधित से र्श्वेरावराग्रेत्। हेशार्शेवाशावग्रुटावायशा रटासळवायार्देवाद्यायरा शुः भे वह्ना पदे धेर है। दे व द्वा पर न्य स्थ पर निष्य भेर निष्य पर नि है। नम्'नुष्र'ग्री'मम्'बळव'श'सून्'ग्री'नुष्र'शु'हेष'वर्गे'से'ग्रीन्'पदे धिर:५८। इ.यदु:विय:त.पु.श्रुदु:लीकाकायई:श्रुर:यर:विरःत्रशःवीयः मित्रिम् मित्रमे नगरानेशाह्मामाधिताहे। तुसावहित्सेगानेशा ग्री-रूषाग्री-क्रें-क्रेर-व-तुष्ठा-पर्दे-स्रुष्ठा-पर्दे-हेंगा-पा-पा-तुष्ठा-पा-पा-प्रवा-पर् ग्वन् ग्रीरान्ध्रन्याग्या । ने हेन् सु थे हेन् ग्री । न्वन् र्येदे युक्ष सदि क्षेट हिंद क्षे त्रवेष न लेक सर म्हल पदि क्षेट स्वि क्षेट क्

महिश्रासाश्चिद्दा हैना महिना हुन हैं न्या ने ना स्था हैना स्था है

गिरेशमार्डेन्श्वराधिनाने। नगरानेशाध्यायाळन्छिरावह्या यर वया न श्रूर या न्या नेवे यव न्याया या या है या शुः धेन प्रवे श्रुरा न्द्रासी विष्या है। इस हिंगा वी साय उद्दास्य। सिर्वेदाय कुत कदा वशुरावे व वेयावशुरायायया शुः त्रयाप्ययात्रया देवायर्दिता सर्देवा सुरा ८८.येश.यह्रेय.ह्या.स.क्य.क्य.देय.देश्चे.यद्र.क्य.यह्य.स्य.क्य. अन् केना स् भे निरास कर्त निरास करा निरास करा निरास अन् केना स् धिते नर र र र स्वाप्त हैं व र है व र स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप हिंगाना कुन थन र भी ने नहेंन सहन सुसार र ने नहेंन हेंगाना गहेरायगणा नेरायर् अर्थाकर हुं से सेर्यं सेर्य वेरा हुं नःवर्गेमान्यः वा नाववः ग्रीयदः देगायः वे घः ददः पदे। । इयः यदः हेमाः के हे भूर भेता वेश प्रतुर प्राथमा तुम पहें त सर्दे त सुम प्राय है त ह्निंग्या कुन्थन पुत्रे निये के नुया यहिन सर्मि सुया सूर् हेगा नर या कर्र्रा क्षे क्षर्यं नेते के क्षेत्र के मान्य के हैंगायशकेंद्रायदेधिरही देवे के श्वायदेव हैंगाय कुव थ्वा रुक्षे दे महिरायमाया नेरायानुः सारीमा करासे भ्रीप्तरे भ्रीपा वेरायमें न्यरे धेरा

महिश्रामानेवित्यम् न्यामान्याधिनाने। र्नेम्ममान्याना यामिक्रासुर्वित्रप्रदेश्चित्र तत्र्याचित्रभे मायाने समायासे सर्वेतः नःनवेत्। । नर्रेशः ध्रिम् अः भ्रेन्यः नरः स्वः वर्तेनः व। वेयः वर्त्वः नः यश यर्भेयार्भेशने शृष्टीये नम् नुश्चायद्देन हेंगा मश्केन ग्राम्य वहें व सरें व शुस्र भू न हे ना सृ ही सें नरा न न स्व ले न व हुना य हुन नशानरायाळ ५ ५ अ८ ना धीवाहे। दरेरावायायाया से स्रित्वा यर शुरावरा हेवा कर सूरावा विद्या विरा सुरवा विवा वे वि गावन ययर सर्हरमा माधिन विमाय गुरान या ने ने ने गुमाय हैन यर्व-श्रय-१८-त्या-वहेव-हेग-म-स्व-ध्व-ध्व-रु-श्रे-ग-यवद-यर्द्ध-य-मवे श्रेर प्राप्त थे मेवर हेमा कर हैं या मर वश्रम । वरेर में वा ग्री ८८. द्या. कर. दी । ५८ ४. २४८ २४८. इसस्य ल्यू र. स. स. वि. वि. मू. स. ग्रीशक्तिन्त परा किन्सेन निवन्त सुर निवन्ति। वार ने सेर मी सवर विवासि । नेसाम अर्डिवा प्रत्ये सामि । केंद्र सर सूर निर्देश्यक्त । ने भ्रेर र्रे के निष्ठ मा कर प्रमुद्दा वेश प्रमुद्दा निष्ठ प्रमा धी'यो'अ'रहर'अ'हेवेअ'यर्हेर्'यदे'के'अ'यितेअ'यह्या'यंश्चर्ययारे' गिरेशानराकन्त्रभूनानरामयाबिन। यन्ति सामिर्शिकारेगाकरार्मेशा

मायसानम् मीरामिक्रासी मिरामित्राम् मिरामिक्राम् मिरामिक्राम् मिरामिक्राम् र्शेर्स्थ में नर दशुराय। गया हे दे गहेश शु नर दुरा गहेश शु श क्रेंद्रायमार्डमाक्रम् से वेंस्र से वेंस्य स्वाप्त व्याप्त वित्र द्वा ने सार्वाणा धुवावावहुनामदेळें सेनाकेस सूर् हेना सृष्ट्रिते नर रुपहुना केस ग्वित् ध्राकें र ग्राम् भेषा भेषा भूर केषा शृष्टी प्रमास्तर स् पिश्रास्त्ररश्राम्बर्दिन्यदे स्त्रिम्प्ता कुः सळ्वाने स्रम्या श्रीसेम्प्त वह्ना नेश द्या हेना कर दुः हो नर ग्रुव मदे हो रा दे ता वि दरे लिन्। वा बुवा रा सहे रा ता खुवा पर कवा रा निव परि कुन्। ता खु तहे व ळंट्राया क्रेंग्निस्या क्रियामार्ग्या हेवारळ्ट्रा क्रेंग्रेश्चेट्रा स्वाया पिश्वाचे न साध्याक्षी यायमागुन्तु क्याशासेस्र रहता दिवाहे नःययदःयहेत्येद्रान्। । क्यायःययःगव्वः भ्रेत्र्वयः १ स्यायः धिर् । गहेराना वा वार हैं दार विष्ठा हेरा वह दार वा होते हैं हैं हैं हैं नवे ने अवग मेन वी न्या भाषा क्रिया प्रमान के स्वाप्त के त्रायाधेत्रप्रेष्ट्रीम्।

हिराशुरवर्गे नरामित्र मार्वे न मार्थि । श्रेमा यस वित्र वे मार्थि मार्थि । नि'सर्वेद्रासळ्सरार्श्वेद्रायरायायीता वेरायगुद्रायाया समाया बेदे'विर्वेर्येर बूट नदे प्रम् ने अपे अपाय से बू ही गुर सक्सर नश्यानियाः क्रेत्रियाः नगरः नश्चनः प्रदेः नगरः वीशः श्रेः नदेः श्रेम् दिः वःवह्याःमःश्रुरःनःठेयाःळरःविश्वयःनवेःकुरःसर्रेःसेससःग्रीसः।पसः येव राम त्युमाया ने क्षेत्र पह्या ते मा केव केमा अर्दे से समा यह सा ग्रीसायह्यामा शुराया हेया करात्रायहिताय वित्रुष्टी वार्याया हेसा गश्रम्भामान्यायार्थे लेखा यनेते यस या स्थाप हेगानेते ने भा वेद्राची कुष्मेव पानगामा भार्के वासेदासम्बद्धान विवर द्वार प्रम् न्वीं राते। वह्या वर्षेया वर्षेया अञ्चलके वर्षा वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया वर्षेया इस्रायर नेशाय रेसा ग्रीसायग्रूट ना इस्र साय हुना पा श्रुर नशा हेना कर-र्-तिवृह्दानाः भृत्र स्थित्र संधित्र हैं। वेशाववृह्दाना कुन्देशसान्याः यायम् विषातिगा केवायशाम् श्रम्भायशास्त्री

मिर्देशासाल्य गुरामाल्य ग्री श्रुवा ग्रेन प्रमाना सार्थिन ने। यायम निवा भ्रेशायार्श्रेमाश्राष्ट्रिम्। विशायवेः र्ह्वे प्रविदः हिमा सेन प्रमा विशायवेः हैंगा से न 'हेन' ग्रे क्या । नम 'हस मार्थ हैन' पेत हा ना वेस प्रमुन ना स्था श्रीन् प्रदेश्यन्या में वर्शे म्वर्भे देश न्यन् के शके शास्त्र व के मार्थन धेवाने। नगरार्थात्यकाक्षेत्राचित्रान्ता क्षेत्रानवे क्षापकावह्या मवि भ्रीम प्रमा भ्रीम व्यव्या मुम्य सामित स्था भ्रीम । म्रोम म्रीका मित्र । र्ह्मेश्यम् यहेत्र प्रये तुष्य प्राप्त व्रष्य प्रया हिंगा से द प्रेव प्राप्त विवा विष्य श्चानायमें माना ने निमामी में में में माने ने श्वेमा विकास के समें मुना हेर्र्र्युम्। निर्ध्ये कुर्र्य्ययानिरे हेम। रेवे हेश्या ग्राम्से विश्वास र्भ वेशववुर्वात्यमा न्ये से स्वन्यम् प्रवे श्वेरिने वेशवा सुरामा यदे क्लिंश्यानम् पहें व पदे वु याया कुयया प्रयाधिया ही या पदे क्लिंग्या प्रयाधिया व हैंगा सेन धेव प्रशास्त्र विनाम ने से प्रवन्य परि सेन है। हिसाम स्टून द्वे कुर्वायान विष्यान विष्या विषया मुकाग्राम्यम् भेष्यम् वयायये क्रिन्यं प्रदेशम् देवाग्रम्भे वन्तर्ते। वर्तःवर्तः वर्तः वर्षः व्याः भूवः वेव। विशायः श्रुवः वर्तः वेदः ग्रान्थित्। । ने हिन्दिन प्यम्यहिन शुः है। । न्यम् सिने हिं ते सर्द्धम्यः

धिरःर्रे। वेशायगुरामायश नगरार्थे। यशाश्चेशामाम् वार्थिर नगरा नेशःह्रेगः ज्ञान्यः नुः श्रुवः पदेः श्रुवाः थ्वतः श्रीः वाह्रवः श्रेवाराः धेवः पर्या नेः श्चितः ग्रीः हवाराष्याः प्राप्ताः हा श्वीः विद्याः विद मश्रीदाराने विकासवे द्वार नेक हैं ना व्या तु श्रुव सवे हनाया पर न्याः धेवः वः व्यवः सेवेः न्यनः वेयः यवनः नेः क्षुनः वशुनः नर्यो यः सवेः श्चेनः है। देवे हमाय ग्रेय दे महिया शु श्रुच तुया से तुया सर्ह दया पवे श्रिम्। वे श्रिट से ग्राम्य विद्या विद्या प्रमुट मायस श्रिट मिया प्रमा वह्यामान्या भेरायमाजुरानामाभेनामानामेन सेविप्तायम् भेषा ने स्ट्रम् सून भवे खूना स्ट्रन् श्री ना ह्रद स्ट्रिम्।

थ्वः श्रुमः नः प्रमा विकान विकान विकान विकास मानिक विकास वि नःयम। हिन्यवि।हिन्कें सम्बर्धसमान्यायहेन्यायाने याहेसार्से र्शेरप्रहेत्रप्रोंशप्रप्रप्र प्रार्थित्वयायम् प्राय्य स्टिन् नगरः अर्दिनः रेगार्थः र्रोगार्थः ह्रायावनः श्रुरः नशः वहेनः प्रवे हेगाः प्रायः धेव'मदे'भ्रेर'न्र'। श्रृ'स'वे'न्येर'व'भ्रेश्रेश'नु'न्नुम्'म'ठव'वहेव'म' याने महिसार्से स्वाहेत नर्गे सामानित धीता परि ही मा ने न्या मीसा मुंग्राक्ष्यः मुंग्राक्षे। देग्राक्षः श्रेग्राक्षः इत्राज्ञाव्य मुंग्राचे देशे देवः गावव सेना ने सेन ग्राम है। है। स्वाप्त स्वाप्त से निर्मित से निर्मित शुअ ग्री श शे द ग्रुव हे श द्या गिश ग्रुट शे द ग्रुव परे ही द द र्रा गुन है। हे अ वर्गे उद ग्री ह्या ने अ ग्रामा । ने प्या है। दि ग्या श्री नि ग्या श्री नरःश्रूरः। । मःर्नेगः न्रेन्यः भेगः इसः सः भेया । श्रूरः सः नः यरः हे नः नः नहें रेशत्रुद्दारायशा नायदादहें तापदे हें गायायायायदा भी शु श्चे न्दर्ने व श्चे श्वर्यायायायाय विद्वार्य विद्वार्थ विद्वार्य विद्वार्थ विद्वार्थ विद्वार्थ विद्वार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्य विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्य विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ व न्वीनशःश्रेगशःश्रूदःनवेःश्रेरःन्दः। विनःमःवेःश्रेःनेवःगववः।मःनेगः न्वीन्रश्रीवार्या श्री स्ट्रिंट प्रया गुन प्रदेश स्था गरिया परिया गिया शेष्युनः हे। रेग्राशः श्रेग्राशः ह्रायाव्य प्रह्यः ग्रेन्थः हेरा प्रायाः भेना

नेवे श्रुन ग्रेन ग्रम् शे त्वन पवे श्रेम है। नर्से श्रेम श्रेष व्यव विष्ठ |रेग्राश्राक्षायावादे हेशप्रम्यायेत्। | त्रुम्पायाव्याक्ष्या उर्'यदर्। ।गुर्ह्नारा'यश्रात्रभूर्'दर्गम्। वेश'दर्दुर'रा'यश्र रेग्राश्राश्चिम्याम्बद्ध्याचेत् चेत्रचे ह्यायाण्या योत् यदे धिराने। क्रेशानु प्रमुणाया उदा लेशायदे क्षा मे प्रमुणाया प्रमय लेगा कु सक्तर्नुनुस्त्रस्य पहुणाय सेता न्रेस में पिट न वह पसेट से ग्रास यी। श्रि.लट.यावय.ज.हेंश.य.श्रेया वेश.याश्रद्धायाः हेट्यीशक्ष्याः र्नेव द्वा प्रश्न र्नेव पावव प्रवे न्रेस्य से से न्या स्था के पार्नेव द्वा न्रेस र्सः बेशः मधेः श्रुः ने । हिन् केशः ने वा वव सुः सक्व न न न स्व स्था से । यह गा यर ग्रुव प्रदे श्रिर प्रा दे निष्विद रु विर निश्चर निश्चेर निष्य प्रदे श्च-दे-लट्या क्रिया क्रिया विषय श्री प्रत्य क्षे असी वह वा सर श्वाय स्वीय स्वी धेरा विराव बरायाय वेया वर्षे मानवर्षे महेवाय वे धेराहे। विरा नवरःह्राः सः धेवः पदेः धेरः है। ह्यः रेग्रायः से सबुवः ग्रीयः धवः यगः उत्र ग्री:इसासी:ईसामदे:धुरा

याहेश्यापान्तरानेश्वाश्चित्राहेत्राचा विश्वाश्चित्राहेत्। यहः इत्रापाधी कुः इत्राश्ची । सर्वेदाया यश्चे श्चेत्राचा विश्वाश्चित्र विश्वाश्च विश्वाश्चित्र विश्वाश्चित्र विश्वाश्च विश्वाश् स्यार्श्वेरा दी पश्चित्राक्षेत्राक्

माहेश्यापान्तरानेशाहिमापाधिवापायामित्रित्तेत्र निष्ठ्वापाधिता ने। कुरुष्यत्वत्रम्। विवानस्याविकास्याधिकार्यम्। विवानस्याधिकार्यम्। यर वया न रर अळव अर्वेर निवे र्ते के शेर पर वया न इसमा शु र्धिन् प्रदे भ्रम न्र में प्रिन्ने ग्रम् ग्रम् ग्रम् ग्रम् ग्रम् | ने क्लें के से हे हे स्ट्रम् अर्थेम। | ने पी क्ष्यमा शु हीं मनदम पेना | ने वे हैं गा से दाहे र भेरा भेरा वे सार हुर र र स्था से देव सुसा मार स ह्रिया पाय धीव भीव यादा वया या हिया यी क्रुट्राया यही या व्याया स्थार स्थार प्रिया प्राये प्र हिंगायान्या वरीयाञ्चारावहें वर्षे सूत्रायवे हेंगायाविरा छेगा करा क्कें से से द न स्वा वा वा स वहें व सिंद सुस र द तु स व हैं द हो द से द यरः वयः विद्या वर्देदः शेः तुषः यः वे। या तुषा शः वहें वः सर्देवः शुसः इवः मदे द्व ने अ र्थि द म श्रा श्रुव मदे श्रिक्त में भ्रुव से द दे दे हैं द ग्रीःश्चिरःधेवःवःवे। वेशःववृदःयःवेदःग्रीशःगत्र्वाशःवहेवःसर्वःशुसः नेशम्बर्भित्रध्रित्रम् वेश्वेम् वेश्वेम् भ्रेष्व्यत्ते। हेषाः प्रवेश्वेषाः कर्अर्वेट्य सेट्रा डेश्यान्य वर्षा गडिया यी क्रुट्य में या स्राप्त ह्या प्राप्त ह यःगिरेशः ठेगाः करः श्रेष्टे प्रायोश्चितः याश्चित्रः याश्चितः विद्या विद्या विद्या शुस्राम्यस्य उर् हिंगा पराम्या ब्रुट्या परे छेरा द्रा देया वे स्रावे पुरा सर्द्धन्याम्याप्य-भेया । याववः ग्रीः श्रीनः निम्नः प्रेवः प्रापेव। वेयाप्युनः नायमा नेपामान्यस्यानेमापात्र्यामान्यस्य अस्ति।स्याने स्टान्य र्शासहस्रामित्र स्थानिव स्थानि

 श्चित्रश्चेत्रश्चेत्र ह्वाश्वर्णत्त्र विद्वा श्चित्रश्चेत्र श्चित्र श्चित्य श्चित्र श्चित्र श्चित्र श्चित्र श्चित्र श

गशुस्रास्य स्टास्ट्र सर्वेद्र सर्वेद्र स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्र प्रमानिक स्त्र नःवर्गेन्यान्या ननम्भेगान्याक्ष्यान्याक्ष्यान्यान्या नेविः यव नगग य इसमा मुः विन्य विश्वेम नन में विन्ने में निर्मित नि कुंत्य उत्र श्च न्द्रा हिंगा रायद दे न्दर देव माठेगा वा हिंगा रा से न रा मेन्यते। । विन्यम्यान्योभः हेवाभः यम्यव्याम् वेभः ववुन्यः व्या ह्या. ये द्या. ये त्रा. ये दा से दा से दा से दा से दा से ता स्टा खुया या श्री दे क्ष्याग्रीमायह्यापिते भ्रीमान्यम्यास्य स्थाप्यान् ग्रीमान्या विद्रार्थिः विरायित्र विद्याया स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या हैंगायात्रान्त्र्युनायाधित्ते। श्रेम्यादेवायाक्षेत्राभेत्राम् । नहा इव्यायमार्श्वेरावाधिव। दिविवावहायाः विषयमा विदेशः

त्याकृत्ययाधेवाः र्वेरावश्चा वियावश्चरायाया भेरार्श्वराहेवाः यःगरःधेवःधेःर्देवःयःक्षेत्रःसेरःरुप्तमःइवःयत्रःश्चेःवेदः। ग्राच्यात्रः वहें तर श्रेमा हैं नह रहत वर हैं अर शेट र र र मी महर दें तर वर हैं। नश भेगार्ह्से ने हिन भेर हैं मर्मियायायी वास्त्र स्वायाय है मा मासुसाया देवे अव द्वाया पर भेंद्र दे। याय हे या बुया र वे यह दव या विष्ट्र र वर्ष न्नर्सिते र्र्ते प्राप्या विश्वत्य स्थित से निश्वत्य विश्वत्य विश्वत्य विश्वत्य नःयथ। देग्रथः राउदः यः द्रः हो : इया : यथः यह्यायः देयः यह्यायः हो : नम् इत्याक्ष्रियात्या व्याया यहित्यी मार्सि क्षेत्राय क्षेत्रये दिया श्चेरामित भीता । इत्याय प्राप्त हिं प्रमुक्त प्राप्त सेता । दे या सार्या मावव र्वतर वशुरा । यायर इसामायेर श्रेन श्रेन रे वेश माशुरस निरा र्वित्वी मञ्जमश्राक्षेत्राच्या मञ्जमश्राभित्र ह्वायायवार्वेत्रा शुःवर्देग्रायः प्रमः वया हिंद् श्रीयः ग्राचुग्रयः श्रीः नहः इतः श्रीदः पः यः देवा वर्षामाञ्चम्रायदिव नगर नेया हो नगेया विष्या नगेया विषय गश्यामी न्त्रयाया दार्केया उद्या साम्यापि नि साम्यापि साम धेरा वेशरावे हगशायश्य इ. इवे नह इव छे हैं हैं जे नववेदा वर्देन

व। ग्राञ्चम्रायदेव न्वर्यस्व ने ग्राञ्चम्रा शे नम् न्वर्यस ने स्था शुः श्चेत्रा ने प्रायमाय विमामी के शे श्चे मामार सुर प्रायम ने वर्रेन्त्रा ने रूर्णे क्रेव गशुसन्य वर्षेय सेन्त्र क्रे प्रमानक्ष्य विद । ग्रम्भायदिव प्राप्त के अर्थे में व ग्रम्भ अर्थे व व राये के प्याप्त के प्याप्त के प्याप्त के प्राप्त के प्रा माञ्चमारायरामावदादामधेराना श्रेरामरामञ्जारा श्रीप्रमास्या श्चेन्या ने क्षात्र ने वे के ने क्षे ने शास्त्र थीत प्रमान वि । क्षेत्र प्रमान वि । धिमा मिं वरमे। क्रिवर ये प्रति वाय है में स्था ग्रीय विश्व विश्व वर्तुर न अभ। वार्वाय ग्रीय र र र र वार्वाय ग्री न र र द्वर न भेरा ने न्या मानुमाय प्रहें न भेगा नेया क्षेत्र प्रदेश हो सः ने वा भे प्रवर्त हो। वा न्न्सेन्धेरःस्राकेन्वस्य वेशवस्य न्यायम् गर्मा महमारास्य हिंद्रा श्री अर नम् द्वर श्री द्रायदे द्र अर हेद्र व्या माञ्जा अर दिंद्र द्वर द्वर के अर श्चेत्रप्रस्था देगिहेशगाःश्चेत्रपान्विया देगिहेशस्य श्चेष्टा बेद्रमित्रे इत्रमाधित मित्र हिम् कित्रमे क्रित्र बेद्रमे दिन्दर मित्र हिं कु ग्वित्रः धेत्रः वे वे रात्युरः चाया ग्विग्राराः भूरः हेगाः स्याग्वायाराः मश्रास्त्री वे व से प्रवादित है। दे प्य इव म देव से द प्रमा । यह इव

हे सूर वह वह वाया व्यव परे दें द द दें द पर पर विद पर नम् नम् नम् अर्थेन वहित्वा । ने व्यान्त्र मार्ने व के वित्र के अपन्तु मार यथ। ग्राच्यायायहें त्रान्तरा लेया केंया वित्र ग्री कुरा ग्राच्याया ग्री नम् इत्रें त्रें से द्राया नम् या क्षेत्रा से द्राप्त निवादी विवादी युर्प्रति ग्राञ्च ग्राञ्च प्रति । वित्र हो । रेग्रायायाय व्याप्यायम् प्रवाद्याय विष्या श्री क्रुराय प्रमायाय विषय विषय न्नरःक्रिंशक्षेरःक्रूरःह्नाःसरःग्रुनःनवेःन्द्राः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः रे। ग्राञ्चम्रायदेव न्वर्यस्व नेश श्रुः ध्वरम्य न्या ग्राञ्चर नेव नुज्य वर्षायहेव पाणेव वें लेवा ने से यह ने हैं उस यह वा पेव वि । हिन्यम् या देवा के सम्बद्धान्य स्था ने प्रेयन ने मन्यो ग्राह्म देव देव विकास के स्वास्त्र में स्वास्त्र स्वास्त

महेश्यान्त्रित्त्रश्चान्त्रित्ते श्चित्तः श्चित्तः श्चित्तः श्चित्तः श्चित्तः श्चित्तः श्चित्तः श्चित्तः श्चितः श

वशुरा वेशन्तर्भवश्यात्रभुर्वा अर्देवरश्याः हैंगान्तर्भवश्यात्र छ्वा वेशन्तरास्त्रभ्यात्रश्यात्रभूत्रभा ग्रात्यः हैंगान्तर्ने प्यवः छेशन्त्रत्यात्रम् विश्वेशन्त्रम् वेश्वर्यात्रे श्वर्यात्रम् विश्वर्यात्रम् यद्वे प्यवः श्वर्यात्रम् वेशन्तर्यात्रम् विश्वर्यात्रम् विश्वर्यात्रम्यम् विश्वर्यात्रम् विश्वर्यम् विश्वर्यम् विश्वर्यस्यम् विश्वर्यम् विश्वयम् विश्वर्यम् विश्वयस्यम् विश्वयस्यम् विश्वयस्यम् विश्वयस्यम् विश्वयस्यम्यम् विश्वयस्यम् विश्वयस्यम्यस्यम् विश्वयस्यम्यम् विश्वयस्यम्

स्रवतः दुरः वर् 'र्युर्'त्। पि देग ग्रुग्रायः दितः र्यरः सर्देतः ग्रुग्रायः ग्री इस स्व द्वारी मार्ड र्वे र दिस्स श्री क्री दे हो न व व न स स्व दे व द न र र यर्दि श्री न्येग्या मुद्रेन श्री याद्य मानुमारा प्रदेश तुरु सुरमार्ड में रार्ट्स सुर सुर हो दे दे राय मार यळव हेन डेया बेराया थी प्रवास ने मानुमाया प्रदेश नगर यहिंव नी न्येग्राम्भेत्रने अळव ११८ ग्यास्या गाः धेता नेवे निया मेत्र ग्या मेत्र गश्यागाधिता देवे दे सामगामेत गर्दे न गश्या गाधित परे भी रा ह्रग्रभः न्दः र्रे सः ग्रुनः व्या दे सळव हे दः ग्रिक्षः यह दे स्वया दे मात्रुग्रभः 

भ्रेन् होन धेन पदे धेन ने गाइग्राय हो इस प्राप्त निर न्या गुर्ग्य याग्रम् न् से सु नदे ने या मन निया सु सु न हो न धिव पदे सु म न ने ने ना बुग्रा शे इस थूर पुंजि के कि मार्च के निया के स्वार्थ के निया के स्वार्थ के निया के स्वार्थ के निया के स्वार्थ क धेरा हगरामराञ्चररानेरादेवाययरागुनाने। यहंवाहेरागशुरा ने स्टार्श्वेट स्टार्स्या अर्देव शुंश श्री श्रीट श्रुस्य श्री श्रीट श्री नेवे निर्मा कु धेव माना विना ने निर्मा के भामा धेव माना विभागाने इसामित्राधित्रप्रदेष्ट्रिम् इप्तदेष्ट्रम्यासाष्ट्रीः सामित्रस्य सुना होन् प्रदेशः वर्गे। पि वेया यात्रयाश पहें व प्राप्त स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग विश्व स्वर्ग यात्र यात्र स्वर्ग विश्व स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्ग स् सर्केत् ग्रु ग्रु सः से रेस्य प्राप्त प्रमेत् प्रवित प्राप्त प्रमास ग्री सर्कत हैन पहेंचा मंत्र ग्रा ग्रा ग्रा ग्रा ग्रा ग्रा वित्र प्रा प्राप्त कि मार्थ कि प्राप्त क डेश से से मंड्री मार्च पार्च पार्च व नियम स्ट्रिस स्वर्म स्वरंग स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वरंग स्वर्म स्वरंग स देश प्रशः हिर प्राधिव वा गार्ग्या यार्ग्य प्रदेव प्राप्त स्वर्षेत्र मिर्ग्य मिर्ग्य प्राप्त वा गार्ग्य वा गार्य वा गा व्रे व्यापार विया हेरा पाशुरा में से से में मुन्त पर क्रिन स्म प्रविद ८८। रेटे में व नाश्यानर रूप नार विना हे श र्श्विर व पर स्र र नविव र्वे। यिक्य भ्रेविन्दे स्थया थे पहुंचा से। या श्रीयाया पहें व प्राप्त स्थित ग्री में त्याश्वास्त्री यावि सम्बद्धित वित्या म्याश्वास्त्री स्वास श्वास श्वास स्वास स्वास श्वास वयुनःम्। लटावः हेवा देवे क्रेन वाशुम्यानः स्टामट विवा दे वा स्वाम्यः ग्री इस थून नु गर्डे ने र न्रेंस शु क्रेन ग्रेन ग्री भ्रेन सकेन ने दे न्धेग्राम्भेत्रिं ग्रीः सळ्त्रिन् हेमा बेमा धराने ग्रामा विग ने सूमान्स्या शुः भेत्राचेत्रची भी मेत्राते देवा सक्त क्षेत्र के सा ने साम के प्रामेश मान वन्नन्ते। ग्राच्यार्थायहेन्द्रन्त्रम्यहेन्याचुग्रथाग्रीः इस्राध्रनः नुहेर्यः शुःश्चेन् ग्रेन् ग्रे क्रिंन् नाने अर्क्ष्य हिन्ने ग्राम् विग अर्क्ष्य ग्रुने अर्थिय मित्रे भ्रिम् भ्रिः साने मान्या ने सामाधित मित्रे भ्रम् सक्त भेरा प्रक्रिमा सक्त भेरा प्रक्रिया स भे त्वर्ति। ग्रम्थाया भे स्वास्ति है से दिन से म्रम्भ में दिन है र्देवायाधिवायवे धेरा न्दार्थे नेरावया नेवे ग्वाइटार्नेव धेवायवे धेरा यागुनान्। नेरावया श्रुप्ती ह्यापाश्रुप्तहेन प्रनारास्त्रि ग्रीपा वुराहेन लिव्यादे भ्रिम् है। इयारेश हे मा केवायशा शुरदे वा सर्वा शुया करा याञ्चारी ह्या राया बुद देव दु चुरारा यश श्रे विद्या दे या यहेव वया गश्रम्यायि भ्रम् इन्म्याया भ्रम्यया भ्रम्ये स्वर्धित

यवे धुरा

रद्राची खुवारा दी। वाञ्चवारा वहीं व द्रवद्य स्वि की की वार्षा यादा र्दाणा भीत्। रद्या स्वया रद्या निष्ठा स्वया स्वय वहें व 'न्नर' अर्देव 'ग्री' नन्ग 'ग्रीव 'न्र' ने 'अ' नग 'ग्रीव 'ग्रार' रुर' से न' मः यदः भेतः भेतः भेतः अकेदः ग्रदः भेतः मितः मितः सम् ग्रुदः मितः गातुमार्या यहीत । प्रवास अर्दित । यातुमार्या ग्री । इस । सूत । प्रार्थ । विस्तर प्रवास । यातुमार्या । यात्र मार्थ शुः श्रेन् छेन ने। नेवे न्ये माया सेव सी या स्वाप्त सेन। न्ये माया माया साम क्ष्रत्। देवे क्रेन गश्या गर रुर भर भेन गर्या गर देन र नर यर्दिरमाञ्चमारायद्दिव त्रार्शमार्डि र्चेर प्रेर्मे र प्रेर्मे प्रे मदे मिले समुद्र नु सुर मदे दर मी मा भुगा स उद न न न न से मा स मन्। नेवे श्रुव सेंद्र संभिव मवे मन्या मुव मी सक्व हेन। नमेर व ग्राञ्ज्यायायद्वेत्रान्त्रारायदेत्राची न्या मेत्रान्त्रा चुरायदे से गान्तराक्षा त्। गत्रम्यायदिव नगर अर्देव श्चिर नगम्य रिमा मी दि र्वेर मार्डे र्वेर-१र्देश-शुःश्चेर-छेर-छे-रेग-ध-रे। देवे-दे-अवगः क्रेव-छे-अळवः विन्। न्येर्वा याञ्चयाया यहेव न्यर स्वर्ति ग्री स्वर्येयाया ने साम्या हु वुरःनवेःगाबुगार्याधेर् छेर् ग्रीः लेर्यायाः सृत्या गाबुगार्यायहेर् राज्याः

ने भूर अर्देन शुअ श्रुवे अळव हेन न्यान्य प्यान्य श्री रे के प्यान्य वसःवरः गुरः हें रः श्ररः मी रनदः रु गुरुषः वा गरेषः विराधेरः रे। रनदः वेषः ग्री म सूर् से त्वर् पा सूर र र र मिंग ज्ञा या खर त्वाया सूर र गहेश शुः धॅर पदे धेरा रह में भेर है। धें गश्र म्र रहा हे रागा मःगिरेशःशुः धेन् मिन् न्दः में धेन् ने ग्रायः ने सम्बर्धाः ने शः नभ्रेत्राया । नगरार्भे निवेदातु ध्यायातु साधिवा । दि त्र हे श्रेत्रा महिसा रगायमा भ्रिप्ताने ते ने मासी निह्ना हे साय हुरानायमा सार्रिया र्रेम। रटमी बुदर्सेट संपेद पदि पद्मा क्रेट्र नुसूर पदे से मा द्वर यश्रभेरामदेगात्र्वाराम्ययः सूट उद क्री नेरामायः सेवा वी नेरा |रे'भे'न्नः सूर्'र्नर रेंस्य गुर्या वेस र्रा रिप्तर ग्रेर्पा भेर अर्घेटावया । वासूदारेयायरासूदावाधेवा वेयापासुद्याकीटा देवा नेशानेशामित स्वाया श्रुवार्से दाया धेवायर में व्याया स्वाया गुनः है। ननरः रेदिः श्रम्भूनः याने विना । श्रुमः नमः गुः नवरः ने कें या धीना विशायत्वरात्रायशा दे रूरायी मुदार्से रासाधित सदी प्रत्या मुदारीया न्नरायशास्त्रेशामदे स्वार्थास्य साम्राम्य विवासी स्वार्था प्राप्त । न्मा भेगानेशावेशामदेश्राणशाश्रुवार्धेमायाधेवाममार्गे व्यानमा श्रेया नेश वेश प्रदेश सूर हुँ र देश ग्रेश एवर ग्रुप ग्रेर होर होर होर है।

धेव है। दे हिर शक्षु र पदि प्यावी। श्रुर ग्रुर र र विव हगाया धेव है। । विनःसरः हो नःसदेः सरः निवेदः दे। । वेद्याः सदेः ही सदे वेद्याः सरः दशुर। वेशप्रवृद्धानायश देरदेश्च्रवाश्चित्रम्यश्चराद्यान्दा द्वर नेशक्षामित्र मुल्या मुद्र सिंदा साधिद मर में तुरा मिना देश निश ग्रयाश्वर इत ग्री ने या पा ने ग्रा श्वरा ने या ने या ने या पर है । या या श्वर ब्रॅट्स धीव पर में तुराय वेंगा प्रयाग्र ग्रा मुग्य वेय वेय परे प्र सूर श्वर देश भ्रेंग पदे श्वेर श्वर न निरम् पदे र र न निव शे मा र पर न्यानेवे निर्माणदार्थिन ने। सर्ने स्टावर्शेषायमा निर्मान स्वे स्थानित वर्षाण्ची सुःगुः विराधानविवार्ते। विरामशुर्यापा सुराधिवापि राष्ट्रे सुरा पि.कृता वार्षिट.पट्टे. इस्रम्.ग्री. भैयमा श्री.श्रीवा. ज्रेमा. ज्रेमा. ज्रेमा. ज्रेमा. ज्रीमा. ज्रीमा. ज्रीमा. वःश्रूनःश्रुक्तःर्देशःशुःश्रुवःयादे त्र्याववायायाः कवायायाः धेदःहे। श्रुवायः शृश्चानार्ये मेगायापाउदापयाधेगानेयाग्री श्राश्चित्रावयाधे विदायदे धिराते। स्राम्भिरायवेग्यास्यास्यास्राह्यः स्री भेरायारे सिया नेशःश्राप्तश्राशेषेद्रापदेः धेना दें दान्तरास्त्रेद्रान्तरा वी दें वाराने

सर्दिन नेश ग्रीश सारेश प्रति श्रीम है। दे महा गी नह गा मुन श्री दे से भी गा यशः श्रेशः प्रवेश्वेम् वर्देन् शेश्वरात्रे। येन् नेशः येव प्रवेश्वेम ने रद्यो शुक्र स्रिट्स धीक्र सदि नद्या क्रिक् द्र सुरूर सदे धीद द्वार शक्ष श्चेरामित्रीम्। स्टामी मुदार्सेटासाधिदामिते निमा मुदार् गुरामित नससमान्त्रमी नर्देशमानि यस सुरामित सिर्मित सिर न्यायदे नयस यान्त्र निले या नहेत्र त्या क्ष्रिं से न्या ह्या सुन नि ळं ५ : से ५ : या इससा है : क्षु नु र सिंद र यर ने सारा खू : या दे । या बेद हैं। वेश गशुर्श रादे शुर्

श्चेर्या स्त्रीत्र स्त्री वाश्चवार्या स्त्रोत्तर स्त्रात्त्र स्त्र स्त्

गिरेश्याम्मिन्ययायायायायाक्षेत्राचायाक्षेत्राचायाक्षेत्राचाया नःश्वरःनःन्रः। श्वेनःन्धेनःन्धेनाःगहेनःग्रेः।श्वरःन्रःवगयःनःश्वरःनः माहेशःशुः भें नः मदेः द्वेन न्रः में भें नः ने नश्माश्रः मन्या देः कें मश्रः धेवा | ने श्चे ने त्यान्तर में दे र्श्वे । श्चे र्श्वे पार्ने व शे व नर पर । । इस यम्क्रियान्दरहेशःशुःवर्त्रेय। वेशःवर्त्तुद्रः यःयशा यःम्यः र्यश्रा सर्देः यश इस्रायम् नेर्यायदे र्क्षेष्यस्थ वे नर्यायायायायायायाया उव धेव दें। वेश गशुरश मा शे तब न मर बया क्षे खेते हु सा नेश हैंग'रा'स'भित्र'रिटेशिम्। हिनास्री नसम्रास्य सेंग्रास्य हिन। क्रियायाया श्रेया हिया श्रे सूराध्या र हो र प्रेर हिंग प्रयाहिया मदे भ्रेम वेश श्रुमा पर्वेषामा भाषा देव मावव प्रमेश सेंद्र प्रेष धेरा । हुयः खरागवरागरः भ्रे प्रशुराया । दे प्रगायसम्भायन् परादे नगाने। नेशमा क्रीप्ति कुष्यक्त धेता वेशमा सुरश नेमा रेवाने।

यर्ने ने क्रिंश उत् विन् ग्रीश क्रिंग श्री ने स्वावित नियम स्वित श्री श्री ने स्वावित नियम स्वावित स्

माहेश्यामान्त्रीमामाहेत् ग्री खुर प्रायम्य मान्य स्थान स्थित स्था न्दः हिन् र्श्वेदः गर्वेशः शुः पेदः प्रवेश्वेद। न्दः र्यः पेदः दे। यः रेवः रेवः र्स्न नर्भेन नरीयायहेन रीया भ्रे सकेन री सरमि सक्त हिन ने या र्रमी अर्ब्द हेर् ग्री खुव उद रे र्या इस सर ने श सदे कें या श खूर वर्रेर्णी इर्गणी मर्गणी अळव हेर्णण वे संभी वे मान नर्गण थे वन्नन्यम् नियम् अर्दिन् हिया या या धीत्र यदे भी मा विया है। खुम नेशन्तरः अर्देवः ग्रेशः श्रेः रेवः गाववः गात्ररः खुयः रु ग्रेनः यरः नश्रवः यदे भ्रेम वेश हिंदायाया ह्या अव गवन प्राथेद पर है। हिया स्वाह्यन्यम् ने प्यम् सेन्। नियाने महिमाया में स्वाहिम्। श्विः धीः श्रूर् एषुवा उत्र प्राचित्र वेशा वाशुरश्रामा हेर् भी शरी प्राचावा য়श्चित्रावि श्चित्राति । स्वत्ति स्वत्ति श्चित्रा श्चित्रा स्वत्ति । स्वत्ति स्वत्ति । स्वत्ति स्वत्ति । स्वत्ति स्वत्ति । स्वति । स्

गहेशमाईन श्रू पेरिने। हैंन मन्द्रि नगण माहेश शुर्णेन मवे भ्रिम् नम्में प्रमाने वाय हे भ्रेष्ट्रमा विवाधित प्रमा विवा कर्न्यायहेव संभीता वेशायहरायायशा कें यहेव न्यरासरेव कैंश उवा हैंगा राधिव है। केंव रेवि ह्या रु सा डेगा कर से पहेंव राया ठेगाः करः यहेव पाः भ्रः तुरः श्रूरः नवे ह्यें धेव पवे हिरः है। श्रूव रेवि ह्या नुः सायद्वित् स्वे क्रिंग्नार विग क्रिंन स्वान् साने प्राप्त क्रिंग क्रि गहेशःग्रे वदःवयःगञ्जायायःग्रे भ्रे यहेदःगहेगःग्रं पेदःपदः। गहेगः न्दर्नुः अगिरेशाग्री वद्दर्वशर्नु अग्वेत्राधित्र भित्र ही में गिर्देग यः र्वित्रः राष्ट्रयाः करः श्रूरः याः श्रेत्रः यो राष्ट्रे स्वेत्रः वेत्रः यो याः श्रेयात्रः ग्रेशः हेन् प्रदेश्वर

गहिरामाधिनाने। नियायासँग्रामाने सूनामासाने सामाना हियार्सेग्रामा १५८ त्या है त्या हिया कर वहें तारा सूरा ना धीता वेशा वर्ष्युरानायम्। हिषान् साधारार्ह्याया हेगा करासे सूरानर वयानर वशुरानवे भ्रेरा विंवारी क्रिवासे निवार् सावहें वायवे क्रिंते वह्यामाश्चरावरानियान्या अया क्या करावहेव सरासूरावि भेरावे वा श्रीतिवर्ति। यदी या अर्गुम्याय निष्ठित है। वेश वर्गुर या सूर सूर नगमा नेत्र मन्ता रेस निव त्यन मने हे हिन्या हि सूर रेस सेत् बूट निवे क्वें य निय नुः अ हे वा कर बूट निर वय नि नि क्वें क्षार न्याः वे वस्य र उत् ग्राम् । न्या सर्द्धम्य हे स्थ्रमः ने न्या या । वयायः विगारिस्रासेत् सूरामार्टा। । गावत वे रे रेसा सूत सूरामर विशा वर्चरायायम्। र्से विवादाविवात्यास्य प्राया सेमाउत् सेदास सूराया न्मः र्त्ते ग्विन्यः स्माध्याः स्था उत्तु सुमानवे विन्यम् से विन्यम् वयानान्या ने धेरानेवागुवायहेवायाया । यने वे रेसासेवावयानरा वशुरा वेशवशुरानायशा रराध्यारेश उत्रान्देन परे हैं सेरा

ग्रीयाप्यास्य स्थापि । वह्याप्य स्थाप्य स्थाप्

गिरेश्यामान्त्रिके सूरावश्यामा सार्थित है। वया वायमें त्या द्या सूर र्क्षेयायायाविया हु सी सुरायवे क्रुं सर्वत याहेया सुराधेर प्रवे हिरा दर र्रे गुन है। हे अ लेन वि ल र्रे गुरु गुरु गुरु । तु अवर हे हे र हूर हूर नर त्युरा वेश त्युर न तथा हे स लेन ग्रे वि र्रे कें रहता हैं ल ठेगा कर से सूर नर नया रुस धेर पदे हिरा वेश पर प्रमुर नदे धेरा मिंतरो हगरायाग्रम्। वार्वे सूर्वे गरायारे इसरायाविया धिव मिरे भी ने बार है। याय है भू के याय दे या के या दे विया पर्या है । ने से पत्रम् ने ने नमा के मायने में सक्य के। वे मायन मायन श्रु र्कें ग्राम इसमा ग्रिम रि. रमा नरहे रमा नरह रे रम रमा मा नवर्गर्गुःगवर्ग्धेत्रभयेर्धुर्

महिरायाधित्ति। र्नेत्रश्चाक्षाधित्रयम्य स्वाकायि क्रामेत्र महिवायी निव्याक्षेत्रधित्र या निवायाया या निव्या क्षिया वा या श्चा क्षिया क्षा श्चार्य विश्वया क्षा स्वाकाया विश्वया क्षा श्चार्य क्षिया वा या श्चार्य विश्वया विश्वय

न्द्रास्त्रास्त्रिन्द्री श्रुःकैषाश्रामान्द्रमान्यदेश्यद्राम्यत्वेत्रःस्त्राचेत्रः नुवे मात्रुम्य ने नविवा वियाम्य स्थानि संक्रिम्य धिवः वः धवः यगः उवः कः भेदः गरिगः गीः सदः निवेदः दः भेः सेग्रभः प्रभः विना नियम् वर्षेम् वर्षेम् वर्षेम् वर्षे कैंग्रायाने जित्र केंग्राया केंग्राय में अप्येन ग्री विर्मे के अप्वता महिमा अप्येन है। नुः अप्येन पदे में न बेश वर्गे द पा के वर्ष दे हैं । ह्या श वर्ष वे वे से या वा पा के व वगः भेत्र त्र नश्चन चुन्युन पदे ग्राम् वर्ग भेत्र प्रेम् पदे धुन् पद् गरिगागी रूर निवेद साधिव है। विशादर्गे र पा से त्वर है। विराध सा देशमंदे भ्रेम् है। द्या स्वाप्त र सार्के मारा मारे मा मी महामाने वर्षा प्र यदे भ्रेम इप्तरे ह्या राप्ते श्रुक्षिया राधी द्या स्त्री श्रूक्षिया राष्ट्री श्रूक्षिया राष्ट्री स्त्रिया राष्ट्री स्त्रिया राष्ट्री स्त्रिया राष्ट्री स्त्रिया राष्ट्री स्त्रिया राष्ट्रीय स्त्रिय यर न्त्रे निष्ठ्य विषय स्वाय स्वाय प्रत्य विषय प्रत्य विषय प्रत्य विषय प्रत्य विषय प्रत्य विषय प्रत्य विषय प्र नःयम् द्येः संनेनःग्रेः विःर्वे सूर्वे नामः मः ने निरम्भातः विःर्वे नाहे मः हे श्रूसानु वि रें प्रे प्यम् यमा उद यस ह्रा म्वद प्रे प्यम् यम् मी वि र्ने भीता र्र्ने त्या देया उत्तर् श्रूरा ही सायेन ही हि र्ने प्या प्या उत्

इशाम्बदाधिदाबेटार्झे या ठेगा करा सूटा नदे हिराबेश है। माया हे दे यश्याप्यत्यमाम्बन्धा । यनवः विमाने सूर्यस्टिन वे वेशयहूरः । ने से त्वन ने। याय हे कें से याय क्षम्य पाय थे। । व्य में यावन सर्वे । र्रे सक्र में । रुषान्त ने विष्ठी क्राया वे। । सक्र माम में वारा परि र्देव गडिया ग्रीया वियाय हुट या यया हुर हैं सेर सेंग्या शहरया मदे। वि.मू.मू.मून्या प्रवा क्ष्या विषय मु.मू.मून्य विषय वि.मू.मू.मून्य । नर्डेश'सदे'व्र'र्ने'न्र्रन्ठेश'सेन्'ग्रें'व्र'र्नेश'र्ने'व्य'रेग्'कर'सूर' नरः लटः अर्द्धेरमा र्र्वे सायविकायाकार्ट्रेया रे अप्राया क्यारी अर नराणरासकुरमामदे धेराव। स्या हैं या रेसा उवार् सूर विरार्देव यदः धेवः मः प्रः श्रुः यः ह्यः देयः देवः येवः यदः श्रुदः विदः देवः यादेयाः प्रदेः विद्रायम् से प्रवद्ग द्रों साम दे से म

विसायमुद्दानायमा मुःसायेनाग्रीः विर्मे केंसाउना सुरक्षेत्रामाधिना है। र्त्वे. स.प्रियानाया श्रु क्षेत्रा श्रु श्रू माने प्रेया वे साम प्रयूप निवे धेरा मिंतरो गणानेरे कुं सेव लेवा विसने साह्य में लेवा से वन्तरि। मन्तर्ववायरीयारमीयावस्यान् हेरावसूरायाया है। क्ष्र-विश्व-विश्व क्षेत्र के विश्व के व र्ति तः ने। क्रुँ तः से ५ दे। दे से सि वि ने से मासाया प्यता यता उत् श्री वि ने ल्यान्यमाने क्विं सायवितायात्मा स्राक्ष्यामा श्री स्रीताय है। शेव है। रेग्या शे समुव इससा हैं सा से द मिर्मा रे से मिरा हैं सूर क्रिंग्रासित्। वेसायगुरानायम्। स्यारेग्रासिस्युत्रस्यसायरः वर्षाणवाया उव ग्री ह्या हिया यो दे । स्वाय विया विया विया वरे। भ्रुवरमेन्द्री देर्सिष्टिर्ने स्थित्राच्ये स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य मर्भाने श्रु के वार्थ शुर्श्वर प्रति श्रु स्वा साधिव है। वार्याय सेर मुर्भ्यस्थ से के प्राथित वियाय मिर्मा में से मिर्मि में मिर्मि वियाय मिर्मि मिर सेर वस्त प्रते थ्व पर ने या ग्रुग्य से प्रते से र है। ने पर पेंव न्व भेवा ग्राञ्च ग्राञ्च । भेव । मासी महेतामित हिमा हमाया हिमाया मित्रा है कि से में हैं।

शेर-सद्-पदे-केष-दे-ताद-ताव-क्ष्या-क्ष्य-क्ष्या-क्ष्य-स्त्र-त्य-स्त्र-त्य-स्त्र नन्ग्रारायया श्रुः र्कें ग्रारान्ग्रारान्य धेत्र परे भेर ले ता या धेत्र है। हे नर नहम्बाराया नहेन मन्दर सेना । रे रे सूर्के मार्था सेन हिर र्रे विश्वायन्त्रम् यर्गा यर्गायायायाया उत्र ह्रामावद में। विश्वार्मे येद्रमित्रे भ्रिम् भ्रिमेरमेरमेरमेरमाया श्रुक्षिम्य योद्रमित्र भ्रिम् वित्रमे। र्भ्रेव से द दे। दनद ने याया श्रु कें नाया है ना कर से श्रूद पद है या ही ह्रिंगायायाञ्चाळ्यायाठेगाळ्याञ्चरायदे श्वेराहे। न्नरार्ह्य्यानरार्ध्या श्रुःर्केषायानेयाउदानुगा ह्या ह्या ग्रीम्या ह्या श्रुःर्केषाया देवा करा नश्रेश्वाप्त स्वाप्त स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप नःया । श्रुः र्कें ग्रामः र्ह्ने : ध्रिमः म्रोमः स्रोमः स्रोभः स्रोमः स् धेरा वेशप्रवृद्धारायशा हैं गडिमामिशर्दिव र् अर्डमाकरप्रदिव शे श्चेन्रप्रेश्चेम्। ह्याश्चर्यश्चर्या

मिहिंगान्यार्थेन स्थान स्थान

करःश्वरःवः ग्रुवः यः प्रदः। प्वरः वेशः देशः श्वेदः वेः यः हिवाः यदेः छेः शेरः विष्यः प्रवायः विषयः विष

गशुस्रायाने इससायासाने सामा सुदाना विदाने। साने सामि हिंदा मन्द्रा देवे व्यवन्त्र न्या महिका शुः विद्रास्ते भ्रेत्र द्रासे विद्रा गटायार्डेट्रप्रदेगाविदेर्द्रपर्द्र्युम्यात् श्रुर्स्टिग्रम्यादेग्रप्रदेर्द्र नविव सेवा वेयामित भूनया शुः श्रु कें न्या भीवाव प्या उवा कर येद्रमाठेमामी स्टर्मिवेद्रम् से स्वायास्य हिन्य सम्दर्भ हैं इयय सूर क्रियायार्ट्राचिरित्र वियासरार्त्ते यातियात्या या व्राक्रियायात्री व्राक्रियायात्री वःश्वःक्षेत्रायाध्येवःसयाद्यवःसरःवस्रवःसःवःहिन्। वादःववाःवादःवीयः र्हेन्दा हो न्वा पर्शेषाया हो रेवा पर इसया होया हेना हुवा है खूर क्रिं राष्ट्रिः द्वरः दुः श्रुअः व श्रुः क्रिंग्राश्चरः ठवः देवः क्राया । गायः हेः गठिगाकिन से मियाया । मे लिया याठिया स्ते हैं में किना । श्रु केंयाया स्र वे हे सूर सूर। वेश वर्ष रायमा वर्ष रायमें राय से राय हे राय हे राय हे राय हे राय हे राय हे राय है रा यर इस नन् ग्री हे स तज्र नि के व स र्से य में न न न ने स तथ धे रेंप रें व भे वि के व 

वेरा धरामारेग सार्रेयारी तारेश वायहेन नगरा ने शार्केश रुवा गठिगाः भेरान्य वा ब्राक्षिण्याः भेराने । क्रिंग्या ब्राक्षिण्याः शुःश्वरः नवे भी त्रा हिंदा हैरा यव ग्री भ्रान्य श्राष्ठ्र में देश हैरा स्वर ग्रेन् हेरा वेरा यराव हेवा इसावनिन्गे वाश्रम् वेरास्म स्रेन्स मी कुर्ग्यी वि वहें व र्यर ने या के या वि में र्याय परि यू के वाया लेव्यान्य हिंद्र अर्थेट वी विष्ट्रिय प्राप्त की अव्याव किंद्र प्राप्त विष्ट्र श्रुःकैंग्राश्रुःश्रूदःनवेःध्रेम् वेशःहेंदःग्री यवःग्रेःश्रूनशःशुः विनःसेदः ग्री यत्र ग्रीता हेरा वेरा अगरा श्राया के से प्राया है। इस प्रम् वियायायायवासहरायाद्राययायायदे स्रिम् गहेशायासे मेग्रामा रटारेशःश्रुःहेंवाशःग्रेःहवाशःग्रेशःहेंशःठवःवाटःषटःवाडेवाःशःधेवः यरःश्चितः प्रवे ह्याका प्यदः द्या नर्गे दः या से दः यो व सुक्षः या प्रवः प्यदः धे रेग्राय है। के या उदा ग्रीया हमाया या स्रेग्राया दाहमाया या ग्रीया ग्री या या होत्रार्धिकाः भित्रा साम्रेग्राकान्यानायान्यात्रास्रेग्राकायम् यव वेनश्रायदे भ्रेम वि र्वे म्याश्रायदे श्रु कें याश्राधिव है। दे म्याश यःगारःविगाःश्वःर्केगार्यःधेत्रःयवेःश्वेत्र। तरःगोःतरायः रेतःवे। यःरेवः

याः स्वास्त क्ष्मां स्वास्त स्वास स

न्नर-तु-नुरुष्त्रभाव्याव्यासेन्-ग्री-त्यद्गान्य-स-न्ना स्री-न्द्रन्यम् स्राह्म मदे-न्नर-नु-ग्रुअ-द्यार्म्यायाः स्वाच-ग्री-त्यद्यान्न-मः महिरा-सु-र्येन यदे भ्रेम पर में व्याप्त में अर्देम मक्ष्र मान्या कुरायम मन्य त्रा क्रिंत्यक्षरायाम्ब्रुयाधित्यवे क्षेत्रा त्राक्षेत्रे हिः क्ष्रूत्रः है। क्षर-र्द्रव-नममःया । दे-क्ष-दे-क्षर-इम-ज्ञयानेमा । मानमःयः इममः ग्रीयानारानासुरयाम्। १ ने ने निर्मयार्स्ययाः विद्याल्युरा नःयम। हिन्दिः वयः वश्चर्यः यः साध्यः स्री द्वरः सर्विदः वी विः वहिनः न्नरः नेशःयः व्रः र्वेरः रगशः धरः श्रूरः नः ने श्रूरः नः क्षूरः ग्रुनः तः व्रयः

वशुरादे या श्विताया वित्राद्या दे या श्वार्ति र वा शायर श्वराता श्वरा नःक्ष्रस्यामुनःमदेःभ्रेम् यामुनःम नेःयान्वःर्नेःसम्यान्यस्य केंगाउव। सूरावाक्षरायावारहे। सूरावाक्षराग्रीगाठेगानुगराया गुन। सूरना क्षरमें गुन्यर व्यास्य गुनम्बेर होराहे। सूर। इसामारे र्देव न्या सर पर्देन सामार धेव साने पा क्रें वा पर्दे धेव की रहा पा वे या धिव है। दे सूर से पर्दे द पा है द ग्री हिर विश्व राष्ट्र हिर अपश मः इस्र राष्ट्रियः यादः यासुद्रयः या । देः वे रद्देयः क्षेत्रयः वेद्रयः यः धिव। सरसम्बाद्यान्य विष्यान्य विषय के विषय र्रिते र्श्नेनरायरा देटरा पर्दि दे गार ले ता हे से हे से रहेत नराया मा गठिमान्दर्भायते इसामानाद्यादरम्या मिराने सामाना समान्याद्या मानिसामा ने ने ने भूर न इस मारे निर्देश इस मर न्या निर हे र मर वशुर ने। रद्दानिव विवाय विवाय । व्याप्य स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय विवास । क्षेत्रामें वेशामश्रुद्रशायदे भ्रेत्र विश्व द्रवद वेश दे व्याव में स्वाय धरःश्रूरःवःक्रेशःउव। वर्वेवःधरः सेरःदे। वर्वेवःधवेः याडेयाः हः धरः सः गुना ननेव मदे र सर पर सम्मा गुन मदे हिरा वेश हेरा दें वरे कें उत्। हैंगायमायहणमायायं अधितायमायया धेंदायायादावियायदेवा

स्रवतः द्वरः वर् रच्चरः व। क्रायः देग क्रेस्यः दंसः सः धिवः सः वर्षास्रोस्रक्षात्रस्याननेवाह्वान्ती। विद्यान्य विद्यान विद्यान्य ह्रव मदे सळव पावे प्रया थ्व के राम्या मार्थ में स्वारा में स्वारा स्वारा में स्वारा स्वारा में स्वारा स्वार पिश्रायेत्रपदेः भ्रेत्रः है। या ब्रुयाश्रः श्रुर्याश्रायेत्र प्रदेः भ्रेत्रः है। स्टार्से ख्रा र्धिन् मिते भ्रीमाने। अर्देन माने नियम स्वार्मि स्थान स्वार्मिन सि वःरो गुवःचतुरुः नदः सं सर्दे श्रेः मदे ग्वतः धेवः वे वे व दे व सर्दे श्रे'मश'गुर्न'गविदे'र्ह्सः नेश'प्रश्राचेत्र'मर'र्श्या द्र्यानरद'ग्राट'वेग गुव निष्य निर्मित्र गुव निष्ठे द्वार नेया ग्री द्वार निष्य ग्री स्था निष्य निर्मा स्टा खुवाया शुःसहन् मिते भ्रीमा जाववः यह सुह में खेर के नियम स्वा क्रिं में के मित

याववः सः धेवः सरः श्रुवः सवेः ह्या सः धरः द्याः दरः। र्वेः सेरः यादेशः स्वरः डेग'न्श्रेग्र अ'रेश'ग्रे'ह्ग्र अ'ग्रे'र्ब्द र्से'न्ट्र क्रिंन पहें व'न्ट्र अर्देव' इशाम्वर साधिव पर श्रुव प्रदेश सम्बन्ध प्रमान्त्र मा सुर सा मवि भ्रिम् मिंत्रमे। भ्रिवासे मिंत्र से मिंत्र ग्रालुर पर्देश सर्दे श्रे पार्हिन रदा स्याया या श्रे से दाह्या वा प्रदेश से प्राया वा स्थाय ममा अव रेगा नुसे गमा रेमा साथिव मानिवा वे मान सूव माथिवा विषा वेर विषा अर्रे के प्रदेश्यायाया के से सेर ह्या शुराया विषा वेर न वे त्याय न वि वर्षे व के या हुय न र मारा प्राप्य येव थे येव शै कें वर्ष ने गड़ेरा शिष्ठ पर पर पर होन पर के प्रवन ने इस हुव न्द्रम्यार्थान्द्रम्। वेर्थान्वन्यवे भ्रीत्रम्म न्द्रम् श्रुव श्री अ प्रया र कर प्रमु व अ श्रिर पाशु अ र दुव श्री पा श्रुवा अ स र पा अ इससासर्वित्यम् मुस्सामवे भ्रम्य वित्यम् भ्रम्य भ्रम्य मिन्त्रम् भ्रम्य स्थान यर वर्षा रवारा स्प्रें प्रदेश हिन है। यह प्रदेश स्रा स्रा स्रा रहत विषान्यानान् वे दे ना से दारी विषाना सुरका मदि सुरा साम्या से । युरा

नेशक्त्रास्ट्रिं से क्षेत्रास्ट्रिं से क्षेत्र श्रूट न श्रूट न श्रूर गुन न ही देन र्षि द द में श्रायर न श्रून हो। रग्या रा येद्रायर्थान्यूवर्यदेधिय। पिरहेम देखा क्रिंद्रार्थरम्यायाधिवर यर वया दे या दे स्वर स्वर या स्वर या स्वर साम्या या विष्टि र विष्ठा सा वियः क्षे दिः वः क्रेंवः सं । पः देवा स्याधिवः सरः वया द्धरः सर्वेदः वीः क्रें स्थूदः न्नरः नेशः वः र्रेवः र्वः विः निः निष्ठः श्वरः नः श्वरः नः व्यवः विः श्वरः यार विया ने त्यः श्रृं वर्षे ही रें त्या दें वर्षे । या दें या त्रु त्या श्रू र या वे ही र । या र पि.श्रेम क्रूंन् अर्ह्न मी.क्रुंन् ग्री.माञ्जम् अ.यहें व.ने ने ने ने स्थायहिया यदुः ने अः यर विश्वासे द्वारा प्रश्वास ने अः शुः विश्वासे द्वीः वर्षाने महिषा ग्री । हिन् पर प्रतिन पर से प्रवन्ते । इस प्रतिव पर्षा ग्राम ने विश्व के शाम्य के निर्मा के निर्मा के स्था याग्राज्ञाराधीःर्रयार्द्रवातुः सूरायराष्ट्रराये यो वार्षित्राते। देशादे या माञ्जम्याश्ची रियार्ट्न र्युष्टा निया काया सामित्र माञ्जम्या स्वार्था सामित्र सामित सामित सामित्र सामित्र सामि बुग्रम्भारम्भाष्येद्रायदे ध्रिम्दे । इयारेश्वर्मा केदायमा सेयस उँ अ इ अ नि व न इ अ अ न न न न नि व अ दिव शु अ व भी में व नि न न शु न

नवे क व न सूर्य प्राप्त स्वाय ग्राप्त स्वाय स्वय स्वाय नक्षर्-प्र-इर-वर्-ग्रार-संविग्रस्य पर्देर्-प्र-धिव-दे। वेश-ग्रस्य निरा पिक्या इसाह्याम्याग्रहारे सावहिकासह नेयासराप्या करे है। हैंगानान्द्रायाविद्यायहिषानदे नेयायायदि सुया श्रीया शेष्य क्षेत्रपुष्ठ प्रमेष्य प्रदेश क्षेत्रप्त पात्रुपाय स्वर्ष सुर्प सुर्पे स्वर्ष स्वर्पे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्पे स्वर्ये स्वर्पे स्वर्ये स्वर्पे स्वर्पे स्वर्ये स न्नरः ने अप्येत् त्र अेन् राम्या अव्य सूर उत् क्री ने अप्य प्येत न्त्री अप्य दे धिरप्रा इस्राम्निप्दि त्यस्याग्राम्यि मिन्नि स्त्रुम्यि स्त्रिम्नि भेरवहर्दे। भेस्रश्राद्याप्रशहेषाचार्ट्यायाविद्यायाः कष्रायानहरः वर्त्यूरामी नेशामा सर्दिन शुसामी सर्वन हेर दु न वेरामा स्रमान नर देशः हेगा केव सँगाश शुःगात्रुगाश पद्दिव प्राप्त सर्व प्रापात्रुगाश ही । र्रयः र्रेन्, यूर्यर न्यर न्यर या इया न्यर वर्षर पावन र न्यर न्यर इरार्ट्रेन्द्रायमेषानिते भ्रीमा यदापाठेमा इयानदेन्ययाम्बराइया ननेव गुन हु । वर्ष लेव। इस हुव प्रयाग्र ग्रुट ह्या हुँ निव्या स्था हुव । येव विश्वाचेर न शेरी माज्य है। माज्य मानेव मुन धिव भिन भी है र है। गावव नियम् यो वा प्राप्त स्थित स्या स्थित स्थित

## र्नेन की अर्ने धेन प्रति की मा

रद्राची खुनाया दे। येयया द्या इया निवास द्वा स्वास्त्र मान् र्दानार विवा द्राराये में प्राप्त में प्राप्त में स्वाप्त स्वा ड्याइयाननेवामदेश्यळवाहेन। नमेरावामेराधिरामाळ्याधीः शेसशर्यसम्बर्धन्यते सक्तरहेन। न्येर्त्स्त्रेन्न्य्रिन्स्त्रिन् न्दःक्ष्यः वावायाः भुः त्। यर्देनः नस् त्। इयः नदेवः प्रयः क्ष्यः यर्षेदः वीः कुर्गीः श्रें सूरान्तर नेशाया श्रें दार्या द्वी रेया देवात् सूरान देवाया सा रेगा'नग'कगर्रा'ग्रे'नसूर'रा'बुगर्रा'रार्थ'रे'सूर'सूर'न'सूर'न'सूर' अ: ग्रुवः ग्रुटः। स्यायः सम् स्यूटः वः दृदः। विः द्वाः तुः स्यूटः वः दृदः। र्थेवः र्रेर-बूट-न-न्दा ग्राञ्जाबाराशु-बूट-न-न्दा कःनडबाशु-बूट-नदेःकः यासारेगानगाळग्रार्थी,पसूर्यासातुग्रारासारे सूरासूरानासूरा नः क्ष्रमः गुनः प्रमः प्रमः वेता ह्रमः ह्रमः प्रभः वे ने वस्र राजः वर्षः वर्षः नगःळग्राग्रीःनक्षुन्पःबुग्राय्याश्रून्नःश्रून्यःश्रून्यःग्रुनःसरः पिश्रालेव हैं। इस्रायनेव पदि ख्याशायने त्यापि हेवा कूँव में ही में त्या

नियायार्श्वरम् श्रीः र्यार्वित श्रीः श्वराय्य श्वरा दे त्यार्श्वरम् र्या सूर्या सूर्या सूर्या वाराये सुर वे वा साध्या से। युवा समरे वर श्चित्राधेत्र सदे से इस ह्व सदे स्वाम्य सदे त्या व स्य सर्वर मी कुर ग्री क्रिंव पहें व अर्व स्व सुरा ने क्रिंव में या प्रविया ने साधिव पर वया ने यः श्रृंत भें त से मान्य का सामित्र क नक्षर्यायाल्यायायि द्वीरा वर्षेत्र से तुयाते। ते क्षेत्र में वा कर्ष्य धीता मित्रे श्रीमा वेशा ने त्यापा हिया वर्षमा श्रीमा स्रोत्र श्रीसा ने त्या र्श्वर्रे श्रूर्त्त श्रूर्त्त श्रूर्य सम्बन्ध स्थित है र है। दे र र नी श्रूर् ध्रुय यापारळ्ट्रासाधीत्रामिते श्रीमा श्रीसानेमात्रया र्वेतर्मानेते सूराध्या ग्राट विग दे र्श्वे त रें व्याळ दाया थेत प्रे रे हिया वेश हेया रह ख्राया रा वै। श्रुः सदे वया दशुर ५८ र में या साध्या हिना है। ने रूट भी सूट खुयाया विष्यानेशाधिव ग्राम्सम् भी विष्या प्राया या विषय विषय । दे या सायहिया नदे ने सामाधित द्वीं सामाध्या वशुराना सामिता सा वेगाकेत् ग्री ग्रुन अवतः श्रुन् नः श्री अन्य प्रति श्री स्पर्म व्यास्रापयः

र्नेश्वास्त्रित्रास्त्रास्त्रे हेस्यान्यान्यस्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र नरःवयःनवेः श्रुवः विदःसवेः द्वेरः हे। हेशः दमगः देः रदः गेः श्रूदः खुयः यायवियानामाराविया वसास्राययान्त्र्यास्रायान्त्रेत्रःस्रायान्त्रेत्रःस्रायाः लेव मंदे भेरा वियामा मानव आर हे मार्ममा रे त्या वसा समित र्नेर्भासेन् सूरानासूरानासूरागुनासराम्या ने त्रसासामया रेरे वासायविकायपुर्नेश्वातालुयायपुर्वित्र वियायावशास्त्र इसायपुर ह्रवः र्हेन् प्रितः र्हेन् पावि त्यापा रेगा पावि ग्रुच वा स्थापने वा ह्रवः रहेन् प्रितः र्हेन्यावि धिव मश्चा ह्या हेश हेर्या हेरा ने या है शर्हेन्य दे क्रिंद्र मिले प्येत्र तरे मिलेश माश्राश्चत स्यादि । मिश्रा प्येत्र संविषा द्रेषिश मदे भ्रमा न्येम् ना नावन न्यम ने से समार्थ सम्म निर्मे के ना से न यरः श्चाना माने राशी सिन् माने प्योत स्वान माने वाल वाल कर स्वान स मनिने निष्ठिरा ग्री हिन पावि साधिव मानविव हिं। मान स्वाप्य की हिन अर्घर नी कुर ग्री र्श्वर में प्रदेव प्रिय अर्दिव श्रुय पर र्श्वर में प्रमाय पर श्रूर्यात्रा विर्वेगातुःश्रूर्यात्रा र्थेवर्येरःश्रूर्यात्रा ग्राञ्जारा शुःश्वरःनःन्रः। कःनठशःशुःश्वरःनःषुःनुः इसशःधेवः वेरः। नेरःसः वर्'ग्राबुग्राश्चार्दे रेरेरेग्। ग्रु'ह्रस्य राग्यूट ह्रस्य प्रदेश हुद्र हिंद् राधि हिंद् गिलिर'णर'रुर'श्रे। इस'गरेव'ह्व'रे'इसस्य । हिन्'गिलिर'गिह्नर'वस्य । हिन्'पिहेर्

गहेशराम्भ्यान्त्रराचित्राचे। ग्राच्यायहेत्रह्राम्याव्यान्यामा मदे के राष्ट्री मन्या से न सुन मन्या ने स सुन मदे ने दे महिस सु वियाने। वियामायाद्यात्याद्ये रियार्दे ता सूर्वे व्यायासुर सूराया सूरा ननेव व भ्रेव केर वशुर वे व भ्रेव भेर है। क्रें ने व धर के वशुर र्रे वियायग्रीटायाया दे प्रदेव पाया श्रु केंग्राया श्रु मिर्ग हिंग र् अर वया नदे र्र्भेन थेर नदे हिर दर। गया हे रेन इससा नद्या हिन्दिम्। वर्नेन्तरने याने या है। है या वेया वहूर या यथा है। रेया र्नेत श्रु कें ग्राया श्रुम्पाय हिमा ही । र्रेयार्देवाश्वार्क्षण्याश्वार्याः सूरायानेवायराभेताने। श्वीर्स्याध्ययायाः क्रिंयासिया बुदायहें वाह्या याववा ग्राम्ये । वदा वेया या विष्या स्थि ग्राबुद्दारहें तः ह्रायाव्य ग्राद्या से द्वार्थित वित्रा स्त्री वित्रा र्देव दर ने अपाया । स्वाया श्वर पेर अव दे निवा के ना विवा वा नगाना संहित् हिर द्रा । सर में संस्था यह से संस्था वेश द्राहर न

यथा ग्राच्यायाक्षातुः धुःर्रेयः र्देवः दुः यदेवः यदः सेदा नेयायायः धुः र्रेषार्ट्रेन सूराना यहासूरानर सूरान्ते अपने नामे हिर्मा नहासी गुना है। गर्गम्य भे दें दें राम्य राष्ट्र से महेना है दें द्रा स्वर्त्य पर भ्रे नित्रमंदे भ्रेम गहेशमा गुन है। भ्रे में तर्म ग्राम स्ट्रम रु: यदा से प्राचित्र हुया स्वार्त्र सूरा ना सूरा रु: यदा से प्राचित्र से से सि ह्यायायाहियायायायायाया भे वित्याया हिन्दराधित ही दिया भूमा वित्या मायदी के का मानव धीवा । माददा से दा खेता के सामाधी । माददा सूदा नःनक्षर्भः भेर्। डेसःवर्द्धरः नः यस्। नन्नाः सेर् सेन्सः प्रास्यः गर्डिन् ग्रेन् ग्रेन्से ने वद वहें व प्रवे क नदा के र्रेग्या श्रेन्य श्रेन् श्रूर्याने गात्रुर्यति का धीत्। गात्रुर्यति ह्रा ह्रा श्राप्त्र पुर्या प्रति हिं ने नक्षन प्रते भ्रम ने इसाम निरम्य मान्य से निरम्य मान्य से मान्य |गिरेशगायरारुससारारायुरायाधेव। वेसायगुरायासा ग्राचुराया इस्राम्बद्गान्द्र प्रदेश हरा हराम्बर्गावद्गानिस्रामा सेन् प्रियो

गहिरामाने सामुनामित मिन भिन्न मिन मिन स्थानि मान सामित मान सामित स ख्यायार्थाः सुनापार्ता याहेयाः सूरायहिकासरासुनायार्ता याहरा वहेंत ह्या ग्वित ग्रीय क्रेंट पार्केय वस्य उट्टर प्रवित सेट पर नन्द्रभवे अर्दे देव द्वान भन्दरम् अअ भेदर्भवे से दर्भे भेदर ने। ने श्रेम महिश्व श्रूम माम प्येम मा। ने में में प्येयम ने भी विश्व गश्रम्यः निर्वि र्रेव से। गत्रुगयः प्रतः गत्रुगयः देव स्व स्व स्व स्व ग्विन ग्रीश क्रेंट पदे क्रेंट हेट ने ग्री ग्री शाय है व कंट शाह समा शु हींट नवे रूट देगा में दे विं व हेट धेव राम सामा मानुमाय वहें व रहें सदे पर दे वित्र हे द प्येद है। यह स सूर मी ने स सस या बुद न हरा मानव निरादित या ह्या मानव सेना मेरि हिमा नेया वर्गेना परि हिमा है। धूरा गरमी धुरपदि सूर ने रायाया गहेरा गा से दार देवे धुरा गश्रम्य परि भ्रम् यह म्यान निर्धि गश्रम्य भेर हिन ने अवस्त्रुगान्धिन प्रदेश्यामा लेमा ग्री न स्वन्य वित्रापाने देश स्वन्य वेयःहग्रयाश्रःश्वरा ग्राह्मरा विद्याचेत्या ग्राहेयःसेर्खेः नेयःसरस्यः वरः गहेशक्षरमेर्भा वेशमार्स्याययाग्ययम्य मुह्मणहा ग्राह्म

सबयः न्ध्रन् मदेः न्नरः नुः चुर्याः वो यो वी या चुः रह्यः वा वी सः चुर्याः या यः नरेवः मानेक्षाः प्राचः गुवः नन्माया ग्ववः प्रनः। धेर्मा गुनः गशुस्र-त्रिंद्र-प्राथम। सबर-बुग-दर्धिद्र-प्रदे-रेग्रस-वेस-ग्रीस-द्युद्र-नर्डेन्'ग्रान्'वेग अवर्'ब्र्ग्'न्धेन्'रादे'रेग्रार्'नेर्यं राहेन्'य्या अवर्' त्रुवा निर्देश निर्वाश श्रेश श्रेश श्रेष्ट निर्वा मह हिन में व निर्वाश निर्वाश वः सूर् र भ्रें र भ्रें र भ्रें र भ्रें र स्वर स्वर र भ्रें र सर्शेर्या ररःहेर्ग्युदःह्रियाननेवायाधिवायवे सळवाहेर्। ह्रिया मश्रीं मन्यायायायया व्यापाद मन्याया यो सक्त हिन् न्ये राव मात्र रा वहें त'रेग'गशुस्राच'न्न'रावे क'न्ना ग्रुस्रासे मग'च'न्न'रावे क'सू

वा नवे वा क्याम्यायायायाये गुव नन्याया निमा यळव हेन प्रेन्या सु कर्'रादे'गुर् निम्मारामहेरास्। रटकु यस सुरापान्तर निर मी'सळ्य'हेरा रहे'वा रग'रावे'गावव'र्यर'र्यर स्याप्ये'गावव' न्नरःगहेश। ररःहेर्यायःन्धेग्रयःन्यःग्रिययःन्नेयःश्चेनःस्रवः न्याः बन् स्वरः दशुरः नवे रन्धेयाश्राः सम्बन् सुयाः धिन्शः गुनः ग्रीः सळ्तः हेना श्रुमानाईन्यिते श्रुम्यान्ते वा वयुर्धेन्या युन्यान्या व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता विष् क्षेत्रार्थिया प्रदेश्वित्रा युवाया हेरा प्रत्या प्रत्या युवाय दिवा न्याननेवायाम्ब्रायार्द्वायादेवा यळवायावे वे न्ये रावास्य प्राप्त मित्र मित्र अर्थे र प्राची मार्च मार र्रमी अळव हेर ग्रेश सम्बन्ध मुन्त है सारी महिश सूर र् नदे अहम नव्या थे ने मा भू नुदें। ये दम गुन ग्री सक्त है न है भून नन्द्रभा देदःश्रदःगदः वगःगे नद्रगः श्रेदः देवः दशः नदेवः सः धेव धर वर्देर धरे गहिया गहरा हैं गा धर वशूर दें।

 यहें ते हिंदा हिंदा विवाद प्रस्ते । यहें ते हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा विवाद । यहें यहाँ ते हिंदा हिंदा विवाद प्रस्ते । यहाँ ते हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा हिंदा विवाद । यहाँ ते हिंदा विवाद । यहाँ व

गशुराम। गर्दा वहेत हरा गवित ग्री राष्ट्रित पातित सेत धरःचन्द्रायदे अर्दे देव द्युव धर्षेद्रे व व्युद्र द्र पदे द्रुष यायया । यळव हेराववन ने पेरायायेन । नेयान यळव हेरा हेरा मदे भ्रिम् । मरामिवन सेराममाममा क्रिम् विकास मुम्मा ग्राबुदःवहेवःह्राग्राववःग्रीयःश्रूदःयःवःद्वीद्यःवयःवेदःश्रीवःग्रीः सर्दरकें अप्रसम्भाउदार्द्रायित्योदारे अप्राप्ति दिता धीत्र प्रिये शित्रा सेससर्स्यापमानेराधेत्यी सर्दर्केमा वसमा उदारदा निवासेदा धरःगशुरुषःधदेःदर्गेद्रथःधःदेःश्वरःवळदःधरःधः बदःधुःदेवःविषः ब्रुट्यायुरानेदे द्वीट्यायायळ दाळुवार्ये दारे व्याये व्यायाय हो निया मिला । सक्त हेर नियम अरह होर मा थी । विर मर हत रेपर ने हिन्सेना निया ग्रामने निया सक्त हिन्स्य वियाय ग्राम्य । विद्वानित्रप्रअः क्षेट्रप्रायः द्वीद्रअः त्रुषः ग्रुट्र कें अः त्रुष्रअः वदेत्र सेट्र माशुरुश्यायाधीत्रायदेः धेरा सूरा माल्व प्यराधीः रेवा ग्रीः रेवा मिश्रायोतः वः परः के मः त्रसम् उत् सक्त देन से नः ग्रद्रास्त्रें प्रसासक्त हिंद्र दे सक्त हेंद्र ग्रीस हैंद्र दे वेस ग्रास्त्र स बेशन्ता वरे हे हे रेव रेव प्राप्त हर्ष हर्ष हरा वर्ष ग्राप्त हरा वर्ष ग्राप्त वर्ष हरा वर्ष ग्राप्त वर्ष हरा वर्ष ग्रमायायायायायायेदार्दे विमाद्दा इदादेमा इसारग्रेदायमा वदी वे १८व वे राष्ट्र प्रमान्द्र प्रमान्त्र विष्णा मुरुष्य प्रमान्त्र । विष्णा मुरुष्य प्रमान्त्र । धिर-१८। रेग्यायाये हेयाय इट मी सर्ने से प्राया नेर धित ही सर्ने नगरावराञ्चररावराप्त्रीरराप्तराप्तराप्तराप्तराधिरा देवाग्रामानुरा वर्रे सेसमार्ज्यामार्मि वरि ग्विट पीव ग्री सर्रे से मरे मरा ग्विट र् श्रेन्त्र हो। इ.च.र्ट्य प्रेम्र जिटा श्रे श्रेश्यातार्ट्य। वर्मेकारार्य लटा श्रे र्श्वेन न्में व क्रुव सम्बन्धि दिन्य इस्य मान्त्र के सार्थे माया दिन्य है हेन् सेन् सर्धु न न्रा ग्रुट न्र दिन परे लेस से ग्रास से सम रुषारान्द्र। सुद्रार्सायार्श्ववायात्रीया हेयार्श्ववायाय्रीया गल्र-र्-नलेर्ने कुर्यथ्या रेक्टिन्यः सम्प्रान्ति क्यायर्वेरः हुन् मन्दा धुःर्रेयाधिदासराङ्कानवे सुग्रम् ग्रीः क्रेंदास हेदा ग्रीर्देव क्रेंदा धर होत दें। वेश वहुर घर्षा इस देश तेगा केव यथा क्षेतर्धेव

मुव्यायवर्धेशः इस्रावनेषः द्वा दर्भः इस्रान्यः वर्षः प्रविष्ठाः वर्षे। दिः वर्त्रायायहेवरपाधिव। वेशःश्रेष्यशाधिशःशेशशास्त्रास्त्राह्तरपा न्म। इस्रामनेत्रमंदे सुम्राम्यम् न्याम्य निम् वेमः नः प्यम्येग्यः नर्नित्रायाधिवाते। क्रेन्त्वात्तीः भ्रान्यायदेराक्षेत्रकार्या इया ननेव'मदे'ग्रुन'सवप्रमद'र्धम्यार्थ'रुपवय'ग्रीर्थ'नवेर्थ्य'र्थेर्द्धर' न्ना क्षेत्रन्रेत् कुत्यापत्रें प्यन्ति वेत्रायवर्ष्यायवर्ष्या ननेव प्रश्र क्रेंट प्र न्तु सामने सुन्य अवय क्रिस नने सामने हिर के वेश गशुरश्र मदे धेर में दे भेद मायश्वा इस मन्द्र देन हैं न न्स्व-भिव-स्वि-स्वान्त्र-स्वान्त्य-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्य-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स्वान्त्र-स यामिते क्रूट हेट क्रूव पर प्रभूत पर विश्वेषया देया ह्वा पाया प्र यर ग्रुयारा ने हिन धीव ग्री गहिया हैं दा गी लेया या दें में हिन सेन पर श्च नवे सुँग्रामा साधिव है। नेमाम ने में वाद्या मन स्पूर्ण न मायव नु सम श्चरायदे भ्रेम वेश पश्रम्भ मः हिंसाय रेदि प्रेम्स सामा धिव पर देशःश्री

गशुस्रामः क्षेत्रतार्थितः ते। द्वीः स्वान्तिः स्वान्ति। तेसामः स्वीः नः स्वान्तिः स्वान्ति भुभायते भुभायते द्वारा । भुग्ति स्वार्थ भूभाव स्वार्थ भूभाव स्वार्थ भुभाव स्वार्थ भूभाव स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य

मशुस्य निर्मित्र मे व्रिन्स स्थित्य स्थित स्थित

महिमामाधिः देव। प्रमास्थान्य स्वामास्य स्वामा

धेर्-ग्रे-अर्देव-शुक्ष-न-१५।

यायमेयायाया स्राधित्यादे लेयार्यम्यायास्य मान्याया ध्ययःगात्रुगार्यः सँगार्यः पदिः ध्ययः उतः है गाः यः से दः यः दस्य सः सुः ही दः नवे इसामसावह्या माधीत लेसा ग्रामा ने ते सूर हिंदा न ते वहेता मा व लेश हु न त शेषाया प्रमायक न प्रमा होन है। लेश पाशु न शा हैव वै। सुःश्रेग्राश्चः नः सः सुगाः मः नः रो ग्राञ्चग्राशः वहिनः धेनः सर्देनः नेशः माञ्जम्भायद्वेत्र-द्याद्यायद्वि ग्री-माञ्चर-देव-दुःगुर-प्रवे माञ्जम्भागञ्चरः माबुदःर्देवःव्यशःमाववःयवेःरदःमीःमाबुदःर्देवःतुःगुरःयवेःमाबुमाशः ग्राबुदःर्देव:र्गुश्राव्यायदेव:याधिव। ददःर्ये:क्षूरःवःग्राबुग्यायदेवः धीन् अर्देव र्क्षन् यायाधीव प्रयम् वया न्या नय प्रवः नेवि श्रीमा न्ये मन इव्यक्ष्याद्रान्याम् अयाविवा विवासे। क्ष्याः भविवायाम्या श्रेश्वापित नेयामाधित पूर्वीयामित स्वित्र वित्रा वित्र मास्य मित्र वित्र वहेंव भेर अर्देव रे रूट मे श्रुव र्सेट सं भेव रावे राव मा केव र र शुर मदे गा बुगारा पहें व नगर सर्वे व ता हैं रासे न न गा बुगारा ता पह गा यर वया न्यानर रेटे से में पर्नि वा केंद्र ने से प्रामा से मार वहें त' धेन सरें त' धेन प्रमाय वर्षे न प्रमाय विष्य के साम विष्य के साम विषय के सम्माय विषय के सम्माय विषय के सम्माय के सम्माय

व सेंद्र न या । सेंग्रस प्रेस ग्राम देव सर्वेद त्युमा वेस त्युमा क्रिंप्याने मर्विष्ठित् होत् द्वी स्त्री वयावश्चर प्रार्थ सम्मायाया गुनाग्री त्यव द्रा गहेशामाया हिना से द्राग्री त्यव त्ये नशाम वे श्री सामा । ५८.स्.लुब.धे। श्रूर.कुब.कुर.बुर.वर्श्याय.ली। द्वि.सब्हर.लूर. मायाधित विदा वियाद शुराना या या वा शुराया विदान पर सिंदा शुरा ग्राह्म देन देन त्र श्री स्वार्थ । यह विश्व विश् नर्रेशःकुवेःनुश्रःश्रःवन्श्रःमवेःधेरःने। ग्राह्यःर्नेवःग्रीःग्राह्याश्रःनेःवेनः भूर् डेगा अप्येव प्रदेश्चिम् विकारो है भूर् नश्री राज्य प्रदेश प्रदेश श्ची ग्राबुद देव दु शुर राये ग्राबुग्य दे छेद ह्या रा धेव राय स्ट्र प्रत् मित्र क्रिन से निर्मा विकाली स्निन हिमा से विकाल मुना से प्रमा ने। अळव हेन वे। छन पर नडश पर ने हिन छर वशुरा वेश वशुर न यश धेन् सर्व ग्री सळव हेन् ग्री बुर नु र र र देव ग्री र र र स्थ स्थार्ट्स्यायाः वेद्राचीः देदायाः हेयाः व्रायाः याद्यायाः याद्यायाः याद्यायाः याद्यायाः याद्यायाः याद्यायाः य रैग्रारामराम्यानवे क्रिन्थित थेत्र मेर्ने भेत्र मेर्ने भारत भी ने अवग क्रेन् न् शुर्भिय विश्व वार्य विदेश निवर स्वित शुर्म बुर निवर

श्ची मार्चमार्था ने हिन्दा स्वास्त्र में स्वास्त्र मार्चित्र स्वास्त्र मार्चित्र मार्च लटा विवाशक्षां सामा त्या है। विनाम विवास क्षेत्र क्षेत इटः वर् से होराया । द्वर में उव वय ग्वव द्वा वी । भ्रून पर होर राहे क्षर वर्रेत्। दिर्भारी देखा क्षे प्रति क्षेत्र । विस्रम उर् हेगा करत्वीरायरावरीया । याववारीयाविरायरायायाया । हे.का.हेंया रायग्या भेर में वेश यहुर रायशा ग्रम्या श्रम्य प्रमें विश्व स्व याधीवारावया नेवाने या वर्षा केवा मुक्ता वा वर्षा या वर्षा वर अ'थेव'रा'ग्राट'रुट'रुथ्य'रा'त्रा ग्राञ्चम्य'यहेव'त्ररासहेव'त्र ग्राज्यारायहेत्राधिन् सर्देत् हेग्। करः ह्यो नरः वयः नरः वयुरः नवे होरः ८८। ग्राञ्चम्रायदेव प्राप्त स्वर्षेत्र म्राञ्च मञ्जू म नेश मुन्य भेष्ट्र भावशाया व्याया यही वा प्रायमित स्वार्म वा स्वार्थ वा स्वार् रेसाउदानुः श्रेन्याया हिन्या से त्वन्यदे से सामित्र हिन् से सामित्र र्देवरेरहणायम्।वरुष्ट्रम्यायदेश्चिम् देख्रम्बयावश्चरम्दर्भेष्य ह्यासासास्यान्यान्यते त्यत् नहनात्रसाने हसस्य ग्रीसासुन रेताने त्यत्र याया ने भ्री मार्थन वे प्यायावन केना विह्न मेना हे माश्चम वर्षा ग्राच्यायायद्वाराधितायद्वार्ष्ट्रयाच्या म्हाराध्याया मेवार् ग्राच्या

मदे गाञ्च गारा यहें व प्रान्य स्वर्ध में गाञ्च र देव त्या मानव र मदे र माने प्रान्य स्वर्ध में प्रान्य स्वर्ध में प्रान्य स्वर्ध में ग्राबुदःर्देवःतुः शुरुः प्रदेः ग्राबुग्रयः ग्राबुदः र्देवः तुः ग्रुर्यः वर्यः प्रदेवः पः प्रेवः है। ने वहें न मवस निमास केंद्र ने वे मार्च में निमास के मार्च मार् ग्राबुदःर्देवः दुः ग्रुरुः वर्षः वहेवः यः ग्रादः सुदः ग्रादः विग्रा श्रुः सः यः देग्रारुः मश्यार्वेद्राचारेते भ्रम् वेशासर वशुर नते भ्रम् विश्वास हा नवे वयावशुरागिहेशायाया श्विन से दाशी त्यवा गाद्र ना पार्थित है। द्रवर र्येदे स्यापर लेया | दे या वया मेत्र यया गुर उदा | दे भिर वेदा पर अर्वेद्राया क्षेत्रा वेशाय वृद्दायायशा या वृत्रायायहेत थेदा अर्देत दे प्रदा मी'ने'स'न्या'मेव'न्'सूर'यदे'गात्यास'यहेत'न्यर'सरेत'यस'तुर' नःगरः विग वेदः नदेः कुर्यः गातुग्रायः दितः ननरः सर्वि सेर्यः सेर धेरा वेशायरावगुरायवे धेरा है भूरायन्रायाणे वितरो रे क्षरा व मा बुगा र पर हे व प्ये प स्वर्ध व पे र स्वर्ध प नःश्रीमाश्राग्यादादिवासम्बद्धाति। विशः हिन् सदे हिन् हिन् तकन्मः या रटर्ट्वरहेशरवर्षेदेर्ट्वरहेशरववा । नगटर होशरहेर्वर हेर्थवर्दे। विशःश्रीम्याम्ब्रुम्याने मान्य पुर्ने याय पुर्ने

भ्रवसायदेरास्त्रवरान्ध्रायायायायायाये हो। धेरासर्वा ग्रीरिने वार्षा

मा क्रेन्याश्रुयायान्ध्रन्या श्रेक्यायान्ध्रन्या देयाचेन्छी र्र्ष वान्ध्रन्य। हेन्याञ्चरायाह्मस्याशुः विन्यते श्वेम् नरार्थे दे। वारेष रैग्रामानेरात्। भेरात्वरायमाने भेरात्वरामे । दे भेराने । मुन्येत्। हेशप्रवृत्प्तिःहेशस्याय्वर्षात्रा धेत्रग्रीसर्विस्या यःरेग्रायः वर्षे कुत्रये द्वी धेर्द्या वर्षे भी वर्षे ध्रेराने। धेरान्यराधेवावायन्यायाधेवाययाष्ट्रियायारावेषा यन्या रायमायन्माराभी भ्रे निर्देश्चिम् न्दर्भे गुन्भे महिन्यमा नुग र्भे त्रम्यायायायी। इसम्वेयाम् धित्रे ने धिन्ने वियायग्रून नशःश्री वेशः वेरःर्री देःवेः श्रेष्य प्रम्ते न्याः क्रेवः धेरः द्रयः वीशः र्देव होत से त्राम ने प्रमान से प्रमान के प्रम वशःग्रदःसःनन्दःसदेःस्रेत्रा धेदःद्वदःदःस्रूतःधेवःसदेःस्रेतःदः । यहूरिक्टियान्त्रियान्तियान्त्रियान्त्रियान्तिय नुसासु वन्सासा वर्षा प्रवेशसे वा वी इसा सम् लेखा या सून हेवा न्दर से ने भेगानी इसायर ने साय भूत हैना गहेसाय देश नत्ना क्रेन तु गूर मदे भेर र निरम्भेर विश्वासदे रें दि भेर मदे हो सा भर मानव र ना कुर  नेशक्षातुः धीन् स्वर्देव धीव सम् प्वर्निन सप्तर सी पोषात्र है। ने प्वर् में में हेट्रसेट्रस्र मुन्य वया वयुर्य परियाय धेव्यय अनुम्य स्टिर्से उद्दर्भ श्री में निष्य भी के विषय के व लेव'व'श्रुव'वह्वा'लेव'न्वें रापदे'हेरा लट'ल'ला रट'वी'वन्वा' मेवर्र्यूर्यं सेवर्षे प्रत्यरायम् स्त्रात्र्यं मेवर्षः मेवर्षः मेवर्षः मेवर्षः स्त्रात्र्यः गहिरायाधित्यर्मेत्र्र्वात्रयाचरावश्चराविता रत्रेगायर्मेत्र्युया इस्रमान्वर रेगानी नेमानर वयानर वयुर नदे भ्रेम दर में युन है। ग्राज्यारायद्देवःश्रेयाःगीः इसायरः नेरायः सूर् हेयाः दरः सेरी दे अन् देया गहिरा पदे नन्या क्रेन न्यू र पदे भी न नगर भी न पदे हिर है। ने ने वे श्रव से मानवे निष्ण के वाम के नाम के न धेरा गहेशरागुनः है। रदःरेगा सर्दिन सुसाधित त धेर सर्दिन धेतः न्वें शर्यते भ्रिम्ते। कुन्नु अर्दे म्हायवेष इह्याय प्रया न्वह र्थे यासी हैं सामते हैं माणे ना ही समें साम है माले साम है न्न। क्रायर्चित्र सर्वित् सुसाधिव वत्र धिन सर्वे धिव न्यों सार्ये

## धीन् सर्दिन ग्री मुन् नाशुस्राय न्यन् या

चित्रं भी द्राया के स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्ध्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स

ने गाहेश हेगा कर नु प्रमुद्द नर म्राया नि भें नु स्पेर प्रमित्र में स्राया मे अर्घर मी कुर ग्री माञ्जमार प्रदेव भी र अर्देव ग्री केव मार्थ सामार पर मदे भ्रेम भ्रेम्य प्रेम्य देने मुन्य निवे मुन्य मुन्य देन मुन्य प्रेम्य प्रेम प्रेम्य प्रेम प्रे धिराने। तबराध्रवायमा अराठेगायालेमाग्रान्ते वे प्राया अराठेगा याधितामदे धेराधिताभूत हेगाया हेता तुर्वे वेश ग्राह्मर राष्ट्र धिर-१८। इस-११९८ स्था धिर-शे सर्वि सुस-विव-ह-भ्रिमा-ह-शुर-ध-व ने शाह्यन पर न् हुरा परि ने दे है व गारु साथ पर की व ह क्रिया हु सूर मासुरायानहेत्रत्यान्यमामाधित्रते। न्नरायरितः भून्रवेगात्राया र्देशः क्रेंनशः ग्रीशः ग्रुनः व्या देशः धेरः सर्वः ग्रीः देशः स्वाः मेवः ग्रीतः कः अटः द्रिशः क्रें नर्या ग्रीयः ग्रुनः द्र्यीयः विषः क्रुः नः वे देयायः यः श्रेः वेयः यदे इस दशुर में वेश गशुर श यदे भेरा गविव धर खँर सर्वे र गो कुर्ग्यी मात्रुम्य प्रदेशिय भेरा सर्वे मुर्ग्य में वर्ष मात्रुय प्रस्थित स्वरं स्वरं से प्रस्थित स्वरं से प्रस् सर्वित्र देवे निर्मात्र केत्र भूत हिना निर्दे निर्मात्र विष् नन्गा क्रेन्द्रा ने साम्मा क्रेन्स्र है मा स्राधी से दिस्त हमारा क्रम्भानेत्रः वया नेते कुन् ग्री मात्रुम्भान सेत्र स्व भान सेत्र भान सेता स्व न्दर्से न्दरम् के राम से दाय दे से मा सम्मान के मा मा के राम निरम्भ दा के मा मा के राम यवे दे साम्राम् केत र मुर्ग र ये मा स्वाम्य यह त र यह सम्बाधित र यह स वया अः गुनः परः देवेः भ्रेरा वर्देनः ना देः वर्दवः ग्राश्चम् अः वर्देनः द्वारः सर्दिन के शास्त्रा ने भून हेगान्य मित्र स्था से भून डिया यहिशासदे पर्देश कु धोव परे छिया ह्या शायशा वर्दे पावा धोद सर्विक्त्रस्य स्थानिक ग्राञ्चारायहें व . धेर : अर्दे व : क : य उर्था अ : य र : य य । अर : के या : य : मुदेरक नरमा भाषीत्। मुन्या भागी क नरमा ग्राम्य भाषीत् मदे मुन्दि । व। याद्यमञ्जे। रदामी माराया राया हे या शुष्यमें पार्टा देवे हे दावा गुरु से मियो के प्रत्यापर पर पर पर मिर्डिय क्रिं से से पर गाञ्चमारायहें व प्येन सर्वे ने ते ने से मार्थ के व नि । कुंन सर्वे न मी कुंन यःगत्रुगरुःदहेव:न्नरःसर्वि:भूनःठेगःसःथःभ्रे। यःयसःसरःनःसेः श्चे नदे के ने भून रेग थ न भेन से देन ने दे न न म के न न न ने साम म मुन् भीत विषा वेरानाया भरातुषा अविः भूत छेना अरावयाना सूरा नविवायमेव। रमास्यायावी रहेमायाँ मार्चितायी स्वायायाय विवायायायी विवायायी विवायायायी विवायायी विवायायी विवायायी विवायायी वि

थेन् अर्देव ग्री मेव गश्यामार सुर पर थेव। सर थेव सवस सर गी वरः ळवः ५ : शुरः पवे : छुरः अर्घे दः वी : सुरः ग्री : वा त्रवा राष्ट्रे वः पी दः अर्दे वः श्ची नित्रा में वर्षा ने वर्षा में वर्षा नित्र वर्षा न अन् डिया सर शुर पवे दीवे क्षे सके न ने ने वे नही या शक्ति शी सक्त हिन् धेव। निरम् व। दुन् अर्घन् मी कुन् ग्री मात्रुम् भारति । माबुदःर्देव:दु:शुर्रःसदे:माबुमाश्रःशु:तत्रश्रःसुरःसदे:खुरःसवे:स्वरःसी: सबदुः सूर् छेया सदे या ब्या राष्ट्र द्या क्रिं सर्वे र यो क्रिं यो या व्या राष्ट्र वहेंव थिन सर्व गार्मा अप वहेंव तु श शु गार्ड र्वेर न्रेश शु श्रेन छेन ग्री-त्रायविः भूत्रचेषाः अवे नेषाः याते नेवे प्रत्या मुन्या मुन्या भूते । रुषास्त्रविः भूर हिमा सदे रेगा पर रे रे दे रे रे सामगा मे व ग्री सर्व रहेर धिव। गिरुशागान्येरावाकुरासर्वेरामी कुनाया नुग्राया निया प्रियान सर्विः भूनः ठेगाः सः श्रेष्टे ने व्ययः सरायः से भ्रेष्टे विः हे मूनः ठेगाः शः नर गुर परे पुरासवि भूत है ना सदे ने राप के तु के। तवत क्र यथा नगर मेंदे सर्व सुस न १ न स न व व में स न स न से से हैं न

माश्चरामरामित्रमा कुर्राप्या कुर्रा स्था कि मिर्मा की स्था भी साथित की सिंद शुअ शुः रूप्ति विष्कृत प्रमा शुप्ति विष्ण गशुप्ता प्रमा विष्ण प्रि धेरा कु: ८८ वेश प्रश्न कु के वा पर्या के वा दे स्था वया के वा या शुरा गानमून हेट। धुयाने यायया नुधे ग्राय मुन नमून पा धेन परे धुर द्धंराअर्घेरावी कुराग्री वार्वायाय पदीं वार्थित अर्दे वार्गि प्रेवाय के के वार्याय नेवे मा बुद देव देव मा के मा धोव मी प्रदेश कु क्या देव से मा के मा के द । नन्गः क्रेवः ननः ने अः वनाः क्रेवः नेवः नविमाः प्रश्रः भेनः अर्देवः नेवेः व्रवः ब्रॅट्स्विर्म्य मित्र में क्रिक्स मान्या क्षेत्र मुद्रि धेर्स्य स्वरंद्य मानी बुव सेंद नवे नद्या के व त्यों या पा वे साधेव है। खूवे से या यो सर्देव नेशक्षात्र्रायादेशायदेश्वर द्वरायर्वराये कुरायर्वराये। कुराये वार्षायायाय धिन् अर्देव् ग्री नन्या मेव नन्दि अप्रया मेव क्रिक्स अर्थिन अर्देव नेवि अव डिमा छे ५ में व ५ हो भी देवे हे र लेव स लेव है। देवे देव स मारा प्र श्रुः सासाधिव प्रवे श्रिम् हे। देवे मेग्राय इ श्रुः सासे द प्रवे श्रुम हे। दे रुषासम्बद्धः भूर हिना साधिव मदि भ्रिमा विन भ्रे। क्रिया सक्रिना मीया दे वे ने दे १ क्षेत्र हे गा हो न भारत्व भी ते शी में गाया वही त भर हो न भारते था धेव है। अर डिगा गे इस थ रेंग्या र वर्रे व र से से वह र से है से विश

## নাগ্রহম'নই'শ্রীমা

धेन् सर्देन भ्रुः नदे में देश नश्रून म

वाशुस्रामा क्री कुषाया देवासामा द्वादामा या सुसा धेदा दे। क्रीया सम भ्रे निन्त्रामान्यत्रा वर्ग्रेयाम्बुयान् भ्रे निन्त्रामान्यत्रा कुत्रयम् भ्रे नियम् स्वरं स मी कुराया ग्राज्या अपदेश राज्या अर्दिन अर्जि अर्जि सामित्र के मा अर्जि से किया ग्राबुग्रायः वहें व : भेट् : अर्देव : अट्व ग्रायः प्रायः चि : अर्थः प्राव्यायः वहें व नियम् अर्देव अन् र हे या या यह या से अर ये हो वे या बे र न शेष्वर्दे दे दे के विक्रम्य के विक्रम्य के विक्रम्य के विक्रम्य विक्रम विक्रम्य विक्रम विक्रम्य विक्रम विक्रम विक्रम्य विक्रम्य विक्रम विक्रम विक्रम विक्रम विक्रम वि भूत्रचेनात्र में त्र न्वाहेश्य पाहेश्य शेष्ट्र न्वेत्र क्रूत्र शेष्ट्र वा स्वाह्य वा स्वाहेश्य शेष्ट्र वा स्वाहेश वहेंव भेर अर्देव भूर ठेग र्र रेंब केंद्र राम रे गड़ेश नर सकर र्श्चिट्रा । इस्र कट्र सेट्र प्रट्यूट्र से प्रयुद्ध वेस ग्रास्य स्था युवा मवि श्रेम नेवाश वाहेर न इसश वर्ष मुन सावत में वे न बेर मर होर याश्ची प्रवर्ति। क्वा पर्वेश माश्वा प्रवर्ति भेरति । विवा विवर्षि ।

मदे भ्रमा गहिरामा वे ने मार्था महिरामा इस्र मार्था ने के व में दे निविष् नर्स्स्तित्रम् अर्द्धर्स्स अर्द्धर्म मे क्रुन्य मात्रुम्य प्रमेत्र निर्मा अर्दे त्र निर्मा अर्दे त ठेगासामठेगात्सासेन्द्रभे। नेसान्स्यासुर्द्रसास्याम्बरायहेन् धीन् अर्देव अन् उरेग न्दर्भे न्दर्ग व्यायाय वर्षेव न्वर्य अर्देव अन् उरेग माहेश्यान्द्रान्ते माहेश्या हो द्रान्ते न्या स्ट्रान्त्र माहेश्या हेया करा वर्गेश गडिग न्दा गशुस से । विश्व परा दे दे से प्रवाद है। व सूर भेष्यम् दिवः ग्रम् भेष्यम् भवे भेम दम् भेष्टे में प्रमान ने भूष्य भेष्ट होत्'ग्री'रदःरेग्'ग्रिंशर्षेद्'द्रश्रादर्शेश'विद्राणदःद्रगुरःवदेःधेर् रटारेगा'गहेश'र्रे । पात्र दाक्ष्र शुरा शुरा शकुट श'रा श'गशु श' धेत हें स्रुश' व। देवःरेगाःगहेशःर्रेः धुः स्रुशः शुः सर्ह्यः स्रशः दर्गेशः गहेशः शुदरः वयः नरः वशुरः नवे धेरा गहेशः संगुनः हो। दुरः सर्वेदः गो सेगः नेशः माञ्चमारायाः भुः निवेदः भवेरक्षे माञ्चमारा यहित प्रमार सिवः सामित्रारा ग्राञ्चम्रायदित्रधित्रस्त्रभ्रेयायास्य । त्रवत्यम् स्रास्त्रम् सर्वतः मिन् गाञ्चमारा प्रदेव प्राप्त स्वर्म स्वर्म माञ्चमारा प्रदेव प्राप्त स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर रुष्युर्यान्यस्यायस्य विष्यान्यस्य विष्यान्यस्य विष्यान्यस्य दे

यामिकिया यादावया यादिया यो क्यू दाया या व्याया या विषय यादि या ठेगान्दर्भे त्राचे प्राच्या च त्रहेत्र प्रवे पीन स्रोहेत स्नून हेगान्दर्भेवे नर थ्र डेमा कर पशुर न धेर पर प्रया देवे कुर या गुर्ग अप दिन र पर सर्दिनः भूतः वेषाः पविशासः वशः रेषाः यहितः प्रयाः सर्दिनः भूतः वेषाः पविशाः मवे नर ख्र हेमा कर र भुे न थे र मार विम मा बुम्य पहें त र नर सर्दिनः भूतः हेवाः वाहेशः यः भ्रेः विदे न्यः देतः वा ब्याशः वहेवः धेतः सर्दिनः अन् केना न्दर्भे क्रे ना व्या नेना नु वहें व पवे न्वद् अर्दि अन् केना गिरेशमा क्रे नियं नियं नियं ने स्त्रे मा प्रदेश के ना स्तर र्रें देश पर क्रें नश्चित परे भेरा दर में क्षा भेर सर्देश वर्दे दिया यादः वयाः याठेयाः यो क्रुदः त्यः या व्यायाः यहे वः धेदः अदिवः वयः सेयाः यहे वः थेर्'सर्वि ग्री'नर'वृ 'ठेगा'कर'र्' भ्री'न'र्थेर्'सर'वया वर्रेर्'स'रेवे' धेरा वर्देराम गरावगागठेगागे कुरायाव्यायायहेन भेरायहेन र् गुर्भित्र भेर् भेर् मुरायर ने या प्रमा रेगा प्रदेश भेर अर्देश रू गुर्रायदे थेर ग्री इस ने राग्री नर ख़ है गा कर र भी राषेर पर प्रया वैं। वर्रेर्धे तुराहे। यर्रे वस्य शेसरा उत्तरम्सरा वे म्यापर वेस यदे कुर्रे रे रे रे विश्वाश्वर्थ स्वे स्व विश्वा विश्वा विश्व विश्

गशुस्रास इस्र ग्रीस त्यव गन्न नगद नदर। वि वि वि वि सुर नि गरा है। दें त'नेश ग्रुक्तिं उदा गर वना गरिमा मी कुर थ हैना कर रु श्चेरामवे ग्राह्म वारामहोत्तर वारास्त्र स्वाराम्य स्वाराम वाराम्य स्वाराम्य वज्ञरामाञ्चमारावहेव भेरासर्व सेमाराष्ट्र से माराधर रहेरा सु भेर श्चेर्प्यते गाञ्च गरायहें व धिर् सहें व सेर्प्य मार विग गावव इसस ने ख्रांडेगा कर क्षेत्रा प्रदेश के क्षा प्रदेश नगर स्वर्म मुक्त मुक्त स्वर्भ का क्षेत्र मुक्त स्वर्भ के स् यदे श्वापद्वापी प्राचित्र स्वाप्त स्वा षढ्रंदशःमदेः धेरा वर्देर्दा गरः वगःगठेगःगे कुर्वः व्याधेरः थेः इसः नेशःह्रान्नर्राप्तर्थात्रेषाः करः ह्रो राजेर्ग्यर्वायाये हेशायार्थे व नावर्ग देव हे नार वा नाडे ना नी कुर ल ने ख़ डे ना कर क्रे रा रादे कें खुवानाराया में समाना नमा के निर्देशे निर्देश की ना के ना र्नेश्वर्शक्षुं नःषेवरग्रीःग्राञ्चग्रायदेवरथेर्यास्त्रं व्यास्त्रायदेवरथेर् सर्विन्द्रिंश्युः श्रुः निर्देशे स्था से निर्देशे विष्वा विष्वा विष्या विश्वा स्था 

सर्दिन भूत रेवा गिरेश राज्य रेवा यहेव प्रत्य सर्वे भूत रेवा गिरेश मदे नर थृ हे ना कर क्षेत्र मात धुया नर या में सका मात कि नदे र्देव रेग भेर अर्देव गरेग र्देश शु क्रे न भेव श्री गरेश सव कर र्ने मार्थि शुक्ते प्राचित्र विकास के व वळवार्का विष्ठेगागदात्रमागठेगामी कुर्वायाधेरानेशाह्रमात्रार्वा मन्यार्थियाः कराक्षेत्राये न्याये न्य ठिमाः करः त्युरा वेशः मारः बमाः मठिमा मीः क्रुरः यः वह्याः वेशः इमाः ठिमाः करःश्चे नः र्षेत् परामश्चरमा ने र्षेत् न ने इसमा श्वेतः होतः शे रतः रेगा इसरा हेगा कर हो ना खेंदा रामा थेदा ने मा इसा मा दिया डेगाकरःश्चे नार्धेन नर्गे यायि श्चेमा नेग्याययायाया साम्रान्धिय वर्गेश्वाराय्येवायविवर्रुः दुर्श्वर्यो मुन्त्रेया विवाराय दिव नगरः अर्देवः भूनः ठेगाः नरः र्ये अः नर्दे अः शुः श्रेनः पवेः याञ्चया अः वहेवः धेनः सर्वि भेर्न सर पर्ने द्राप्त्र स्वर्म स्वर्म प्रमाय प्राप्त भेर है। द्वर सर्वे द मी कुर् गी मा ब्रामा परिवास परिवास मित्र में प्रामा के सामा परिवास मित्र ने गहेशागाः द्रिन् सर्वेदा वी कुन् ग्री गार्वा सार देव निवदा सर्वेदा सून ठेगान्द्रास्य अपन्दिया शुः श्लेष्ट्री प्रमाय विद्या ने पारिया

डेगाकरानुप्रमूटानरामयावे। यदेनाना वर्षेशामशुक्षामायमेगामा न्दायम्यायानवे भ्रम् वित्रामे स्था में स्थाने स्थित् प्रमान्या स्था स्थाने स्था कुर्ग्यी मार्चियायाय दिवा प्रमान स्थित स्थान स्था स्थान स्था मी कुराया ग्री मारे विषय मित्र गानुगारा पहें त' धीन समें त' धीन परि सी मानिया है। दें वःद्धरः अर्घरः वी कुरः वा व्या शः वहेवः प्रवरः अर्देवः भूरः ठेवाः वा शुसः मासेन्यम् वया नेते कुन्या न्वा व्यायाय वित्रम्य प्रमान्य व्याया महिराक्षे देखरास्य स्वरं के निक्षित्र के निक ब्रेम्। वियायाप्रया यदावित्यमे। क्रम्यविदावी कुन्। ग्रीम् वारायहितः नगरः अर्देवः भूनः ठेगाः नरः र्ये अः नर्देशः शुः श्रेनः पवेः या त्र्या अः वहेवः धेनः सर्विन्द्राम्याविकारम्यान्दिकासुः क्षेत्राम्येन्या स्वार्थिताम्या स्वार्थिता मी कुर ग्री गार्मियाय प्रहें व प्येर सर्देव ग्री हे साम्या के व र गुरूर प्रदे ग्राञ्चग्रायदिव न्या अर्दिव अत्र केया न्या में व्यवित ने अत्र डेगा गहेश रायद र्थित राये भेर लेखा या ह्या है। दे यह वे गार्श्वास

न्रिंशः क्रुं धोवः वः विनः वर्त्रोयः धेन् ग्याना ने ने सं योवः पवे श्रीमा श्रेष्यः अः गुना व दे न भेन अर्देन पर्मे अः ग्राश्व अः प्रत्वन प्रमः वया द्वमः अर्वेद्राची कुट्राची वार्याय दिवा धेट्रायदिव की दे सामग्री वार्या की वार्या मवे गार्श्वासायहें तान्य सार्वेत स्मान हे या गार्श्व सामान ने वे सुन हो । माञ्चमारायहें वरणे प्रायदेवरमाहे राउचा कर हो प्राये छे राजे। प्रेमाहेरा गाः खंद्रः अर्घेदः मीः कुद्रः ग्रीः माञ्चमारा विद्यां भारत्ये वा भीतः अर्थेदः अर्थेदः अर्थेदः अर्थेदः अर्थेदः र् गुर्भ्यते मात्रुम्य पदित्र न्वर सर्वि सूर् हेम् न्र रेम् न्य स्वर्धि शुःश्चेश्वायदेः धेरा ह्याशायशञ्चरशा याववः परा हिंदः ग्रेः इतिः विचायासारेकाने। दुरासर्वेदाची कुराया व्याकाय है वार्याय किं भूर् हेमा साम्हिमा भी महिमा त्यसा सरामा से भी महिमा स्वराहिमा न्द्रस्तिन्द्र। दुर्स्यर्वेद्रभी कुर्याया तुम्रस्ति न्वद्रस्ति भूत ठेवा सः विदेश क्री विदेश यस सर न से क्री विदेश हैं ने क्रिन है वा स मिहेशमिष्टिम् स्थान्ति स्थानि नेशास्त्रमार्थेन्यो सुन्यो गार्यास्य वित्यो न्यास्य वित्या स्याप्त वित्या स्थाप्त वित्या स्थापत स्यापत स्थापत स्य 

न्दः र्वा न्द्रा स्व त्या स्व त्या विषय स्व विषय स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्य स्व त्या स्य स्व त्या स्य स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्या स्व त्या

गशुम्रामा मुत्राम मार्मे द्वारा प्रमान मार्मे विष्या में प्रमान मार्मे विष्या में प्रमान में मार्मे विष्या में प्रमान में मार्मे विष्या में प्रमान में मार्मिक में मार्मिक मार्मिक में मार्मिक कुत्रस्र स्रो नदे थे द्रस्त दे थे द्रस्त स्तर्भ स्तरम् श्ची दिव देवा भेद अर्देव भेव। देव देवा श्चर खंद अर्वेद वी सुद श्ची नर्भागाम् सम्याया शुःषे । तमन्याया शुन् ग्रीयानस्यायाया या प्रितः कें गार्गम्य पहें त' भेर सर्वि क्षेत्र सर्वे मार्थित प्रवे हिया क्रिंत सर्वे द मी कुन् । ययम् वाञ्चारा यहेव । नगम अर्देव । कुन् युदे । कुन् अवम । वाञ्चारा वहेंव भेर अरेंव रहें राष्ट्र शुक्ते निराय है। इंस अर्थे राष्ट्र वी कुर थ माञ्जाकायहेव प्रमास्य स्वान्य स्वान्य प्रमान्य प्रमान्य स्वान्य स्वान् नरःष्ट्रं ठेग्। करः ५ क्रेशः भवे क्रुवः अवरः धे ५ खुवः ग्राटः वः वे अशः शः

न्याके नदे देव देवा थे दासदिव वाडे वा साविव वाल वाल दिया शुःश्चे न्याये धेन नेया व द्वार सर्वे न में कुन या सूर न व न न या सूर नुदे देव थ पहें व पदे द्वर अर्दे व किया कर द भी कारा अपीव पर ग्राञ्चनारायद्देत्र'न्नर'सर्देत् कुर'रा श्रेष्ट्रेरा स्टेरके कुत्रस्य रागञ्जारा वहेंव भेर सर्व रहें राष्ट्र शुक्ते प्राप्त वा देवे खुवा वा पर वे व खुर अर्वेद्राची कुर् छै पाञ्च मारा प्रदेव थिर अर्देव दे कुर अर्वेद्र ची कुर थ ग्राज्यायायहें वाद्यारायहें वास्त्रा स्वास्त्र नवे के खू म नेवे नुषार्वि वर क्षे के बेर न के र म जिन है। क्षर के न निवं राप्तरमाशुस्रायाः सेवासाग्री पुराशुः शुः निवं श्रीयाते । ने इससाधितः सर्दिन देवे कु . जीव . पाये . श्री मा कु मु . जीव . पाये . श्री मा जाम . जीव . ने ने भून के मा श्रूपते नु सार्थ भी साले सामाना ने ने ने श्रूपत विमाना सा मदे-दुर्भाशुः श्रे विर्यापाद्या थ्रामायापादे दुर्भाशुः श्रेरावेरामा इसरासी त्वर दे। दे दे अर्डिया थ्रायदे दुर्श सु भे निवेद राधिद यः न्या ने विषयायायः यदे नुष्या शुः श्रेष्ट्रीयः यः धोवः यः न्या ने विषयायायः मन्दर्तुमामक्रमानुः भ्रेमामदे भ्रेमा मद्दार्यम् मही द्वारामे कुर्यायात्र्यारायहेव र्याप्य स्वरं स

शुः श्चे न प्येत है। ने दे न र शुः शुः न र शुः श्चे न न र विन भून हिना श्चः या इसमा ग्री पुरा सु पर्देश सु से भ्री प्रे प्रे में पे प्रेम पर प्राय के त क्रॅंश अर्क्चेन मेश धेर ग्रे इस पर ने या पर ने पर सेन मेश ग्रेर प वन्यामानेवे के यहिं सुयानु वहिंदा सेवा होना मान्य स्वापित के वे गात्रुग्रायान्येयान्य प्राप्तान्य प्रमुद्रायान्य प्रमुद्रायान्य प्रमुद्रायान्य प्रमुद्रायान्य प्रमुद्रायान्य धिवाते। दे श्वासाधिवावाइसामरानेशामानाधानाधीमात्यामहेवामा धे तत्रम् प्रमात्यूम्मे वेश गशुम्श्रास्य वित्र मुन्यस्य स्था गशुसर् भुं नर नित्रमर हैस नेस ने न ने नित्र में मिन यया मैं सरायसासर्वात्यात्राम्यसा । यदेरें ने सादी ने सामा ग्रान्। वेशःश्रेम्यान्ता यदेःवेशःसत्त्रः ग्रम्यायशःसाहतः शुयान् होन् प्रदे इयापयायह्यापादे भिन् हो यदिन शुयार्थे। वेया ग्राबुग्रायः यहेव प्रायः अहेव क्षेत्रा ग्राबुग्राया बुदः यदः प्रायः व नेवे-नुभ-सु-माञ्जमभ-विद्याभन-भित्र-मित-भित्र-भन-मासुन्य-भित्। देव हे से मा हो दाया या से साम के से मा मी ने या पा हे दायी वा वि वा विश्वास्त्र मार्स्य विश्वासार्थ मार्थ मार् वे ग्रात्र्याया सूराया देशाया हे प्रयासीय प्राया सूरार्गे स्थाया देश देशायायाधिवार्ते। यदीयाधीयाधीः होदायाधेदायशाधिदासूर विस्रा मवे सक्त हेर यस हो सम्बे होरा वरे हे भीर ही सर्व सुराधित वै। वेश भेगा वेश गार्गा गार्गा अर्दिन शुरा श्रूर न उसाय है न र स्वि धी वाबिवायात्रान्यान्यात्रेयात्रेयात्राच्यात्राच्यायात्र्यात्राच्या नेयाग्री न्या शुर्णेन प्रदेश्वा बुवाया यहे वर्षिन स्वेदेव ग्रीया वा बुवायाया देश-वेश-वर्त्रव्यायम्याश्वरम् विश्वेत्रयाम्ने वेश्वेत्रायः स्वाया मदे द्वाराम् ने या परित्र श्रीया मुद्दा नदे श्रीय भीता सदिव से दि स्रूस वेश ग्रु नश वहुन सर वशुर न धेव है। वेश न शुन्य वहें व धेर सर्देव दे ना बुवाया वहें व से वा ने या यथा वा बुवाया या से या यथा स्वाप्त या स्वाप्त या स्वाप्त या स्वाप्त या स ग्राचुग्राय पहेंद्र सेग् नेया ग्री पुराय सुग्रा ग्राचुग्राय पहेंद्र पीट्र सहेंद्र पीट्र धर्यासुरसारासँग्रासास्र नेसाराधितः दे।

## धेन् सर्देव रेश होन् ही क्षन्य नश्रूव म

निवं मारेश होत् ग्री क्षत्र यान नित्र माने हिन होता के मार्थिन किया सके ना गैरा गवद नग गैरा धेर सर्दर सेर सर कें या न देश रेगरा स नर्ह्मेग्रापदेः ध्रेर्, यह रास्राध्या स्वाप्राध्या विषाः नन्त्री। यदे या कंद्राया विवा नरं या नर्तु न वे या भेदा वे या गश्रम्यायया द्रम्या इत्राची कुन्यी गार्मियायाय विष्या विष्या ने खुंर अर्बेट इस्र राग्ने राधिन के राहे या न्या मीय गुनारा धिव है। न्ध्रन्याश्रुयाध्रियान्यान्यते ख्रान्यो स्वायाध्रियाधेन त्यानहेत् पर्दे बेशमित स्प्राप्त म्या निष्ठ्र निष्ठ निष्ठ निष्ठ स्था से स्था निष्ठ निष्ठ में स्था निष्ठ निष्ठ में स्था निष्ठ न्यगामीर्यास्त्राचार्यादे स्रीताने। योनास्त्रिताने क्षेत्राम्याने क्षेत्राम्याने स्वीतास्त्रीया स्वीतास्त्रीय मुन्। कन्यादने सामिन्यायावन सर्वेन सुम। नर्देश क्रेन्य हेया मावव से नर्भ नर मास्र मा शेर सा ग्री हो र कर सम सा ग्री न पर र दि र र श्राजुद्

थ्रपार्हेन्पार्श्वेन्पारी विन्त्रो धेवासर्वन्ते छ्नासर्विन्या विवा हुः भ्रेनि गुरु भेव राष्ट्री प्रवास्त्र प्रमान्य दे देवे स्वर्मे सुरा गुरा मवे भ्रेर है। ने रूर श्रिर रूर रेगा सर्देन श्रुस ग्रुस ग्रुन मवे भ्रुर है। देः नेश्रामाधिवामवे धिमानेशा बेमाना क्रिवासे नि कंदासाधिवावा रटा श्रीट र र र ने वा अर्दे व श्रु अ श्री अ श्रु न र वे अ श्री अ श्री अ श्री अ श्री अ श्री अ श्री अ क्ष्र स्था प्रति श्राप्त से से स्टार्टिया स्टार्टिया प्रति से सिंग स्था स्था स वियायदे भ्रिमा ने स्थाय धेवाव हिंदा स्टामी कुर् छै। देवा वा या हे या याकुं,यदे,र्भाः अवदे,श्रेर. द्वयाः अर्थः वीरायदे, वीरायवदः रयाः ररः शुँरःसरःसेषाः अर्देवः शुंशः शुंशः शुंवः धरः घषः वः वर्ह्हेषाः हुः सेरः दे। विः वःरे। दुरः अर्घरः वी कुर्ः ग्रीः वा ब्रवाशः यहेवः धेरः अर्देवः द्वरः अर्धेशः उवा रटा र्रेट रटा रेगा सर्देव शुसा ग्रीस ग्रुव पर प्रायी स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्र यदे धिर है। दे पेंद्र यदे धिर है। इंदर अर्घेट वी कुर ग्रे खूदे अवा ग्राट विग क्ष्य भेव प्रते श्रीमा प्रते में मेर श्रीमा ने ग्री श्रीमा प्रति में मवि धिन सर्वे धिव मवे धिन है। ने मा ब्रम्भ हैं मार्थ मवे धिन सर्वे ।

धेव परे भेर वेश हेर वा या हार है। दें व रे रर मे महर दें व रे गुर्रायदेगातुग्रायाया गुर्वायराया देगातुग्रायादेवाधीरायर्वे लेव्यये भेरा वर्देन व्यक्त करा मालव लटा ने मार्मिक धिन् सर्दिन धिन् पासे तमन् प्रमा ने भू न रहें मार्थे में कुन्य गार्ग्यायायादिव प्राप्त स्वर्भात् हेगा सृ ही प्राप्त स्वर् हि । प्राप्त स्वरं हि । प्राप् शु'ग्राञ्चग्रभ'यहें त'थे ५' स्रोटें त' थें ५' स्र २ द्राया प्रेये हें ते स्री दे । स्र है। ने इसमा ग्री नुमा सु देशिया यी सर्दिन ने मा सु मा विया पिन मवे भ्रेरप्ता नुस्राम हिंग्रामाये हिंगामा धेव व नुस्रावहें व हिंगामा श्चे गहेशमा हैगशमित हैं गम्स सारे सारे सारे सारे सारे है। नुस्रायदे देव श्रुं त्यासायह्य या धिवायस्य गुनायदे श्रुम्। ग्वव प्यम । दुरः अर्घरः वी कुर्ः ग्रीः वा बुवा शायहें वः धेरः अर्दे वः द्वरः सः धेरः यः रेः भ्री त्वर् प्रमा विर् सर्दिन् रे हुस्य शुः श्री द्वार पर रे मा रहे सासाधिवानवे धुराने। ने न्या सूराया सारेसाधिवानवे धुरा यरार्विः वःरे। दुरः अर्घरः मी कुर् थी मारः वना मी निर्मा से द थी साहिदः सरः द नुश्रासदे रहन् अ रहेश उद्या स्टा श्रीट स्टा देवा सर्देव शुर्श ग्रीश ग्रीता

यर वया कर साधिव परे भेरा वियाय विया वर्रे र वा रह रेगा सर्वि शुस्र ने स रहन स मार बना नी निर्मा से द र हैं ना स र मर बर रें। वर्देन्त्रा क्रन्थाम् वर्षामि वर्षा भेन्त्र अदेव शुभानुः हिषा श्राप्तिः क्र्यासर्वेदाधिताम्या वित्र वयावशुरामित्रभाषायासाह्यास्र यादः वया यो विद्या से दः श्रेका श्विदः यदः दुः श्वरुषः यदे । स्वदः संदेश सर्दिन शुस्रा शुः रूप्ता भी दादा रूप्ता यापा वा वा वी विषय से प्राप्ता से प्रा मश्रास्त्राचित्रासदे द्वीत्। क्षत्रास्त्रे मश्रासदे सम्बद्धाः स्त्रीस स्त्री स्वत् साधितः याधिवान्वीयामवे भ्रम् अमार्वि वाने कुमायर्वि वाने कुमायर्वे वाने कुमाये किया वाने वाने वाने वाने वाने वाने वाने नुश्रास्त्रविः भून हिना सार्केश ह्या नम् श्रीम मम् निमा समित श्री सारी सा गुनायमात्रया क्रायाधेवायदे धेमा यागुनावाने नेमात्रया ने पिन मते भ्रिम् हे। नेते कुन् ग्री कंन सानुसास मेन के मार्थ भ्रिते कान्य नरुश्यायाधीत्रायदे श्रिम् साग्रुनात् ने प्रमुदे स्ट वि स्व सि सि स र्शास्त्रविः भूर हिना सृष्टि कार्या निर्मुत र मुन मवे निर्मार्थ भीत मवे भीता वे निष्म स्थान में निष्म स्थान में मिल स्थान गुनःमदेः नुषः सम्देः भूनः हेगाः सः धेनः मन् । नेषः गुनः मदेः रूनः

यानुयासविः भून हिमायाधिन प्रदेशिमा नेम वया ने प्रदेशका या रुषास्त्रविः भूराविषाः स्थिते कार्या निष्वा स्थानि । विष् वर्देश्कर्भास्त्र मार्थे नेराम्या हिन् कुन्तु सुरामदे नर्देश्ये लेव्यये भ्रेम नेयानवेव रेमा मावव लट लेया मुक्र रहता हुंम अर्वेद्राची कुर् ग्री रहरा अर्ज्य अवदे अर्ज्य विवास रहरा अर्थ विवास र वया ने अन् रे वा अप्येव पर ने किन आ अप्येव परे भे ने वे के ह्या पर ळं ५ सा सा धोव पाये ही या वावव पार सर हे ५ के सा ने ५ सा सब वे स्नू ५ डेगासान्दर्भे भेत्रत्र स्टाहेन केंशने सून डेगासान्दर्भे भेत्र नेंशि नर्मिया कैंगरेर्ग्यायविः भूर् हेगायर्र्मर्भे प्रिंत्व केंगरेर्प् न्मिंश्रास्ते भ्रेमा वर्नेन्त्रा कुन्नरुषा ग्रीन्मिंश से न्यास्त्र भ्रम् ठिमासान्दार्सिकें साउदा ने दाना देते ही सा सामुनादा ने देन सामा ने खेन प्रते श्री में ने नुषा सम्बे भून हे ना सृ श्री वे क नम्म स्वाप्ति मुना यागुनाना मुन्नानरमाग्री निर्मा संस्था मुनान्। गुर्पित निर्मा भीता परि भीता विष्य गार्थिय। इत्यर पर्दित वा मुन नठशःग्रीः न्देशःस्र नव्या क्रुवः नठशःग्रीः न्देशःसः भ्रानः हेगः नदःसः धिव प्रिये भित्र दे विष्य मित्र दे। कुव प्रवस्थ भी प्रियं प्रियं प्राथमित भी प्र

ठेवायाः विद्यान्य विद्यान

ररःरेवाः अर्देवः शुस्रान्तन् न्या

ने भूर धीर सर्व न १ त्या ग्रुस म र र रेग सर्व सुस वळन्याया अर्देना ळगरायासँगरा। न्यारेगार्हेगायासेन्याधेना विशन्दा स्टायमेयायया वर्देन क्यायाद्या वे स्टान्या गरिः स्वाप्तर। यदेःयः दर। स्वाप्यस्यायः स्वास्यः वेप्तरः स्वस्यः या भी रेहें भारादे भी मा महासे पारादे समें मुखा से विभाग शुहरा या मुन-५-५-४-४-४-१ । अर्दन-सुय-स्य वेयायम् । वेयायम् । माधिवाने। वर्षेयान्वान्यान्वानाः हिम् ने हेते हिमावने वित्याधिन यश्चित्रप्रम्भित्रेश्च विश्वत्रास्त्रित्रास्त्रेश्चित्रा वेशन्त्रन्त्रस्याम् नामित्रम् नेति न्त्रीत्राम् वर्षेयामाया नने र्शेग्रासं नेराम्या वार्र्य क्या वार्य्य विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या

गश्रम्भाने। भूमा वर्षेत्रकग्रम्भान्य ले स्टान्य ग्रिमान्य वर्षेत्र ८८ सूर्वा नस्याया सेवासाया है। स्टारेवा या ५८८ नगर में त्या से क्षेत्राया हैन्'ग्रे'स्रेन्'लेश्'ग्रु'न'पर्ने'ते'नरे'र्सेग्रश्'नर्गाहेन्'ग्वत्रंसे'नहेत्। विषान्यायार्थेष्ययाययायकन्यम् नेत्रि विषाम्यस्य प्रदेश्वेम् नेवे द्वाया पराम्य विष्ठा में स्टारेग हिंगा श्रया र श्रुवाया निर्मा न्मा अळ्व'गवि'व'र्सेग'ह्रग'न्गग'र'गविश्र'शु'र्धेन्'रवे'ह्येम् न्म र्रे भेरिने व रेषार्रे व रे। अर्देव शुंश हैं मा ज्या रु न वर पा शे प्यत नरःवया नरेःनःष्ठस्राशुर्धिरःनदेःसरःसेगाःसर्देवःशुस्राधीरःश्चिरः हैंगायाधीवायवे धेरावे वा भेष्य निष्ठी यहे से ग्रामाय निष्ठी मित्र भ्रेम्बर्गानम् होत्रम् स्वेत्रम् स्वेत्रम् स्वापित्रम् विष्टित्रम् स्वापित्रम् |नर्हेन्द्रहेशवर्षेयाउद्याधिद्या वेशवर्षुद्राचायमा नदेग्वासूद धुयः रु: ब्रेन् पिते हिंगा पासे नाये से माने। मने मान स्वाम रुसा ग्री स्नून ठेगागितेशास्त्राक्षे र्वेतास्त्री प्रिंगिया स्वाप्ति । शुअ ग्री दि में भित्र है। स्ट मी श्रिट ग्रुस ग्रुस परे ने श पा गरिश श्रूर वयर। कैंशने या नर ने पा अर्देव शुराधीव व केंशने श्रिट नवे ने श

यः धेवः न्वीं श्रः यः स्वे दर्ने न्वाः वे श्रः व्याः व्याः विवाः विवाः

निष्ठभासा सळ्त् निष्ठा स्वाप्त स्वापत स्वाप

द्वभावतः स्थावत् विकास्य स्थावत् स्यावत् स्थावत् स्थावत् स्थावत् स्थावत् स्थावत् स्थावत् स्था

स्रक्ष्म् वाक्ष्म् विद्या क्ष्म्य क्ष

मिल्वर्त्या क्षेत्रा स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स

अन्यादिरायवाद्धरावाद्धरयाद्धरावाद्धर

माधिवार्ते। विशानिमा में वार्तिवारी में में में माधारी वार्षी में निवासूमा थी। श्रूराया हेरात्या देयाया देयाया होता तरार्थे से त्वरादे गानुगया वहें तर श्रेमा मी स्था ने शामार्डे वित्रामित्र मित्र म माश्री प्रवादित है। स्राप्ति के कि स्थाने स्थान के स्था के स्थान क नियायदेवाधीयदेवायादेनायायदाधीयवन्यदेशहेम् न्रार्थिन् वया हैंगायप्रदावयाविरशेश्वरातुराधेर्यायाराविया हैंगावयातीः नेश्रामाधीत्वात्रास्टाधायायादेशाद्वीत्रामवे धुराने। स्टावबोयायश्रा सर्दिन शुस्र वे गार गोर गुर रेस मर हो र म सेव हैं। दें व हे वे व नेर-सूर-नमःस्। वेयाग्रुरयायदे भ्रम् गहियायायर से त्वर्पायर वया ग्राच्यारायहें तरक्षेत्राची स्यानेरा ग्रीरा ग्राच्यारा सहरा से स्रा मदे देश नेश शे पदेव या देवे पर्विम शेशश गुर वीश देश नेश वर्तेन्यदे वित्यम् से वर्षित्य वर्षित्य वर्षे विषय वर्षे विषय वर्षे विषय यदे.हीर.रदा इ.ही.यहेश.या.व.इर.व.श.देश.श्रे.वीर.यदे.श्रेशश शेसशः तुर सेर पर वया नवे क्रिन पेर पवे हिरा रह नी सुनाश दी। 

महिरायान्त्रे न विन्ते। सेस्रा शे प्रति न विन्ता । सेस्रा हुन मी व्यूट्रेस्ट्रेस्ट्रिट्रा ट्वेस्स्ट्रेस्याच्यूट्रेस्याच्यूट्रेस्याच्यूट्र ल्रिन्यदे भ्रिम् गहिराम ल्रिम्पे प्रमान्त्री ग्राम्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य नडु मडिम इ हैं न हुम । हे हैं न है जी मनन प्रशुर नने इसस सु पें न मित्रे भ्रिम्। गुन्दर्भे व्यः पेन्द्रों क्रिम्मा वर्षे क्षेत्र भ्रेस्य मेग्सा लिन्या होन्या थ्रा लिक्य मित्र होना खुका हे आ ख्रा लिन्दी वर्त्र मा के आ मा इवामा हिरारे वहें वा नेशास्या इस्राया धेवा मदे हिमा द्यो प्रायह महिमार्थेन्ने। न्न्या में क्रं नेशया विवार्थेन्या सकम्यया वे नित्रः र्श्रूस्या इसाम्रास्ये वर्षे ना इस्या भीता परि द्वीमा इर्हेन दुना

मानित्र पर्मेत्र मित्र मित्र

माशुस्रामासकुरसायुन्यान्ध्रन्यार्धिनाने। मानुमासायहेनासेमानी। इस्र नेशन्दर्देवे वर्षिर दुव्य वर्षे देश के स्वाप्त स्वाप्त य्यस्त्राधित्राधित्राही ने निष्ठिया ग्री निष्ठिया में निष्ठिया में हेत्यकुरमा न्रीम्याधायार्नेत्याठिमायस्य न्रीम्यायास्य कुरमा ने गिरेशाया इसामा निरानदे के सामित्रे मा निरामित्र स्थाना सक्दिया ने मिरेशा गुन मदे नुष में व निष्य क्षा निष्य है या ह सक्द्रभामभाइभासक्द्रभामदे धुरा मिन्दारी मानदानने दे सूर धिव गुर इस मासे सक्दिया है। क्षेत्र प्रेंत क्षेत्र महत ग्रीय। येसया ८८.श्रेत्रश्राक्षश्चिरःचावर्दे।र्याःयोष्ट्रश्चार्यात्रश्चाराःचित्रश्चार्यः

इसासक्द्रामाने न्या सक्द्रमानमान्य वित्राची इसाममाने सा यन्त्रित्योत्र्वयानर्वयम्यवेत्रित्र्वेत्र्यायास्य वेश गशुरश्र रादे भ्रेम वे व या हुन है। गशुगशादि व श्रेग गी स्था धर-लेश-ध-दे-पाञ्चपाश-ग्री-इस-ध-लर-लेट-पाञ्चपाश-दसेपाश-ध-रस ग्रीभारतातृ भ्रीप्रवे रेगामास्य गात्रमा केंद्रातार्से गामादे भूदासे तात्रा यान्वित्यामिते भ्रीताने । नत्या अवदायया ने याने वार्येत स्थानिता नेया । दे. भी हिद्र सर से समाय सम्बद्धा विमादमा देवा उयायर्वेट्यादे इयायर नेयायर्व देवे हिन्यर यहेव या वे येयया यश गुरानर्थे वेश परा वर्षेयान निरायश उधावेश गुर्नेश वे हो ज्ञा सेव नवे हो र रें के उस न्ये मार्थ हो न पर सर सर से मार्थ र्शे विश्वानु नवे प्राक्षेत्र में विश्वान्य स्वानि स्वित्र

नविन्यः ह्र्यः नविन्यः विन्यः विन्यः

८८. देवु त्रित्र्य्या वर्ष्या के व्यापादिया कर क्षे वर्ष्या यादिया ने ज्याह्राह्राहरा धेत्राप्ते भेता भेता हिंगा मिहेशारेमा करासर्विता सेता हेशामासुत्रा परिसे मितारी सा विया है। हैं या या रेया या सब्दाया विश्वा किया करा थे। ही प्राप्त प्रेया करा थे। ही प्राप्त प्रेया या स्थापता है। रेग्राराशे अधुव रु सारेगा कर हो ना वा ना ना ना सारे हो हो ने रा वेर न से प्रवर्ते। हैं मा परिमाय मिर्गा निर्मा निर्मा में में प्राप्त में में मिर्गा मिर्गा में मिर्गा मिर्गा में मिर्गा मिर्गा में मिर्गा में मिर्गा में मिर्गा में मिर्गा में मिर्गा में मिर्गा मिर्गा में मिर्गा मिर्गा में मिर्गा मिर वन् । ज्यावर् भे वर्षे क्षे वर्षे र्रें नेर नय। इस रेस यस। इस पर हैंग प उत्ते पेर भी इस पर नेयामा है। वेया हैं वा माधीवावाधीन नेया धिवामया हिनाम ना शुर्या मवे भ्रेम भ्रेम् मान्या वर्षा वर्षा वर्षा मान्य ग्राबुग्रारादहेव'रादे स्रुयापदे हेंगा'रा ह्या घ'र्'राग्रेश हेगा'ळर' गुव वर्ते थू में ग वहें व हें न म थिव पर सर सर से सम स्र में र न हें र परे गर्वेन होन से वह्या में लेखा ने वे ने ने निक्ष ए जार हे साम जीव है। निक्र व सेमा मी इस पर लेस परि वर्षिर पुर प्रदेश मुद्द वर्षे भूव वर्षे भू सेमा लेस प्राचित्रक्षेत्रः स्वाचित्रक्षेत्रः स्वाचित्रः स्वाचित

ब्रेश्म श्रुद्धित्व स्ट्रिंग श्रुद्धित स्ट्रिंग स्ट्रिंग

म्लायम्र सम्बन्ध्यानन्त्रा

रे क्ष्र र्र्याया अर्देन इया वर्षे राह्य वर्षे वर्षे

वर्तेश्वासाधीर्त्वास्त्रासर्विता हिंगामवरास्टासेगानेतात्रिता यासाधितादे हिंगा धेरा वेसाद्या स्टायमेयायसा दे नवेतर् इस्या वर्त्तेर इसमा ग्री सुरमा निया वर्त्ते मारा थी दिव उसा सर्वे । इता वर्त्ते र पा इसमा ग्रीमा ग्राटा खुटा वसा इसा सर हिंगा पा न्टा सरहे सा परे र्देव राम्या मित्र वित्र स्थान स्था में विवा पाय हे वर्दे द कवा या या र्शेग्राश्चार्यः स्टार्न्याः यास्त्रः शुक्षः धीतः त्रे मा प्रियः ने शायदः यास्त्रः शुस्रान् प्रयून में ले ना ने ने ने निने ने ने मिना मयर मर मेग हैन न वर्नेत्। निवायायाधिवाने हिंगाधिमा ने ख्यायाया वे वर्नेता कवायाया र्शेग्रास्य हेन् निवेद न् सर्दि शुस्रास धिद षट स्ट रेग् म धिद सदि धेरा भ्रुविः सेर-र्रे। रे-क्षर-रे-रमान्वे सर्वे स्थाने विकामस्य । देवे-दर्गेद्रश्रायायमेयाया इयावर्गेर-वेश्वायावेश्वायावश्रा दे धेरारे त्या गुवा अर्देव शुर्मा वेशा मदे नरा गशुर्मा है। सुरा ह्या वर्त्ते र प्रदेश स्वर्ष स्वर्थ । यहाँ स्वर्थ । यहार प्रदेश स्वर्थ । यहार प्रदेश स्वर्थ । यहार प्रदेश स्वर्थ । बिटार्नेदार्डमासर्वेदानाधिदाद्या देखे सूरान्नित्रेमात्राचार्या स्वामा मश्रायकन्यम् होन्ने विश्वाम्यम् स्वीत् विमा प्रकन् स्वायम् स्वीत् ने। मद्रार्भाद्रार्भागित्रेशाग्रीशासळवागिवे द्रारासळवाते द्रार्भा स्री वर्षा

सर्र-नम्भना भ्रमासम्बर्धा स्थानसम्बर्धा स्थानसम्बर्धाः । प्राप्ति स्थानसम्बर्धाः । प्राप्ति स्थानसम्बर्धाः । गुनः है। इयः वर्धेरः वेशः संस्टर्यन्ति । देः द्वाः वीः देः वर्ह्वेशः गुरः धेवा वेश वर्षुर न श्रमा ननेव नवेदे नवस्य स्वाम्य सर्वेद सुम र हैंग्रश्यदेखे नेशकेंश उदा ह्या दर्दि समेंदि शुराधेद है। रद मी शुक्र र्केट साथ प्रवेश निष्ण क्रिक् न नुष्ण सुक्र प्रवेश के प्रवासित स्वीत हिटाटे वहें व त्या श्री अ विटा हेर येव श्री सुट में शे ह्या म हिंगा अ मदे हिंगा ज्ञयाया विषय नदे ने या मध्य मदे हिंदा वे या दर्गे दा मदे मेरा इस्रान्निर्द्वति भूराम्बर्धर्यायाय्य भेर्षे सक्त हिम्सायाये सरसायम्यायाः ग्रीः स्ट्रांसाधितः सर्ग्यायः स्विः ग्राटः देः हिवासः सवैः इस्रासिव निरम्भायम् निरम्भायम् । स्राप्ति ।

नश्चन्यमा । सन्त्यमान्यामानिवान्यः । प्यान्यमानिवान्यः । नर वशुरा वेश गशुरश है। यर द्या रास धिव रादे देव न क्षेत्रस यायमानक्षेमानुवेर्देन्याममयाश्वरावनुदानवे भ्रम द्येरान्यदेन क्रवाशायाः श्रेवाशार्वो स्रशायायशास्त्रवाशास्त्रवाशासे नामित्रा निवादाः ग्रम्भाष्य प्रमास्त्र विक्रिष्ट्र विक्रम्भाष्ट्र विक्रम्मम्भाष्ट्र विक्रम्भाष्ट्र है। इस्रायम् हिंगान्म हेसायहोत्य है। दिन ग्रास्य सूम न उत्रास्थित। बेशायगुरानायमा हिंगामाधिनानाराध्यामायायायाया नर्से सूर्वित्र प्रिन्सि हिन् वित्र में से त्वर्ते हैं। से त्यस है। इस त्यस है। इस त्यस है। राने हेंगाय भेतर गुर रहा खुया ग्राया राष्ट्र राय हे से हिर ले ता या गुनः है। ही त्ययान प्यम् इन माने। नि त्य दे में नि व्यव से नि मम् बेशायवुरानायशामुनामवे भ्रम् अरामि वरमे अराम्मामा अराभेन मदेर्नेवर्गेस्रम्यायम् विस्तर्ग्यम् विदेर्नेवर्याम्ययः सूर्धेरित्रूरान्यः वया ने से प्रतृद्धान्य अदस्य मुर्सा प्रस्ति प्रति में स्ति सामुन है। वी पार्ड ए वर्ष प्रमासाया के पार्था । यह द्या के वर्ष प्रमास विकास पर थी। क्रिन्या ग्रीया क्रुवा पार्टिया क्षेत्र प्राचित्र वा विकास विकास क्षेत्र वा उत्तर सर्वेदा वेशाववुदानायमा भ्रामाउदानवे नेदादे तद्देव प्रदा वदायर

ग्री में दिर दे विषय । या विषय ग्री स्था ग्री दे दे विषय ग्री विषय । विषय विषय नर नर्डे अ थून पर्या श्री अ माश्री र अ परे श्री र । रे अ न श्रूर न अ र यदेर्नेव गुन है। दे हिर अट द्वा अट द्वा क्षेत्र । गट द्वा क्षेत्र ह र्बे प्रच्या वियाप्य द्वाराय देश से या वियाप्य स्थापित र्थिन ने। ने त्यः सूर न निन्दिर्भ में निविष्ठा निर्सु न सेन उत्तरमान धीतः माधिता वेशावतुरामायशा इतावर्त्ते रासर्त्तासुसासुन्ता हेरायेता ग्रीस्र र्रो से ह्या राया से सुरवदे लेगा राधित सदे हिराता दे या सा विष्यानम् गुनामवे भ्रम् निम्य स्थम् स्थितः विष्यानिष्यः विषयः विषय नावराखनारास्त्रिं सुरान्द्रिंगरायदे भे निराह्नि सारी सुन् नन्द्रभानविवार्वे। विश्वायर्वेद्रभाने प्रथानि वासे हिंगा पासरिवा शुस्र-तुः वया कवार्यः श्रीवार्यः श्रीतः होतः हो नः सेवा ने सित्र शुस्रावारः विग कग्राश्रर्भग्राश्रहिंगाराधिवरमवे भ्रीमा वर्देन वा अर्देवरश्रु अधिवर वःह्रियाः ज्ञायः धिवः प्रश्राध्याः प्रयाः प्रश्रुतः देश क्रिवः भेषः ग्राट्याट्य शुर्नेत्य देव। । देवे देख हैं ग्राय धेव। । यह भी दें से शुर र्देव-भ्रमा । ने-भ्रम-ने-त्य-गुन-सर्देव-सुमा वेग-वर्ग्य-न्यमा ध्रयः नेवे श्वर्भे नेव श्वर खुवा नु होन मदे वेव नेवा वार धेव खुवा ने वा है वा म धिव विदा धुया देवे श्वर् देव श्वर खुया दु शे हो दायर खुया दे हि द श्वर युयानु होन् मदे सादिष्या नदे ने सामाना धेन युवाने या सर्मन सुसा धिव मर वहिंग मदे धेरा स्थाप ठेग नेसम धिव व रर वी दिर्श थ रदःरेगाः अर्देवः शुअः धेवः प्रशाद्यवः वेरः वः शेः व्यवदः दे। शुःवदेवः हेगः माक्षुनु स्टावी दें में या स्टारेवा अर्देव शुआ क्षेत्र मिते श्रिस्ते। दे स्टा मी पहें व क्याया यहिंव शुया सेव। मातुर क्याया प्यार सहिंव शुया सा धिव परि धिमा पर में पेम प्रथा ने म मर मी परिवास मा मा मा ग्राट विग दे या अर्दिन शुराधीन न दे या कर साथीन दर्गे शासिर धेरा मु अप्तरम् मुरम् पर में अम्म पर में अम्म पर मान्य मान् क्रन्था रदःरेगायत्रभात्। वेशक्रन्यत्रभाधेवारे वेषाप्राप्येवा न्त्रीयास्य त्युरायदे क्रिवाधेन न्त्री इन्ह्यायायाहेयास नेरावया ने ने या अर्देन शुआर्केन आश्रीन भागान विगा अर्देन शुआया र्केन अश्राह्मन मवे भ्रिम् वरी प्रमा नदार्से ने मान्या ने ने त्या सर्वे सुमा भ्री स्व याधीत्वात्रिमायाने वायदिताया से समुत्राया मे रेयाधीन यस माया निया

इस्या पड़िया प्रेम प्रे

सर्व-श्रुस-द्यूर-तार्चन्यायानिक-श्रु-द्ये-स्रे-सर्वित-वर-स्रुव-ध्र

वह्यामिते भ्रीत्र स्वास्त्र सुरा सुरा स्वास्त्र विकाय सुरा। देवे द्वीरका रायमेयानाया अर्देन शुराक्षर श्रूर इसारा निवा हिंगा रादे नेशारा इस्राम्शुस्रान्दा । नहेत्रनसूर्यायसानुद्रान्यस्त । हिनायसेर्या गठिगा धेव दें। वेश या वशा ने हिर ने हैं गा से न व पर। । करास हैन्दे नगमारा है। निह्य नदे हैन्दे ने ने निवास । वर्षे न हुन श्रूरःगहेशःशुःनन्त्र हेशःमदेःनरःगश्रुरमा सर्रेःनश्रूदःनर्हेशःशुः र्देव न न न न सर्देव श्रुय सूर सूर न न जि जि न हे न उव छी ह्रियाया देव यावव यः श्रें वर्देयायाय हे याया श्रें या तु शुराय दे देव क्रम्भःशुः धेर्पर्भवे छेरः पर्भ हैं गामः पर्मे हैं गामः पर्मे शुरामवे सर्वे सर्वे शुअाक्षराञ्चरार्देवाचिवाचिरा। हैवाओरार्वेवान्वेशार्दराहेवाओरार् गुर्रायदे अर्देव शुर्वा क्षेत्र श्रूर देव माठे गायदे श्रीता पर्दे हो मा मः अर्देवः शुर्वाः श्रूरः श्रूरः दुवाः वाशुरुशः मदरः दिरः दिरः वन्दः मदेवः अर्देवः शुस्राक्षराश्वरामशुस्रामी वरातु वर्त्ता वर्षेत्र। वर्ति सम्बाधिता श्रूर रा रीय पर रा विशाहिया से दा से दा से साम रा से दा से दा से पा से रा से दा से द नगर नदे कु अळव के धेव वे व नवर र धेर दे। वरे वे नवे म

## ळ्ट्रसदे त्र्रम् तु य र्षे मार्हे मा से य रहेया नसूद या

त्र्वा वेश्वर्यवश्यक्तास्त्राह्म कुलान्य्वास्त्राह्म श्रे श्रिक्ष विद्या विद्या स्त्राह्म कुलान्य्वास्त्राह्म कुलान्यं विद्या स्त्राह्म कुलान्यं विद्या स्त्राह्म कुलान्यं विद्या स्त्राह्म स्त्राह

न्नर्सिं मिं व रहें न्या देव हैं न्या रायन्य या वे या न्या निर्मा पर्मित या मा नद्रास्त्रास्त्र अर्घद्र निवे हिंगा से द्रा भी भी साम किंदा सा दिव हिंगा सा रायत्रमात्रा वेमान्दा म्हारमाउदादी इतायार्सम्मारादे न्वदासेदे वह्यामाळदाया देवाहेयायामाव्ययाता वेयाप्ता देयायामाउवा याते। श्रेष्ट्रेयायाष्ट्रप्ट्रियायहणायदेः र्ह्वेष्ट्रिया ष्ट्रप्ट्राय्ट्रेया ग्री:र्र्स् प्रव्ययात् । वेयादा ग्री व्यव देव प्रवास के नःकन्या निन्देगयायायत्रयात्रावेयान्य सन्धेर्त्रे त्रायाञ्चानादे हेव'नडर्भ'ग्री'न्नर'र्से'ग्राञ्चग्रभ'ठव'म'ळॅन'स्र। नेव'हेंग्रभ'म'य्रञ्ग नुःवेशायर्नेन्या इस्रशाधिव प्रये द्विम् ने सेया द्वया धेन्ते।

## मुंद्रिन्त्राम्याञ्चर्यायदे स्वर्त्ताया स्वर्ताया स्वर्ताया

विश्वान्य स्वत्याय व्याप्त विश्व वि

मुना वन्नमानु हेन् नु र्षेन् क्ष्मा यह या वह या मुन्यमान होन र्ज्यायमायम्भावन्यमानुर्देवामान्वर्र्युरामाने सेर्ये । यन्यान्य शुरापदे ने यापारे । धुवाशी ह्यापा उदार भी यापार प्राचा वर्षा यर हैंग्रश्य रापे हे नर ब्लाम्स क्या करा करिया है प्राप्त के स्था है । यह ग्राप्त के स्था है । यह ग्राप्त कर किया है । यह ग्राप्त के स्था के स बेर्'यवर'स्थितंत्री र्येर'व्यक्ष्यातुः कुःर्रः हेर्यासुर्यस्य श्चेरायाया सुदे मात्रुमारा यहें वालेरा नहें दाने ग्रामारा से दारा से द माने मिले व र प्याने साथ र भी व का प्रमुद्दा वेदा ने दे र मिर्मा सा वर्षेयानाया ग्रानाश्चनायमालेयामान्या श्चेरिन्यायामाने वह्याश्चिमा र्भ विश्वास्त्रे न्या शुर्श्वास्त्रे धिया है। यह मा हेव कु मा शुम्रा यह व विश्वास्त्री विश्वास्य विश्वास्त्रीय अर्दे देव के मार्देव की भेर वश्वास्त्र देव ध्रेर्'अर्घर'दर'वेश'र्रेग्यार्'ग्रेर्थ'यर्'द्रिर्'द्र्यार्थ'प्रदे र्र्स्ये द्र्यात्र मवे भ्रिम् न्रामें र्वे में अर्द्र नम्रम् मुम्य म्रम्य न्रम् म्रम्य म्रम धैर।

## सर्देर नश्रुव हे न न न न

न्तः सं र्षिन् ने श्वी के नित्ता के ना नित्र नित्र स्थित । श्वी के नित्त स्थित स्थित । श्वी के नित्त स्थित स्थित स्थित स्थित । श्वी के नित्त स्थित स्

गहेशनार्धिन्ने। ध्रिग्राश्चार्याञ्चानार्धित्राम्बन्ना ध्रिग्राश्चा याङ्कानारीरियान इटानामिक्रेया सुर्धिन्य मिन्य दिर्धित न्दारीर्धिन्ते। सूर नन्द्रमाष्ट्रमाष्ट्रमाष्ट्रमाष्ट्रमान्यान्व प्रमान्त्रमान्य विष्ट्रमान्य विष्ट्रमान्य विष्ट्रमान्य विष्ट्रमान्य है। गुर्वा ग्री अर्द्धर शा मु : धेरा भेरा भेरा में अरा में न्दः म्राह्मः उत् भी स्वामः दर्गेषा ने भी स्थानि । स्वीमः सर्वे दः न्दः न्द्राह्मः । । वेशःश्रेमशः १८१ वर्षेशः वेः भ्रमाः सः १०८ मः धेव। वेशः सशः १ ही १ मःमदेःस्यायः दर्गेषा देः दर्देयः येदः दः हिदः यरः ही। वेयः र्येषायः हैयः विशःश्रेषाशःग्रेशःग्रेः त्रवाः मदेः स्वाशः दर्वीवाः मःश्रेषाशः धेवः मदेः श्रेम्। गहेशमार्स्यम् । वार्षेत्रमार्स्य वार्षेत्रमार्थे वार्षेत्रमार् गहेशागायवर्षिताप्टरसेवे स्वारासीया स्वारासीया विवारा বাৰ্থ্যন্তা বাৰ্বাশ্যন্তি:ইম্মান্প্ৰন্থ্যবাৰ্ত্যাশ্যন্ত্ৰবাশ্যন্ত্ৰ नवे ने शर्य कर् सा वा बुवा शर्रे से शर् हैं वा शर्य वे कर् सा वर्ष शर्म स् त्रुअ'सदे'र्ळ'न्'द्रञ्च अ'ग्री'क्र्य'ग्विग'ने'द्रञ्च अ'हेंग'न्द्र'रेदे'न सूत्र'त्रदे गर्डे र्चर गुर पदे र्ट्ट त्र्र राष्ट्र स्य ग्री ह्या ग्राविया याद विया र्ट्ट त्र्र राष्ट्र राष इस्राम्वमाने हेन सर्ने सेस्रामहिस्राम्य ग्राम्य से दारि से स्र

ह्रम्यायाम्बेर्याम् मुनः स्रो इसान्त्रन्यया यदादे हेर्यास्रे स्रोत् र्ति विदे स्याम् शुप्त हेना श्रुवित । यत्ति हेन इस देना स्रिवित येग्रअः सरः नग्या रेग्रअः सः श्चः नवेः न्वें रसः सः नें र र हिन् से ने र राम्ययान्यस्य मुनाया वेयार्था वेयार्दा व्ययार्हेगार्द्रार्धराष्ट्री र्देव'मावय' ग्रुर' ग्रेर' संश्वर्ष' स्रे' मार्चि' वदे' खुमार्थ' से 'वे' वा मानुमार्थ' धुःर्रवःशुःर्द्वःधेवःसरः।पश्यःयेवःसःसर्दःश्वेःसवेःस्याश्राधवःधदः। ग्राबुग्रथार्यं यावया ग्रम् ग्रुर्या यादे प्रमार समित स्वी स्वी स्वार्था स्वी स्वार मालमा मुःर्समा मीर्था र्रेश्वरा से से देशे देशे देशे देश देश हैं मा ८८.सूष्ट्र, म्यायावया. अर्ट्र, श्रेयश.याष्ट्रेश.याश. श्रुव. श्रूट. र्ट्र, विश्व. श्रूटश. यर ग्रु न भी वेश ग्रु र श र वे श वे य विन से विन से धुःर्रवःशुःर्देवःरेषाः छेरः न्ध्रन्वः ररःरेषाः वत्रशः तुरः ग्रुशः पवेः ळन् वर्यश्राभी द्रमानावया वर्या दर्या मुर्था स्वरं द्रमा यावया प्रियं स्वरं ने हिन्। वि छे व अर्ने श्रे रा वि वि दे श्रवाय नि । व छेवा इस रेवा रा वि 

हैंग'न्र्रेदे'नक्ष्र्राचुदे'ग्रेंरेंन्र्यूर्पदेखंन्'द्र्य्थ'ग्रेःह्र्य'ग्रिव्य धेव व अर्दे से सम् श्रुव सेंद निर्दे कर व निर्देश में मुन्य मिन्य धेव निर्देश वियासदे श्रुवा हो दार विया से दार हिना स्पर हिना महिना हो सामित्र स्वर्था हैंग'न्द्रभेंद्र'व्द्र'चुर्द्र'न्द्रेंश'शु'नश्रुव'मदे'गाञ्चग्र अ'गविय' गुर गुरु परि द्वर अर्दि ग्री कर प्रमुरु ग्री इस ग्रम् या विया अर्दे से सरा मिहेरागारापरायेव पर नमून परे मेरा ने कृता धेव न परे क्रारा ग्री-भूत्रशास्त्रास्त्रे से प्रति मुद्रासे त्या धिदा प्रति गुत्रा सम्यापादा धिदा प्रशासेन मेग्रा सेस्र रस्य प्रति मुन स्रिन स्र मिन स्र ग्राटाधेत्राप्रशायेत्राये देवायायाये । त्रवटाय्य ग्राब्टाये देवायाया यर्रे सेयमः व्रवः व्यान्य प्रति प्रति प्रति स्रवे स्री प्राव्य प्रति स्रवि । गिरेशायरावन्याः हिंगान्दार्येरानसूत्रायदे स्रोत्से प्रेराये कंदावन्या से वर्गेग्। पर्मा वर्ग्या द्रिया द्रिया द्रिया विदः इस्र अस्र सेस्र अस्य द्रिया रदःग्विदःश्वेदःम्वेद्र। ह्यायः।प्या ग्विदःश्वदःस्टःग्वदःसवेः न्नर सेंदे अर्देव शुअ क्रेंव मदे मातृर इस्र र भी र भी रे परेंव में व र मुक् मदे गात्रुग्रायदे त'मदे प्रमाद स्वर्थित मह्न गुरे गार्डे में र गुरा त्रा साम्भ्रम् सम्बा वर्षा हिंगान्दारीये भ्रम्य वर्षेन् हैं रेषा हिन

र्'गुर'मदे'ग्राञ्चम्राम्वयाग्रर'गुर्यामदे'र्यरास्रेद्र'ग्री:हर्'द्रय्य ग्री इस मान्या नसूत ग्रिये मार्थि में मान्य से म वर्ने इस्र राष्ट्र वर्षेत्र स्रेत्र मित्र मित्र वर्षेत्र प्रवेश स्त्र स्त्र स्त्र स्वारा नेर नया गल्र परी इससा सेससा उसा मिर गल्र थित मिर हिरा रटास्यायायायवराम्बदामियायायाययायर् से पायत्ययार्हिमान्दर्धिः मुयायाम्नी यास्त्राचार्यम् । दे त्यम्यास्त्राचारेयायाम्या याङ्कानार्याधिनामिन द्विमाने। देवारीमानामाधिन विकासरे हे माना दे नःसहर्भायाधेत्रमदेः धेराते। सूर् इसायर नेसाय हेराध्यार् सूर नः भ्रे नात्राम् बुदानाद्दायद्वितायात्राद्दायाद्दाय्य स्वाप्तरादेशाया श्रेतः मी में देया में दिवार्षित्या या या यो वाया दे त्यू राव दिवा है गाया या वे दि दिवा ग्रु-वायम्यायः विमा ग्राम् पिन् मा साधिवान्। माम स्वन् सावे प्रवास ग्रु हिन मश्रासर्रिश्चे मायार्द्व स्वापाराधिव वेश दे ना सहर माधिव दे। वेश নাধ্যদমান্যর খ্রিমা

मश्रम्भ मार्चे मार्था स्थाय हो। स्य

मालयाचा नेवे इसामान्यम् वसाने त्यामासम् नुसे सुमित्रे ने सामार्कनः या ने निर्देश शुः हैं ग्रायायि कं नायाय या त्र स्त्र या त्र क्रामान्याने ने प्रेम ने स्वास के ने स्वास के ने स्वास के धेव भवे रहे । दे र्श्वेच प्राचिव वा अधिव भवे रेशे में हे । दे र्श्वेच प्रेच येग्रअः स्वाद्येदः ग्रीयः वियायेवः यदेः श्रीयः है। देशः श्रीः देवः ग्रावयः श्रः न्म्याश्रम्निः श्री स्वापित्रे विशामार्क्षम् अवे अक्षत्रि हिन् न्या विश्व मालया ह्या देवे इसामा लम् द्रामा निया मार्थम हु से सु मार्थ के मार्थ कर या ने निर्देश शुः हैं ग्रायाये किन या यहाया सुर हुया यदि किन यहाया ग्री इस गावगा ने ने प्येत है। भूमा ने भूम ने भूम श्री में या ग्री में ता मारा ब्रुट्याव्याने हिंग्यायाया वे प्यायायायी प्राया देव प्राया वे किंदा या धिवाया धुःरिया ग्रीःरिवावे गावया ग्राधिवार्वे विशानवारी विशानमा । तहराध्रवायमा रेप्ट्रम्धिःर्ययाष्ठीःर्रवार् क्षायायाः विमाया र्नेव निर्देश वर्ष निर्देश के निर यर ग्विमा रा है । यह अ । सुद्री वे अ । क्ष्र अ । प्र । यह अ । सुद्रे । हु अ । क्ष्र । यह । यह अ । सुद्रे । हु अ ग्वग्रास्यस्त्रम् वेग्राह्म हुत्यः भ्रम् देश्यः भ्रम् भ्रम्

र्धिन्यम् भ्रुप्तिः श्रुवाराया नहेत् हे निश्न त्रा वेरान्त । कुत्यश नेवे भ्रिम्स्यायम् नेयाया दे क्ष्म्याधिवाया देव मेगाया दे त्वर्या स् नर्जुमानवे कर्त्वमान्दर्भे सर्वे स्रुत्से स्रुत्से द्युत्से द्या धीता पीता या वेशन्ता रेगश्रिम्राश्चिम्राश्चिम्राराणमा वरेरवे अर्रेश्चे पान्म श्रेस्रशास्त्रमात्रेश्राम्भायविषाः सम्वानाः भित्राया देः परार्श्वेतः र्रा ग्विया ह्या स्टा खुया ही द्वारा अस्य निरा निर्देश देश हैं द्वारी या ग्वारा स र् अः क्षु निरं ने अः यः कर् । अं वः रें हिंग् अः यदे कर् । अः वज्ञ अः तुरः नवगारान्दा ग्राइटाइयागवयात्रा यहेवः इया ळेट्यार्ट्रिगः वन्रमानुरानुमानवे स्यामान्या दे महिषामा साम्राम्य सुदार्से दार् दिन्दा धिवाय। र्वेवार्रे ही रेवा ही रेवा तु रेवा द्वारा वर्षेता वर्षेता वर्षेता हिना पर पर पर नेश्रामास्मानी नम्या हिन्द्रायर्देन या श्रेस्य रहेश स्वता हिन्द्र प्रमाने। हि यायदी या नहेत्र त्या क्षंत्र यहाया गहिया पार्ट पार्य या पिता । वुर नर ने या पर वुर्व वेया गुर्य या स्यया यया गुरा परे विरा र्ति तः रे। हिंद् श्रेश माबुद निवे क्वंद विश्व श्रेश स्था मालगा दे दिन र सर्दिन श्री: रूप् प्रम्या श्री: इसा मानमा हु मया प्रमाये दे पे प्रमाया प्रमाये हैं । निवासक्तात्वस्य विद्यास्य विद्यास्य

ग्रियायक्ष्मार्म् वर्ष्य निष्ठ व्यास्त्र व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत व्

वे ने सुन भेरा वेश वर्ष राज्य मार्थ देव निर्मा शुर्मे गराये रहे । यदे कु वस्र उर्दे दर्दे वर्दे राष्ट्र में मार्थ प्रदे कर स्वी प्रदे पा हो दर्स धेव है। देव देश शुक्तिया अधि के दाये वह या हो देश के वा देव न्रिंगःशुःहिंग्राभारावे कंन्या शुक् सेंन्या धोव प्रमायहेंगा कुषा पा धोव न्में शास्त्रे धिर लेशासर प्रशुर निते धिर किंत् इसाम नित्रा शा नठन के व र से र न व द र द र न न न र से दे र से स्व र न व न र से र से र र र र र से र वर्शिया में लि'ता क्रें व से न ने व स्थान मुंद ले स न न व स्था स्थान स्य यादाधेतालेशासदेश्चेश्चाधेदारात्याद्येदिशात्रात्या देश्वरायाशुद्रशासा अ'गर्नेगश कॅर्'वर्शराग्री'इस'मावमा'वकर्'रासे'वर्गमारवे'हीरा

महिश्रासक्तिश्वति विद्यान्ति । इत्यान्ति । वित्र हिम्यान्ति । विद्यान्ति । विद्यान्ति । विद्यान्ति । विद्यानि । विद्यानि

र्शेर्व्ह्याः शेः तुर्शः विश्वाराः धेत्रः पविः धेर् वित्रे कुः न्वरः र्शेषः यर ग्रेन में ले वा भे प्रवन्ते। यन्या हेन प्रश्न स्थित कु न्या था। वा देश हो ५ शेव। १ रे शेर पर्ने प्यत्वा श्र ५५ गा। वार प्यश्र पर्ने पर्ने वे हैंग्रश्या वेश । ग्रेन्या थे ते यश नेश है। । ने थे क्षुन ग्रेन् उत्र नु गुना डेसप्रगुर्यायसा र्नेन प्रेमिस हैंगास ग्री कर् सदे निमा हितास धीव व ने दे दे दे हैं गा हो न साधीव न में साध दे ही स न न निव हो है साध सास न्यः विरः र्नेवः हें ग्रायायया ह्या ग्वव धोवः वः रेवः र्नेवः र्नेयः शुः हें ग्रायः धवः ळं ५ अदे पहें ग हो ५ अ थे द ५ में अ पदे हो र

## बुे.र्ट्रेय.प्रमास्यास्य क्र्यं.य्यं मान्यास्य विवास्य स्थान्य स्थान्य

मिल्रेश्वरात्ते वित्रात्ते स्थान्य स्

मार्थाक्षः मार्थायः मार्थाः मार्थाः मार्थाः मिर्यायः मिर् ळट्टायदे पहेंचा होट्टा थे स्ट्रायदे होटा कु यळव टेया व देव हो इय यः भरत्र अर्देवः या या सर ५ द्री क्षु निर्देश भे सार दिव ५ दि सा है या सार है सदे वहिंगा हो दा भेता है। दे हिंदा मानया हा है मार्या पा श्री । ह्यू या हो दा मालयः गुते र र निवेद हिन्। डेस प्रमुद मायस्। देते सुन गुर धितः यदे भ्रिम्प्रमा भ्रुम भ्रिम भ्रिम भ्रिम भ्रम मानि । में प्रमानम प्रमानि । में प्रमानम प्रमानि । में प्रमानम प्रमानि । में प्रमानम । स्वीत्र । स्वी गुन में। १ ने पर ने पी निमान में निम धेवा वेशःगशुरशःभःहेर् ग्रेश र्वे दर्देशः हैंगशः श्रुवः ग्रेर्णः हरः श्रमाविकायाध्याध्याध्याक्षयाक्ष्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्या सक्षत्रानेशात्राक्षन्। त्र्राशान्त्रा वावता सेना स्वापानि सेना विष्त रे। र्वेदर्भित्रम्यायान्यत्रार्वेदर्भित्याम्ययान्त्रीत्रुप्तिनेयाया ८८ कूर्या १६ मा ११ वया ने गहेशक्षा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा से स्व ळट्टायते भ्रेट्रा हे याहेश इशायाववाया धेवायते भ्रेट्रा के वा क्रेट्रिय बेर्ने रे ने भे न्या हेर् वहें वर्ष है। विवर्षे मुक्ष मण्ये न्या हेर्

ग्रेम। विद्रापमार्यामाना विष्यामानी। विद्राद्यापान्नात्रमान्ना । वेशमाशुरशःविदा र्वेवावी क्रेंबारेविः इसायावरावशः क्रेंबार्याया ग्रायर र से सु प्रदेश के या पर र र रे र र या शु है ग्राया पर स्वर स्वर या विश्वर क्रिंग उवा ग्रेन पावव ग्री नियम मुक्त पाळम है। सम्ब्राम स्था र्श्चिर्यये प्रहें व इस ग्री शर्श्चिर्यये भी में के सारवा मर हे न्या प्रवेश यशन्दर्भवर्गकर्भे। र्वेवर्गन्द्रभाग्रेर्ह्ग्यार्थते कद्रायाधित मवि भ्रिम् ने के साउवा मार्ड में मार्य मार्थ मह्म मार्थ मह्म मार्थ महा महा महा महिल्ला महिला महि ग्री:नेश्रामाधितामदे:म्रीमा विश्रामा इस्रश्रास्त्र प्रमानित्रमे। र्श्व रेवि इसाया वर वसार्श्व रेवा से वा वा सर दु से सु प्रदेश वि साया दे र्श्विर्धे प्रदेश शुर्हेग्राश प्रवेरळ प्रस्य प्रदेश विष्य प्रवेर कुर सक्त से प्रस् वया ने क्रिंत में हिंग्या मंदे होन मार्चे साम्या धेत मंदे हो साम्या है। नन्गानेन्छिन् से से स्वाय प्या । ने पी नन्न मी स ने स नव्या हिस् | नियेर व व त्र श तु कु इस्र श थे। | निन्य हेन वर वर्ष हुर निये हुर [ चु:न:नन्गः हेन् सः धेन् थाना । विह्याः हेन् कुःग बुग्रायदेन वेशः नहें रेशत्र दूरायाया दे हें दारी दार प्रदान के हें दारी वा ना मर

न्त्री श्रुप्ति विश्व स्था धित्र स्थि श्रुप्ति । प्रिया श्रुप्ति । स्थि । स्थ । स्थि । स्थ । स्थि । स्थ । स्थ

गहेशमाने भ्रम्भान्य विषास्य ग्रम्भान्य स्थानित र्झे न्यातकन र्ख्या विनिन्ते अर्देन न्यूय मुयान निन्ति या शुर्वेन मित्रे भ्रम् न्यम् व्याप्ति ने भ्रम् मित्र व्याप्ति । वित्र यर क्रि.वे.ब्रें.टे.ट्या वि.य.य.वे.क्रेट्र.यदे.ब्रेट्रा विक्वया हेट्र.टे.ब्रे. वर्रेन दें। वेश गशुरश विरा र्वे दें। न्र सें र र्वे अर्थे र नि रेंग बेद्रशी नेशम केंश उद्या हिंद्र देव देश शु है ग्राय परे कंद्र सदे वर्हेगा हो न साधित है। नैव निर्देश शुः हैं ग्राया मित रहें न स्वी वर्हेगा हो न धिव'व'र्नेव'ग्री'क्य'य'न्य-नर्गेश हिन्य'र्नेव'ग्री'क्य'य'य'न्य-नवे धेरा वेशमान्दा नगरार्नेनायस्य केटायनेयानान्दा है। सँग्राया विट.क्ष्रात्रह्यानवे क्षें क्ष्राय्वर द्वा न्याया क्ष्रायर नविवःश्वरःनरःग्रःनःधेवःभवेःश्वरा विंवःरो देवःदर्भःशःहिषायः मदे कं न सदे पहें न हो न से न सम्मा ने दे पहें न हो न में न मान न येद्रायतः श्रीत्राविष्ठेत्राविष्ठेत्रायः विष्ठेत्रायः विष्ठेत्रयः विष्येत्रयः विष्ठेत्रयः विष्ठेत्रयः विष्ठेत्रयः विष्ठेत्रयः विष्ठेत्रयः विष्येत्रयः विष

यिष्ठेश्वराम् मुर्याप्त विदार्थे दित्र में गुवरम् भिर्म स्वर्धिय विने वर्षात्र प्रत्यार्थे निष्ठा विष्ठा विष् उत्रापार्दायायार्थे प्रदेव प्राप्ता अर्देव प्राप्ता से वार्षित से वार्ष्त से वार्षित से गिहेश'गिवे'ब्रुव'र्सेट'गे'कु'्थेव'रा'हेट्'ग्रेश'र्स्व'र्से'ट्र्टेश'शुंहिग्या न्नरःवीर्याक्षेत्राःवेर्यायाययःश्चःत्राय्याः इत्रान्नुत्रेत्रः स्त्राक्षेत्रः स्त्रा र्ने वे व से प्रवर्ते ने ने व न्यान्य मान्य के ना वित्र पर्ने वे या ग्र ने मार यथा वेश वर्ष्य राज्य । ने मार्ग न् मार्ग निमार से मार्ग निमार नेशायने क्रिंत र्येया यने सेर सेया वेश से सेर केंग्रास से नुस प्रेर धिराहे। अगान्तरायार्थे सेराग्री इसामा वान्ता सेता धिरान्ता वर्देशके भूगा साम्भूना भाग भी वेश ग्रास्त्र सामित हो न्या श्चाप्रते स्वत् अप्रते वा प्रते भेषा अप्रते अप्रवा अप्रति ।

मदे से मार्था पार प्राप्त निर्माणीय सदे हिस् से मार्थ पर उत्राप्त दे दि यन्यायान्यवेन्त्रम् नुस्तिन्त्रम् नेन्त्रम् नेन्त्रम् सेन्न्त्रम् सेन्न्ति। क्रि षरः इन्दर्भेन व्युक्ति । र्ह्वे मान्य न्या ग्राम्ने मने विवर्भे । व्यापान यम। र्ह्वे.य.लेय.वी. इसारासान्य न्यायी सारा ही यह वारी हैं। पर श्रुयानुवे श्रुपदिन ग्री र्र्जे पारे यात्र यात्र स्वाप्त प्रमान स्वाप्त प्रमान स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत नेशानुसामवे ह्यायहेव ग्री हैं निम्सूसानुवे ह्यायहेव ग्री हैं से सेन वर्हेगाः भे तु भागमः वया नवे श्वेमः नम्। कंनः वज्ञभः धुया ह्रभः वाननः धिव प्रवट से प्रवट प्रवे हिमा कि व मे। क्रिव से दिन में कि ने मा माबुद्दर्दिन मारे मारवि श्रेर्वे ने वि से विष्ट्र दे। देव मारे मार्थे व व मिहेशर्देव सेन्। निस्य निवेद एतुर ना सेन् प्रम् प्रमुक्ष वेद्य प्रतृर ना यशा ने भेव न नुसक्ष स्थापह्या नि केन नु के र नि मिहे र मेन सेन स न्या ने पारेश रेश उत्र नु शे सु र नम वया नवे हिम् मिं त्रे मे हिं ने गिर्देश हैगा कर र प्रवृत् में ले वा भे प्रवृत् है। में वे हेगा कर प्रवृत् वशुरःव। विश्ववाशुभवाशेदासेदासरावशुरा वेसावशुरावासमा दे धेव'व'रे'गिहेश'नक्केर'ग्रिक्षेत्र'ग्रिक्षेत्र'ग्रिक्ष'भेव'यर'श्रिष्ठा वि'व'

८८. ट्रेंब. ट्रेंब. श्रे. ट्रेंबाय. यह . क्र. या वेश क्र. व्यवसाय . क्र. व्यवसाय . वया ने गहेश हेगा कर यहुर नवे हिन । हिन या विश्व हो हो यह है। ने इसमान्याय नहेन नमाने। कि न्या नहुन गुन् मेन गिन्य डेसायवुरायायमा देगाहेसारे में याडेगाया देवापा मान्य प्रेता वर्षा क्रन्यव्यक्षःशुःचविषाःचवेः ध्रेन्न्नः। च्रेःव्यषाःचः न्याषाः चवेः न्यनः र् अहर वर्षा नन्ग हेर गुर श्रेर त्रोय द्रोय द पर । विष्ठ र प्याय विषा वे हें ग्रम्प्रत्युर्ग्य । दिस्राधर देवे वे से गाय सुर है। विशेषाय है। व्यासेन्धिरःम् वेयाग्रुप्यःविष्य म्वास्यःविष्यः मिन्स्यम् नुसारहेत्रसेगा ने सार्के साउदा हिंदा श्रीसानुसारिया नुवास है ग्रास यादी से हिंग्रासदे हिंद्रास्य से तबदास्य वया हिंद्र शे नद्या के वर्ष गुर्म्सि सेना न्यर ने नुसारिय गृत्या स्टी ग्रिस गा त्या वर्षे न त्रुते डिट वर्रेय पर प्रा दे यस देव हैं ग्रम प्रामित्र संस्था से उट्टर्निशालेशास्त्रायशुरानवे धेराद्या रटास्याशाशी द्वराद्य सहरावमा । ने मन्द्रा से दा ग्राम्य वा । मन्द्रा ने प्यति से स्वता स

हिन्। डेसप्यवृद्धारायस्य र्नेन शिक्षारायम्य वस्य रेने या ग्रास्तर श्रेश्वाप्तरे नेश्वाप्त देव प्रदेश शुक्तिया श्राप्त विष्ठ । यशक्षेत्रभेत्रमेत्रे महिषा । येद्रक्षेत्रभाविषाः येद्रभित्र । विष्यः द्रमुद्रः नःयथ। नन्गःमीः धेंद्रः नद्यः नुषः नुषः यथः नेदः नेर्देषः सेवायः ह्यः वर्हेगां भे त्रामंदे भ्रीमात्रे। महाध्यां भ्री ह्रमामा भ्रमां भ्रमाने मा मी थें व नव पर्ने हो न ने प्यम्यविषा है से न पर्ने प्रमा है से न पर्ने मः इस्रायामि तः मे। क्रमाय्याया विष्या स्यापिता प्रीया प्रीया विष्या हु वशुर विर ने क्षात्र इ हो र दूर के अ र हैं र रो। माय है इ हो र महिमाधित सम्। विमाय में लिन्हा लेख विद्या ही से विद्या ही से विदेश है। कैंगः शन्दर्भाष्याये वार्धिमा । दिस्या सुम् शन्दर्भेरायमा वर्षेत्र। [चु:न:चेन्:मदे:ब:क्रून:न्म |बस्रशःहन:ने:क्रून:क्र्यायर:माव्या |बः वेशायवृद्दायायश्च क्ष्यायविशास्यायविषायार्थेषायायात्रम् ठ्य हो ५ ग्री क मान्तर हैं मा प्रश्न हों प्रदेश मा अपन हमा प्रदेश हो मा

मुे द्राप्तमामा मार्था म्हरमा स्त्री स्था मार्था स्था स्था स्व

महिरापश्चि निर्मापर्यास्त्र स्वर्या स

क्ट्रत्र्याम्बेश्याययाय्य्यात्र्यात्र्

यत्रश्रात्रीत्र्यात्र्वात्रात्रात्रा यावयात्राः व्यत्रात्रात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

र्ट्यार्ट्रेन्यव्ययार्ट्रेमामहिकायान्त्रा

न्र्सान्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्त्र्यास्य स्वास्त्र्यास्य स्वास्त्र्यास्य स्वास्त्र्यास्य स्वास्त्र स्व

भे पर्देन परे देव हैं गरा पर होन दे। वेरा गर्दिया ने दे पर्वे दर्श रेग डेश'रा'त्रमा धे'रेंग'र्देत'र्द्ध्रम'साधित'र्दे। वेश'रावे'तर'ग्रीम' यर्रेर्देवर्रेग्रायर्थर्भेरव्यावस्त्रा नेस्रिन्गार्थयाय्याद्वरायाद्वर्यायाद्वर्याय डेशमान्या र्विनियाम्य विष्युरमाधिता वेशमाये पर्यास्य र्नेव के या रेन शी क्षे न्या पकर प्रवेशिया न्या में प्रवेश नि धेव'यर'वर्देद'वेश'य'धव'कद'ग्रीश'द्रश'वरव'र्देश'वहेव'ग्री'सर्दे' र्देव रेग्र राये क्रिंव्य प्रत्य विष्ण के में में प्रत्य के मा मारि सिन् वियामायवा ग्रीया सून ग्रीन मिया यहिवा ग्री सिन् निवासा मित्रे क्षे न्यायकन् मित्रे श्रीम् न्यार्थे प्रीम् न्याये श्रीम् विष्या श्रीम् श्रीम् विषया श्रीम् विष्या स्त्रीम् विष्या मंदे र द्वारा मान्य मार्थ प्राप्त माना मार्थ प्राप्त मार्थ प्रिय प्राप्त मार्थ मार्थ प्राप्त मार्थ मार्थ प्राप्त मार्थ मार्थ मार्थ प्राप्त मार्थ तुरः ग्रुवः या विश्वः शुः विदः यदेः श्रेर। दरः विषः या शुर्वः यशा दरः विः वज्ञश्रानु न्याया पार्थे पार्ने दिव सेया याद धेव से से से सेया । अर्देव शुअःगर्भवः भेतः भेरः दे। । दे वे गरः गेरः देवः देवाः भेव। वे शःद्युरः नायमा द्वीर्निन्दिमार्हिनामार्चीरळद्रामाय्यमानुष्पेन्दान्पेन् देश प्रवे के। यरे से प्रथा कें से र से से से र रेगा प्रवे से दे सुया है

विरास्त्र विरास्त्र निरासित । विरासित । विरासि

गिरेश्यासक्त्यान्यायायाधित्ते। सःर्यास्यास्यास्यास्या खुयानीयाने दिन हिंग्या है। ही दिन एया ही या पदा ना धीवा पदी ही रा र्रे विनः है। ने वका हो का वर्षान ने ने में विकास वे किया हो ने विकास वे वि धेरा वेशःश्चारा देःवरःयशःधेदावह्ययःयरःवशुरा विद्राहेःवरेः श्चिराने मारायमा । यदी दे रहे रहे रहे समार्से राधिता वेमायमायमें गा राविष्यारालीयाराद्रा हीराद्रा सर्हे हैं रामाही देव हैं गमारादे वहेंगा होन्'ग्रान्'भेन्'दे'न्यं भेग्यः हो। सेस्यान्यायायायां से प्राप्यानेते वर्हेगा ग्रेन देश दश वर्गे गा सदे अन्य भी वा सदे श्रेम ग्राव्य भार हिन ग्री अळव हेर हेर से त्वर प्रमायया हे वह वे अळव हेर से सेर पार विग शेर्-र्-छ्ग्याः म्हाराकेश्यः सदेः श्रुवः विन्यदेः भ्रेत्रा प्रदेश्या है। ह्यः अवः ने : न्याः यादः यी शः व। । स्याशः सरः श्रूदः यः ने : यह सः हो न। नि भ्रम्भित्र ने भेर में का क्षेत्र विकाय क्ष्म क्ष 

वहें व अरेव शुअ व भे देव र या श पर श्रूर र या र विया ह्या श्रव या मग्रामित्र इसामागित्र मदे तुरामा से दानि से महिसामा मुना है। षदःविष्यायः उत्राधितः यथा । दे श्चितः यथि दि विषेत्र । श्चितः यत्र श्चेतः मन्त्रासाधित। वेसावनुदानायम। र्वेत्रमायमा भ्रेत्रामायमा र्श्वर्रे हेंग्राम्य प्रति । वित्रामा वित्रा यशः हुर। यायः हे श्रिरः नवे अळव हेर थेव। दिव अळ्टश उव ही इसाधरानेश। अर्द्धरमाधारे सामगार्द्धरावशुरा वेसावगुरानायमा ञ्च-नगाः भूर-वः र्भे विद्वासद्वास्य स्यामी हे सासु स्रे अपने र्भे वार्या है वार्या है । कैंशासकेंगाः भूरावार्धेवायहें वासेंवासेंवास्वासीयाः भूराकेंगायाहे यायाहे यायाहे यायाहे यायाहे यायाहे यायाहे भूर हिना श्रू अ हिना अ सर विषा नि है । भूत रहिना सदे हिरा नि तर रे। है । अन्। न्या अन्। स्त्री स यार्क्के ते रेशामा है। । दे हिंदा धेवावा वेशाय हु रामा श्री हि रेवायश श्चेरायर्गन्ता धेर्नेवायारेयानेयायरेवात्रयार्केषायापारे धेर्नेवा

र्ह्नाश्चार्यः वर्ह्णा छेन् ध्वेन् वर्षः स्वेन् वर्षः स्वेन् वर्षः स्वेन् स्वे

 ने। ने अवर श्रिंद न मावव थेंद शेव। । ने र अदः हैंद श अद्धंद श श्रिर है। ।दे वे रूट हेट ग्रायय य धेवा । वेय यहूट य यथा । क्रें यहें व यर्दिन शुया ग्री हिंगाया ग्रार्दिन पावन से दाया हे दा ग्रीया हिंगाया ग्रीदा द्या श्चिराचेरार्देवामाववासेरायारमा क्रेंवारी क्रेंप्यहेवासरेवास्यायसा ग्ववन्याधिव न्वीयायवे भ्रम्पत् भ्रम्पत्रे व स्वायम्ब स्वायम् नन्गानिन्द्रम् स्वर्धेर्यस्य म्बर्धान्य स्वर्धः निर्देश्चर् मिन दिन भिन्न मिन दिन दिन हैन न के न मिन दिन दिन हैन न के न मिन हैन न मिन हैन न के न मिन हैन मिन ग्राम्यास्या स्वार्थित्र स्वार्थित्र स्वार्थित्र स्वार्थित्र विश्वा न्या ग्राह्म ह्रा ग्राहम ह्रा ग्राह्म ह्रा ग्राह्म ह्रा ग्राह्म ह्रा ग्राह्म ह्रा ग्राहम ह्रा ग है। ने भे ने स्थ ने हैं से ग्राय हिमा निम्म विव क्रय सु हिम्म निम्म | रद्यो दिसे श्रित्युर ग्रुट । । श्रृ श्रियाय श्रित्यर श्रूट य धेव। वेय वर्त्युम् नायमा वहिषा हेव व श्री में व मुग्न माना माने श्री व से में ने की माने व र्रे हिंदानर ग्राम्यायायाया है। हैं वहें वायदिव सुराया सूदान दे

र्श्वार्याने र्श्वायहेव सर्वा सुसान्दर्भे मार्डण प्येव प्रति स्वीमा विसा श्चरानराग्चानाधेवायदे भ्रेम श्रेष्ट्रिवा अर्दिवा अर्दिवा श्वा श्वी शास्त्रा भी प्राप्त निष् हेर् धेरा । गर्या हेर् र्या प्रया निया । यह मी है में ग्रया हेर् वर्रेन्। । ने सूर र्ह्मे निमार्य प्रमा उत्योव। । ने प्ये रेमा श्र में मानवर व। मी दि में मार्थाय पीव पानिव द्रा के पहें व से व से साम मार्था पानिव पानिव पी के पी क हिन्-तुः शुर्र-प्रवेः श्रृं वः र्रे ग्रायाया होन् धिवः प्रवेः द्वीर-न्ना श्रृं वः र्रे न्नः । र्वे प्रहेव अर्देव शुक्ष गाहे शर्देव गावव धेव व। कें र गुः कें र गुरे र् से त्वर् परे भेरा इर्वरे हिंद्रा म्वा मात्र्र वहें व ह्रा मावव से द्वर नेरःश्रूदःनवेः र्ह्वे श्रुं नाक्षे विष्ठान्य । प्राप्त । रेगा हो र इस पर से रा अर्ग अर्थ मार्थ ने स परे प्राप्त में प्राप्त के र ग्राह्म प्रहेत द्वार हो नियं । अळव के निर्मा प्रमान के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के नि विष्याम्यास्त्रीं म्या । ने स्वरायने म्यामविषा ग्रमा । ने के ग्राह्मरायद्वेत्रायाणी। । अळवाकेरायाचे महराह्या भेता वेत्रायह्या न'यश हैं'ने'रूट हुं'हें रेंय देंव सूट वी नग कग्रायश हुट न'येव'

मदे भ्रेम न्येम्य भ्राम्प्रायम्या भ्राम्प्रायम्या श्रूर्प्तान्द्रस्त्रश्रुव्यास्य श्रूव्यास्य मानुद्राचा प्राप्ता स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त धर इस मान्या हो दारा धेव धेर हो या हे साथा देस वा रूप वर्ष्यातुरः ग्रुवः या व्याप्तात्रे । देशावः ग्राव्यात्रे वा सेदः स्वीत्र । प्रदः रेगायत्रमातुः धेवायरायर्दि । डेमायास्य भेटा र्वा वेमा नुर-धिन्-प्रवे-धिर-हे। क्रेंब-धे-न्रेंब-क्रा-सुर-क्रियायायी क्रिन्यायन्य या नुर-मदे रहन सासे द्वार महे से विकास साम प्रमुद्ध सामि से मा मार मी कें। यदे सूर भे रेवा भे रेवा से राम देवे के मानव यम विमा भे रेवा ने क्ष्रम्य मार्मिन ने किन प्रम्य मार्ग प्रमान के निष्ण मार्ग मार् मदे भ्रम् भ्रम्य रायदेर र र र रेगा हे या या र र रेगा यळ द हिरामाया भ्रे.चेर्-री इस्राम्बर्गा गर्वर स्था सम्मान्य स्था देव वर्षेया की प्रमा ठु:रेग्।राव्यकार्यः वेकारम्राग्वकारे। सूरावस्वरारा इसकार्वरः

सर्वि श्री गार्द्ध त ह्या गाव्य पर्योग पार निष्मा ह सूर परे श्री । वेश गशुरश रावे भ्रेम विंत्र मे। शे त्रव्य प्यम वया गल्म प्रदेवे ग्रेन्दिग्राम्यते भ्रेन्ति। ग्राबुन्दिते भ्रम्यम्य स्थान्दिमः शुः मध्रम्यते । रटारेगाः सळवाकेटाराः धेटाराये द्वीया वे वा साह्य है। वेशायये नन्गानेन्द्राशुर्भविः र्वेदार्भे प्रदेश हैं ग्रामाशी क्रिन्स ने प्रदेश स्त्रान्य वर्गान्हिंगाशु नश्रुव मदे महासे वा सक्व हे दाया धेव मदे हि रहे। दे नेते भूनमानमान महन मते प्रतामित भीता मित्र में भीता मित्र परिते । भ्रवशादशाद्रिंशाशुःवस्तृदायदेः स्टासेवा विववाशायः वा हेर् प्रावः नवे भ्रम् इ हम्मार्थ महिरामा माय हे लेश माय स्व स्व स्व माय होता र्रिशायद्वित्र ग्रीः अर्दे र्देव रेवा शायवे र भ्रीं व्यायक्षत्र पा ग्रावा स्री वाया है। मुं रिया मुंदायम् । विशाया है भेषाय है साय हुदाया या सारिया र्रेश नेश मदे निवा हेर र जुर मदे क्रें र में र में श के ने वाय मदे र्रेयार्देवर्र्युर्यायेर्धेवर्येर्हेण्यायायावेषायायेर्यये धेरा वेषा श्चा श्रुवा भेवा भेवा है। के प्यम् भेवा हि। रिया रिवा के श्रीम प्रमुक्त वा विदेश हेर्गीरावे हे नहूर्त्या वेरावर्द्धानायया कू वहेर्यास्य श्रम ग्रीयाधी दिवागी क्रिया में मियाया व वि हे या या है। या या से पार या है या या या व दे। गाया हे हैं है है है इस उदा वेसा यह रामा से प्रें पहें दा सर्वे शुअायाधी देव दु शुरायदे र्श्व देवि इसाया नरायश दे हिंग्यायर वर्हेग्रामवे धुरावे वा यागुरा है। इयाम हे या बुग्या उदारे पिता रे वे भेष्यामानव प्रभानेया । पर्ने वे प्रभानम् मेषाया प्रमाणेया नेया वर्त्वूरानायमा र्क्रे वहें दासे दासे दासाया अरान वे से हे हें दा मुराम वे र्श्व रिवे क्या पारे छि र्वि श्री या प्रताया या येव श्री रह कु या रेवा नमाः कमाश्राशीः नमनः मीश्राशुनः नाधीतः भवेः भीना विः नि भीना भीना याञ्चन हो न है । क्षेत्र वित्र हे । वित्र ने। वित्र निव्य हिन्य मन्त्र न्य । न। । शेप्यहेव नेप्यहेव वप्यहेव भेरा। क्रिंव मेर श्रूर न अर्थेर न धेव। विःर्रेयाणवामार्देवाणेरासेवा वेसायग्रुरायास्य र्वेवारेंप्राद्रार्थेवा देश धेव पवे छेर प्राप्त केव में छे रें ये हैं के प्राप्त के वि हो बेर प ग्रम्याञ्चर उत्र श्री भेषायाधित यदे श्री सामा भूत में प्राप्त में प्राप्त स्वा

सर्दिन शुस्रा ह्या पाववासाधिवासा नेया वा ही दिवा पावा पारा ना से दासि धेरा मिंतरो र्रे पहें तथें तर्मात सुरा रेश प्रवाद रें भी प्रवाद रें वया नेवे निर्धाम्या में वार्ष में वार्ष में निर्धास्त्र में निर्धास्त्र में विष्ठ में विष्ठ में विष्ठ में विष् वयाय विया वे वयाय विया यो। । नया कवारु र नः मु र सु हो द र । । दे धेरःर्ह्वे वे इसरेशःग्री । धे रेंगरेंव देंश्यासाधेव दें। वेशप्रचुराया यश अर्देव शुअरे देष्टी रेवर् देव वर्षेश्व से दे दि र र कु नग कग्र थी. न्नरावीशः श्रुः नवे श्रुरा गहेशाया नेवे श्रुराग्रेगाया वेशः श्रेग्या ग्रेश्यर्रे देव केंग देव ग्रे कें व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्ट्रें विष्ट्र वि कुंवामिहेराधिन। । माराधिराने क्षराधिरामान्य। । इतामरायने धीर इसामामिक्या । श्रिमामाकेमा विकासकान्याम्य र्देश यहें व शे अर्दे रें व के वार्दे व शे के व रायक । वाद के क्या देवा कुः धेः धुया वेशः श्रेमशः ग्रेशः श्रुमः ग्रेनः देशः वहेतः ग्रीः अर्नेः नेतः केमः र्नेव श्री क्षे वर्ष पळ ५ पवे श्रीमा ५८ में प्यें ५ मे। य मेग पर्य प्रक्ष मवे नियर मी शास्त्र अर्थे र मो सून ग्री के प्रहें तहें व सरें व शुर्थ ग्री सूर रें र धुःर्रेयःर्देवःदुःशुरःमवेःश्रृवःर्रः द्र्रेयःशुःहेषायः मवेः छ्यः द्रा । वियः मवे निमा हिन नु शुरामवे क्षेत्र में निर्मा शु हिमाया मवे खुवा महिया र्थित। ते स्वर्मेत् स्वर्येत् स्वर्मेत् स्वर्मेत् स्वर्मेत् स्वर्मेत् स्वर्मेत् स्वर्मेत् स्वर्मेत् स्वर्मेत् स्वर्

भ्रम्यश्रायदेरास्रवतः द्वरावरा न्यान्य गर्यसः वित्रवाश्रास्य धुःशुःनःसःह्रान्त्रान्दा ह्वं नाराने छद्द्रम्म पर्दे देन न्धन्यन्य क्रिय्यक्षयावयः मार्थस्य मार्यार् मेर् न्यून्यन्य इसराशुर्धेन्यदेष्ट्रिम् न्यार्थे प्रमाणिन्ते। सर्वेश्वेष्यव्यक्षेत्रामिक्ष मदे स्विम्रास् सु निर्मा सेस्रा रंसाम स्विम्रास सिम्रास स्विम्रास धुःसःश्चानार्यः धिवाने। सून्। इसामनाने सामाने निष्णानाने विकार्यमाना ब्रू-इन्बानान्ता भूना निवेश्वीर्मेयाश्चीर्मेवावर्गेनामार्थेवान्यवि नः उत्राचीः सदः सेगाः भः तेः यत्र यात्रः धितः ते। वेयः चः नः याः सँग्यः मवे माल्र पळ र मर ने ने र ने या इया मर ने या मा हे र हे या ग्रामा र्श्यायायार्श्वेयार्श्व वियायात्ता तत्रताय्व एवरा हे हितास्वर धेर्द्रा इस्रायर नेश्राय श्रुप्ता कर्ष्य स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा

इसायर नेयाया श्रुप्ति यायाया यश्रव यर विदायया यही स्रूर विया ठु:नःवःश्रेष्यश्रःमःष्यशुद्रशःहे। वेशःषाशुद्रशःमःश्रेष्यशःवशःग्रुनःमवेः धेरा गहेशराया विकित वर्षा हैगामहेशरावरिरास्टरियामी ळं ५ व्य अर्थे : इस पावना पार्डे : र्वे ४ : स्रे व : पावन पावना व अरसळं व : गिवेरा गिर्डट इस गिवय है। यहें व इस स्व रह स्था स्ट रेग यह स रूर गुरुपिते स्वीया भी द्वारा विवास दिवा सामा विवास दिवा विकास विवास दिवा विकास विवास दिवा विकास विवास विव क्रग्राश्चित्राश्चित्रार्श्वरार्श्वरार्श्वरार्श्वरात्रात्रात्वरात्रात्वया ह्या ने क्रियम नुःश्चिम् निर्देश स्वास्त्र स्व रदःरेगायत्रमःतुरःतुमःपदेःकद्वमःग्रीः इसःग्विगायदेवःपरः होता गरेशाया थेया या है। यह या हैया यह या से या से वा है या से वा है या से वा से वा है या र्नेर-शुर-भवे-ळंट-पन्नश्राशिक्ष्यामावमा धेव-व-क्षारेमा भवे शुव-र्सेट ग्रान्तिग ने ग्रिश रे रे त्रश ने साधित प्रति श्रिम् श्रिः साने र व्या श्र या यहि से पार्श्वाया ग्रीया यहिंदा प्रदेश स्टा से वा वी किंदा प्रत्य या ग्री स्या ग्वग्नान्ता धेः अर्स्स्नान्स्वारे से द्वान्यान्या से स्वार्थः स्वार्थः से स्वार्थः से स्वार्थः से स्वार्थः से स

रटारेगामे रहेट प्रवस्था में इस मानवा प्रवस्थित इस मान प्रत्रे में नेरावया वन्न में नाम्युया पर्वे न सूत्र नुवे मार्डे में रागुरा पर्वे करा वर्ष्या भी द्रमान्या विया धिव व ने स्ट्रम न्वीया प्राप्त हिया वर्ष्य हिया गिरेश'रादे'नश्रुव'त्रदे'गोर्डं'र्नेर'गुर'रादे'ळं ५'दर्शा गिवय'गश्रुस' ग्री'वर'क्व'र्'ग्रुर'मदे'वर्ग्यात्र्र'र्' वर्ग्याहेग्ग्याश्रुय'मदे'नश्रूव' चित्रे गर्डे में म् शुरायदे कं प्याया वाया चाया शुरा शुरा ही वरा कं प्र शुर्रायदे तत्र्या तु महिया दिवा महिया सदे सिर्म सिर्म स्था पर व-रद्भावन्य राष्ट्री वेशन्ति गव्दिन्दे व्यवशहें गानिक्षान्द । गशुस्रामदे प्रत्र्या तु सुद सेंद र् र् रेंस प्रदे द रादे ग्रित धेद रादे । धिराहे। मुलान्यरार्ह्सिल्या नेविधिरार्ने वामी रामानिवारी । देशायम् त्रापायाधिव दे। वेशान्वेष्य त्रास्य देश में यान्य हेगा वेशा ग्रीः र्श्विमाश्चारमा त्या स्वर्ते । माठेमा मिं त्रश्चार्य स्वर्शः त्रुदे । ह्युत् । स्वरः ह्या सरः नवगायर होत्यर नवेत्यम ग्रास्य । यद न्य र देना वितर वर्ष्य भारती वेशासा है। वेशामाश्चरमा सदि हिमा मावदा प्रदाया हैंगा गहेश रादे नश्रुव गुदे गाँउ में राग्युर रादे रर रेगा गी रहर द्राया श्चित्रस्याववासेन्यस्यया ने पेन्यन्यस्य निर्मान्यस्य विष्यस्य

गिवि अश्वत थिन नर्गे अपानमा गित्रम् अपानमा विश्व स्थानमा स्थानमा स्थानमा स्थानमा स्थानमा स्था स्थानमा यानार विवा दे से त्वदार परे से हो दर में देर वया सूरा वाद वी से र ने भूराधी रिया ग्री दिवा पावा पारा या यो दारा होते । श्री राजी या पारा पारिया पारा पारिया । अभिगाममानसून्यदेख्यामहिमाधिन। हेमामसुन्मामान्। भून। नेश्रामान्निमात्यास्मान्याम् नाम्यानसून्यते स्वामानेशार्धेन् विश्वान्या वार्सिम्यायायार्ख्याम्हेरासुः श्रून्यानिक्यामहेराधिन् हेराहिन हे सूर यहिकारा यही वर्र इसायर याववार याव यह ही रा नेयाय ने खुल गहिराम हिन्दी साधित है। गहिरा सेन माहिन धिर मिन सेन सिन र्भ विशायन्त्रशाहिषायित्रशायदेशम्ब्रम् न्युदेशम्बर्धान्य स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य स्वराह्य वर्ष्याचिकाचित्राची श्रमाची वर्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वर्षा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्वापा स्व नेशःग्रीःगविःसम्बर्धिनःसमःनन्नास्तेःम्रिमःनम्। सःमेगाःससःनभूनः मवे नियम् अपि विश्वास निर्मा वाष्ट्र स्था वा माधीयवर्षम्याध्रम्याम्ये स्थान्य क्राम्या नेयावः इसारेगामित बुदासेंदासाधिदामित रामे स्टारेगा गी स्ट्रायन्य रामे इसा मालमा प्रदे भूम र मुं महामी महमा हे ह र मुक्त मालय मु से मा मते ग्राबुद इस ग्राविय है। क्रें प्रें ग्रास्य स्ट्रा ग्राहें द स्ट्रें द देव दस

ळं ५ स्या रहः रेषा ळं ५ साय इसा सुर्वे। देसा सः रहा वी निषा है ५ ५ गुरानदे र्से पहें तावया है। वेसामर्वे वेसामरा महरामसे स्थापा न्दः यहे व प्रते व सामा महिका वे सामा सुद्रामा या सामा व से साम प्रति प्रति मा हेर्ग्ये निर्मुन हुन् स्वर्ष्य स्वर्थे क्रिं में मार्थ मित्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र म ह्या ने क्षिया शुः शुँद निवे पद्देव इसा कराया ने क्षिया शुः शुँद निवे रर:रेगायत्रशात्रराग्रुशायदे क्षरायत्रशाम्या मुनारे यत्रशाहिंगाः गिरेश्याये निष्ठ नुदे गर्डे में म्यूम्यदे छन् दर्श ग्री इस ग्विग ह निविद्यासीत्रवस्त्रा के विद्या के विद्या स्थानित्र में स्थानित्र स्यानित्र स्थानित्र स्यानित्र स्थानित्र स मी किन वर्षा मार्डे में मार्डे नाम निम्न मार्थ म र्नेत्र-तृ नग्रयायायार हैं अपार्थिते न्वें न्या स्वाप्य निवे ही राप्त । स्र-निन्दिः स्र-निन् कुय-निन्दिते त्रोयः पः इस्र ग्री-निर्मः यरःविवः हुः याश्रयः नवेः धेरा याहेशः यारः स्टः ख्याशः दे। यत्रशः हैंगा गिरेश पा पदिस अरेंब हे या गिरेश शिवद वसा अरेंब शुया पदा सर्दि शुस्र निवेदे वर वस निवर सर्दि भी कर प्रमास मानिया गर्डें र्चर क्रूव राष्ट्राय इयय ग्री प्रमेय प्रमा विया परे दे या स्वर्गा वि या विश्व नेश्वासदे वद्या हेट द्यूर सदे हैं दर्भ यावय है। देवे

क्यायाः भ्राव्याः विद्याः विद

ग्री:क्ट्राय्य्या ग्री:इस्राम्वमाधित। श्रीट्राय्ट्रिय: भ्रून्याग्री:नश्रूद्राग्री: गर्डें र्वेर शुर्र प्रदेखंद प्रव्या शी ह्या ग्विम प्रवेद स्व शी ळॅं ५ व्यक्ष ग्री इस मान्या धेव प्रश्ना ह्या प्रमान्ते से ग्री के विष्य प्रदे नन्गानेन्। ग्रीप्रेन्न्यान्त्र श्रुर्प्य स्थि श्रूर्या मान्य श्री नेवे स्थाय न्यात्रमाने त्याम्यमान्य विश्वास्य विश्वासा स्वत्या ने निर्देशासु हैग्रअ:यदे:ळॅट्'अ:यत्र्या,यंर्'वेश्राचे क्रंट्'यत्र्या ग्री:इस्राम्विम् मीर्यास्य देश सदि भ्रीमा मासुस्य मार्थे साम्य स्थान मित्र मार्थे साम्य स्थान स वन्नर्भागविषागर्भस्याम् गर्डि र्ने मार्स् वाराधिमाने। ने मास्स्राम् भी वरा वसायत्रसातुःगर्डें नेराक्षेवाग्री ग्वयाग्रान्दाक्षागर्डें नेराक्षा क्रूँव मते भ्रेम् के अन्य प्रदेश मानय गुर्म कर्षा क्रूँ मन्या क्र धर-रहीर-भेर-ग्र-। वेश-भेषाश-ग्री-भ्रमश्च-एकर-धर-ध्व-रगर-र्ह्मेश्यान्त्रविष्ट्रीराते। सूर् हीर्रेषान्तीर्देवासेरायायादे सूराळरा यायार्सेग्रायात्रयायम्यावगायाधिता वेसायद्वीयाया यन्त्रया वर्ने त्यापर र्ने व न्या प्रवे इया प्रमानवा पाने पेन प्राप्त प्रवे । वि वा डे भेव ले वा हे क्षान निवन में भेव के विष्ट्री में के ही में कि का निवन के वा कि न्दायहेव मदे क र्थेन माम भीव है। क्विय निष्कित मिन के निष्कित मिन

ग्रे भ्रेर में देव ग्राट पर्ट क्ष्म क्रिं थे निषा केर का केर ग्राट विषा गश्रम्य प्रति श्रिम्प्र । यह व मह में प्रति यह स्र है। वेश प्र मह यानिक्रामी भूत्रा शुर्व्य राहिना निहेरा पवि स्वत्रा निहेरी शे क्रेंत्र परे भ्रेंत्र है। ग्राट के क्रूट पर दे ग्रावय है। वेश के ग्राय श्रीय वळन् प्रवे भ्रीतः है। वर्षेयान्वन् मुयान्वनः र्ह्वे यथ। वर्षेत्रः भ्री वर्षेत्रः शुःर्देव से दाया वा स्टार्स्य प्रमानिया पाया विद्या प्रदेश क्षा प्रा ळं ५ स हे ५ ५ ५ वळ ५ स ५ त शुर में वे या ग्राह्म यह है । वह वे श्चिर्या भेर्ति दे त्या मार्या भेषा विमायदे भ्रम्य मार्था मार्थि पार्थि मिर् ন্ত্রমান্তমানষ্ট্রমানীকের্বার্থান্ত্রী। ক্রমান্ত্র रेगायत्रशातुः हो वेशायवे भ्रानशात्रशानहत् नुवे गरिं नेरानुशा वर्षान्त्रम्व प्रदे रहन प्रव्यक्ष ग्री म्रम्भ माविया प्रव न में का ग्राम । रहन स वियाके। तकरायरायगुरायये भेरा महिकायायार के विकार्यम्था ग्रीभः श्रुनः ग्रेनः रिभः वहेवः ग्रीः अर्ने रिवः क्षेणः रिवः ग्रीः श्रें वसः वकनः यः गुनः है। गरः कें क्षुनः मः नेः धेः नर्रेश। गिव्दः वर्रेनः मवसः भेः वर्रेनः मा |इसम्बाकुः धेः खुवः नवाः ग्रमः। । ने के ने क्ष्मः श्रिमः श्रीमः विष्यः प्रश्रा हिंद्र पदे अर्दे देव के मार्देव शे के विश्व करा मह के लेश कर्देव

र्वे। विवाधिरःवेशःमध्यान्यस्या विक्रिःनन्याःवेर्विष्यसः र्श्चिरमार। १रे१हेरर्नेवर्र्इस्यम्यर्देश। मायःहेरदर्गपर्देरः इस्रान्ता। इस्रामानवर्त् श्रित्यूराव। विर्नेत्यवस्राभीवर्त्तामा नेशःग्रम्। निवःरेगाःगरःवेःवशुरःगःधेव। वेशःगर्थाःयवःग्रीशःसरिः र्नेत के नार्नेत शे के तका पकर प्रते शेरा पर में श्रुन के वर्ष भे पर वःरो नेश्रायवे निषाक्षेत्र प्रमुक्ताये श्रूव से प्रमुक्ता शुक्ता विष् क्रन्थायत्रमात्र्राभे मेग्रायमात्रया द्वी में यार्ने मुन्या वि में यार्ने स्वार्थि स्वार्य स्वार्थि स् वहें व अर्देव शुअ भ्रे रें व रें व रें गुर रावे कें व रें परें श हैं गुर रावे रे ळॅं ५ सा धीव मित से ही में में दे दे दे इस मम निम्म कर में या मासम मु से स शु निते के राम धीव परि दीमा विश्वामा श्री भूमा नाम के श्रुन पर ने धी न्रिमा श्रुनःमः वे पर्ने नःमः नः श्रे पर्ने नः पर्वे नः । विवः र्वे। गरःवेःव। गववःहेःधेःर्यःशेःर्देवःवर्देरःयवस्रःसेःवर्देरःयः इसः रेगाकुः भेः खुवः नगः में। इसः सरः रेगः सः नेः भेरः नेः क्षरः श्रिं रायः भेरः व। वर्नेन्यान्न्यो वर्नेन्यवे क्यायवे क्षेत्र व्याध्यावया स्था ही न्या ग्राटाधेवरमाने प्रवस्थानु धोवर्ते। नेसाने रेवर्त्ता प्रवस्थान

या र्नेवर्धेरायावे प्रवश्यात् प्षेवाया ने क्ष्मावा ही रेवर ही रिवर्षित यायायत्रमात्रियायमाहिमायायविमायाये न्या भ्या ग्रान्ते श्रुवाया दे भी दिस्सा वेसा हा वासा स्वासाया है। ही। र्रेषा ग्री दिन विश्वास्त्र स्थाने स्थाने स्थाने पारा ने प्षेशा ने भूर हीं दाराधीता वर्दे दारा द्वार के वर्दे दारा के वर्षे देश के स्थाप के समा शुःश्चिर्पान विशान्य ने इसायर ने गाय हे दाख्य हससा शुःश्चिरान धिव दें। देव ग्राम् ध्या हेवाया प्रम् ग्राम् ग्राम् विव प्रः हें। यह वाया विव प्रः हें। यात्रस्यासुर्स्तित्वालेयात्रासूत्र्र्त्यास्य वित्रेष्ठित्रास्य शुःर्देवःशुःगावयःशुःह्रगार्यःयंत्रःयश्यातुःधेवःशु। रेःविगाःसरःरेगाःयः वे प्रत्रमानु साधिव के विमान निर्मे ही में मिया ही में विप्या प्राप्त प्रमान नुदे द्वा पर हिंगा पा गहिरा पा निष्ठा प्राचित्र हैं। वेश नुपा वेश ठुःवरःगोः धेवः धरः श्चः नवेः वज्ञ यः नुवेः इयः धरः नवगः धः यः विशः वयः महिरामानेशमान्त्रम् वर्षे मारके सुनामाने धिरान्सि विराज्ञानाया र्श्रेयाश्वास्तरिया बुद्दारिया बुद्दार्ग्यवस्तरिया हिन् धुर्मा । क्रिन् यश्यानिश्वास्त्रास्त्र श्रियाचेतित्र मिव्राम् हिम्सूम सुम्मिया स्वासानु

सर्दिन सर निवेद संदेशन निविद्या धीव सर क्षेत्र मर क्षेत्र मर है। वर्यश्चरानुं वे संस्थित वे शं मार्थर संदे हिरा क्रिन स्रम् व सर्दे हे मन्तरो नेशमवे नन्या हेर्र्यु स्वरे सेंदर्स में दिसा सुरे वार्य में क्षन्यावन्यान्त्रः से नेवायायम् वया क्षेत्रवहेत् सर्देत् सुस ग्रीया श्री र्रेयार्देव शुः श्रृंव र्या रेया पर हे या शुः हैया प्रया वेव प्रये शुर वे वा दे श्री त्वर् प्रमः क्रें व पा यार के इस रेग कु थि पुर्या वेश र्शे या स ग्रीमान्त्रिरमास्रम्मान्येन्त्रे। क्रुवायमा देवारेनायमाहेनायाया धेव वसा हे क्षर रह रेगा राधेव वे वा वह वा वह सा गर के इस्र देगा कु भे भुष्य । मानव पर्दे द प्रतस्य से पर्दे द पा । दे भे पर्दे स र्यर्स्यामुनामा । दे दे दे सूर्रे हिंद्र न धेवा देवे हे दि स्मर्भर मुन यदे कुं से द र यदे हिया हस्य शुं हिंद य हिंद र र र ये या य पे व हो। केंव र्येदे निमा हेर थेव मदे धेर में वेश मशुर श मदे धेर दे हेर ञ्च-भवाःवीःवालुदःक्षेवाःश्चरःश्वरःवर्हेवःवशःसर्देःश्चेःवःवःश्चरःवःददः सन्तुव पर अपवर केव सें र ही देव विश्व स्वरं संदे हुंवा व सुर न ८८। भ्रव्याभ्रास्थ्रास्थ्राम्यः क्ष्रिव्यायः क्ष्रिव्यायः क्ष्रिव्यायः क्ष्रिव्यायः क्ष्रिव्यायः यम् इस्राम्बर्यस्य धेर्देवामग्यापदिः स्ट्रिश्यक्रायस्य भूमः

यदुःख्यायायाद्वेयायय। कृत्यायश्चीयाःसरःश्रेययाःहै। सरःवर्श्वयाःसया ने 'हेते 'हेर ले ता लेश गार्र स्था पेटे हिन प्रते से हिन प्रति प्रति से निम्न प्र मवि मुन्। महिरामाना के ने राक्ष के राक्ष मार्थ में क्षेनार्नेन श्रीः श्रीं न्यायकन्य म्याना श्री विः वें मान्य रें या ह्याया नर्गेन वर्भा गहेशरमशः स्विग्रशः केशः सुनः मनः होनः हेनः। नेवः वी नेशः मदेः नन्गाकेन्-नुसुर्भवे र्श्वेन्स् न्रेन्स् अः हिन्या भारते स्टन्स प्रम् रेग्या है। क्रें वहें व सर्व श्रुयाय क्रेंव से हैं रेय हैं व दु क्रूट नवे ग्राबुदः इस्रास्दः देगा ग्रीसार्श्चेदः नवे द्वादः ग्रीसारेसार्दे स्वादः हिंगा पा वेंगा ने या ग्रीया क्रें वार्या ही। रेंया रेंवा न्वा विवाया ह्या धीवा ग्री क्रेंवा सें ही। र्रेयार्देवर्रुश्वरायाष्ट्ररायायायायाये धेराते। श्रेवरदेवर यदिवर्श्वरा यार्थेवार्धायर्दिनाक्षीयर्दिनातुम्बद्धान्त्रवात्रीयार्थेवार्ष्ट्याः भे वर्देन नु बेव मार्ड अप्येव भी र्थेव में वर्देन भे वर्देन महिशासु सूर नः क्ष्रम् सः गुनः पवे भ्रीमः है। क्ष्रिं वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे पवे वर्षे वर धेरा वर्देरा अवर्देरावमायायायी वारा भेरा हो सामार स्थान मारा मी कें खुया नडरा ने या पा हे दाख्या द्वा नडरा पर पहुना पा धेवा परा

णुयानडराने 'णुयानु सूरान र्नेन ग्रीरा सूराम विरामित स्वामित डेवे हिराधरारे क्षराधेव वे वा नेश काया वे रेव इसा ग्वागा ग्रहर नवे इसामाय देव दुव सूद वर्षे वासामवे हिरार्से दे के नद्या हेद क्रम्याश्चित्राचारार्ह्से ने केतार्ने निवासी हमा सम्माने माने स्वाप्त केता हितासी न वे व वरे क्षेत्र क्षेर के वर्ग वर्षेत्र प्रवे क्षा प्रवेश क्षा प्रवेश विवर हे से वर्द्द प्रवे इस पा क्रे अ तु स ही द वर सु र वा देवे के वर्द्द मवसासी वर्देन मानेसा ग्रमा देव मेगा मम दे वशुमान विसा ग्रम न'वे'क्य'यर'रेग्'य'उंय'ग्रे'व्यय्यात्वे'क्य'यर'हेग्'य'वरे'न्न् र्ने विशामश्रद्यायदे भ्रम् कुन क्ष्मान्। विशायदे नन्म केन नुस् नेशमार्स्य भूवारी धेन रेमिन देवार् विवास के मिन देवार के निया है वार्ष के निया है वार्ष के वार के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार नुःशुरःभवेः श्वारीं निर्देशःशुः हैग्राश्रायवे क्वन् सावन्रशानुरः ग्वारायवे क्रन्यम् राष्ट्री मान्त्र क्रिया क्रिया मान्त्र क्रिया क्र गशुस्रासदे गत्र स्त्रीं गा गडिमा से पदिते नसूत गुदे गरिं में स्तुर सदे ळं ५ वड्य राष्ट्री स्थायावया ५८ व्याया ने वर्षे १ वर्षे १ वर्षे १ स्थाया १८ व विशःश्रेषाशःग्रीशःवज्ञशःहिषाःवविःधवेः स्ट्रां वज्ञशःवस्ट्राः यःश्रेष्ट्राः है।

मुन यथा यर न र्नेन रेग हेर यह अर तु येन है। यर सूरा यर के नियाकार्देवानुः दी वियापान्या द्वीप्यमेषान्। देवे के देयापादे क्षेत्रया ग्रीशर्दितः देवा या वज्ञ शानुः धितः र्वे श्वे स्था स्या या वाववा में देवे के दे इसायर नेराया स्वाया पर देवारी प्राया के विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य विकास मान्य इस्रामाने मान्या गुरदे देवामे दे स्यामा करासा है मे माना दे रे माना दे रे माना दे रे माना दे रे माना स्थान रदःरेगाःमःहेदःवज्ञशःगुःधेवःहे। वदेःक्ष्रम्। गयःहेःवदेःनद्गाःवर्देदः इससान्दा वेसामास्ट्रामित्रामित्र होता ने सूत्र वर्षेया प्रतिन विद्या श्रेष्ट्रानाग्रेश्चूरानायश् इस्रान्निरास्याश्चुःनुगागे हेशः शुःवज्ञरानाधेनाने। गल्राक्षिंगाधेः सार्विः गास्यवे सूना छेराधेन मवे श्रेम्भे

## वर्षे अर्दे व वर्ष अस्ति व वर्य

मानेविक्तं वे प्यापान् श्रूमान हेन्ने प्यनेविक्तं सानेविक्तं वे के वा मानम रेगानाधेता धरार्दा में देशें या के के रामित हैं का में के कि ळं ५ अर्दे। गर गे धेर दें द दे थे अ यह य नर हो द हे के हे के रहे श्चिः इस्रायान्गर्यार्या प्राया मान्या स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य याश्वरामाना ने न्रान्दिरें में में में प्राया न्राम्य मान्य मान्य में न्राया मान्य म डेश'ग्रस्था देवे'दर्गेद्राय'ग्रस्त्र नर्डेश'स्य वेष'क्ष्य'र्धेद'दे। धेः र्यः र्वे वे वे व्यापा वे यः ये व्याया क्षेया या विकार या क्षेया या क्षेया या क्षेया या क्षेया या क्षेया या विकार या विकार या क्षेया या विकार या यर्ने रेन पळन्। ने के रेन सूर परे हिन दी वेश से ग्रास ग्रीस कर सा र्देश यहें त्र श्री अर्दे रें त्र यक्ष प्राये श्री मा प्राये पित्रों यदी त्र राम श्री र में। यक्त्यमार्भेरायर्रा सेयसायर्भिराया विसायदे पर शिसा वन्नरानुर्देशवहें न ग्रीसर्दे निन्देग्रायायि द्वीत्रावि द्वीत्रावि हैं। र्याणवयागुःययर। वेशःश्रेषाशःग्रेशयग्राग्रःर्यशानुःर्यायहेन् ग्रीःसर् र्नेव के गार्नेव भी क्षे वया पळन प्रवे भी मार्मे प्रेने भी भी में प्राप्त में नि वे : व्याप्ता | दे : क्षेत्र : क्षेत रटार्टिनेश। अप्येव रुप्यदे निष्य भ्रिव भ्रिय। विश्व मार्श्व स्थित र्देवावी सर्देश्वानावारी द्वीर्म्यार्देवार् श्वामायवेश्वेतार्पे प्रम्यास्य

ह्रियाश्वास्तिः स्वत् सायत्र्यात्र्यास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वत् स्वास्ति स्वासि स् बेव मित्रे हैं वा दिन ही देश देव द्युन मित्रे हैं वा में वाबय हा धेव मित्रे मिराने वा याध्याक्षे। क्रिंस्यर्घरायी क्रुंर्यो क्रिंत्य हिंदा यहेव स्राह्म र्बेव-र्य-धे-र्य-र्वेव-र्-ब्रुट-नवे-मात्रुट-ह्य-र्य-रीम-भीय-धेरि-नवे-नगर गीर मेर मार्थ हिंगा या विया निर्मा श्री सार्थे दार्थ है। रेस मेर रुवित्रमार्थ्याधित्रश्चेर्यस्थित्रभ्वार्थेत्रभवार्थेत्रभ्वार्थेत्रभ्वार्थेत्रभवार्थेत्रभ्वार्थेत्रभ्वार्थेत्रभवार्थेत्रभ्वार्थेत्रभवार्येत्रभवार्थेत्रभवार्थेत्रभवार्थेत्रभवार्थेत्रभवार्थेत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्थेत्रभवार्येत्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवार्येत्रभवेत्रभवार्येत्रभवायेत्रभवेत्रभवार्येत्रभवायेत्रभवेत्रभवार्येत्रभवार्येत्येत्रभवेत्य यान्य में वर्षे वर्षे वर्षे पर्ये द्राया भी वर्षे वर्ष न्नरः नेश्वायः श्रृंतः सें पर्नेन् स्यूर्य ने प्रत्रेतः न्नरः नेश्वायः विष्यः नः धेवः मवे भ्रेम् भ्रेम्यावया ने मानया भ्रेवः में भ्रेम्य भ्रेम भ्रेम्य भ्रेम्य भ्रेम भ्र मित्रे भ्रम् वर्षेत्र व्या क्रिंव में क्षेत्र वर्षेत्र मार्थे वर्षेत्र मार्थे क्षेत्र मार्थे क्ष नवे न्यवे न्यर ने याया क्रिंत में भी पर्ने न पर सूर । ने या पहिषान लेव मित्र ही मा ही सामिया ने मानवा क्रिंव में ही में वि कि प्रिंग हो में वर्रेन्द्रिलेवा अव्यन्ते। विश्वास्यान्यान्यानेश्वास्यान्या यर दे श्रिट शे प्रमुद्दा वेश प्रमुट प्रायशा हे स्ट्रिट दे से स्वर्ध वर्देन्'सर्श्वर'नवे'न्नर'अर्देन्'त्य'र्रादेश'न्य'र्रादेश'न्य'र

गिर्हिन् होन् भीत्र प्रमा क्रेंत्र में प्रदेन प्रमः क्षूर निर्देश स्वरं स्वरं प्रकेश र्से तर्देन से तर्देन गारे राजान सूर नम त्राया नम त्राया मानि से मानि । र्श्व से से से प्रदेन पर सूर निये नियम सिव प्रत्य के प्रति । धिमा मिन्दामी क्रिवायेन ने। या यहिन क्षेत्र धिमा येव लेवा लेया यहार नःयश। सःसर्वेदःनदेःयसःनेसःस्वःसंतर्देनःसरःसूदःनदेःन्नदः र्श्वरेषार्श्वरर्गिः शेरदेर्पायम् अर्थेरायाः श्वीतायम् होत्। देवाः विषाः ययर ने निव भी व मिरे हिर वे वा भे प्यम ने निव ही निव में निव में हैंग्रास्थित्युम्। द्रिसदे नद्रमा हेर् द्रिसरे त्या । याडेया मी नद्रया हु सर्वेदान्नेदामा । सासर्वेदानादे हि सूरावा । देवासर्वेदानेदानरावणुरा नःलेवा वेशाववुदानायशा देः क्ष्रमः वः श्वें वः सं वर्षे दः प्रमः श्वदानवेः नगर अर्देन ने अः श्वेन से जा बुर र्देन र र जु अ प्रदे र नगर जी अ श्वेन से हैंग्रायायायीत्रायम् प्रयापान्या यासर्वेदानदे ययाने देवाहे सुन निवन्तुः शेर अर्थेदः नरः गुरुषः पदेः श्रुवः विदः पदेः धेर। वित्वः रे। श्रुवः बेन्ने। गयाने वर्नेन्ना क्षेत्र वर्नेन्यम्। क्षून्य हिंगा धेवर्नेव क्षेत्र भेवा वेशप्रवृद्धानायमा हैंगार्क्के तार्श्वितर्धे पर्दे दार्भे पर दा नगरः ने अप्यार्श्व स्थिति दिन स्थापित । स्थापि है। ने विदर दक्षे भूषा वा र्शे वाषा परा । अळ अषा र्श्वे र से द र रो अषा सर्हर न धीता विसाद मुद्दान यस। दक्षे सूसार्से मात्रा ग्रीसा चेत्र पदे के श्रूरः भेर दिर रु श्रूर न श्रुश भेर शेर दिर रु श्रूर न दे र न र लेश श्रूर मदे भ्रीम प्रमा प्रमा स्वार श्री विश्व स्वार के साथ में किया से किया स वन्रशन् देशवहें व ग्री अर्दे देव के मार्देव ग्री क्षे व रावक द रा ग्रीय है। ने भ्रीत्र भ्री में या वावया ग्रायदम्। । तम हे न हम मार्थित विश्व मार्थित रेग्या वेयाययान्यान्यत्रेयार्द्यायदेवामी यदेन केयार्द्रवामी भी वर्षायळत्। यादाधिराहे भूरायदेरारदाविवा । दे भूरार्देव वे क्या नररेश वेशनश्रुन होर रेश वहें व हो सरे रेव केंग रेव हो कें वसायळ दाराये श्री सादा दिवा वे स्वेसाय वे सादा स्वाप्त के दार स्वाप्त स्वापत स्व र्श्व में नावय गुर गुरा पदे के ने या पदे निषा है द र गुर गुर पदे र्श्व र्स्य देव दु बेव पये हिंग देर ही रेय देव दु शुर पये केंब पे पावय व्य-विश्वास्त्रे के लाट के शायदे यह वा है द द व्या के द स्व से से विश्व से दिसा शुः हैं ग्रायायि रहते स्वायाय स्वायाय स्वाया है। स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वया स

वहेंव सहेंव शुस्राय र्स्व में ही मेंय हेंव र् शुर् नवे गा हुर हस मर रैगा गैर्अ र्श्वेट नदे नदर गैरा देश देश दिस में देश हैं गा पर वें गा लेश ग्रीश र्श्वार्यार्श्वार्याष्ठीःर्रयानु विवादार्यसाष्ठीय। श्वार्याष्ठीःर्रयार्नेवानु सा गुन परे भी विषायर प्रमुन परे भी मा मह प्रमेण प्रभा भी में भी र्देव प्रवयः विषा पावयः ग्रुमः ग्रेन संदेश के से सुरमः सुमः ग्रुमः तमा मरः रेगायव्ययातुः धेतावेयात्र वियाप्ति स्थिता व्याप्ति स्थिता व्याप्ति स्थिता र्देन:इ.सं.य.यधेय.श्रेश्चर्याश्चर्याच्याच्याची ययर। र्देव।पश्रायेव।यराग्नेदायरा। रदानेदान्यशा धिव देगाया। रर हेर श्रिर मिं व वज्य या या धिव पर देगाया श्री हेरे धिर वेता गर गी धिर हे सूर हम्म शुर्धिर न परिवे पर्दे प्राप्त से वर्रेन् प्रवे रूर् प्रवेत प्रवेत प्रवा ने क्ष्र रेन् वे क्ष्य प्रवा ने वे धेरहे भूरक्षश्राशुर्धेर न केर्प्या भी हिसाम केर्प मीया नेयान है भूर क्षेत्र र्सेन प्रेंत्र ग्रीयान है न या स्वाया से प्राया से प्राय से प्राया से ग्रीमाग्रमायाधीतायमान्वीत्मात्मान्ना देःसूमान्यमा 

हैंगायाधेवाग्री ग्राइटायदे ह्यायर हैंगाया देखाधेवादी वेशा गशुर्यायदे भ्रम् गहियाय दे के दिव सूर वियासे गया ग्रीया कराया र्रमायहेव ग्री सर्रे र्वायक राया ग्राचा स्री सर्रे से या वा से शिर्म या देव र् गुरायदे क्रिं प्रावया गुरागुका प्रदे के ने का प्रदे निषा करें गुरामदे र्श्वेत रेदि इसामा निरावस नेसामदे निमा हेरा रु गुरामदे र्श्वास्याम्य विष्या म्या स्वास्य विष्या स्वास्य स्वास र्श्वास्तिष्ठीः र्राया र्वेता र्वेता रावे हिंगा र्रेट्स ही र्राया रेता र्युट्स रावे र्श्वेता न्रिंगाश्राः हिंगाश्रायदे रळन् यायव्यशास्त्र स्वाशायदे सिन्। न्ये रास्त्र इसारेगामसामुदार्सेटासाधिदारादे प्रत्यसाहिंगामहिसारादे स्नानसासु नन्द्रभागविवा वेशः हिंद्रभाषे यव द्वा दे के दिव श्रूर यदे हे देव किन् भेता वेश माश्रुम्य प्रदे हिना सूना ही में या ही में तर सेन् प्रमा भारा र्त्ते यहिरासु सूर है। वेरा ग्रुप्त या र्रा या राय र र र रेगा या य य र र र धेव'यर'न्धेन'यव। हे क्षर'वहेव'यवे क्याय'कन्याकेन'धेव'यर' वर्देन्। सरावळन्। सरावशुरानाने भूरा धे रेवा मानवा गुः वदराररः रेगा परे में में में ने में अपन्य अपन्य परित्र वर्षे न परे मुराय करिया

धिवर्दे। विशर्देगश्राधरावशुरावादे भूरावादे । प्राधिकादे । वरायार्वेरमायाम्बरायाधीयार्वे विमान्ता वृत्र हे सूराधीर्येषा ग्री-र्नेव-वा-मर-मेगा-मावन्यान् १३८-५-। प्रयाने वेत-माने क्षूम-वहेव-मवे इस्रायाक्त्रस्य विकास्त्रस्य स्वाद्वी स्रुस्रात्र भेषा गुः वदः वी धिवः नरः भ्रु नवे सुँग्राया ग्रे नियाया मान्यया नरः ग्रु नवे सुरः । सुया भूरः वर्ने भी रहन स हेन्। डेस जु नवे मालु र वर्ने भी वर्ते। वेस मासुरस यदे भ्रेम द्वानी इ.यद् वता वर्षे मात्रा विया है। कूर में भ्रेम स्व र्देव-र्-विव-सदे-हेना-हेर-धे-रेल-देव-र्-सुर-सदे-हेंव-रे-नावयः ग्रु-स-नेश्रायदे नन्या हेन न्यूर यदे क्रिंत में नर्रेश क्रिंत कर्म स्वीत कर्म स्वीत क्रिंत स्वीत वर्च अ.रीर.चर्चेता.संतु.कु.र्जूच.स्तु. स्था.सं. चर.व्या.र्जूच.स्. वा.यायर. न् से सु नवे ने या स किन्या धेव मिरे हो मा वे या मर वशुर नवे हो र है। भूमा गरागे कें पर्ने भूम भ्रे में या ग्रे में वा पर पर मरामे गाय वह रा त्ररावर्हेन्या ने के निवासूराध्यान् सूराविः वेशायावने हिन्दे कन याधीय। वेयाम्युर्यायये भ्रेत्र भ्रेत्र भ्रेत्र मुल्याम्य वेयायये नन्गि हेन्-नु शुरारावे र्श्वे देवे स्वाया निराद्या निया न्या न्या न्या स्वार्थ नवे ने रामाकं न या या धीव है। धें न न ने व मानव सेव

मुरामुःर्भवाषा विद्वानन्याः द्वेशायरामुः नामे विद्यायमुरानः यश देशः धेः देवः भेः वहवा नवेः धेरः दरा गरः धेरः है । भूरः देवः नदगः दे। विश्वायाम्बर्यापादे क्षान्त्रम्। विदे वे दे क्षेत्रम्मवश्रार्थे विश्वा रियानेता हेयावनुरानायया र्वेनावहेनायरेनास्यायार्थेनार्यासे र्रेयः र्देवः तुः श्वदः विदेश्वा श्वदः ह्रायः स्वाः वीयः श्विदः विदेश्वदः वीयः नेश-इन्श्रायदे हेंगाय वेंगा नेश ग्रेश ह्व रेंग ही रेंग नेव प्रावेव पा मदे निवा हित् तु शुरामदे क्रिंत में निर्मेश शु हैं वाया मदे रहत सादन्या तुर नव्या परे के र्वे द रेदि इस राम निर दश र्वे द रें या या सर द से क्षु नवे ने अप संक्र अर ग्रुन मवे भ्रुर निष् निष् निष् के निष् में १ने भ्रेर ने छेर नेंबर रेगा पर्रेता पर्रे भ्रूर नेंबर यह गा श्रूर साधिवा वेयाग्रुद्यामानेदान्त्रीयार्थेदादहेदायरेदास्याम्यानेयानेयाने नन्गानेन्-नुःशुरःपदेः श्वारी सेवायाया हे शाशी हिंगाया वेवा नेश ग्रीशासी दिवासे वास्तर विवासित विदासित माने सिवासित स्था यः निरः वशः श्रृंवः र्वे तथा वाश्वरः पुः श्रेश्वरः विश्वरः प्रेशः प्रदे विष्यः प्रदे विष्यः प्रदे विष्यः प्रदे विन्-त्-शुर्-रविः श्व्रिं दर्भे नर्भे अर्ड्ग म्याया वि स्वन् स्वरे श्वर् न होन् न्ना

नेशमित्रमानित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भ ने र्श्वेन रेवि इसामा निम्न स्था र्श्वेन रें जा ग्रास्त न्त्री सुनवे ने सामवे इसायरानवगानु धेराये भेरा दे धेरा दे धेरा ने धेराने दे से स्थाने स्था निवस र्देवरने धेर द्वाना ने । या निष्ठे सर्वे स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स र्यायाया वेयावर्द्धायाया क्रियहें व्यायहें व्याय र्देव-दु-श्रूद-नवे-मातुद-इस-रद-रेगा-गीर्थ-हिंद-नवे-द्वद-गीर्थ-देश-इरमायदे हिंगाय में गा ने मा ग्रीमा केंद्र में श्री में दिन दु ने दाय दया धीदा गिरेशासु सामुनामिरे भ्रिम्। क्ष्मायन्त्र सामे प्रमानि सामा वित्र मे। र्श्व रिते इस पर निर वस र्श्व रित रि या ग्रासर दु से सु निरे ने सारा ळॅं ५ अ ५ ६ १ वे अ भवे नित्र मा हे ५ ५ ५ मुर भवे हैं व में ५ ६ अ है मा अ मदे कं न्यायन्य अपन्य स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया विवारि व या यह मा सम् नया कें व सिंदे हिया सा श्वास कें व से या सम् र प् श्रेश्वाप्तरे ने या प्रेया है। रिया रिवा र्युरा प्रेया ये या प्रेया ये या विष्या प्रेया ये या विष्या प्रेया ये नन्गानिन्द्रा शुर्रायदे र्श्वेद र्से दिस्या शुर्मे न्याया यदे र स्वत्या देया नेया मित्र मन्या हिन नु शुरामित्र भूव भूव भिष्या मित्र भिर्मा वे व उ रे रा है। जूरा

व। श्रुवि से न ने निव वहिंगा ने पी निव गिष्ठेन श्रिम् । मह मे गा पीव पह र्देवःरेगायर्देन। १रे. धेराध्यायः ५५ मयर सेव। वेशयहरानायश र्श्व रेवि इस राज्य वर वर र्श्व रेव रेव वा वा वर र दे से सुरवि के राज दे रा धेव ख्राम्य या ने या पदे प्रत्मा हे द र तु सुर पदे र सूव र से प्राप्त थिव यदा र्वेदर्स् धेर्म्यर्द्द्र दुविद्यतेर्ह्मार्ट्र धेर्म्यर् शुर्म्यर् र्श्व र्रें रेग रवे धेर है। ध्रम ने क्षम व रें व नव व रे व धेरा र्विन्यासरायदी रहारीया साधिव वयह विवासा कायदी खंसा शुःहे नर नहमार वर्ष देव रेगा वर्षा मार मी के वरे क्षर मार विंव या धुःर्रेया श्रुवायमः ग्रेदाया दे छिदार्वि वाया ग्रुवाया थिवाया देवे खुवा श्र न्नासंभेन्या क्रासान्यक्रास्य स्वर्थात्र मार्थे वर्षे वेश न्मा क्रुव यथा ने वे साधिव है। यन सुर में व यह वा ने थि नन्या हैन धेरा रम्भेगाधेवाधम्मेवाधम्मेवाधमेन। यन्ममेवाधम्माविष्य रेगा मा धेवा या श्रुप्त पुर्नेवा रेगा मरावशुरा न छेपा धेवार्वे। दे वे श सूर्या देवा है मारे दिवाहेराया यहा मारा प्याप्त हैराया

लेव्याये से स्वाप्त स्वापत स्वाप षर्भिः स्वानिः ने अभागवे निषा केत्र नु शुर्मा वि स्वामि निष्या शुः हैग्राराये कंदा साय त्रारा तुरा से मिया सारा निया कुंया सर्वेदा मी क्रॅ्व-र्रे ने अप्यदे निष्णि हेर् र्रे देश पदि रेश ने अपदे व शे वु अपदि धेरा विनः क्षे रटःरेगायायव्ययातुरावहेंगायायटारेयानेयावदेवः यायार्द्ध्यायवे धिरावे वा श्रुवाये नि स्टामी दे में निर्देश वा । स्टा रेगायन्य अन्तर्भात्र भित्र स्वर्गा । दित्र रेगा ने स्वर्गा केत् धिर रेगा वेश मवे निमा हे न न ने साम वे ने साम ने साम हे न सी नु सा ग्राम ने साम वे नन्गानेन्-तुःशुर्रास्तेः श्वेन्देग्निः न्दिशःशुः हैन्यश्यादे स्वन्याद्यशास्त्र नन्द्रभाषाकुष्ठाळवाणेद्रभवेष्ठिमाने। धेवाळ्षाद्रीद्रभवेष्ट्रम् व्यान्याने प्रवयान्य प्राप्ताने प्रवेश क्षेत्र प्राप्ता हेया ग्री हिंगा प्रया क्षेत्र व रेगा पर लेव परे र्श्व परे देव अर्देव अर्देव श्रुय र्श्व रेवि यन गा हेन थिव यदे भ्रेम यम्पित्रमे र्वेत्रमे र्वेत्रमे र्वेत्रमे स्वाप्त स्त यदे श्रुव हो दासे प्रमा श्री प्रदेश स्वास्त श्रुस दे ही देव ता है स

येट्रर्र्र्र्र्र्या क्यायायया श्रुवायाये हिम्रायायया है। वन्तर्ते। ने न्तरव्यव्यवन्त्रवर्त्त्रत्तर्त्त्रा । ने रामाने भूरास्ररास्र धेव। क्रिके देव धर धेव प्रश्ना दिव वे गवय इ हेर र वर्षेत्र डेशप्तवुरानायमा ने भूरान द्वी रेया ने नुसुरान हैं वर्षा ने भूर वहेंव सरेंव शुसा ग्री कु पोव पा उसा ग्री सा कें वहेंव प्रार्थ सेंव श्री सा मानयः गुरायेर् रासेमार्थः पराष्ट्रया पराय्या मुराते। रे सेमार्थः प्रवसः श्रीः र्रेष:र्नेन-तुःशुर-पवेःर्थेन-र्यः नेःर्थे प्रदेन-प्राप्त अर्मन्यः रदायन्ते क्याया परिदान्ने दाये प्रमाय के स्वाय के साम्या के स्वाय के साम्या साम्य साम्या साम्य साम्या साम्या साम्या साम्या साम्य साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्य शुअ ग्री मावय ग्रम पर्दे द मे या शामा माद मुद माद विवा श्री सा सा धीद यवि भ्रेम पर में पेर वया भ्रे में या देव दु शुर यवे भ्रें व में पेर में यहे व न्नरः सर्देव श्री मा बुर रेव भीव भिष्ठे मा ह्या सामसा वर्दे न वा र्रे वहें व निवर अर्दे व श्री सूर शुर पवे से वा निवर से या उवा के वहें व न्नरःसर्विःशुःगवयःशुःधेवःयरःष्रया नेवेःशुःधेवःयवेःशुरा वेशः यर वशुर नवे भ्रेर मिं वरो में वहें वर्न न मार अर्देव के मार वहा हिंद धेःर्रेयःर्देवः र् गुरः यवेः श्वारेषेवः स्वाराः भरः यवेः श्वीः वकारे हिंगकाः यवे क्लें साधिव प्रमान्न हिंदा दे त्या महार्देश व्या महात्र प्रमान

बीर्न् निर्म्य भिर्म के स्थान के स्थान

भूनरायदेन। समयन्धन्यन्ति। विन्यायः स्थित्रः र्रेट्रिंग ग्राह्म क्रिया क्रिया मान्य ग्राह्म ग्राहम ग्राह्म ग्राहम ग्र य। गविष्युम्भःग्रीःर्व्यन्थःन्यायाःय। स्टास्यायःग्रीःर्व्यन्थः नन्द्रभास्यम् स्थान्य मन्दर्यं नदे श्री रहे। वह्य महिषा पहिष्य सर ने अयं दे नद्या हेट नुःशुरःभवेः श्रृवःर्रः न्द्रिंशः शुः हैग्रयः भवेः र्र्षन् सः वत्र्यः तत्र्यः न्यः नविव यदिर पार दे सूर नसूव रावे श्रेर है। ग्रेश रायर वेश रावे नन्गि हेन नु शुर पदे र्श्वे देश मान्य नु या वह्य र नु र देश र नन्य धराया बदार्श्व र्से भ्री रेषार्देव दुः बेव धरे हेषार्देर भ्री रेषा दुः शूरा मिते र्श्वेत र्रे मान्य गुर गुरा मिते रहे । यह वह राष्ट्र मान्य विश नश्रुव पति धिर

यहिरापार्थः हो र्वा प्रत्यक्षायात्र्यः यह स्व प्रत्यक्षायः स्व प्रत्यवे प्रत्यवे प्रत्यवे प्य

माशुस्रायायायाचे मान्याये ही ही रिया ही रिन मान्या मानुराह्मस ळं ५ आ अ ५ इ ५ ५ में १ के १ है। रें या ही १ दें वा १ हे ५ १ हा ५ १ ५ १ में र्विदे र्क्षन् वर्ष्य श्री द्वारा विवा पीत ने मान श्री में निया वर्ष मान श्री मान श् धे देव ग्वावय ग्रम् प्रमायेव से मेग्रा मिरे धेम प्रमा ग्राह्म स रद्दारा विष्या वालया च्या चेदा में देते हैं। लेखा में सुरद्दा है। र्रेयर्देवरवेर्षेद्रवर्षा वेश्याप्य श्वराप्त देर्धेर्धेर्धेर्भेयाववय ठु ययदा वेयायदा अर्थेयाया स्वायाया ने में याया प्रति । से दे हिम् हग्रमाश्री सार्नेरावया तुसायहें दाहें गारासासारे सार्वे श्रीराहे। देसा यान्धन् प्रदेशके भ्रिः में त्र मेगायान्या न्धन् प्रदेशके म्दरमेगायान प्यतः

याधिवारामाराविमा नेयायाधिवावामा इताम्याधिवाराया । मुरा लर्पायक्य कूर्यस्याविकाश स्टालिकाशि इसारा वरायहा क्षें वशक्षें वर्षे वर्षे वर्षे वाष्ट्र में स्वर्धि क्षे स्वर्धि के स्वर्धि क हैन्-नु:ग्रुम्-प्रदे:श्रृंव-र्रे-नृर्देश-शुःहेग्रश-प्रदे:ळन्-स्रव्यक्ष-तुम-ग्रुशः मवे र्क्षन् वर्षा श्री इस मान्या ने स्मानित पीत से मानित से प्रमानित से प्रमान कुंवा अर्घेट वी कुट ग्री र्वेद वहेंद अर्देद शुया १ समा शु र्रीट पदे रट रेगा सर्देन शुसारे प्येता वन्न सार् रेन साथेन प्रवेश स्था महिसा महिसा मारे रा वया दे यः रदः खुयः श्री ह्रासः भरः नः नदः विग र्वेदः र्वे प्रायः भ्रायः हिंग्रास्तिः कंद्रासाधिव प्रदेशियः है। कुषासर्वेदानी कुट्रा शेर्मेव में। ब्रिट्र नवे रूट्र ने वा अर्दे व शुअ देश शासी वा शासे में में से किंद्र अशासा न्धेनामानम् भुनामान्यः हिनामानम् नाडेना न्धेनामानुसमान्यः शुर्मित्तः यथा वेशःश्रीवाशःग्रीशःनश्रुवःधशःग्रुवःधरेःध्रीमा धरःविःहेवा वेशः मवे निवाकित् नु शुरामवे क्रिं निवाकिया है। नेवे क्रामा निरामका ने याग्रम् नु से सु नदे ने या मार्कन्या ने निर्मे या सामित्र में निर्मा सामित्र स्व सःदन्नरानुरानुसःमदेःस्ट्रायन्याः श्चीः इसःग्विगाः देः स्ट्राय्वेदः धेदः

वेश बेर न शेरी माश है। दे श्रूर द अर्दे र द व मे या है। दे या मी र्देव प्रवाद विवा वावय ग्रम ग्रेन भारे दे के के विवा क्षेत्र भारे प्रवास यर लेश या वनवा लेगा गालवा ग्रम ग्रेन या नेवे के ते। लेश निमा र्रेयः र्रेतः ते : वेरा श्रेरा श्रेरा श्रेर्या श्रायरः ने श्रायदे । यह गा हेर्पेर्यर्यं व्याप्ता वेशर्रा रे.हेर्ड्रिस्डेर्ट्याम्बयात्रायदरा वेश र्श्चेराश्चित्राश्चरा ने भ्रेर नेया निवान नाम निवान नियान । ने के निवस्तानिया हिन्दी विश र्स्सिया से प्राया ने के विश श्रूर वरे हेर है। वेश र्रेग्य र्रेश्य रिग्य पर प्रयाप पर विर । यर्रे में पदे मुन्या हे मून भ्रुम पदे कंन द्रम्य गहे मान प्राय इसाम्बद्धात्रं त्रायायह्यायाया सूत्रायदे देवा सामा धेर्मा सम्यायदे । र्श्चेत्रवह्यामित्रे धेरप्राप्त इस्रायावया ने श्चित्र ने त्रेत्र सेर यो प्रवर्ध र्शेग्रामा ग्रीमा प्रमाने वासमा इसा देया पार्मि विदेश्चन प्रमान प्रमान श्रे त्युर नदे भ्रेर ५८१ अन्य १८६६ गर्डे नेदे रहे । वर्ष भागी इस मानमा प्येत्र त्य रदः हेद रहंद रव्य श्रामानयः माश्रु श्रामी स्वर मी रहंद मालयः माहे सः सर्दे : हे : मरा । मरा खेत : माले मा - में सामा - मालयः विमा - मालयः -

धुःर्रवःर्द्वः तुः शुरः यदेः श्रृंवः र्यः माववः ग्रुः श्रृंवः र्यः धुःर्रवः र्द्वः तुः विवः मवि हिंग दिर धे देव देव दु शुर नवे क्षेत्र मेवि हमाम नर त्रा देव गुन-ए-गुर-भने-बूद-रे-निर्माश्र-हेग्यानिक कर्ना या वर्ष स्वर्मा गुर-गुरा मदे रहन दर्श में किया निया ने स्रम्म प्रिया विया ने साम ने त्याप डेगान्से। नेशामने निमानि निमानि । नेशामने निमानि । नेशामने । मित्रे किन् सार्के अरुवा सक्त हिन ने मान्या सक्ति हाने वे हिन वर्नेन वा नेवे हैं गार्रे र व्याप्त प्रमा विष्ण निर्मा निर्मा विष्ण निर्मा निर्मा निर्मा विष्ण निर्मा निर्मा निर्मा विष्ण निर्मा निर्म मवे र्श्व में नर्रे भारा है गया मवे कं नाया के या के या विकास में नि वया सळव हेर नेवे हेरा स गुरावा रे रेर मया है रेय रेवर शुरायदेः श्वारी ने हिंगारि ने राष्ट्री रियारिव न् शुरायदे श्वारी थिव यथे धिरा वेश बेर वेट। र्वेद रें धे रें य रें व रें वेद रें है रें र्यः द्वार् शुर्यं स्वर्धे वर्षे वर् गश्याग्री वर रहन ग्री गावया ग्राधिव र्वे वि वया वर्ग म्या मिरा ग्रिश याष्ट्रियासेन् ग्री यदामन्य देशासर में बिरायम्यायायाम्य त्रूर्यासर षदःशेस्रशःहै। नेशःमदेःनद्याःहेदःग्रेःनदेवःग्रुनःहुनःग्रुरःमदेःर्श्वेदःर्भेः

र्नेश्चार्यात्रेक्ष्यं स्थात्र्य्यात्र्यं स्वार्यात्र्यं स्वार्यं स्वरं स्वार्यं स्वरं स्वार्यं स्वायं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वार्यं स्वायं स्वार्य गश्याग्री वर कं व ग्री गविया ग्रा निर्मा शु है ग्राया परि कं न या या पी व न्मा श्रेम्यम्बर्ग्याम्यदेश्वर्भन्मित्र्यम्यदेश्वर्भन्नियास्य वर्च अः ह्रेचा वाश्वस्य सदे रक्ष्ट्र वर्च श्रामान्य वाश्वसः ग्री स्टर क्ष्य र र ग्री र मदे ग्वावया हु हिंगा रायदे किंदा सर रेगा राय राये से प्रवाद हिंदा है स धीव'व'रे' श्रेंव'रें 'श्रें रेंप'र्रेव'र्, 'वेव'प्रे हेंग'र्रेर 'श्रें रेंप'र्रेव'र्, श्रूर' धुःर्रवःर्व,र्गुर्यंत्रः र्वेद्र्यंत्रेत्रं देव्ययः ह्रेग्गण्युयः पदेः क्र्यः द्वयः ग्वियाग्रुयाग्री, वराळवाग्री, ग्वियाग्रुराग्रिन्ग्रीयाप्याञ्चर्यान्द्र न्रेंशःसं यदर ने सूर धेव मंदे हिरा

निवास्तर्भाष्ट्रम्यास्त्रिक्ष्यः स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस

वर्च अः ह्रेया गश्रुअः यदे नश्रुव रुदि गर्डि में र ग्रुर यदे रुद्ध वर्ष ग्री र इस्याविया धिवा नेरासा बनार्स्व में गाविया ह्या स्वारी देवारी वेसामा भरा वशः र्वेव रें। या ग्रम र रु से सु प्रेर ने या मार्क र या रहा। यह या रु स्मर निव्यात्र्यात्रात्रे स्वर्षात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रे स्वरं निव्या ळ्ट्रत्र्य्या श्री द्रया पाविषा धिव पा ळ्ट्रत्य्य या ट्रिया वे र्स्ट्रेव र्से पाविषा ह्य रदः खुषः ग्री: इस्रायः ११ र नदेः क्षे न्वरः क्षेत्रः विष्या वार्यरः दुः से सुः नवे नेश राक्ष्य स्रा स्रा निम्मा है द्वा मुस्य में ने स्था स्रा हैंग्रर्भार्यते रहें स्थायन्य राष्ट्रिया वेर्या स्थायन्तर शेर्प्य राष्ट्रिया मर्ते । भ्रम्मन्य प्रदेशियार्डें में ते रहे रहे प्रमुख गी मुन्य प्राविया प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रमुख प्रदेश वःस्टःरेगाःवज्ञशःतुःश्रे। वेशःधदेःश्लेनशःवशःगर्डःर्वेरःवश्वःधदेः ळं ५ व्यक्ष ग्री इस मान्या धेव प्रका हिन है। मानु र वरे इसका सर्दे क्षेत्राने वकत् होता धेता प्रदेश होता धरावा सरामे त्रा स्वा स्व स्व स्व मदे अन्य पद्रिके कर प्रम्य या निया ग्रिया श्री स्या ग्री निया धित त् द्ध्र-धिव से निर्मेश है। वन्न संहिषा गहिश सदे न सूव निर्देश गर्डि ने र शुर्राप्रवेरळ्ट्रप्रव्यश्राश्ची इसामावमाधिवाद्य अराव अराव स्टार्समायवस्य स्टार् है। वेशमित नहून गुति गर्डि नें मार्थ मित्र स्विम मित्र स्विम ग्री हमा गविग

धेव न्वें रायदे हिर है। विहेश यदे विद्राहर स्राया सर्वे केवा ने वकन ग्रेन्थित्यदेश्चिम् अम्बा अम्ब सम्मिष्य स्वर्थात् से वेर्यामः भूनशायदेवे कंदायज्ञ यावया ग्राश्या ग्री वदा कंदा ग्री यज्ञ या नु देश वहें व शे मान्द प्येव ग्राम विदेश में दें में वे इस मान्य थेव वा थर वःस्टःरेगाः देशः पदेः देः सूरः धेवः पश्याध्याध्याः सूरे। सर्देः केंगाः देः करः यासिदे प्रविश्व मार्से पा गार्स सामित स्व निष्ठ में में में मार्स में स्व स्व मार्स स् वर्षायाविषायाश्वराश्ची वराळवाश्ची वर्षा या स्वर्षा या विष्टा धेव गुर्। सर्दे त्र्र में मा मा सुस मदे मार्ड में दे के दि स्य मा ग्री हमा मालमा प्येत्र त्र अर्दिर प्रत्य राहिमा माहे रापिर मार्ड रेविर क्ष्य प्रत्य राहि । इस्रामान्या धेत्र प्रसास हिन पा सु तु धेत प्रदे हिन या नि नि ने वा नि न निया महास्यामा ग्री कहा प्रमान है। या पि हिया सह से परे कुर ग्री सेंब वहें व सर्व शुसर्के श उव। सर्के व मु ने म न म सक्व के न ने वे में म वर्देन्त्रा नेश्रामदे नन्गा हेन्त् गुरामदे र्श्वेन्सें कंन्स्स हिंग्स मित्र सर्ने के मार्लेन मन् मित्र मित्र मित्र मित्र में मित्र के मार्ले मार् उत्। रट:हेट्'ग्रेश:ध्रे:देव'प्रशायेव'रावे'ग्रुन'स्रवतःदे'ग्रुन'स्रवतःह्रसः न्गानु।वर्गायेदारादे।यादात्रमाधिदारादात्रा अर्दे।श्रेग्राधिदारादे।श्रेरा

है। ह्याश्चायश वर्देन्द्रा ने क्रिंश्चरा विश्वायश्चरा हैन्द्र स्वेर्श्चरा स्वेर्श्चरा स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्व

#### ग्वियानु न्दर्स्त्र सार्देश ग्वानु दान प्रस्ति।

निष्ठभायाळेत् सान्दानाव्या द्वार्ट्स ना व्याप्ता निष्ठ से विष्ठ स

वर्रे हिन् श्रूश्या गर के श्रूर न रेवे ग्वावया है। किं सार्र रेवे वर्ष्य भारतः दे। विदेव स्थाने वाका मर्वे ने प्री भी मा विषय मा नि वाक्ष्य मान्तर यात्र्या वेयाग्युरयानेटा नेप्रणामीप्रमेर्द्यायायमेयाया हैं। नन्गाक्सायरान्ह्येरासेन्ग्रा । सर्वेदानाक्ष्या क्रिया । गाबुर प्रायद्वेत या श्रिर न प्राया । या प्राप्त थ्रम । वेद हिंगा यर प्रश्नम। वेशावतुरानायशा ग्राह्म स्वामाश्रास्था म्याववर्त्र श्रूरानवे र्त्ते. ने. ही. द्वे. ये ने या विवादी या विवाद ग्राबुद्दार्द्दित्र देगा ग्राशुंश ग्री केंश प्रस्र शं उत् ग्राचा वित प्रदान प्राय नवे भुरा वर्वेदे र्नो पेर्ने ने नश्रुव नर्डेश य ग्राम्य पदे र्नो र्न । यहेगा हेत यः म्यास्य सदे प्रो माहेस र्षेष्ठ सदे हिम् प्र रें रेषेष्ठ दे। द्येर्य, द्यं द्यं र्यं या राष्ट्रिया विश्व रुषार्श्वेग्या । दे.ला.चार्च्यायार्ट्यायायाल्या । इसारा.चाल्यार्थेटा उत्राम्य । ने सूर अर्घर न से न से स्थित में विकाम सुरकारा से माया र्वे सुरवि द्वेर हमायामित्र या मुना से दिने राव मार्मे राखा रहा हमा व। किट्ट केव में र श्रूट न नवेव। वेश गराहर शर्श ग्रुन मंदे भी

मावर प्यट भ्रि देव सेट व रहट प्रच्या मावय माश्रुस भ्री द्वार मावया से वन्नन् भे न्में भ ने। मन्नन् वित्यं में मान्यं न्में । वित्यं भेत् व्यन् मालया गुर्दा । यह या ग्रेन्य स्था गुरामात्र साय दी। । वे सूर हे सा शुःश्वरः नविवः ग्रुशा विशः गशुरशः मः स्वरः धिवः मदेः धिरः। क्षरः यग्रशः मावयःगशुर्यःग्रदःश्रदःनवदःसःश्रदःनद्याःहेदःगठेगःहःग्रुवःसःधेदः है। द्येर द वर्दे द कवा या स्वाया स्वया स्वाया स्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वय नवगामन्। विह्यानुव्द्यानेन्व्याम्याम्याम्याम्या श्रुरः वरः ह। वेशः वहुरः वः यथा वेशः धः ररः वीः वर्षाः हेरः वावयः गुरागुर्यासदे रहन वर्ष्य याविषा गार्य याने ररा रेगा गविष रेगा गुर याश्वरावराग्चाराधेदारादे श्वरा द्येरादादेंदाळग्यार्यवायावया ह्या ने श्रिन् होन श्री प्रदेश त्रमा कराया ने श्रिन् होन श्री प्रदासा तुःधेवःयः नवेव। वेयः थुः नगरः र्ह्मेयः नन् नः हेरः। क्रेयः यक्षेताः गोयः यर्रे सेययःगुद्रायःश्वरः वरः वाश्वर्यः पः प्राः कृदः वया ध्रायः वेयः यः इट्टर्स्ट्रे स्वायः गुद्रायः श्रुट्रयः या श्रुट्यः यः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व र्षित्रमध्येत्रमधेरम् हे भूत्रम् निष्मत्रम् सम्मार्गम् सम्मारम् सम ययर हम्म श्रीं र नित्रा हिर श्री । दे निया सर निया श्रीं र निस्तर सुर

। १२.७४.४८.७२.५.०२ । यावत्य श्र.४८.४ या. प्रयं या. या. वियायगुरानायया वियामार्या नियामार्या नियामार्या नियामार्या रैग्रम्भर्भदेश्चिम् विन्द्रमे। गुद्रम्मुम्भरम्भरम्भरम्भरम्भ भ्रीतिवर्ष्य स्टार्म्या स्टार्म्यात्वर्षातुः धीत्राप्ते भ्रीस्ति साध्या भ्री नन्यात्यात्रहेत्रमदे इसामा वेस्य । विन्यासु यार्केन्मदे नन्या हेन्ने। । उटा हेट हे या गुरळ दाया द्वा । यह देवा हे या दे या दे या हु प्रभूदा हे या वर्द्युद्राचात्रमा गुवाचहुमासु स्दर्भमार्क्षद्रास्य वित्राम्ये कःयःन्वेरिक्ष। इस्रायबोयःयन्रेरःने यत्र्राः तुरः न्वन्यः व्या न्मेरिकासवे भ्रिमाने। गुनानतुका शुष्यद्देन द्वारी हैन वार्कन यान्य रटारेगा हेशान निराधि धिराद्या वर्दरारटारेगा सर्वेदा ग्रुरान निरा यवे श्रेम

### र्ग्राट-त्रिन्न्रिक्ट्राय्य्या मान्या त्यन् प्रति सुन होन् नस्र्राया

# मवे भ्रम नम्से खेन ने।

## र्त्वे क्ष्यामहिषामा उदानु सुनामा

ध्ययः नेरारे धिः नेरायाधी वेरायवे रेग्रायरा सुराय रू ध्रेमः इतः यायमः गासुरमः है। विमः यदेः रेगमः यम् सुनः या गिर्मः र्थेन्यदेश्चिम् न्यर्भे र्थेन्ने अर्देश्चम खुक्य क्रियान्य क्रिया मदी । नुर्रो नम् र्से प्रें प्रें कुष मिहेरा है मान्या म्याया मान्या विषय । धुव्यः वे वा त्रुवा रुप्यः र्शे वा रुप्यः स्ट्रे। वा दः वो रुप्ते रुप्तः वे रे दे व द्रा दरः श्रूर नर्दे। ध्रयः नेशः रावे गार ध्रयः नरः हेशः शुः सश्रुवः पदेः नेशः रा है। नेशम्भूरम्पर्राप्तरम्भूरमित्री वेशम्पर्म नेविष्टिमनेशम्य कुंयामिक्रेयाधिराधरामुनार्च। वेयाम्बुर्यानेरा देग्म्ब्र्याचेर्या वर्तरावर्षेयामवे प्रवरात् ग्रुमा श्रुमें वाष्यामा मान्यामा न् नुश्वात्रशक्षें द्वापाष्ट्रियापाष्ट्रियापाठवान् क्षुनायान्या विः निवाययान्त्रा मदे नियर र विश्वास्य में द्वार महिशास उत् र भूता मार्टि में द्वार महिरापाउदानु सुनानदे रेगारापावदानस्दापाद्यापार्या यवे श्रेम

#### 

न्दःसं खेन्दो स्वायास्य वी वाल्दाया नहेन्द्र सेवाया साम्दर । इसायमेवासहरामाराहेरामेशामानियाने विस्तानियाने विस्तानियाने र्थिन् प्रदेश्चिम् न्दर्भे र्थिन्ने भ्रिम् श्राम्य में मान्य प्रदेश स्था वळन् खुंवान्ना शुराने वानहेन् न्यान्या स्याप्योवा सहनायमा निया मःगाववःनश्रवःमःगावेशःशुः भेनःमवेः श्रेमः ननः में भेनः ने। सर्ने नेवः रेग्रारायिः श्री त्रापळ ५ पा ५५ । यह देव के गा देव शे श्री त्राप्त १५ । मामिक्रमासु र्वे मिन्न निर्मित् मिन्न क्रियामिक्रमाम उत्तर् श्चनःमः न्या ने साधिवःमाया गर्वे न हो न मह्रवःमा गरे साहा धिनः मदिः म्रेम न्रःसंस्प्रिंन्ने। ध्ययः इस्रश्यायश्चि मुह्यः न्यः भीषाः राम्बस्थारुन्। निःयशाम्बदः कुः धेवादाषाः । विसादम्याशाध्याः ग्री ह्या प्रमाय विष्या प्रमाय विषय प्रमाय प बेशरावे नर ग्रीश पळ र पवे भ्रीमा गरिश मा भेरित है। इस मारे दे वे श ८८.वा । वावव श्री अ.टे. वविव हें वा अ.सर वश्या वे अ.स.वशा टे.के. र्त्ते दिन से द रहत त्युरा विशायवे प्रतर्ये श्री शायक द प्रवे से दिन

माहेश्यास्य स्टिन् केमार्टेन श्री क्षेत्र प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस् र्श्चिरः इसः नेसः ने प्यारे विष्या विष्यः यहिषः या विष्यः यह मा नेशमान्त्रीसान्त्रीसान्नेत्रा वेशमान्त्रमान्त्रीशम्बद्धमा महिश यास्प्रताने त्यानहेत् त्रशाह्या त्योत्या सहता प्रशासी वार्षा पावता नहता यः धॅर्ने देशः यरः र्ह्वे र्राष्ट्रवः ठेगः हु। विगः करः रुः वे र्ह्वे रावगुरः नदी । शुलाने ने लक्षा नावन ने निहा । इसा नाम ने का ने प्रमुन पर वगुरा वेशमात्रमा भ्रव हेगा हिंदा निर्मा समावगुरा हेशमि नरःश्रीशायकन्यवे श्रेम ने प्यम्मन्य प्रान्दि में नविवे में वर्षे नि ल्रिन्ने। क्रूव-र्र-न्रक्व-प्रहेव-प्रहेव-स्रुय-र्रुय-र्र्व ह्य-प्रविव-स धेव है। क्षेव हेग रश्चिम राष्ट्र सामित स्वर्धिया वेश सम विश्व स्वर्ध मेरा महिरास वित्र में मित्र मार्मे या स्ट्रिया संस्था मेरिया संस्था मेरिया स मिहेश्रास्त्राधिन्। न्रामें धिन्। विस्राक्ष्रायहायाम् ह्या मिहेश। सिर्परमा प्रत्या सिर्पा निर्मा विराप सुराय है । माहेशः श्रूरः मी प्रवरः नेशः विवर्ता र्श्वेतः में प्रदेश यहेवः सर्वेतः सुसः माहेशःह्रामाववः रु: श्रूरः परः ह्रामाववः रु: सः ग्रुनः परे छेरः रुरः। र्रेः स्वार्त्त्वार्यः विष्ठाः विष्

अव डिमान्सेम्यानेया है। स्विन स्वाप्त व स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स न्दःक्रॅशःनेःसवःक्र्वःवःन्न। व्रिन्न्भेग्रशःचेन्ःग्रीःक्रन्ःसःधिवःवः क्रॅश-दे-दिश्रेग्राश-तेद-ग्री-क्र्द-स्थापीद-स्थान्त्रन्। क्रॅश-दे-दिश्रेग्राश-तेद-ग्री-कर्ना अन्ता विन्द्रिन्नियाया होन् ग्री-कर्नाया धेवायया हानाया ने। हिंद्रिक्स ने द्र द्र क्षेत्र के वा द्रियाय देया धेत्र प्रदेश सक्त के द्र के या से द्र यदापारेम हिंदार्केशाने द्वाराय दुवाय दुवाय दिंदा हिंदा देश मारा हिंदा हिंदा है । ळन्याधिवावा केंबानेन्द्रीयायाचेन्ची क्रम्याधिवा वसःसूर्या सुरुष्य प्रमाधना के माने नियामा होना होना सामिता होना न्भेग्रान्तेन्ग्रीःकन्यदेःह्रास्युःश्रुम्याम्यान्तानाने। विन्केयाने

र्श्व में न्द्र श्रें वहें व न्वर सर्व स्व स्व स्व मान्त श्रिव में न्से या या वेद्राची ह्या शुः भ्रेयाव र्षे प्रदेव द्वर्य प्राप्त व्याप्त विद्या कर् सदे ह्या शुः भ्रेया प्रमाध्या कृष्टि व प्रमाय स्वाप्त ळ्ट्रसदे ह्या शुः क्रेया व क्रिंदि में प्रियाय होट्र ही र क्रिंह्य शुः श्चेराम्याध्याप्राचाराने। ने महिषाञ्च व हेमान्येम्यारेसाधेव परि सक्त हेर्डिश बेरा धरामावव र्म क्रिं में प्रमें कुंव च न न ने महिरा न से मारा हो न मी कि न साम है स गठिगामाने गहिराख्नुव छेगान् भेगाराने साधिव मदी सळव हेन। छेरा वेरा याया विरासक्यार्टिनें गिठेगायारे खूद ठेगा द्रियायारे या थी र्ने गिरुगरिः क्रिया स्थानि स्थानि स्थित हिया निर्माणि सक्ष्य व। र्वेव पहें व अर्देव शुअ र्श्वेट रोट र र रेग में श हें गुरु र वें श रावे धेरा गहेशया अरियाश है। क्रेंप्यहें वर्षन्य अर्देव ग्री क्रूर ग्रुर परे र्शे पहें व प्रवास अर्दे व पे रेशे व पहें व प्रवास अर्दे व प्रिया श हो प्र रो छ व प

यदे हे या शुराया क्रे या पदे हिमाने। क्रें प्रदेव प्राया यह वा ही हे या शुराया श्चेरायवे भ्रम वियासे। र्रेपदें वाप्याय स्त्री र्रेपदें वाप्याय स्त्रीय स्त्री ने। ने भूर व र्थेव रें निर र्थे पहें व नियर सरें व भूव रे या निसे या स देश शुः ळ द : अश गुन : पदे : गार : वग : धेव : वा दे : गारे श : ह्र श गारे ग : हु : ळं ५ 'सम्राप्ते स्वाप्त विष्ठ । स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स् धेरा नविन्याधराभ्रीरिवामायरामया हेमायास्य सारे हिर्पु म्यानि धेरा थ्रःमः न्दः ज्याः मः भद्रा क्षेत्रः म्द्रः म्द्रम् । न्नरः सर्दि । सून् रहेगा न्सेग्र रारेश सुः स्ट्रा स्था सुनः प्रदे । यारः व्या धिव व। ने गहिम रें गिर्व विषा हु क्ष्य स्था ने साम माना धिव न्वेरिंग्यम् व्याविद्या वर्षेत्रम् व ने याहेरा ह्या यावव साधिव प्रमः कर स्थाः ह्रियाश्वास्य विषयः विदेश ह्रीतः विदेश हो स्वार्धः निर्मेष्ठः र्ये से ह्या या या हे सा सव र दुंव या प्राप्त या या यो से प्राप्त यो से यो से या से या से या से या से या से या ग्रद्भव हेग दिश्वाय देया या भिव भिव हि से हि स देर हा भिव हैं न्भेग्रास्त्रीन् श्रीः कन् सान्ना क्रिंन् से स्वास्त्रीय्या सान्नीन श्रीन् श्रीः कन् अ'गहेश'ग्रुन'नरे'ह्रश'ग्रेग'अ'थेत'मदे'म्रेम्। रट'स्ग्राश'ते'र्केश'

सर्क्रिया योशा अव रहेया यर वे र तुरु र याहेया यर्दे। । द्रश्रेया श्र र वे र हेया श्र मर्ते | देशमान्ते वियामर्ते विशान्ता इसामन्ता स्वामे र्वेतमा नवे क्वें न्दा । क्वें वहें व वहवा नवे क्वें विन सहसा गुना नदे ह्या गुडेगा धेव'म'नुस'वस'धर'यन्य थं से से द'स'सर'रेग'सर्दि सुस'र्क्ष भं स ह्रेग्रायाधीय है। वेयाग्राह्म अस्य स्वार्थ प्राप्त स्वार्थ स्वार्थ प्राप्त स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्व सर्वि सव दुव मान्त स्व में व में निसे माना हो न हो । के निसे व में व में व में व न्नरः अर्देव न्येग्रा होन ग्री कंन या वज्य ये से स्ट्रा क्षेत्र हेगा हु गावर्यायाने र्श्वेत्र से निर्देश यहेत्र निर्देश स्वर्थित स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं धेव मदे सळव हे द धेव दें। दे त्य किं व दे। कें तहें व धेद से व कें नुश्राश्रु श्रूव में पेंद्र प्रमा विषे द्वा श्रु श्रू प्रमें प्रमें किंद्र स्मा पेंद्र प्रा ग्राट विग्र क्रिं में प्रदेश प्रदेश कर्ष अपादिक क्षेत्र क्षेत् लेव्याये भ्रेम भ्रेम्यायमा वर्षेत्रम्य भ्रव्याम्य वर्षेत्रम्य कुः संधितः प्रमः वयावी वर्षे द्रिया से स्वार्षे व्याप्ति । व्याप्ति व्यापति । व्य र्बे. यहेव. लेट. अर्ट्व. शे. कें. लेव. या याट. लेग र्बेच. सं. ट्र. कें. यहेव. कट. यानिका क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मानिका वर्षेत्र स्था स्था वर्षेत्र व। र्वेव में स्वार्थ वहेव थे दार्थ के के के का थेव मान का विष्टित थे

तुशाने। क्रेंपदेवान्यरासर्वाने क्रेंपदेवाधेनासर्वा क्रें खेता ग्राट विग क्रें व रें प्रट्रे प्रहें व प्राय अर्दे व ख़्व के ग्राप्य के ग्राय के ग्र धेव परे भेरा इन्ग्राय प्रत्ये में प्रदेश के प्रति व के रटानुकाकुः कें वहें वाळ दाया धेवाय दे हो या विष्या हैं। वा नर्देश रेवि कुवे नुश्र शु नर्देश रें पेंद प्रमानवा नर्देश रेवि कु ने गार्द्रानुष्राशुर्द्रिकार्थे धेत्राधित प्रदेश द्वितायात्रका धदार्वित् दे। र्श्वर्रे न्दर्श्यू सूर न्वर ने या सूव के या न्ये या या रे या धीव सर मा र्श्व र्स निर्मे प्रदेव निवर सर्व भूव के गान्से ग्रम रेस पीव परे धेरा हगरामया वर्रेन्ता कें सूरन्तर नेया जें न्यं कें वर्षे कें प्रें न्वीयास्य वयाले। विर्नेन वा क्रेंब में क्ष्म अया या नियम या नियम मुंग्राक्षक्षाक्षा नेरावया नेवासी नेरावया ग्राम्यासी में नामिता यार विया यारश रे र्श्वे त र्रे र श्रूर प्रते प्रतर केश र्श्वे श्रूर प्रतर केश याधित्रमदेखिराहे। देख्वार्यासूराध्यानु होत्रमदेखेयायायाधितः मवे भ्रिम्ते। ने वें मा ने अ धीव मवे भ्रमे मिं व में मिं व में में मिंव स्यायायार्यमा नेयाधिताया क्रिंतार्या सूराध्या नुत्रितायाया

ध्वर-विकासम्बन्ध सेस्र ह्या विकास स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

धर्मिं वर्रे। क्रॅव्सें न्हर्ने निक्षणिव वर्षे क्रिं निहित्त निक्षणिव निक्

न्यान्तः ने। क्रेंन में न्दर्ने प्रदेन न्यान अर्देन क्ष्रेन क्षेया माने भाषा र्नेव सेन प्रति श्री संवित है। ने स्मान्त्र क्षा स्माने स्थाने स् डेगान्सेग्रम्भारिकार्यदेश्चिम्। र्षेन्द्राने क्रिंग्विक्या न्मा निवामक्यायका क्रिंनिर्मान्मित्रेत्रिः क्रिंनिमाञ्चन केमान्येमकारा प्रथमा मिन्न किया मिन् मः इसमः ग्रेः ग्रुनः र्नेवः पेनः ने। ने श्रेनः नेमः नुमः सूनः नः पेम। निवः वेः नेशायशाम्बदाशेदाय। विवासरास्यातुरम्यादायातेत्। वेशायवूरा नायमा र्वेत्रमें न्दर्वे पहेत्र अर्देत् सुमानिका निका प्रिका मिना प्रिका प्रिका मिना प्रिका प इश्राम्बद्रास्थित्रायान्त्रेम् प्रमास्य प्रमाद्राप्त स्थाने स्थित् वि व ने। ही नेव पर्वो वा पर की नेवा या है। क्रिंपहें व सर्व शुरा ही प्रश्रेयाया मेव भेर भरे भेर मुगवन रया वे भेर व भर। । रयर मेरे के इससासेन्यते भ्रम् । वाद्यास्य हेरा हेरा द्रिया वस्य हेरा वेरा वहार या यश। र्शे.पहें व.शह्य.श्रेश.य.रेयर.लुरे.कश्चावय.राष्ट्र.श्रे.लूरे.राष्ट्र. धिर ले व। भे त्वर दे। गय हे सर्द्र राम रे साम मित्र यश रेश

मर्से शुर्वि वेशत्त्वुर्गायश र्थे वहेत्रन्नरस्वेत् ग्रीन्सेग्या र्शे.पहें ब.रेचर.अरूब.र्शेव.सुव.सेव.क्ष.केव.री.वार्ड्स.सूर्य.श्रे.श्रेर. होत्राम्भात्रा नेत्रान्ध्रम्भाक्षेत्राध्येत्राध्येत्रम्भित्रा द्वा इयारेमा मदे में त मार्थ अ मी देश मान्या है है में में ने अर्क्ष है न अर्दे हैं न अर्दे हैं न से में अन्यासु निष्ठा प्राचित थीत या सक्त प्रावि से यह निष्ठ प्राचित सम् र्श्वर्भे र्श्वर्भे प्रम्यान्य व्याप्ति स्त्रि स्त्रि स्त्रि में स्त्रि में स्त्रि में स्त्रि में स्त्रि में स् मुवायनग्रायायायीवाविदा। क्रियहेवाद्यदास्वाक्ष्यायेवा र्पर्डं नेंरर्द्य शुक्तेर् छेर् छेर् छेर्य सप्टा रेरे क्षरक्षेर् छेर् र्श्वर्राने र्श्रे वहें व नगर अर्देव की व्याप वहें गाप वे नशे गया की व गिरेश्यान्त्रस्यात्रोयासह्दायास्य हेन् सीर्यान्य मिन् दे। नगरासेवे हिनासरा श्रीया याया परा । विया साम्या याहेया गा न्याःग्रम् मुः अः धोव। विशायदेः नमः ग्रीशायकन् यदेः श्रेम।

#### म्री-द्रिन्निम्माञ्चरम्याये द्रवर्त्त् नुमान्या म्रीन्याया हियाया हियाया

स्वायास्त्रिः द्वायायाः स्वर्णेवा वेयायदे न्वरः नुस्यः स्वर्णेवा वेयायदे स्वरः स्वर्णेवा वेयायाः स्वर्णेवा वेयायदे स्वरः स्वर्णेवा वेयायदे स्वरः स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा स्वरंणेवा वेयायदे स्वरंणेवा स्वरंण

## र्त्ते : र्ह्या महिषाया उत् : नुसून यदे : रेम्बाया मान्त्र न सून या

#### 

चित्रः च

श्रुश्रामा महिश्राश्चित्रामये स्वाप्ता स्वेत्रास्त्र स्वाप्ता स्व



พิศาริ์x:รุร:๑ร:ฆฺศาพัร:๕:ฉฺลฺณ:ฉฺฑฺสฺร:สฺ:รุฑฺล:ฉฺงฺูเคูเ tenzinwoser638@gmail.com